GL H 780.954
BHA V.2
122329
LBSNAA

राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
.demy of Administration
मसूरी
MUSSOORIE

पुस्तकालय
LIBRARY

अवाप्ति संख्या
Accession No. 122329 ~~16623~~
वर्ग संख्या
Class No. GLH 780.954
पुस्तक संख्या
Book No. BHA भातख

V.2 भाग 2

* श्री *

हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति

क्रमिक पुस्तक मालिका

दूसरी पुस्तक

[हिन्दी अनुवाद]

मूल ग्रन्थकार

पं० विष्णुनारायण भातखंडे

सम्पादक और प्रकाशक

लक्ष्मीनारायण गर्ग

ने मराठी से हिन्दी भाषा में अनुवाद कराकर

संगीत कार्यालय, हाथरस

से प्रकाशित की।

द्वितीय आवृत्ति

सितम्बर, १९५६ :: मूल्य ८) रुपया

संगीत प्रेस, हाथरस (उ० प्र०) में मुद्रित।

प्रकाशक—
लक्ष्मीनारायण गर्ग
सम्पादक 'संगीत' मासिक

पुस्तक मिलने का पता—
संगीत कार्यालय, हाथरस
SANGEET KARYALAYA
HATHRAS-U. P.

मुद्रक—
चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा
संगीत प्रेस, हाथरस में मुद्रित।

प्रस्तावना

संगीताचार्य श्री भातखण्डे जी लिखित 'हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका' (मराठी) के दूसरे भाग का यह हिन्दी अनुवाद संगीत प्रेमियों के सन्मुख रखते हुए हमें अतीव प्रसन्नता हो रही है। इसके प्रथम भाग का हिन्दी अनुवाद भी प्रकाशित हो चुका है उससे संगीत के विद्यार्थियों ने यथेष्ट लाभ उठाकर संगीत कार्यालय के परिश्रम को सफल बनाया है।

प्रथम भाग में हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के आधार स्तम्भ दस थाटों के दस आश्रय रागों की साधारण स्वरलिपियाँ दी गई थीं, वे ही दस राग इस दूसरे भाग में विस्तृत रूप से दिये गये हैं। प्रत्येक राग के अन्तर्गत प्रसिद्ध घरानेदार गायकों की कई-कई चीजें देकर इसे विद्यार्थियों के लिये अधिक उपयोगी बना दिया गया है। प्रत्येक राग के आरम्भ में प्राचीन ग्रन्थों के श्लोक एवं शास्त्राधार भी दिये गये हैं, तत्पश्चात् उस राग के सरगम, लक्षणगीत, मध्यलय की चीजें एवं विलम्बितलय की चीजें तथा ध्रुपद व धमार दिये गये हैं, जिन्हें भली प्रकार तैयार कर लेने पर विद्यार्थी का राग ज्ञान पक्का हो जाता है एवं उसका आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त होता है। इस प्रकार इस पुस्तक में दस रागों की ३१६ चीजें दी गई हैं।

पुस्तक के अन्त में प्रत्येक राग के स्वर विस्तार भी दिये गये हैं, जिनसे राग का अङ्ग अथवा चलन विद्यार्थी की समझ में आयेगा और उसका स्वर ज्ञान भी ठोस हो जायेगा। इन स्वर विस्तारों में विभिन्न स्थानों पर कौमा (अल्प विराम चिन्हों) का उपयोग किया गया है, उनका विशेष महत्व है! अर्थात् राग-विस्तार में दिये हुए अल्प विराम चिन्ह उचित स्थानों पर थोड़ा सा रुकने के लिये संकेत करते हैं, यह बात विद्यार्थियों को ध्यान में रखनी चाहिये।

इस पुस्तक का प्रथम मराठी संस्करण आज से ३३ वर्ष पूर्व अप्रैल १९२१ ई० में प्रकाशित हुआ था, अब इस हिन्दी अनुवाद से राष्ट्रभाषा हिन्दी के सङ्गीत विद्यार्थी भी पूरा पूरा लाभ उठा सकेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है। इसके अनुवाद कार्य में श्री वामन नत्थोपंत भट्ट एवं अन्य संगीत विद्वानों से जो सहयोग प्राप्त हुआ है, उसके लिये संगीत कार्यालय उनका आभारी है।

वसंत पंचमी
संवत् २०१०

प्रभूलाल गर्ग

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ
प्रस्तावना	६
तालों का खुलासा	७
चिन्ह परिचय	८
मङ्गलाचरण	९
शास्त्रीय परिचय	
सङ्गीत	९
दक्षिण व उत्तर पद्धति ...	९
नाद	९
स्वर	१०
सप्तक	१०
स्थान	११
मन्द्र, मध्य व तार स्थान ...	११
शुद्धस्वर	११
विकृतस्वर	१२
तीव्रस्वर	१२
कोमलस्वर	१२
थाट	१२
राग	१३
वर्ण	१३
स्थायीवर्ण	१३
आरोहीवर्ण	१३
अवरोहीवर्ण	१३
संचारी वर्ण	१३
औडुवराग	१४
षाडवराग	१४
संपूर्णराग	”
अलंकार	”
वादीस्वर	”
संवादीस्वर	१५
अनुवादीस्वर	”
विवादीस्वर	”
वर्ज्यस्वर	”
स्वरमालिका	”
लक्षणगीत	”
ख्याल	”
ध्रुवपद	”
धमार	”
स्थायी	”
अन्तरा	”
संचारी	”
आभोग	”
आश्रयराग	१६
वक्रस्वर	”
पकड़	”
मात्रा	”
लय	”
विलम्बित	”
मध्य	”
द्रुत	”

१० रागों की ३१९ चीजें

राग नाम		चीजों की संख्या	पृष्ठ
यमन	...	२४	२१, २२, २६, ३०, ३१, ३३, ३४, ३४, ३५, ३६, ३७, ३८, ४०, ४१, ४२, ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५३, ५४, सरगम १
यमन कल्याण	...	२०	२०, २३, २४, २७, २८, ३२, ४७, ५०, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६२, ६४, ६५, ६७, ६८, ७१, ७२,
बिलावल	...	५	८०, ८१, १०१, १०२, १२०.
अल्हैयाबिलावल	...	२७	७६, ७७, ७९, ८२, ८४, ८५, ८६, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १०४, १०५, १०६, १०८, ११०, ११२. ११३, ११६, ११८, सरगम १
खमाज	...	३०	१२३, से १६३, सरगम १
भैरव	...	४१	१६६ से २३२, सरगम १
पूर्वी	...	३४	२३५ से २८०, सरगम १
मारवा	...	२५	२८३ से ३१६, सरगम २
काफी	...	२४	३१९ से ३५३, सरगम १
आसावरी (तीव्र रिषभ)		१५	३५६, ३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६४, ३६७, ३६८, ३६९, ३७१, ३७२, ३७४, ३७८, ३८२, ३८५.
आसावरी (कोमल रिषभ)		९	३६२, ३६५, ३६६, ३७०, ३७५, ३७६, ३७९, ३८७, ३८९.
भैरवी	...	२६	३९२ से ४२८, सरमग १
तोड़ी	...	३९	४३१ से ४८५
स्वरविस्तार	...	...	४८७ से ५०० तक
चीजों की सूची	...	...	५०१ से ५०६ तक

इस पुस्तक में आये हुए चिन्हों का खुलासा

रे, ग, ध, नि, इन स्वरों के नीचे—इस प्रकार आड़ी रेखा लगी हो तो उन्हें कोमल स्वर समझना, यदि रेखा न हो तो तीव्र समझना चाहिये।

म इस प्रकार लिखा हुआ मध्यम कोमल या शुद्ध समझना।

मं इस प्रकार लिखा हुआ तीव्र मध्यम समझना।

. ऐसा बिन्दु जिन स्वरों के नीचे हो, उन्हें मन्द्र स्थान के तथा जिनके ऊपर हो उन्हें तार स्थान के स्वर समझें। बिना बिन्दु के स्वर मध्य सप्तक के समझें।

ऐसे चिन्हों में दिये हुए स्वर एक मात्रा काल में गाये जावें।

स्वरों के ऊपर ऐसे चिन्ह यह दिखाते हैं कि कौन से स्वर से कौन से स्वर तक मींड (एक स्वर से दूसरे स्वर तक घर्षण करते हुये जाना) है।

— स्वरों के आगे ऐसे जितने चिन्ह हों, उस स्वर को उतनी ही मात्रा तक लम्बा खींचना है, अथवा यह समझना चाहिए कि इस स्वर पर इतनी मात्रा की विश्रान्ति है।

ऽ गीत के शब्दों के आगे ऐसे अवग्रह चिन्ह जितने हों, वहां पिछले अक्षर का आखिरी स्वर (अकार-उकार इत्यादि) उतनी ही मात्रा लम्बा खींचकर उच्चारण किया जावे।

( ) जो स्वर, इस प्रकार के कोष्ठक में बन्द हो तो उसके बाद का स्वर फिर वही स्वर, एवं उसके पहिले का स्वर, पुनः वही स्वर ऐसे चार स्वर एक मात्रा काल में गाने चाहिए।

जैसे:—(प)=धपमप, (म)=पमगम, (सा) रेसानिसा।

नि

सा, इस प्रकार कहीं-कहीं स्वरों के ऊपर छोटे टाइप में दिये हुए स्वर अलंकारिक (ग्रेस नोट) कहलाते हैं, इन्हें कण स्वर भी कहते हैं। ये बारीक कण नवीन विद्यार्थियों के गले से न निकल सकें तो भी इनके अभाव में राग हानि होने का भय नहीं है; किन्तु इन कण स्वरों के प्रयोग से गायन अधिक रंजक होता है।

× यह चिन्ह गायन में ताल की सम दिखाता है। सम को पहिली ताली मानकर शेष तालियां उसी आधार से माननी चाहिए।

० यह चिन्ह ताल के खाली स्थान को बताता है।

इस पुस्तक में आई हुई नई तालों का स्पष्टीकरण

ताल रूपक–मात्रा ७

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७
	×			२		३	

मूलताल–मात्रा १०

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
	×		०		२		३		०	

चौताल–मात्रा–१२

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
	×		०		२		०		३		४	

आड़ाचौताल–मात्रा १४

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
	×		२		०		३		०		४		०	

ताल झूमरा–मात्रा १४

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
	×			२				०			३			

ताल धमार–मात्रा १४

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
	×					२		०			३			

ताल दीपचन्दी–मात्रा १४

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
	×			२				०			३			

ताल पंजाबी व तिलवाड़ा–मात्रा१६

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	×				२				०				३			

ब्रह्मताल–मात्रा २८

मात्रा–

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८
×		०		२		३		०		४		५		६		०		७		८		९		१०		०	

ग्रंथकारः—कै. पण्डित विष्णु नारायण भातखंडे

बी. ए., एल-एल. बी.

("चतुर पंडित")

जन्म ता० १० अगस्त १८६० मृत्यु ता० १९ सितम्बर १९३६

'मद्भक्ता यत्र गायन्ति तत्र तिष्ठामि नारदः ।'

क्रमिक

दूसरी पुस्तक

मंगलाचरण

प्रणम्य शिरसा देवौ सरस्वतिविनायकौ ।
विचिन्त्य मनसा विष्णुं कर्तव्यं कर्तुमारभे ॥

शास्त्रीय परिचय

संगीत

गीत, वाद्य व नृत्य इन तीनों कलाओं का समावेश 'संगीत' इस शब्द में होता है। वस्तुतः यह तीनों कला स्वतन्त्र हैं, किन्तु गीत प्रधान होने के कारण तीनों का समावेश 'संगीत' में किया जाता है।

दक्षिण व उत्तर पद्धति

अपने देश में संगीत की दो पद्धतियां हैं; एक दक्षिण पद्धति व दूसरी उत्तर पद्धति। मद्रास प्रान्त व मैसूर आदि में जो पद्धति प्रचलित है, उसे दक्षिण अथवा कर्नाटकी पद्धति कहा जाता है। इनके अतिरिक्त देश के बाकी सभी स्थानों में जो पद्धति चालू है, उसे उत्तरीय या हिन्दुस्थानी पद्धति कहते हैं।

नाद

संगीत का सम्बन्ध ध्वनि (आवाज़) से है। ध्वनि के दो प्रकार हैं (१) संगीतोपयोगी (२) तद्व्यतिरिक्त। पहिले को तो नाद कहा जायगा और दूसरे को कोलाहल या शोरगुल कहा जायगा। हमें यहां पर 'नाद' पर ही अपने विचार प्रकट करने हैं। नाद के विषय में तीन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है:-(१) नाद का छोटा बड़ापन (२) नाद की जाति अथवा गुण (३) नाद की ऊंचाई, नीचाई। इसी को योरोपीय नाद शास्त्री क्रमशः Magnitude Timbre व Pitch कहते हैं।

(१) नाद का छोटा बड़ापन

एक ही नाद का हम धीरे से अथवा ज़ोर से उच्चारण कर सकते हैं। धीमे नाद को केवल पास में बैठा हुआ व्यक्ति ही सुन सकता है, किन्तु ज़ोर से बोला हुआ नाद दूर तक सुनाई पड़ता है। यह अन्तर होते हुए भी वास्तव में इन दोनों ही प्रकारों में नाद एक ही है।

(२) नाद की जाति अथवा गुणः—

नाद की जाति से यह अनुमान सहज ही में लगाया जा सकता है कि नाद किसी वाद्य का है या किसी मनुष्य का। उदाहरणार्थ एक ही नाद हारमोनियम, शहनाई, सारंगी, वायोलिन आदि वाद्यों द्वारा निकलता हो तो वाद्यों को देखे बिना ही यह कहा जासकता है कि अमुक नाद किस वाद्य का है। इस प्रकार नाद की जाति से ही नाद को पहिचानने का प्रमाण मिल जाता है।

(३) नाद की ऊंचाई नीचाईः—

नाद की ऊँचाई-नीचाई का सम्बन्ध प्रत्येक सैकेण्ड में होने वाले आन्दोलनों से है। यह आन्दोलन (Vibration) जितने अधिक होंगे उतना ही नाद ऊंचा होगा एवं आन्दोलन जितने कम होंगे उतना ही वह नाद नीचा होगा। ध्यान रखना चाहिए कि नाद के छोटे या बड़े होने का आन्दोलन संख्या से कोई सम्बन्ध नहीं होता, अपितु नाद की ऊंचाई-नीचाई का सम्बन्ध आन्दोलन संख्या के आधार पर होता है, अतः यह कहा जा सकता है कि एक ही नाद छोटा या बड़ा हो सकता है, किन्तु ऊंचा या नीचा नहीं होसकता।

स्वर

हमारे देश के संगीतशास्त्रकार प्राचीन समय से ही संगीतोपयोगी मुख्य नाद एक सप्तक में २२ मानते चले आ रहे हैं। जिनको शास्त्रों में "श्रुति" कहा गया है। इन २२ नादों में से ही गायन के लिये उपयोगी सात स्वरों की उत्पत्ति हुई है। इन नादों को एक के बाद दूसरा क्रमशः ऊंचा मानने का व्यवहार है। इन्हीं २२ नादों के आधार पर अर्वाचीन हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के अनुसार हम अपने सप्त स्वरों की स्थापना करना चाहें तो १, ५, ८, १०, १४, १८ तथा २१ इन नादों पर करेंगे। संगीतोपयोगी उपरोक्त २२ नाद तथा उन्हीं में से उत्पन्न होने वाले स्वर आदि की विशद चर्चा आगे चलकर क्रमिक पुस्तक भाग ४ में की जावेगी।

गायन उपयोगी मुख्य स्वर सात हैं, यह पहले बताया ही जा चुका है। इनके सर्वमान्य नाम क्रमशः षड्ज, रिषभ, गान्धार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद हैं। जिनको व्यवहार में "सा रे ग म प ध नि" इन संक्षिप्त नामों से पुकारते हैं।

सप्तक

ऊपर बताये हुए मुख्य सात स्वर क्रमानुसार एक के बाद एक पंक्तिबद्ध लिखने, रखने या गाने से 'सप्तक' का रूप बनता है। इस सप्तक को हिन्दुस्थानी

संगीत पद्धति में **'बिलावल सप्तक'** कहते हैं तथा इस सप्तक के सात स्वरों को शुद्ध स्वर कहते हैं।

स्थान

नाद की ऊँचाई-नीचाई के अनुरूप उसके मन्द्र, मध्य व तार ऐसे तीन भेद बताये गये हैं, इनको नाद स्थान कहते हैं। इन प्रत्येक स्थानों में एक-एक स्वर सप्तक मानकर—**मन्द्र स्वर सप्तक, मध्य स्वर सप्तक,** तथा **तार स्वर सप्तक** ऐसी तीन सप्तकें बनती हैं। अपनी साधारण आवाज में मनुष्य जैसे बातें करता है, उस आवाज की गणना मध्य स्वर सप्तक में होती है। इस आवाज से कुछ घटा कर नीची आवाज में जब कोई बोलता है उसे मन्द्र स्वर सप्तक में तथा इन दोनों से परे कुछ ऊँची आवाज से बोलचाल करे तो उसे तार स्वर सप्तक समझना चाहिये। मंद्र से दूनी आवाज मध्य की तथा मध्य से दूनी आवाज तार सप्तक की होती है, ऐसा प्रमाण है। गायन में बहुधा ऐसी तीन ही सप्तकों का प्रयोग होता है। मन्द्र, मध्य व तार सप्तकों के चिन्हों का विवरण प्रथम पुस्तक में दिया जा चुका है।

सप्तक में तीव्र तथा कोमल स्वर

मुख्य स्वर सात हैं और उनके संक्षिप्त नाम क्रमशः सा रे ग म प ध नि इस प्रकार हैं, यह ऊपर बताया ही जा चुका है। इन स्वरों के दो भेद किये जाते हैं—**शुद्ध** व **विकृत**। कोई-कोई इसे **प्रकृत** तथा **विकृत** भी कहते हैं। मूल स्वर को नीचे उतारने से वह कोमल बनता है तथा ऊपर चढ़ाने से तीव्र बन जाता है। इस प्रकार अपने स्थान से हटने पर उस स्वर को विकृत नाम भी दिया जाता है।

सप्तक में १२ स्वर

शुद्ध स्वर सात व विकृत स्वर पांच मिलाकर कुल १२ स्वर एक सप्तक में होते हैं। ऊपर बताये हुये संगीतोपयोगी २२ नादों में से विकृत स्वरों की रचना ३, ७, १२, १६, २० इन स्थानों पर होगी। यह विकृत स्वर शुद्ध स्वरों की विशिष्ट अवस्था में होने के कारण इनके नाम भी शुद्ध स्वरों जैसे ही हैं, इस प्रकार इन बारह स्वरों की सहायता से आजकल सभी रागों का निर्माण किया जाता है।

मुख्य सात स्वरों को 'शुद्ध स्वर' कहते हैं, यह ऊपर बताया जाचुका है। शुद्ध स्वर अपने नियत स्थान से जब ऊँचा या नीचा होता है तो वह विकृत

बन जाता है। प्रस्तुत हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति में स्वरों को विकृत करने के कुछ नियम बताये गये हैं, वे इस प्रकार हैं:—

(१) **"रे ग ध नि"** यह चार स्वर जब विकृत होते हैं तो उन्हें क्रमशः कोमल रे, कोमल ग, कोमल ध और कोमल नि, ये नाम दिये जाते हैं।

(२) **मध्यम** स्वर जब विकृत होता है तो उसे तीव्र म कहते हैं।

(३) **सा व प,** ये स्वर विकृत कभी नहीं होते। इसीलिये इनको अचल स्वर कहते हैं।

(४) प्रचार में कोई-कोई गायक या वादक "रे ग ध नि" इन शुद्ध स्वरों को तीव्र स्वर तथा शुद्ध मध्यम को कोमल मध्यम भी कहते हैं।

थाट

'थाट' यह सप्तक के आगे वाली सीढ़ी है। सप्तक में किये गये वर्णन के अनुसार १२ स्वरों में से ही थाटों की उत्पत्ति होती है। संस्कृत ग्रन्थकार थाट को **"मेल"** कहते हैं। नाद से स्वर, स्वर से सप्तक तथा सप्तक से थाट, यह हमारी हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का क्रम है। थाट शब्द की व्याख्या ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

मेलः स्वरसमूहः स्याद्रागव्यंजनशक्तिमान्।

भावार्थ—मेल अथवा थाट, स्वरों की एक विशिष्ट रचना होती है जिससे राग उत्पन्न हो सकते हैं।

थाट सम्बन्धी कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं, जो इस प्रकार हैं:—

(१) थाट में हमेशा सात स्वर ही होने चाहिये।

(२) वे सात स्वर "सा रे ग म प ध नि" इसी क्रम से तथा इन्हीं नामों से होने चाहिये।

(३) थाट में आरोह-अवरोह का होना आवश्यक नहीं है।

(४) थाट में रंजकता होना भी आवश्यक नहीं है।

(५) थाटों को जानने पहिचानने के लिये उसमें से निकले हुये किसी प्रसिद्ध राग को (जिस थाट का जो राग हो) उसी थाट का नाम देने की प्रथा है, चाहे उस राग में सातों स्वर लगते हों या कम लगते हों।

अपनी एक सप्तक में जो शुद्ध तथा विकृत मिलाकर १२ स्वर होते हैं, उनमें से प्रत्येक थाट के लिये सात स्वर नियमित क्रम से लेकर तथा उन स्वरों को सा रे ग म प ध नि, यह नाम देने से अनेक थाट उत्पन्न होते हैं। हिन्दुस्थानी

संगीत पद्धति में रागों को उत्पन्न करने वाले ऐसे केवल १० ही थाट लिये गये हैं। उन थाटों के नाम स्वरादि की जानकारी क्रमिक पुस्तक पहली में दी जा चुकी है।

राग

राग की उत्पत्ति थाट से होती है, कारण थाट ही राग का उत्पत्ति स्थान है। एक थाट से सैकड़ों राग उत्पन्न हो सकते हैं। राग की व्याख्या हमारे ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

योऽयं ध्वनिविशेषस्तु स्वरवर्णविभूषितः।
रंजको जनचित्तानां स रागः कथितो बुधैः॥

भावार्थ—ध्वनि की एक विशिष्ट रचना, जो कि जनचित्त (मानवहृदय) का रंजन कर सके एवं जिसे स्वरवर्ण के योग से सौन्दर्य प्राप्त हुआ हो उसे बुद्धिमान् व्यक्ति 'राग' कहते हैं।

इस व्याख्या में स्वर तथा वर्ण ये पारिभाषिक शब्द हैं। वर्ण की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है।

गानक्रियोच्यते वर्णः स चतुर्धा निरूपितः।
स्थाय्यारोह्यवरोही च संचारीत्यथ लक्षणम्॥

भावार्थ—गायन की प्रत्यक्ष क्रिया को वर्ण कहते हैं। वर्ण चार प्रकार के हैं—(१) स्थायी (२) आरोही (३) अवरोही (४) संचारी।

स्थाई वर्ण—एक ही स्वर को बार-बार कहना यह स्थाई वर्ण का उदाहरण होता है।

आरोही वर्ण—षड्ज स्वर से निषाद तक जाते हुए स्वरों को गाने से आरोही वर्ण समझा जाता है।

अवरोही वर्ण—निषाद से षड्ज तक वापिस आने को अवरोही वर्ण कहते हैं।

संचारी वर्ण—जिसमें आरोह-अवरोह दोनों का मिश्रण हो (मिले हुये हों) उसे संचारी वर्ण कहा जाता है।

प्रत्येक गायक की गायकी में ये चारों वर्ण पाये जाते हैं। राग व्याख्या में 'वर्ण' शब्द आया है, इससे यह स्पष्ट है कि प्रत्येक राग में आरोह-अवरोह निश्चय रूप से होने ही चाहिये। थाट की व्याख्या में वर्ण शब्द नहीं आया है यह आपको विदित ही है।

रागों के तीन भेद

रागों के उपयोग में आने वाली स्वर संख्या के अनुसार रागों के तीन भेद माने गये हैं। वे हैं—औडुव, षाड़व और सम्पूर्ण।

औडुव राग—जिस राग में ५ स्वर होते हैं, उसको औडुव राग कहते हैं

षाड़व राग—जिस राग में ६ स्वर होते हैं, उसे षाड़व राग कहते हैं।

संपूर्ण राग—जिस राग में सातों स्वर प्रयुक्त होते हैं, उसे सम्पूर्ण राग कहते हैं।

ये तीनों प्रकार के राग थाटों में से ही उत्पन्न होते हैं, इसीलिये प्रत्येक थाट को सातों स्वरों की आवश्यकता होती है। अतः यह सिद्ध हो गया कि थाट सम्पूर्ण अर्थात् सात स्वरों का होना ही चाहिये।

राग में पांच से कम स्वर नहीं होने चाहिये, ऐसा हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का सर्वमान्य नियम है। सबसे कम स्वरों का राग ही औडुव राग कहा जाता है।

अलंकार

"अलंकार" शब्द की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है—

विविष्टवर्णसंदर्भमलंकारं प्रचक्षते।

भावार्थ—कुछ नियमित वर्ण समुदाय को अलंकार कहते हैं।

विशिष्ट स्वर समूह ही अलंकार बन जाते हैं, उनको भी आरोह अवरोहादि वर्णों की आवश्यकता होती है। प्रचार में गुणीजन अलंकारों को **'पल्टे'** भी कहते हैं। प्रथम पुस्तक में कुछ अलंकार दिये जा चुके हैं। छात्रों को स्वरज्ञान होकर रागविस्तार का ज्ञान शीघ्रता से प्राप्त हो जाय, यही अलंकारों का मुख्य उद्देश्य है। अलंकारों के लिये किसी नियमित स्वर संख्या का कोई विशेष नियम नहीं है।

वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी

प्रत्येक राग में हमेशा वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी इन चार प्रकार के स्वरों की ओर ध्यान रखना पड़ता है।

वादी—राग में प्रयुक्त होने वाले सभी स्वरों की अपेक्षा जो स्वर बार-बार स्पष्टता से लगता हो या जिसकी आवृत्ति बार-बार होती हो उसे, वादी स्वर कहते हैं अर्थात् जिस स्वर का प्रयोग राग में अधिकता से होता हो, वह

उस राग का वादी स्वर कहलाता है। वादी स्वर को राजा की उपाधि से विभूषित किया जाता है तथा वादी स्वर के स्पष्ट हो जाने से राग का नाम, उस राग को गाने का समय और राग के लक्षण जानने में सुविधा होती है।

संवादी—वादी स्वर से कम किन्तु अन्य स्वरों से अधिक व्यवहार में आने वाला स्वर संवादी कहलाता है। संवादी स्वर को मंत्री की उपमा दी जाती है।

अनुवादी—वादी व संवादी स्वरों के अतिरिक्त राग के बाकी नियमित स्वरों को अनुवादी स्वर कहते हैं। इन स्वरों को सेवकों की उपमा दी जाती है।

विवादी—जिस स्वर को लगाने से राग की हानि होती हो उसे विवादी स्वर कहते हैं, ऐसे स्वर को शत्रु की उपमा दी जाती है। कुशल गायकों द्वारा किसी राग में जब ऐसे स्वर का प्रयोग किया जाता है तो उसे वर्जित स्वर भी कहते हैं। ऐसे स्वर का प्रयोग करके राग रक्ति संभालना बड़ी कठिनाई का काम है, जो कुशल गायक वादकों के लिये ही संभव है।

स्वरमालिका, लक्षणगीत, ख्याल, ध्रुवपद, धमार

स्वरमालिका—किसी राग में लगने वाली स्वरों की तालबद्ध रचना, जिससे राग का स्वरूप स्पष्ट होता हो, उसे स्वरमालिका अथवा सरगम कहते हैं।

लक्षणगीत—राग का नाम, समय, वादी, संवादी, जाति, स्वर आदि उल्लेखनीय बातें जिस गीत में होती हैं, उस गीत को उसी राग में गाने से वह उस राग का लक्षणगीत कहलाता है, अर्थात् राग लक्षण बतलाने वाला गीत।

ख्याल व ध्रुवपद—यह हमारे प्राचीन गुणीजनों द्वारा रचित गीत हैं। आजकल उच्चस्तर का सङ्गीत यही माना जाता है। ख्याल व ध्रुवपद का भेद, उनके शब्द, रस, भाव तथा गायनशैली आदि से जाना जाता है।

धमार—धमार नामक ताल में गाये जाने वाले होरी गीत के प्रबन्ध को ही धमार कहते हैं, ऐसे सभी प्रबन्धों का विशेष परिचय क्र० पुस्तक चौथी में दिया जायगा, जिसे आप आगे चलकर पढ़ेंगे।

स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग

ये सब गीत के अवयव (हिस्से या अङ्ग) हैं। प्राचीन ग्रन्थकार इन्हें "धातु" कहते हैं। कुछ गीतों में केवल स्थायी अन्तरा यह दो अवयव ही

होते हैं, किन्तु ध्रुवपद में बहुधा ये चारों अवयव मिलते हैं। ख्याल में विशेष रूप से स्थायी व अन्तरा ये दो ही अवयव होते हैं। कोई-कोई गायक संचारी को "**भोग**" भी कहते हैं।

आश्रय राग

अपनी हिन्दुस्थानी सङ्गीत पद्धति में थाट का नाम उसी थाट से उत्पन्न हुये किसी प्रसिद्ध जन्य राग के नाम पर रखने का व्यवहार है। यह तत्व हमारे देश के प्राचीन ग्रन्थकारों को भी मान्य था। जिस जन्य राग का नाम इस विधि से रखा जाता है, उसी को हमारी आज की पद्धति में **आश्रय राग** कहा जाता है थाट से उत्पन्न होने वाले अनेक जन्य रागों में इस आश्रय राग का थोड़ा बहुत रूप मार्मिक (समझदार) लोगों को दिखाई देता है, किन्तु आश्रय राग, थाट से उत्पन्न होने वाले सभी अन्य रागों का उत्पादक है, यह सिद्धान्त माननीय नहीं है। थाट को राग का नाम केवल उसकी सुविधा के लिये दिया जाता है। जन्य रागों के स्वतन्त्र नियम अज्ञानवश गायक की ओर से भङ्ग होने पर, उत्पन्न होने वाले राग का प्रकार थाटवाचक राग के समान दिखाई देने लगता है, इसलिये थाटवाचक रागों को आश्रय राग कहने की प्रथा है।

वक्र स्वर, पकड़, मात्रा एवं लय

वक्र स्वर—आरोह अथवा अवरोह करते समय जब एकाध स्वर तक जाकर फिर उससे पिछले स्वर पर वापिस आना पड़ता है तो जिस स्वर से पीछे लौटते हैं उसी को "वक्र स्वर" कहते हैं जैसे—"प ध नि, ध, सां" इस स्वर-समूह में नि स्वर वक्र हो गया, ऐसा समझना चाहिये।

पकड़—रागवाचक मुख्य स्वरसमुदाय को 'पकड़' कहते हैं अर्थात् स्वरों का वह छोटा सा समूह, जिसका स्वरालाप करने से राग की छाया झलकती हो, उसे ही राग की 'पकड़' कहेंगे।

मात्रा—गायन का समय तौलने के माप या प्रमाण को मात्रा कहते हैं।

लय—गायन में काल की गति को 'लय' कहते हैं। लय के प्रकार ३ हैं-विलम्बित, मध्य तथा द्रुत। सावकाश रुक रुक कर आहिस्ता गाने को विलम्बित लय कहते हैं, विलम्बित की दुगुन को मध्यलय तथा मध्य की दुगुन को द्रुतलय कहते हैं।

राग यमन.

कल्याणो यमनो विभाति सकलैस्तीव्रस्वरैर्मण्डितो ।
गांधारः कथितोऽत्र वाद्यथ च संवादी निषादः स्वरः ॥
शेषाः स्युस्त्वनुवादिनः क्वचिदिह स्यान्मध्यमः कोमलो ।
गेयो रात्रिमुखे मनीषिभिरसौ सम्पूर्णरागाग्रणीः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र सर्वे स्वरास्तीव्रा वादिसम्वादिनौ गनी ।
निशामुखे तु यमनः क्वचित्कोमलमध्यमः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सबही तीवर सुर जहां वादि गंधार सुहाय ।
अरु सम्वादि निखाद तें ईमन राग कहाय ॥

चन्द्रिकासार ।

गरी निरी सगौ रिगौ पगौ गरी परी च सः ।
इतीमनो भवेद्गांशो रात्र्यां प्रथमयामके ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'यमन'—यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है, इसमें मध्यम स्वर तीव्र तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर गांधार और सम्वादी निषाद है। इस राग का गायन समय रात्रि

का प्रथम प्रहर है। यमन राग में जब कभी अल्प प्रमाण में कोमल मध्यम का प्रयोग करते हैं तब इसे **यमन कल्याण** ऐसा संयुक्त नाम कोई-कोई विद्वान देते हैं। यह राग सरल व सीधा होने के कारण बहुतों को आता है। यमन राग को कल्याण का **आश्रयराग** कहा जाय तो यह उपपद इसके लिये शोभायमान ही होगा।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सारेग, मंप, ध, निसां। सांनिध, प, मंग, रेसा.

पकड़ः—

निरेगरे, सा, पमंग, रे, सा.

राग यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध प म॑	ग रे ग म॑	नि ध म॑ ऽ	प म॑ ग रे
०	३	×	२
ग म॑ प म॑	ग रे सा नि़	ध़ नि़ ऽ म़	ऽ ध़ नि़ रे
०	३	×	२
ग रे ग म॑	प ध नि ध	प म॑ ग म॑	ग रे सा ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

सा रे ग सा	रे ग म॑ प	ध नि सां नि	ध प म॑ ग
×	२	०	३
रे ग म॑ प	ध नि रें ऽ	ध ऽ गं रें	ऽ ध रें ऽ
×	२	०	३
सां नि ध प	म॑ प नि ध	प म॑ ग म॑	ग रे सा नि़
×	२	०	३
ध़ नि़ ऽ म़	ऽ ध़ नि़ रे	ग रे ग म॑	प ध नि ध
×	२	०	३
प म॑ ग म॑	ग रे सा ऽ		
×	२		

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित लय).

स्थायी.

म		नि		म	ध						
प	नि	ध	प	प	म	ग	रे	ग	रे	ग	म
ऐ	ऽ	म	न	क	ऽ	ल्या	ऽ	ण	सु	ग	म
३		४		×		०		२		०	
				नि				नि	ग		
ग	रे	सा	सा	सा	रे	सा	—	सा	रेग	सा	सा
रा	ऽ	ग	नि	सं	ऽ	पू	ऽ	र	नऽ	सु	र
३		४		×		०		२		०	
प				ध							
ग	—	प	ध	सां	—	नि	—	ध	—	प	—
ती	ऽ	व	र	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	में	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प		प		म				प			
ग	—	ग	—	प	—	ध	प	सां	—	सां	सां
गा	ऽ	वा	ऽ	दी	ऽ	सु	र	नी	ऽ	स	म
×		०		२		०		३		४	
नि				सां		नि	नि				
सां	रें	सां	—	नि	ध	ध	ध	सां	—	सां	—
वा	ऽ	दी	ऽ	मे	ऽ	ल	क	ल्या	ऽ	णी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि				नि							
सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प				
शा	ऽ	स्त्र	ब	खा	ऽ	न	त	म	ऽ	ध म	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								नि			
ग	ऽ	रे	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा	रे	सा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								प			
सा	रे	सा	ऽ	ग	रे	सा	ऽ	ग	ग	प	ध
×		०		२		०		३		४	
ध											
सां	ऽ	नि	ऽ	ध	ऽ	प	ऽ				
×		०		२		०					

यमन—एकताल (मध्यलय)

स्थायी.

प			ध	ध		मं					
सां	सां	नि	नि	मं	प	प	प	मं	ग	–	ग
स	ब	गु	नि	ज	न	इ	म	न	गा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
मं						ग			रे		
ग	–	ग	रे	ग	प	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
ती	ऽ	व	र	सु	र	क	र	त	सा	ऽ	थ
×		०		२		०		३		४	
सा	सा	रे	रे	ग	ग	मं	मं	प	प	ध	ध
×		०		२		०		३		४	
						नि					
नि	नि	रें	रें	गं	रें	सां	रें	सां	नि	ध	प
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

मं						प					
प	ग	प	–	ध	प	सां	–	सां	सां	–	सां
सु	र	वा	ऽ	दि	गं	धा	ऽ	र	सा	ऽ	ध
×		०		२		०		३		४	
नि									ध		
सां	सां	रें	–	गं	रें	सां	सां	नि	नि	ध	प
स	म	वा	ऽ	दी	ऽ	क	र	नि	खा	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
						प					
प	ग	ग	प	प	प	नि	नि	ध	प	ध	प
रा	ऽ	त	स	म	य	प्र	थ	म	प्र	ह	र
×		०		२		०		३		४	
			ध						ग		
सां	सां	नि	नि	मं	प	प	ग	प	रे	–	सा
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	रि	झा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

राग यमन—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प											
नि	ध	प	म॑	ग	म॑	प	—	म॑	ग	—	ग
भ	ज	म	न	क	रु	णा	ऽ	नि	धा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
		म॑				प			रे		
ग	रे	ग	म॑	प	प	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
सु	ख	सं	ऽ	प	द	ए	ऽ	क	धा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
								ग			
सा	सा	रे	—	ग	ग	म॑	—	प	प	ध	प
श	र	णा	ऽ	ग	त	व	ऽ	त्स	ल	प्र	भु
×		०		२		०		३		४	
म॑									ध		
प	—	ध	ध	नि	नि	सां	सां	नि	नि	ध	प
पू	ऽ	र	त	स	ब	म	न	सु	का	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग						प					
प	ग	प	प	ध	प	सां	—	सां	सां	सां	सां
मं	ऽ	ग	ल	सु	ख	दा	ऽ	य	क	प्र	भु
×		०		२		०		३		४	
नि								सां	ध	ध	
सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	—	नि	नि	प	प
अ	खि	ल	ज	ग	त	ना	ऽ	य	क	वि	भु
×		०		२		०		३		४	

म		ध									
प	प	म	म	ग	–	प	रे	ग	रे	सा	सा
अं	ऽ	त	र	या	ऽ	मी	ऽ	अ	वि	क	ल
×		०		२		०		३		४	
नि											
सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	सां	निध	नि	ध	प
नि	र	गु	न	क	र	च	तु	रऽ	ध्या	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे

अ व

			ग							प	ध
ग	म	प	रे	ग	रे	सा	–	ग	रे	ग	ग	म	ग	प	प
गु	न	न	की	ऽ	जि	ये	ऽ	गु	नि	स	न	का	ऽ	जा	ऽ
०				३				×				२			
ग								प			ध				
रे	–	ग	ग	रे	सा	–	सा	म	ग	प	प	–	पम	ग	रे
ने	ऽ	गु	न	की	सा	ऽ	र	हो	ऽ	गु	नि	ऽ	गुऽ	नी	ऽ
०				३				×				२			
म															
ग	म	ग	रे	सा	रे	सा	–	सारे	गम	प	रे	ग	रे	सा	रे
जा	ऽ	ने	ऽ	गु	न	की	ऽ	साऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	अ	व।
•				३				×				२			

अन्तरा.

मं	नि सां		
प ग – प	– प सां ध	सां – सां सां	सां रें सां सां
ब ड़ी ऽ बे	ऽ र स म	झा ऽ ऊं न	स म झ त
०	३	×	२
		नि	ध
सां ध ध सां	– सां सां सां	सां – (सां) –	नि नि (प) –
बे ऽ र बे	ऽ र अ ब	कौ ऽ ऽ ऽ	न क हें ऽ
०	३	×	२
मं			ध
प ग ग प	– प प प	मंप धनि सां –	नि नि (प) –
ए ऽ क बा	ऽ र क ह	दीऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सां रें	ध ध	प	ग
गं गं सां सां	नि नि प प	ग – प रे	– रे सा रे
कौ ऽ न क	हें ऽ अ ब	बा ऽ र बा	ऽ र, अ ब
०	२	×	२

यमनकल्याण–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

			नि़
			सा
			पि
	नि़ सा		
सा रे ग रे	सा रे सा –	नि़ ध़ सा सा	नि़ ध़ प़ प़
य र वा ते	हा ऽ री ऽ	ने ऽ क न	ज र प र
	३	×	२

नि़		सा	मं
सा – सा सा	– रे सा सा	ग – ग रे	ग मंग मं प
वा ऽ र वा	ऽ र ग इ	हूं ऽ ब लि	हा ऽऽ री ऽ
०	३	×	२
		ग	रे नि
ग म गरे ग	रे – सा –	रे ग रे नि़	– रे सा सा
ब र जऽ र	ही ऽ हूँ ऽ	बा ऽ र बा	ऽ र मैं, पि
०	३	×	२

अन्तरा.

			सासा
			मोरे
नि़ ग	प ध		
सा सा ग प	– प नि नि	(प) प – प	ग – रे प
म न को पू	ऽ ज आ ऽ	ई ली ऽ ने	हा ऽ ल क
३	×	२	०
रे	नि़		मं
रे नि़ रे सा	सा – ग रे	ग – ग –	प प ध नि
र प्या ऽ र	सी ऽ स नि	वा ऽ ये ऽ	ह स र स
३	×	२	०
ग	मं		नि़
(प) – मं ग	प प पमं रे	ग रे सा –	सा रे ग प
पा ऽ र उ	त र नऽ हा	ऽ र, पी ऽ	य र वा ते
३	×	२	०
रे			
रे नि़ रे सा			
ऽ हा ऽ री			
३			

यमन—त्रिताल (मध्यलय

स्थायी.

			ग प — मं ऽ
ग रे ग रे	सा — सा —	ग — — रे	नि सा रे सा सा
द र म न	ला ऽ ये ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ स खी
०	३	×	२
नि ध सा सा नि नि	प ध प प	नि सा रे ग रे	सा सा सा प —
अ न त र	ह त स खी	सो ऽ सुं ऽ	द र, मं ऽ
०	३	×	२
ग रे ग रे	नि सा रे सा —		
द र म न	ला ऽ ये ऽ		
०	३		

अन्तरा.

ग प — ग प	प प ध प	म प — ध ध	ध ध नि नि (प) —
बा ऽ त क	ह त तू तो	रा ऽ त स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सा — ग रे	ग ग ग —	ग प प प (प)	ग रे — सा —
मो ऽ म न	म न भा ऽ	ये ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

मं प		मं प	ध
प ग ग प	प प प –	प ध ध नि	प ध प –
च तु र सु	ध र मो ऽ	ऽ ऽ रा पि	य र वा ऽ
०	३	×	२
नि			सा
सा – ग रे	ग – ग –	गमं पध निध पमं	गरे गरे सा प
भा ऽ ग न	हीं ऽ पा ऽ	येऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ, मं
०	३	×	२

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	मं	ग ग	
प नि ध निध	(प) – मं ग	प – रे ग	रे – सा सा
आ ऽ ले नऽ	बी ऽ आं ऽ	ला ऽ दे अ	ली ऽ प र
०	३	×	२
नि नि		नि	
सा – सा सा	– रे सा सा	सा सा ग रे	ग म (प) –प
वा ऽ र वा	ऽ र जा ऊं	ज़ो ह रा के	फ र ज़ं ऽद
०	३	×	२
प	ग	ग	ग ग
ग म गरे ग	रे – नि सा	रे ग रे गमंप	मं मं प –
ह स नऽ हु	से ऽ न पे	वा ऽ र जाऽऽ	ऽ ऊं मैं ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

	सां ध		
सारे गमं पध निसां	नि नि (प) प	प ग प सांध	सां सां सां
याऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ज ग में इ	ना ऽ ऽ ऽऽ	य त की ऽ
०	३	×	२
नि सां	ध	ध मं	ग
सां रें रें गं	(सां) नि (प) –	मं – ग –	रे – सा –
ला ऽ ज तु	मी ऽ को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	है ऽ जो ऽ
•	३	×	२
प ग		मं	मं ध
सा मं मं मं	प – प –	प नि ध प	प प मं ग
अ र ज क	रूं ऽ सो ऽ	पू ऽ र न	की ऽ जे ऽ
०	३	×	२
	ग		
ग म गरे ग	रे – नि सा		
ह म नऽ हु	से ऽ न पे	स्थायी के	अनुसार
०	३		

यमनकल्याण – त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा

लं

		सा	
सा रे ग रे	सा रे सा सा	ध – सा –	– – सा सा
ग र तु र	क जि न छु	वो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो री
०	३	×	२

	ग		नि़ सा
सा ग रे ग	— प — रे	सा रे ग रे	सा रे सा —
ग ग रि या	ऽ भा ऽ री	अ ब दे ऊं	गा ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सा	
ध़ नि़ ध़ सा	सा — सा —	ध़ नि़ ध़ सा	नि़ ध़ प़ प़
हों ऽ ब्रि ज	ना ऽ री ऽ	नि र ख नि	र ख स ब
०	३	×	२
			ग
सा सा ग रे	ग — ग ग	गमं पध निध पमं	गध पमं रे सा
हँ स हँ स	दे ऽ मो हे	ताऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ री, लं
०	३	×	२

अन्तरा.

मं प			नि
प ग प —	सां सां ध सां	— सां सां —	सां रें सां सां
तु म तो ऽ	म हा ऽ धी	ऽ ट पी ऽ	अ त त न
×	२	०	३
नि	नि	ध	मं नि
सां रें गं रें	सां रें सां सां	नि नि प प	प प ध नि
ला ऽ गो हि	आ ऽ व त	धा ऽ व त	अ त बा ऽ
×	२	०	३
	प	प	सां नि
ध प — प	ग म ग रे	ग — प प	ध ध सां सां
र बा ऽ र	मैं ऽ स न	हे ऽ र त	घे ऽ र त
×	२	०	३

(गं)	(रें)	(सां)	(प)
सां – रें गं	सां सां रें सां	– ध – प	ग – ग रे
हों ऽ ला ऽ	ज न म री	ऽ जा ऽ त	हूं ऽ ब्रि ज
×	२	०	३
गमं पध निध पमं	गध पमं (ग) रे सा		
नाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ री, लं		
×	२		

यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सारे गमं पध निसां	निध पमं गरे सासा	प – ग (प) मंपध	प (ग) रे – रे
हूंऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ गगा	ग ऽ ज मऽऽ	हा रा ऽ ज
०	३	×	२
(नि) सां (सां) – (ध) निनि	(प) – मंप धनि	(ग) सां रे – प	(ग रे) रे नि़ रे सा
ग जा ऽ नऽ	ना ऽ त्रिऽ ऽऽ	ऽ द्या ऽ ज	ग दी ऽ श
०	३	×	२

अन्तरा.

(मं) प – सां सां	(नि) सां रें सां –	(नि) सां रेंसां रें गंरें	(ध) (सां) नि (प) प
गा ऽ ऊं ब	जा ऽ ऊं ऽ	रा ऽऽ ग रुऽ	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
(प) सां (सां) - नि,धनि	(प) – मंप धनि	(ग) सां रे – प	(ग) रे नि़ रे सा
पु ऽ ऽ त्र,बऽ	धू ऽ सऽ ऽऽ	ऽ न ऽ छ	त्ती ऽ ऽ स।
०	३	×	२

यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	ध मं	मं	
सा नि ध नि	मं प मं ग	प – प प	– मं ग –
आ ऽ ह त	अ न ह त	भे ऽ द ना	ऽ द के ऽ
०	३	×	२
मं मं		प	
ग ग रे ग	– मं प प	रे रे ग रे	सा रे सा –
प्र थ म भे	ऽ द श्रु ति	य न सों ऽ	हो ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि़			ध ध
सा सा रे रे	ग ग मं मं	प – प सां	नि नि मं प
अ न ह त	मु नि ज न	ध्या ऽ न ध	र त ज ब
०	३	×	२
मं			
प नि ध नि			
आ ऽ ह त			
०			

अन्तरा.

प		नि	
ग – ग प	– प नि ध	सां – सां सां	– रें सां –
ना ऽ भि कं	ऽ ठ औ र	मू ऽ र्ध स्था	ऽ न सों ऽ
०	३	×	२
सां		नि	
नि – ध सां	– सां सां सां	सां रें गं रें	सां नि ध प
मं ऽ द्र म	ऽ ध्य औ र	ता ऽ ऽ र	हो ऽ व त
०	३	×	२

मं	प	मं	नि़
प – प प	म म ग –	प रे ग रे	सा रे सा –
म ऽ म सु	र न के ऽ	ना ऽ म ब	खा ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा रे ग मं	प ध नि सां	नि ध प मं	ग रे सा ऽ।
०	३	×	२

यमनकल्याण–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग	रे	सा	ध़ ध़
रे रे ग रे	नि़ रे सा सा	नि़ ध़ सा सा	नि़ नि़ प़ प़
म ना ऽ तू	का ऽ हे न	धी ऽ र ध	र त अ ब
०	३	×	२
नि़	ग	प	रे
सा – रे रे	गमंप म प प	ग म ग रे	नि़ रे सा सा
धी ऽ र ध	रेऽऽ ऽ म ब	का ऽ र ज	सु ध र त।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं प	मं		नि
प – ग –	प प नि ध	सां – सां सां	सां रें सां सां
जा ऽ के ऽ	स र र घु	ना ऽ थ बि	रा ऽ ज त
×	२	०	३
सां सां		ध	
नि – नि ध	सां सां सां –	सां (सां) – निध	नि ध प प
बा ऽ के ऽ	स ब ही ऽ	का ऽ ऽ रज	सा ऽ ध त
×	२	०	३

नि		नि	
ध नि ध प	– ध प प	ध – नि ध	प (प) मं ग
तु ल सि दा	ऽ म र घु	ना ऽ थ कृ	पा ऽ तें ऽ
२	२	०	३
मं			
ग म ग रे	नि़ रे सा सा		
त्रि घ न म	त्र ट र त		
×	२		

यमन -- त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प ध ग		प	ग
निनि (प) – रे	– सा ग रे	ग – – मं	– मं प प
पिऽ या ऽ की	ऽ न ज रि	या ऽ ऽ जा	ऽ दु भ री
०	३	×	२
मं	ध		
प – प प	मं – ग रे	सारे गमं प रे	ग रे सारे सा
मो ऽ ह लि	यो ऽ म न	प्रेऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ म भऽ री।
०	३	×	२

अन्तरा.

मं		नि रें	
प प सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि ध	नि ध प –
क व न ज	त न अ ब	क रि ये ऽ	आ ऽ ली ऽ
०	३	×	२
मं	ग		
प मं ग प	रे – सारे सा	सारे गमं प रे	ग रे सारे सा
ना ऽ हिं प	रे ऽ मोऽ हे	चैऽ ऽऽ ऽ न	ए क घऽ रि।
०	३	×	२

यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़		रे रे	ध़ ध़
सा ग रे ग	– सा सा रे	ध़ नि़ सा सा	नि़ प़ – प़
क हो स खी	ऽ पि या के	द र स कै	मे पा ऽ ऊं
×	२	०	३
मं		सा	
प़ नि़ ध़ सा	सा रे सा सा	नि़सा रेग मंप रे	ग रे सारे सा
क ल न प	र त मो हे	घऽ ऽऽ ऽऽ रि	प ल छिऽ न।
×	२	०	३

अन्तरा.

प		मं	मं ध
म ग प प	प – ध प	प धप ध निध	प प म ग
ज ब से ग	ये ऽ मो री	सु धऽ हु नऽ	ली ऽ नी ऽ
×	२	०	३
	ध	रे	
ग रे ग प	सा रे सा –	निरे गमं प रे	ग रे सारे सा
त र फ त	जि य रा ऽ	मीऽ ऽऽ ऽ न	ज ल विऽ न।
×	२	०	३

यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

		मं	
सा रे सा –	ग – रे रे	गमं पग प (प)	ग रे – सा
अ नि में ऽ	की ऽ ऽ त	हींऽ ऽऽ नी ऽ	मा ऽ ऽ ई
३	×	२	०
नि़	नि़	नि़	
सा मा सा	सा ग रे सा	सा सा नि़ ध़	नि़ ध़ – प़
ऽ ढो ल ण	में ऽ ना ले	मि लं दा ऽ	ना ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं प			
प ग प प	प नि ध सां	नि नि सां –	नि ध प –
इ त उ ठ	उ च क उ	च क यूं ऽ	फि रं दा ऽ
३	×	२	०
प प	ध ध	मं	
मं मं प ध	नि नि मं प	पप धध पमं ग	प रे ग –
स दा ऽ रं	गी ऽ ग लि	याऽ ऽऽ ऽऽ मां	हीं ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ग रे सा –			
अ नि मैं ऽ			
३			

राग यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं	मं	ग	
प गमं	नि ध प –	– रे – सा	ग रे ग ग
अ रीऽ	ये ऽ री ऽ	ऽ आ ऽ ली	पि या बि न
	०	३	×
– – प प	ग मं ग प	प ध प प	नि ध प प
ऽ ऽ स खि	क ल ना प	र त मो हे	घ री प ल
२	०	३	×
ग	सा ध		
रे रे सा सा	नि नि (प) –		
छि न दि न	ये ऽ री ऽ		
२	०		

अन्तरा.

मं		प	
प प सां सां	सां – सां सां	सां (सां) नि ध	नि ध प प
ज ब तें पि	या ऽ प र	दे ऽ स ग	व न की नो
०	३	×	२
मं प		नि	ग
प गं रें सां	नि ध प प	ध नि ध प	रे रे सा सा
र ति यां क	ट त मो हे	ता ऽ ऽ रे	गि न गि न।
०	३	×	२

राग यमन–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि़ ध़
सां ऽ

सा		सा	नि़
नि़ रे ग रे	सा रे सा सा	नि़ ध़ प़ प़	ध़ सा – –
व रे दि सु	र त मा नुं	भां ऽ ऽ दि	वे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
नि़		ग	ग
सा – ग रे	ग – ग –	प ग प (प)	रे – सा नि़ध़
मैं ऽ डी ऽ	सैं ऽ यो ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म प	म ध	म	म
प ग प प	प म म ग	ग ग प प	प निध सां (सां)
वि न दि ठि	यां ऽ मा नुं	क ल ना हिं	प डंऽ दी ऽ
३	×	२	०
	म प	ग	नि
नि ध प –	प ग ग प	रे – सा –	सा रे ग म
री ऽ ऽ ऽ	चि त च ढ़	जां ऽ दी ऽ	भू ऽ म र
३	×	२	०
ग	ग		
प म प –	प – (प) –	रे – सा निध	
पां ऽ दी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सांऽ	
३	×	२	

राग यमन–त्रिताल (विलंबित लय).

स्थायी.

प ध	ग	ग	
निनि (प) म ग	प – म ग	रे ग ग रे	सा रे सा –
भऽ ज ह रि	ना ऽ ऽ म	तू ऽ मो रे	म न वा ऽ
३	×	२	०
नि	नि		म ग
सा रे ग रे	सा रे सा सा	मा सा ग गरे	ग म म प
स ब सु ख	का ऽ र क	भ व भ यऽ	हा ऽ र क
३	×	२	०

मं	ध		रे रे
प – प प	मं – मं ग	ग रे सारेगमं प	ग रे निरे सा
पू ऽ र न	हो ऽ त म	क ल तेऽऽऽ ऽ	ऽ रे काऽ म।
३	×	२	०

अन्तरा.

		नि	नि ध
प ग प धप	सां – सां सां	सां रेंनि रें गं	सां निनि (प) –
य ह मं ऽऽ	सा ऽ र ध	ड़ी ऽऽ का ऽ	स पऽ ना ऽ
३	×	२	०
मं मं	ध		रे
प – प प	मं – मं ग	ग रे सारेगमं प	ग रे निरे सा
सां ऽ च ए	ऽ ऽ क च	तु र कोऽऽऽ ऽ	ऽ ऽ नाऽ म।
३	×	२	०

यमन—एकताल (विलंबित).

स्थायी.

प ध मं	प प	ग				मं
निनि प(प)	ग गप	रे ग	ग ग	ग रे		ग मं
जिऽ योऽ	क रोऽ	को ऽ	टि ब	र स		लों ऽ
३	४	×	०	२		०
ग		नि				
प रे	निरे सा	सा रे	ग रे	सा (सा)		नि निध
ऽ जा	ऽऽ में	अ ति	सु ख	पा ऽ		यो तेऽ
३	४	×	०	२		०

ध़						प		ग			
नि़	ध़	प़	—	प	—	ग	प	रे	नि़	रे	सा
हा	ऽ	रे	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

										नि	नि
म		म									
प	ग	प	धप	सां	—	सां	सां	—	सां	सां	सां
तू	ऽ	रा	ऽऽ	ऊ	ऽ	म्र	वा	ऽ	द	ब	दी
३		४		×		०		२		०	
नि								म			म
रें	रें	सां	निध	नि	—	ध	प	प	पग	—	प
ऽ	म	त	मुऽ	दा	ऽ	ऽ	म	व	हऽ	ऽ	के
३		४		×		०		२		०	
		नि						म			ध
—	प	ध	—	नि	ध	प	—	प	निध	—	सां
ऽ	म	हुं	ऽ	ऽ	म	दी	ऽ	आ	ऽऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
									रे		
—	नि	(प)	पग	प	—	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
ऽ	ले	हि	सऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म।
३		४		×		०		२		०	

यमन - त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सासा

सुम

ग रेगमप -रे गरे सा	सा (सा) – निध	नि ध प –	ध नि सा – – –सा
रऽऽऽ ऽन करूँ मैं	तो ऽ ऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ	तू ऽ ऽ ,सा
३	×	२	०
ग रे रे गरे निरे सा	नि सा – ग रे	रे ग – ग –	प प म मग प प
हे बऽ मेऽ रा	आ ऽ वो ऽ	मे ऽ रे ऽ	गु नऽ अ व
३	×	२	०
म प प मपधनि -ध प	ग प(प) म ग रे	रे प – ग रे	रे नि रे सा, सासा
गु नऽऽऽ ऽत न	ननें हा ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र, सुम
३	×	२	०

अन्तरा.

ग प ग प धप	प सां – (सां) –	नि ध सां -रें	सां नि ध प
तू ऽ ही ऽऽ	दा ऽ ता ऽ	तू ऽ ही ऽक	री ऽ ऽ म
३	×	२	०
प सां गं रें निरें सां	ध नि ध म,धनि (प)	म ध प म ग रे	रे नि रे सा, सासा
ते ऽ रोऽ हि	ना ऽ ऽ,ऽऽ म	क र ता ऽ	ऽ ऽ र, सुम।
३	×	२	०

यमन–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

			निध
			बन
म	ग ध	ग	नि
प (प) म ग	प म म	रे ग - रे	सा रे सा
रे ऽ ऽ ब	लैं ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ	लूं ऽ गी
३		२	०
नि	नि	रे	
सा – नि ध	सा रे निरे	प – ग रे	सा (सा) निध
आ ऽ ज सु	हा ऽ गऽ	की ऽ गा ऽ	ऽ ऽ तन
३		२	०
	ध	ध	ध
सासानिध नि (प) -	प प प	म ग रे पपधनि	सारेंसांनि सां, निनि
वेऽऽऽ ऽ ला ऽ	ब र पा	या ऽ ऽ ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ बन
३	×	२	०
(प) – म मग			
रे ऽ ऽ बऽ			
३			

अन्तरा.

ग	प		
प ग प धप	सां सां सां	(प) ग प धप	सां सां –
चं ऽ द्र ऽऽ	ब द न	प र नि पऽ	ट की ऽ
३	×	२	०

नि सां – रें रें	सां नि ध	ध सां (सां) नि ध	नि ध प
लो ऽ च न	च म क	त ल री ऽ	यां ऽ ऽ
३	×	२	०
नि नि ध ध सां (प)	प ग ग	प प प ग ग ग रे	रे प – ग
ब ना ऽ ब	नी ऽ के	मु ख तं ऽ	बो ऽ ल
३	×	२	०
प नि ग प ध सां	(प) – ग	ग रे ग प	ग रे – सा
बी ऽ री ब	ना ऽ य	अ न गि न	दं ऽ गी ।
३	×	२	०
नि़ सा – नि़ ध़			
आ ऽ ज सु	इत्यादि·····		
३			

यमन–त्रिताल. (विलम्बित)

स्थायी.

नि
यान

मं प (प) – मंग	ग प – म ग	ग रे ग – रे	सा – निसा गरे
बी ऽ ऽ यार	सू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ लि	ल्ला ऽ ऽऽ सद
३	×	२	०

नि़		नि़	सा सा सा
सा (सा) – निध	सासानिध नि़ – ध़	प़ – – सा	रे रे रे –
का ऽ ऽ हस	नैऽऽऽ ऽ ऽ न	का ऽ ऽ मु	श कि ल ऽ
३	×	२	०
नि़ रे	ग		नि़
सा ग ग –	प – – रे	ग – – रे	सा रे सा निध
मे ऽ री ऽ	आ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सा ऽ न, यान
३	×	२	०

अन्तरा

मं		नि	
प ग प धप	सां – सां –सां	सां रें सां –	रें गं (सां) –
तु म तो ऽऽ	दी ऽ न ऽदु	नी ऽ के ऽ	बा द शा ऽ
३	×	२	०
ध		मं ध	प
सां (सां) – निध	सांसांनिध निध (प)	प मं ग रे	ग प ध निध
या ऽ ऽ रऽ	सूऽऽऽ ऽंलि ला ऽ	तु म तो ऽ	मु झ प रऽ
३	×	२	०
	ग		रे
मंपधनिसां रेंसां (सां)	प – ग प	रे ग – रे	नि़ रे सा निध
मेऽऽऽऽ ऽ ह र	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ न, यान।
३	×	२	०

यमन–त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

गरे

पट

ग	प ध मं		रे
गमंप मं प प	निनि प(प) – ग	प (प) ग गप	ग – रे –
तोऽऽ ऽ ऽ रे	कऽ वऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ नऽ	दे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

ग प – ग –	ग प (प) – गरे	ग रे सारे मा	ग रे सारे मा
हों ऽ ऽ ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽऽ रा	तु ऽ मुऽ
३	×	२	०
मा प ग प रे	ग गमंप मं प पप	मं प ध – निध	मं प (प) ग रे
ग्या ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽ ऽ ऽ नम	हुं ऽ ऽ मद	मा ऽ ए ऽ
३	×	२	०
मं ग मं प –ध	नि – ध	ध मं ध सांसांनिध निध	मं प – मं मंरें
च तु र ऽया	ल ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽऽऽऽ ऽमु	वा ऽ ऽ, पट।
३	×	२	०

अन्तरा.

			मं प ए
मं नि ध प ध नि नि	सां – (सां)	सा ध नि ध, मंध	सांसांनिध निध प –
क तो ऽ ह	री ऽ जी ऽ	का ऽ ऽ, भऽ	ईऽऽऽ ऽल वा ऽ
३	×	२	०
मं ध प मं ग रे	रं नि रे मा –	नि सा सा सां नि ध	प मंध सांसांनिधनि,ध प(प) मंरें
म दा ऽ ऽ	रं ऽ ग ऽ	री भे ऽ आ	नऽ ऽऽऽऽऽ,मु वाऽ, पट।
३	×	२	०

यमन–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

प ध म															
निनि	प(प)	–	मंग	पपमंग		मं	ग	रे		सा	–	गरे		ग	
एऽ	रीऽ	ऽ	लाल	मीऽऽऽ		ऽ	ले	ऽ		ऽ	ऽ	ऽजि		या	
३		४		×			०			२		०			
ग		ग					ग			ग					
प	ग	प	(प)	प	ग		प	ग		रे	ग	रे		सा	
ऽ	ऽ	रू	ऽ	प	ऽ		सूं	ऽ		द्	ऽ	ऽ		र	
३		४		×			०			२		०			
नि				ग											
सा	गरे	ग	ग	प	(प)		रे	ग		रे	सारे	सारेग		–	
रा	ऽऽ	जें	द्र	रा	ऽ		ऽ	ऽ		ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ		ऽ	
३		४		×			०			२		०			
ग		ग													
प	ग	प	(प)	प	ग		रे	सा		सासारेग	–रे	सापु		धुप	
जा	ऽ	ज	ग	त	में		ऽ	ऽ		लाऽऽऽ	ऽव	लाऽ		ऽऽ	
३		४		×			०			२		०			

अन्तरा.

ग				प			नि		ध		
प	ग	प	धप	सां	–	–	सां	नि	नि	रें	सां
जो	ऽ	जा	ऽऽ	की	ऽ	ऽ	भा	ऽ	ऽ	व	र
३		४		×		०		२		०	

नि सांसांनिध निध	सांसांरे गं –रें	नि सां निध	नि सां(सां)-,नि ध	नि ध्प	ग पग प	
सांऽऽऽ ऽऽ ३	ऽऽऽऽ ऽहि ४	बे ऽऽ ×	गांऽ ऽ,तऽ ०	न ऽऽ २	बेऽ गा ०	
पपधनिसां रें	नि सां (सां)	निध निध	प –ध	नि ध	रें रें सांनिसां,-निध	
म्हाऽऽऽऽ ऽ ३	रे ऽ ४	अऽ तऽ ×	ऽ ऽक ०	गो ऽ २	ऽऽऽऽऽऽ,रिमं ०	
ध ध मं,धमं निनि	मं प(प) –,मंग	पपमंग मं	ग रे			
ग,ऽऽ ऽऽ ३	लऽ ऽ,लाल ४	मांऽऽऽ ऽ ×	ले ऽ ०			

यमन—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

						,रे ,म प
ग धधपमंप	परे –,गरे	सा –	– ,गरे	मा ग –	–	मं
हुँऽऽऽऽऽ ३	ऽऽ ऽ,मद ४	आ ऽ ×	ऽ ऽर ०	बी ऽ २	ऽ ०	या
ग ,–मं	प मंप	ग प (प)मं	ग रे	सा नि़	ध़	ध़
ऽ ऽन ३	बी ऽऽ ४	स लीऽ ×	ल्ला ऽ ०	ऽ ऽ २	ऽ ०	हो

म				रे	ध			रं			
प	निध	सा	–रे	प	मं	ग	रे	नि	रे	सा	–रे
आ	लेऽ	ही	ऽव	स	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म,	ऽम।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग											
प	ग	प	सांध	मां	–	मां	मां	–	सांरें	मां	–मां
पं	ज	त	नऽ	पा	ऽ	क	द्वा	ऽ	ऽदेइ	मा	ऽम
३		४		×		०		२		०	
सां						प					
नि	–	निध	सां	मां	सां	सां	(मां)	निध	नि	ध	प
चा	ऽ	दें ऽ	मा	सू	मे	मू	ऽ	तें ऽ	जा	ऽ	लि
३		४		×		०		२		०	
सां				प					रं		
ध	मां	(प)	पम	ग	प	रे	ग	रे	नि	रे	सारं
नू	ऽ	रे	वऽ	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म,म।
३		४		×		०		२		०	

यमनकल्याण—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	म			ग				ध			
पप	निध	प(प)-	,मंग	प	–	ग	रे	प	(प)	ग	रे
पल	कन	सेंऽ	ऽ,मग	भा	ऽ	रू	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२			
प								मं			
ग	मं	प	ध	सांसांनिध	नि	प(प)		पप	निध	सांनि	रें
क	ब	घ	र	आऽऽऽ	ऽ	वे	ऽ	मोग	ऽऽ	ऽऽऽ	
३				×				२			

				ध	ग		
प	रे	गरं	सा	सां,निध	निम	पम	
मा	ऽ	ऽऽ	ई				
०							
प्या,ऽऽ	ऽ	रा	ऽऽ।				
०							

अन्तरा.

ग		प						नि						ध	
प	प	सां	-सां	सां	सांनि	रें	सां	सां	रें	गं	(सां)	सांसांनिध	नि	प	(प)
त	प	त	ऽबु	झा	ऽऽ	ऽ	ऊं	ग	रे	ऽ	ल	गाऽऽऽ	ऽ	ऊं	ऽ
३				×				२				०			
नि								नि							
धनि	सारें	मंमंगंरें,गंरें		सारें,सां				सां,निध		सांसांनिध,निध			पध	प	
तन	मन	धऽऽऽ,ऽन		ऊऽ,न				प,रऽ		बाऽऽऽ,ऽ			ऽऽ	रू	
३								×							
													ध	ग	
पप		निध		सांनि		रें		सां,निध		नि			मं	पमं	
मोरा		ऽऽ		ऽऽ		ऽ		प्या,ऽऽ		ऽ			रा	ऽऽ।	
२								०							

यमन-एकताल (विलंबित).

स्थायी.

		नि				प			नि		
,गग	रे,गरे	सा(सा)	-,निध	सासानिध	निध	प	-	सा	सा	सा	रे
ऽ,कहे	स,खीऽ	कैऽ	ऽ,सेके	कऽऽऽ	ऽरि	ये	ऽ	भ	रि	ये	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				नि				मं			
ग	रे	सा	निसा	सा	-	ग	-	ग	-	ग	रे
ऽ	दि	न	ऽऽ	ऐ	ऽ	से	ऽ	ला	ऽ	ल	न
३		४		×		०		२		०	
ग		ग		प				रे			
प	ग	प	(प)	रे	ग	-	रे	ध	नि	सा	-
के	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग				प				नि			
प	ग	प	धप	सां	–	सां	निसां	सां	(सां)	–	निध
सु	न	री	ऽस	खी	ऽ	मैं	ऽऽ	का	ऽ	ऽ	कहुँ
३		४		×		०		२		०	
		मं		मं				प			
सांसांनिध	निध	प	(प)	प	(प)मं	ग	रे	ग	प	निध	सां
तोऽऽऽ	ऽऽ	सें	ऽ	उ	नऽ	ही	के	जा	ऽ	ऽऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
	सां			प				रे			
–	नि	ध	प	रे	ग	–	रे	ध़	नि़	सा	–
ऽ	न	ऽ	त	ढं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

यमन–एकताल (बिलम्बित).

स्थायी.

नि़	प़	निध़	,सारे	सा	–	नि़	रे	ग	रे	सा	(सा)
मे	रा	ऽऽ	,मन	बां	ऽ	ऽ	ध	ली	नो	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प ध	मं		प ग					रे			
निनि	प(प)	रे	मंमं	प	प(प)	ग	रे	ध़	नि़	सा	सा
हांऽ	रेऽ	ऽ	इन	जो	गीऽ	या	के	सा	ऽ	ऽ	थ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म॑				प ध म॑						नि़	
ग	म॑	प	ध	निनि	प(प)	म॑ग	गप	ग	रे	सारे	सा
स	दा	रं	ग	कऽ	रऽ	मऽ	कऽ	रो	ऽ	क्यूंऽ	ना
३		४		×		०		२		०	
सा				प ध				ग	सा		
नि़	रे	ग	म॑	निनि	(प)	म॑ग	प	रे	नि़	रे	सा
इ	न	प्रा	ऽ	नऽ	ना	ऽऽ	थ	के	हा	ऽ	थ
३		४		×		०		२		०	

यमनकल्याण—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

											सा
											सो
सा रे नि़											
गग	सा(सा)	–	नि़ध़	सासानि़ध़		नि़ध़	प़	–	प़	ग	–	रे
हेऽ	लाऽ	ऽ	ऽऽ	नंऽऽऽ		दऽ	के	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×			०		२		०	
रे	रे			नि़							प ध म॑	
नि़	गग	(सा)	–	सा		ग	गरे	पग	प	प	निनि	प(प)
ऽ	ऽऽ	वो	ऽ	ब		जा	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	वो	तोऽ	रेऽ
३		४		×			०		२		०	

								नि़			
—	पग	पग	प,धप	ग	रे	सा	—	सा	(सा)ध़	नि़ध़	,सा
ऽ	मंऽ	दीऽ	ऽ,ऽल	रा	ऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ऽऽ	,सो।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

	सां										
	निध	पम	गरे	ग	म	प	मप,ध	नि	ध	सां	सां
ऽ	सौंऽ	काऽ	सम	अ	म	म	ऽऽ,नि	म	ऽ	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	
सांरें										प	
गंगं	(सां)	नि	धध	सांसांनिध	नि	ध	प	ध	प	ग	म
अऽ	ती	ऽ	तअ	नाऽऽऽ	ऽ	ऽ	धा	ऽ	त	म	न
३		४		×		०		२		०	
		प		प ध			ग			रे	
ग	रे	ग	मप	निनि	(प)	—	रे	ग	रे	धनि	सा,सा
रं	ग	के	ऽऽ	दिऽ	खा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,सो।
३		४		×		०		२		०	

यमन–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

										नि़	
										सासा	
										दिय	
ग				नि़				प़			सा
रे	ग	रे	सा	सा	नि़	ध़	प़	मा	नि़	रे	रे
रा	ऽ	ऽ		बा	ऽ	ऽ	ऽ	रूं	ऽ	ऽ	गी
३		४		×		०		२		०	

रे			नि			नि	रे
ग रे	सा (सा)	सा निध	सा सा	सा ग	ग —		
धि या	के ऽ	ह जऽ	र त	ख्वा ऽ	जे ऽ		
३	४	×	०	२	०		
प ध	ग	प					
म मंग	प प	ध प	ग प	रे —	सा सासा		
खि दऽ	र के	न ज	ऽ ऽ	ऽ ऽ	र, दिय।		
३	४	×	०	२	०		

अन्तरा.

मं		प	प			मं	
प पग	प प	ध प	मंग पध	सांसानिध निध	प (प)		
दू धऽ	पू त	औ र	अन धन	लऽऽऽ ऽछ	मी ऽ		
३	४	×	०	२	०		
म ध		रे		रे निरे			
प म	ग रे	प ग	प रे	नि गग	(सा) ,सासा		
नि स	दि न	श्या ऽ	ऽ म	फ जऽ	र ,दिया		
३	४	×	०	२	०		

यमन—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं	ग		ग ग			नि	
पग गमंधप	रे सासा	गरे ग	पग प(प)	रे सा	सां निध		
याऽ ऽऽऽर	दा मेंनुं	नित दा	नीऽ होऽ	ऽ रा	सैं याऽ		
३	४	×	०	२	०		

ध सां(सां),निध	सांसांनिध निध	प –प	ध नि प ध,निध	निसांरें रेंसांनिसां निध	नि ग मंप मंप
निऽ ,मेंनु	भांऽऽऽ ऽव	दाऽनि	हो ग,ऽऽ	ऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ
३	४	×	०	२	०
प निधप प,गमंधप	गरें सासा				
याऽऽ ऽ,ऽऽऽऽर	दाऽ मेंनुं				
३	४				

अन्तरा

मं पग पप	पप मंध	प –	मं पग पध	सां (सां)	निध प
कित वल	मज ऽनूं	वे ऽ	कित वल	कु ऽ	काऽ ऽ
३	४	×	०	२	०
नि सांसां रें	सां –,निध	सांसंनिधनि (प),प	ध नि प ध,निध		
इश्क पैं	या ऽ,मियां	जोऽऽऽऽ रा,नि	हो रा,ऽऽ	स्थायी के अनुसार	
३	४	×	०		

यमन—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

			नि़ सा स
नि़ ग ध सा रे ग –	प – मं –	मं ग ग – रे –	सा – – –
लो ना रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	बा ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

नि़ रे			नि़
सा रेग नि़ (सा)	नि़ ध़ सा नि़	नि़ ग रे	सा – – सा
ऽ लम मो ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ, स।
२	×	२	०

अन्तरा.

मं		ग	ग
प – मं ग	प – प –	प – रे –	रे ग मं प
सू ऽ हा ऽ	चो ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	अ त रं ग
३	×	२	०
प	ध	ग प	रे
नि ध सां (सां)	नि ध प –	प (प) ग ग	ग – रे रे
भी ऽ ऽ ऽ	ना ऽ ऽ ऽ	आ ऽ ज सु	हा ऽ ऽ ग
१	×	२	०
ग	ध		
प – (प) –	मं – रे –	ग – रे –	सा – – नि़
की ऽ ऽ ऽ	ग ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ते ऽ ऽ, स।
३	×	२	०

यमन– त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

			सा
			नि़ रे
			ओ दे
ग प ग रे	नि़ सा रे ग	मं ग मं (प)	– रे – मं
ले ते दे ले	त न द्रे द्रे	त द्रे ऽ न्ना	ऽ दी ऽ म्त
०	३	×	२

(प) – (ग)रे ग	रे सा सा रे	ग रे सा नि़	ध़ नि़ ध़ –
दी ऽ म्ता ऽ	न्न द्रे द्रे तों	ऽ द्रे द्रे त	दा ऽ नी ऽ
०	३	×	२
प़ ध़ नि़ रे	ग रे नि़ रे	ग – म (ग)म	– (प) – –
दा ति दा नि,	उ दे दा नि	दी ऽ म्त द्रे	ऽ न्ना ऽ ऽ
०	३	×	२
नि़ – रे ग	म (प) – –	रे ग रे सा	– सा (सा)नि़ रे
ता ऽ न्न दे	रे ना ऽ ऽ	दी ऽ म्त दा	ऽ नि, ओ दे
०	३	×	२

अन्तरा.

प प प सां	ध सां – सां	सां – सां –	रें गं रें सां
ना द्रे द्रे दी	ऽ म्दी ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	म्त त न दे
०	३	×	२
नि (ध)नि – रें	सां – नि ध	प प रे ग	– रे नि़ सा
रे ना ऽ त	नूं ऽ धि या	ना रे नि ता	ऽ न्न दे रे
०	३	×	२
गं – रें –	नि – (प) –	(रे)ग – रे सा	– सा नि़ रे
ता ऽ नूं ऽ	दे ऽ रे ऽ	ना ऽ त दा	ऽ नि, ओ दे।
०	३	×	२

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			सा सा
			त न
रे ग रे नि़	— रे सा सा	ध़ नि़ ध़ नि़	सा सा सा रे
ना द्रे द्रे तो	ऽ म्त न न	त द रे दा	ऽ नि ता रे
०	३	×	२
			म प
ग ग — ग	ग म ग रे	ग म ग रे	प ग प (प)
दा नी ऽ त	द रे दा नि	त न न न	न न न न
०	३	×	२
		प	ग
ग — रे ग	ग रे सा सा	नि ध — ध	प — प ग
ना ऽ ऽ त	द रे दा नि	त ना ऽ त	ना ऽ त ना
०	३	×	२
रे			
— ग रे —	सा रे सा सा	ध़ नि़ ध़ सा	सा सा रे नि़
ऽ त ना ऽ	त न ना रे	ना द्रे द्रे दा	नी तुं द्रे द्रे
०	३	×	२
रे रे — म	ग प प प	प ध प म	ग रे सा सा
दा नि ऽ त	द रे दा नि	त न न न	न न, त न
०	३	×	२

अन्तरा.

सा रे ग ऽ	सा रे ग ऽ	ग रे प ऽ	ऽ ऽ ग ऽ
×	२	०	३
ग रे प ग	प प ध सां	प ध प म॑	ग रे सा ऽ
×	२	०	३
		धध पप पप धध	पप पप ध –
सा ग रे म॑	ग रे सा ऽ	तिर किट तक धिर	किट तक धा ऽ
×	२	०	३
प (प) –प प (ग)	ग रेरे सा सा		
धे त्लां ऽग धे	त्लां ऽग, त न		
×	२		

यमनकल्याण–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

– सारे	ग –	प(प) ग	रे गरे	–सारे सा	सारेगमप रेरे
ऽ यारे	मन् ऽ	यल ली	ऽ ऽऽ	ऽ,यल ला	ए ऽल
४	×	०	२	०	३
सा(सा)	निध्,सारे				
बाऽ	ऽऽ,यारे				
४					

अन्तरा.

(ग) प (प)	(ग) मंग (ग) ,मंमं	प मंप	प –	पपमंग (ग) मंमं	प प
ना द्रे	ऽऽ ,द्रेते	ला ऽ	ना ऽ	तेऽऽऽ ऽले	ला ना
३	४	×	०	२	०

प	सां	ध			
ग प	ध सांनि	निध प	प निध	प(प) गरे	नि,ध मंध
त दी	या ऽना	रेऽ ऽ	ना ऽऽ	द्रे ऽऽ	तो,ऽम द्रेऽ
३	४	×	०	२	०
पपधनि	धपमंग	रेसानि़ध़	,सारे		
ना	ऽ	ऽ	ऽ,यारे		
३		४			

यमनकल्याण—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

	सा,साध़ नि़रे	ग – रे गरे	सानि़ रे	ममगरे गरे	
ऽ ऽ	ते,ले नादिर	दी ऽम दी ऽम	दी ऽ	म्त ऽन	
३		×	२		
सा –	नि़रेरेसानि़सा धनि़	(प़)– प़ध़ सासा	सासा –	सारेसासा नि़ध़	
ना ऽ	द्रे ऽऽ	न्ना ऽ उदे लेते	देले ऽ	ऽ ल्लाना	
०		३	×		
नि़रे नि़रे	ममगरेग रे	सा – सानि़ रे	गरे सा	सा(सा) –,नि़रे	
तेले ऽले	ला ऽ	ना ऽ ता रे	दा नि	ते,ले ,नादिर	
२		०	३		

अन्तरा.

ग पमं प (प) –मंमं	ध प –ग मं ध	सांसांनिध निध (प) –
दीन्द रा ऽ ऽ,दर	ये ऽद बी ऽ	गो ऽ य ऽम
३	×	२
ग गमंपधप पग परे गरे	ग नि रेंनि गरे सा	ग रेंरे पपमंगमंग मं प
बे पी ऽ ऽ	रा ऽ ऽ वे	मित वा वे ऽ
०	३	×
ग रे गरे नि रेसा	सा निध प(प) रेसा	सारेगमंप रे,सा सा(सा) –,निरे
द ऽर्द रा ऽवे	पी ऽर गो ऽम्त	आ ऽवे ते,ले ऽ,नादिर ।
२	०	३

यमनकल्याण–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

पध निनि निधप –,पमं	ग सां निध,प –	पपमंगमं धधपमंपमं ग रे	गरे गमंप –
दरा ऽऽऽ ऽ ऽ,दानि	द राऽ,ऽ ऽ	ऽ द रा ऽ	दरा तो मऽ
३	×	२	०
रे ग रे सा निसा	मग मम रे	ध सा,रे सा (सा)	ध प –
द ऽ रा ऽ	दर दरा ऽ	दी ऽम्त दा ऽ	ऽ नि ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

		म	(म)	म़ ध़	–	–सा	–रे	ग	–	–	प	(प)	–
ऽ	ऽ	आ	व	सा	ऽ	वऽ	ऽर्स	रे	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
प													
ग	–प	–प	सां	ध	सां	सांसां	सांध	रे	रे	–	रे	मरे	गमपव
द	ऽम	ऽद	री	ऽ	ऽ	वज	रा	ऽ	ने	ऽ	ब	र्क	र
३				×			२				०		

निसांरेंगं रेंसांनिध पमगरे सारेसासा
ऽ ऽ ऽ ऽ,मदानि

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा						नि़			म		
ग	–	रे	–	सा	सा	सा	ग	रे	ग	म	प
तू	ऽ	ही	ऽ	भ	ज	भ	ज	ऽ	रे	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
प	ध		ध			म					
नि	प	–	म	–	ग	ग	म	गरे	ग	रे	सा
म	न	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	बा	ऽ	सुऽ	दे	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	

			ग						ग		
सा	रे	ग	रे	—	सा	सा	रे	ग	रे	सारे	सा
प	द	म	ना	ऽ	भ	प	र	म	पु	रुऽ	ष
०		३		४		×		०		२	
		म				म					
सा	रे	ग	म	प	प	प	रे	ग	रे	सारे	सा
प	र	मे	ऽ	श्व	र	ना	ऽ	रा	ऽ	यऽ	न ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

म			म			प					
प	ग	ग	प	ध	प	सां	सां	सां	सां	रें	सां
जो	ऽ	ग	जा	ऽ	ग	ज	प	त	प	क	र
×		०		२		०		३		४	
सां		सां	सां			ध			ध	ध	
नि	—	नि	नि	ध	ध	सां	—	नि	नि	प	
वा	ऽ	म	दे	ऽ	व	ना	ऽ	र	द	मु	नि
×		०		२		०		३		४	
म				म					प		
प	प	नि	ध	प	ध	प	म	ग	म	प	प
व	सी	ऽ	ष्ठ	स	न	का	ऽ	ऽ	दि	क	स
×		०		२		०		३		४	
				नि				नि			
प	म	ग		सा	रे	सा	सा	सा	रे	सा	स
क	ल	सु	र	गा	ऽ	व	त	ध्या	ऽ	व	त
×		०		२		०		३		४	

ध						सां			ध		
म॑	ग	म॑	प	–	प	नि	सां	नि	नि	म॑	प
अ	ऽ	ष्ट	जा	ऽ	म	क	र	त	र	ह	त
×		०		२		०		३		०	
म॑											
प	रे	ग	रे	सारे	सा						
पा	ऽ	रा	ऽ	यऽ	न						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म॑			म॑						म॑	नि	
प	–	प	प	–	ध	प	–	प	प	ध	सां
पी	ऽ	र	द	ऽ	स्त	गी	ऽ	र	ह	ज	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	ध			ध				ग		रे	
नि	नि	ध	प	म॑	म॑	ग	रे	रे	ग	ग	म
र	त	ऽ	तु	म	गु	रु	ऽ	सा	ऽ	हे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	नि़	ध़	–	प़	सा	सा	रे	ग	ग
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	इ	स	ब	श	र
×		०		२		०		३		४	
म॑				ध		म॑		ग			
ग	ध	प	–	म	–	ग	–	रे	–	सा	–
अ	प	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा						सा			म॑		
ध़	नि़	ग	रे	सा	–	प	–	म॑	ग	रे	ग
क	र	म	क	रे	ऽ	मे	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			सा								
सा	सा	–	सां	–	सां	–	सां	सांनि	रें	सां	–
कि	यो	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	दा	ऽऽ	ऽ	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि							ध				
सां	रें	गं	रें	सां	–	नि	प	–	प	ग	प
स	ब	ऽ	न	को	ऽ	य	ह	ऽ	ज	ग	ब
×		०		२		०		३		४	
ग								म॑			
रे	–	सा	–	सा	सा	रे	–	ग	म॑	ग	प
खा	ऽ	न	ऽ	त	र	का	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
			प	नि		ध					
–	प	ध	ध	ध	नि	नि	रें	सां	–	नि	–
ऽ	दि	ला	वो	अ	प	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	–	प	–	म॑	–	ग	–	रे	–	सा	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि़						सा			म॑		
ध़	नि़	ग	रे	सा	–	प	–	म॑	ग	रे	ग
क	र	म	क	रे	ऽ	मे	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			प			ग			ग		
प	—	प	ग	—	ग	रे	ग	—	रे	—	रे
ता	ऽ	न	ता	ऽ	ल	सो	ही	ऽ	गा	ऽ	इ
०		३		४		×		०		२	
						सा			नि़		
सा	—	सा	ग	रे	सा	नि़	ध़	ध़	सा	—	रे
ये	ऽ	अ	न	गि	न	ता	ऽ	न	गा	ऽ	इ
०		३		४		×		०		२	
		प	प			प					
ग	—	ग	ग	—	रे	ग	म	प	प	—	प
ये	ऽ	सु	ना	ऽ	इ	ये	ऽ	ऽ	बे	ऽ	गि
०		३		४		×		०		२	
प						ग			ग		
नि	ध	प	ध	प	—	रे	ग	—	रे	—	सा
प	र	स	त	है	ऽ	सु	ध	ऽ	रा	ऽ	ग
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

म		प	सां						नि		
प	प	सां	ध	सां	—	सां	सां	—	सां	रें	सां
सु	न	अ	त	ही	ऽ	अ	ला	ऽ	प	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि़						नि					
सां	गं	रें	गं	मं	रें	सां	—	निध	नि	ध	प
मु	ऽ	ऽ	द्रा	ऽ	में	गा	ऽ	वेऽ	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

म॑	ध						म॑		नि		
प	म	–	ग	प	–	–	प	–	ध	नि	प
प्र	मा	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	री	ऽ	झा	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
म॑										ध	
प	निध	नि	सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प	–
मा	ऽऽ	नो	ऽ	गु	नि	य	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प			ग								
ग	–	प	रे	–	सा						
हो	ऽ	त	कं	ऽ	ठ						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि			ध	ध		नि					
सां	सां	नि	नि	म॑	प	ध	नि	ध	प	–	प
च	र	न	न	सु	ख	चि	रं	ऽ	जी	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	
म॑						म॑					
प	–	ध	प	–	–	प	प	प	पग	ग	रे
मा	ऽ	ऽ	धो	ऽ	ऽ	द	ल	न	सुऽ	ख	ऽ
०		३		४		×		०		२	
						नि॑				रे	
सा	रे	ग	रे	सा	–	सा	–	रे	–	सा	रे
रा	ऽ	ज	क	रो	ऽ	बं	ऽ	सी	ऽ	अ	ध
०		३		४		×		०		२	

	प		ग			ग			रे		
ग	म	—	म	प	—	रे	ग	रे	नि़	रे	सा
र	रा	ऽ	ज	त	ऽ	रा	ऽ	ज	रा	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
सा			ध	ध							
सां	सां	नि	नि	म	प						
च	र	न	न	सु	ख						
०		३		४							

अन्तरा.

ग						प					
प	—	ग	प	ध	प	सां	—	सां	रें	सां	—
ध	ऽ	र्म	मु	क	ट	छ	ऽ	त्र	ब	ढो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां									ध		
नि	—	ध	सां	सां	रें	सां	—	नि	नि	ध	प
ला	ऽ	ख	मु	र	त	ना	ऽ	म	ले	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म	प					नि			म		
प	ग	—	प	प	—	ध	नि	ध	प	ध	प
क	हे	ऽ	मि	यां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
		नि	नि					रें			ध
प	प	ध	ध	सां	सां	रें	गं	सां	—	नि	नि
त	न	म	न	ध	न	सु	ख	पा	ऽ	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रें			ध								
सां	—	नि	नि	ध	प						
रा	ऽ	ज	रा	ऽ	ज						
×		०		२							

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			प	म॑			प	प			म॑
नि	ध	प	म॑	ग	—	रे	म॑	म॑	प	प	प
ए	त	क	त	हूं	ऽ	ऽ	ते	हा	ऽ	री	आ
३		४		×		०		२		०	
				म॑		प	ध				
ध	प	—	प	प	ध	ध	सां	नि	ध	नि	ध
म	दा	ऽ	स	ज	न	म	ज	न	म	के	ऽ
३		४		×		०		२		०	
			प				प				रे
प	म॑	ग	म॑	प	—	प	ग	म	ग	रे	नि़
ऽ	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रे	दु	ऽ	ख	ऽ	ह
३		४		×		०		२		०	
				नि़	सा		प	म॑			
रे	सा	—	—	सा	प	—	म	ग	—	ग	रे
ऽ	रो	ऽ	ऽ	सा	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे				नि़			नि़				
नि़	रे	सा	—	ध़	नि़	—	ग	रे	सा	—	निसा
हौ	ऽ	जे	ऽ	कौ	ऽ	ऽ	स	र	के	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा

म॑			प								
प	प	—	सां	ध	सां	सां	—	सां	सां	—	सां
तु	म	ऽ	सों	ऽ	जो	क	ऽ	न	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

नि		मं	रें						नि		
सां	—	गं	गं	—	मं	गं	रें	—	सां	रें	सां
जा	ऽ	सों	जा	ऽ	य	क	हूँ	ऽ	दौ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सा	ध					मं		रे			
नि	नि	ध	प	मं	ग	गम	ग	रे	नि़	रे	सा
ह	म	ऽ	को	ऽ	तो	नऽ	हीं	ऽ	ठौ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि़		मं							ध		
सा	रे	ग	मं	ध	नि	रें	सां	नि	नि	ध	प
बि	न	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	न
×		०		२		०		३		४	
मं	नि		ध		मं						ध
प	ध	नि	मं	पमं	ग	मं	नि	—	ध	प	मं
प	र	ऽ	के	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	क	त
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां					ग				ध		
नि	ध	—	प	मं	मं	प	—	प	मं	—	ग
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	श	री	ऽ	र	ज्ञा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
					ग				नि़		
ग	—	रे	ग	मं	मं	प	—	रे	सां	रे	सा
ना	ऽ	द	भे	ऽ	द	ती	ऽ	न	स्था	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि़						प					
सा	–	रे	–	ग	ग	म	ग	प	पम	ध	प
द्वा	ऽ	वि	ऽ	श	ति	श्रु	ति	शु	चिऽ	स्व	र
×		०		२		०		३		४	
म									ध		
प	–	ध	ध	नि	ध	सां	सां	नि	नि	ध	प
द्वा	ऽ	द	श	बि	क	र	त	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म						नि					
प	–	ग	प	ध	प	सां	–	सां	सां	रें	सां
वं	ऽ	श	जा	ऽ	ति	व	ऽ	र्ण	द्वी	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
सां						सां	रें		ध		
नि	–	नि	ध	सां	–	गं	सां	नि	नि	ध	प
छं	ऽ	द	ऋ	षी	ऽ	वि	नि	ऽ	यो	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म	प								ध		
प	ग	–	प	–	प	नि	ध	नि	म	ध	प
श्रु	ती	ऽ	जा	ऽ	ति	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
प			ध		प				रे		
सां	–	नि	प	–	ग	प	–	रे	नि़	रे	सा
ए	ऽ	क	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि़			सा			मं			मं		
मा	–	मा	प	–	प	प	–	प	प	ध	प
शु	ऽ	द्ध	कू	ऽ	ट	भे	ऽ	द्	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
			नि						ध		
प	प	–	ध	नि	ध	सां	–	नि	नि	ध	प
प	र	ऽ	स्ता	ऽ	र	मे	ऽ	रु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
मं		ध						नि़			
प	–	मं	–	ग	–	ग	रे	मा	रे	मा	मा
न	ऽ	ष्टो	ऽ	दी	ऽ	ष्ट	प्र	बो	ऽ	ध	न
×		०		२		०		३		४	
नि़								ग			
मा	–	रे	–	ग	ग	मं	–	मं	प	ध	प
सा	ऽ	धा	ऽ	र	ण	को	ऽ	बि	धा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

मं						प					
प	ग	प	प	ध	प	सां	सां	सां	–	रें	सां
का	ऽ	क	लि	सु	र	अ	रु	अं	ऽ	त	र
×		०		२		०		३		४	
नि						नि					
सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	नि	ध	नि	ध	प
च	तु	र	ब	र	ण	अ	लं	ऽ	का	ऽ	र।
×		०		२		०		३		४	

ध								ध			
म	ग	प	–	प	–	नि	ध	म	ध	प	प
जा	ऽ	ती	ऽ	ल	ऽ	च्छ	न	कौं	ऽ	ब	ल
×		०		२		०		३		४	
प			ध	ध			प				
सां	सां	नि	नि	प	प	प	ग	प	रे	–	सा
र	त	ना	ऽ	क	र	म	त	प्र	मा	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण–धमार. (विलम्बित, मात्रा १४)

स्थायी.

								प	ध		
								नि	प	–	
								की	धों	ऽ	
			ग				प			ग	
रे	–	म	म	प	–	–	ग	म	ग	रे	रे	ग	म
ऽ	ऽ	तो	वे	चे	ऽ	ऽ	ट	ऽ	क	ऽ	की	धों	ऽ
३				×					२		०		
				सा	रे								
ग	रे	सा	–	ग	सा	–	नि़	ध़	प़	–	प़	सा	ध़
टो	ऽ	ना	ऽ	की	धों	ऽ	तो	ऽ	वे	ऽ	जं	त्र	ऽ
३				×					२		०		
				ग	ग		रे				सा	ध	
सा	–	रे	–	प	रे	–	नि़	–	रे	सा	नि	प	ध
मं	ऽ	त्र	ऽ	य	ही	ऽ	ना	ऽ	ऽ	र	की	धों	ऽ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

मं												नि			
प	–	–	सां	–	ध	सां	सां	–	–	सां	रें	सां	–
जो	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ऽ	हे	दे	ऽ	ऽ	ख	ऽ	त	ऽ
×					०		०			३			
नि					रें					ध			
सां	नि	रें	गं	–	सां	–	नि	ध	नि	प	–	प	प
मो	ऽ	ऽ	ह	ऽ	त	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽ	र	हि
×					२		०			३			
मं	ध		प				ग			सा	ध		ग
प	प	–	मं	ग	ग	प	रे	–	सा	नि	प	मं	मं
क	छू	ऽ	सु	ध	न	मं	भा	ऽ	र	की	धों	तो	वे।
×					२		०			३			

यमनकल्याण—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

प					ध					ग		रे	
नि	ध	प	प	प	मं	प	मं	ग	–	रे	ग	ग	प
के	ऽ	ऽ	म	र	घो	ऽ	र	के	ऽ	अं	ऽ	ग	ल
×					२		०			३			
प					सा					रे		ग	
रे	ग	–	रे	सा	ग	ग	सा	नि़	–	नि़	–	रे	ग
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	अ	ब	तु	म	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल
×					२		०			३			
ग		मं	प		नि								
प	मं	ग	ग	मं	ध	नि	सां	नि	ध	प	मं	ग	मं
क	हां	ऽ	जै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ज।
×					२		०			३			

अन्तरा.

					ग							
					रे	ग	प	प	निध	सां	सां	– सां
					ब	हु	त	दि	नऽ	ऽ	की	ऽ नी
					२		०			३		
सां												
नि	ध	नि	रें	सां	नि	ध	प	प	रे	ग	रे	सा –
अ	धे	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	इ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	को ऽ
×					२		०			३		
रे	ग		मं		नि							
नि़	रे	–	ग	मं	ध	नि	सां	नि	ध	प	मं	ग मं
फ	ल	ऽ	स	ब	पै	ऽ	ऽ	हो	ऽ	आ	ऽ	ऽ ज।
×					२		०			३		

राग अल्हैयाबिलावल

रागो वेलावलीति प्रथित इह सदा मान्यशुद्धस्वरेषु ।
षड्जन्यासग्रहोऽयं प्रकृतिसुरुचिरो धैवतांशो गमंत्री ॥
कल्याणांगं दधानो विलसति निगयोर्वक्रता चात्र नित्यं ।
प्रातर्गेयोऽभिगीतो रमयति हृदयं श्रण्वतामेष पूर्णः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावलीरागभवस्त्वल्हैया पूर्णो धवादि सहचारिगान्वितः ।
मृदुनिषादोऽभिमतोऽत्र किंचिदारोहणे मध्यमवर्जितोऽयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावली मान्यशुद्धा गसंवादिधवादिनी ।
गनिवक्रा तथा पूर्णा प्रातरेव हि गीयते ॥
वेलावलीसमुद्भूत आरोहे वर्ज्यमध्यमः ।
अल्हैया धगसंवादोऽवरोहे मृदुनिः क्वचित् ॥

चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम तीवर सबहि सुर सोहत जेहि मांहि ।
धग वादी संवादि है कहत बिलावल ताहि ॥
मृदु मध्यम सब तीख सुर मध्यमसें न चढैया ।
कहुँ निखाद कोमल लगत धगसंवाद अल्हैया ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सरी गमौ पधौ निसौ निधौ पमौ गमौ रिसौ ।
शुद्धवेलावली धांशा गेया प्राहण मनोहरा ॥
प्रारोहे चेन्मरिक्तासौ निद्वया गनिवक्रिता ।
अल्हैया स्यात् सुविख्याता धैवतांशपरिष्कृता ॥

अभिनवरागमंजर्याम ।

'अल्हैया बिलावल'—यह राग बिलावल थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है। इसराग में सभी स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर धैवत और सम्वादी गान्धार है। गायन समय प्रातःकाल का प्रथम प्रहर है। यह राग कल्याण सरीखा ही दिखता है अतः कभी-कभी इसे प्रातः का कल्याण भी कहते हैं। इस राग में निषाद व गन्धार स्वर वक्रगति से प्रयुक्त होते हैं। इसके आरोह में जब मध्यम वर्जित किया जाता है और अवरोह में किंचित कोमल निषाद लेते हैं तब गुणीजन इसे **अल्हैयाबिलावल** ऐसा नाम देते हैं। प्रचार में अल्हैयाबिलावल अधिकतर सुनाई देता है।

बिलावल का आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे, ग, म, प, ध, नि, सां । सां नि ध, प मग, रे सा.

अल्हैया स्वरूपः—

सा, रे, गरे, गप, ध, निध, नि सां सां नि ध, प, धनिधप, मग, मरे, सा.

अल्हैया की पकड़ः—

गरे, गप, ध, निसां

अल्हैयाबिलावल—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	सां	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग
×		२			०		३		
ग	म	प	म	ग	म	रे	सा	रे	सा
×		२			०		३		
ध	ध	रें	सां	नि	ध	प	ध	म	ग।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	प	नि	ध	नि	सां	ऽ	सां	रें	सां
×		२			०		३		
सां	रें	गं	मं	पं	मं	गं	मं	रें	सां
×		२			०		३		
गं	रें	सां	रें	सां	ध	प	सां	ध	प
×		२			०		३		
ग	म	रे	ग	म	प	ग	म	रे	सा।
×		२			०		३		

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

														नि	
														सां	सां
														त	ब
नि		ग	रे	ग			ध						ध		
ध	य	म	ग	प	–	नि	नि	सां	–	सां	सां	नि	नि	प	प
क	ह	त	बि	ला	ऽ	व	ल	भै	ऽ	द	च	तु	र	ज	ब
०				३				×				२			

धनि	सांरें	सां	सांनि	ध	प	म	ग	ग	रे	ग	म	ग	रे	सा	–
मेऽ	ऽऽ	ल	मिऽ	ला	ऽ	व	त	शु	ऽ	द्ध	सु	र	न	को	ऽ
०				३				×				२			
						ध			रें				ध		
सा	म	ग	प	प	–	नि	नि	सां	गं	सां	सां	नि	नि	सां	सां
प्रा	ऽ	त	स	मैं	ऽ	नि	त	प्र	थ	म	प	ह	र,	त	व
०				३				×				२			

अन्तरा.

			ध								रें			गं	
प	–	नि	नि	सां	–	सां	–	निसां	गं	गं	मं	रें	–	सां	–
धै	ऽ	व	त	वा	ऽ	दी	ऽ	गाऽ	ऽ	स	म	वा	ऽ	दी	ऽ
०				३				×				२			
मं			मं												
गं	मं	पं	गं	मं	रें	सां	सां	धनि	सांरें	सां	सांनि	ध	नि	सां	सां
अ	ऽ	ष्ट	भै	ऽ	द	स	ब	गाऽ	ऽऽ	य	मऽ	धु	र,	त	व
०				३				×				२			

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प				सां				नि						ग	
सां	सां	–	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग				
अ	ल्हैं	ऽ	या	ऽ	बि	ला	ऽ	ऽ	व	ऽ	ल				
×		०		२		०		३		४					
म			म			प									
ग	म	रे	ग	म	प	ग	–	मग	म	रे	सा				
रा	ऽ	ग	नी	ऽ	बि	ची	ऽ	त्रऽ	मा	ऽ	ई				
×		०		२		०		३		४					

			म			प		नि			
सा	सा	सा	ग	म	रे	ग	प	ध	नि	सां	सां
म	क	ल	सू	ऽ	र	शु	ऽ	द्ध	जा	ऽ	में
×		०		२		०		३		४	
नि	सां	रें			ध	ध		नि			
सां	गं	सां	—	नि	नि	प	—	ध	नि	सां	सां
र	स	शां	ऽ	ती	ऽ	को	ऽ	दि	खा	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			नि		ध						
प	—	—	ध	नि	नि	सां	—	सां	सां	—	सां
धै	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	जा	ऽ	में	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
नि						गं					
सां	गं	मंरें	गं	मं	पं	मं	गं	मंगं	मं	रें	सां
गं	ऽ	ऽऽ	धा	ऽ	र	म	म	ऽऽ	वा	ऽ	दि
×		०		२		०		३		४	
		नि				प		प	ध		
सां	—	ध	प	मग	मरे	ग	प	नि	नि	सां	सां
नी	ऽ	द्ध	य	गुऽ	निऽ	च	तु	र	सु	म	त
×		०		२		०		३		४	
नि			रें	सा	ध			नि			
सां	रें	गं	मां	नि	नि	प	—	ध	नि	सां	सां
अ	भि	न	व	रं	ग	दे	ऽ	ब	ता	ऽ	ई।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि सां सां त व
नि ग रे ध प म ग क ह न अ ०	ग ध प – नि नि ल्हैं ऽ या ऽ ३	सां – सां सां रू ऽ प च ×	ध ध नि नि प प तु र ज ब २
नि धनि सांरें सां सां शुऽ ऽऽ द्ध सु ०	नि ध प मग मरे र न कोऽ ऽऽ ३	म ग म प मग मे ऽ ल मिऽ ×	म रे – सा सा ला ऽ व त २
नि प सा - गम ग दो ऽ नोऽ नि ०	ध प – नि नि खा ऽ द ल ३	सां सां सां सां ग त सु म ×	ध नि नि सां सां धू र, त ब। २

अन्तरा.

ध प – नि नि धै ऽ व त ०	सां – सां – वा ऽ दी ऽ ३	नि रें सां गं गं मं गा ऽ स म ×	गं रें सां – वा ऽ दी ऽ २
मं पं गं मं पं गं स म य क ०	मं रें सां सां ह त दि न ३	सां ध नि सां सां प्र थ म प ×	ध नि नि सां सां ह र, त ब। २

संचारी.

नि़ — नि़ नि़	नि़ नि़	ध	म नि
सा सा ध ध	— ध ध —	नि़ — प —	प — ध नि
व ड़ो ऽ ज्ञा	ऽ न वा ऽ	को ऽ जो ऽ	जा ऽ न त
०	३	×	२
नि सां —			म
सां रें सां ध	नि़ प म ग	म रे ग मग	रे — सा सा
अ ऽ ष्ट भे	ऽ द वि ल	वा ऽ लि सुऽ	सं ऽ म त।
०	३	×	२

आभोग.

म ध		नि रें	
प — नि नि	सां — सां —	सां गं गं मंगं	मं रें सां सां
शु ऽ द्ध अ	ल्है ऽ या ऽ	दे ऽ व गिऽ	रि कु क भ
०	३	×	२
मं पं		नि	ध
गं मं पं गं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
सा ऽ ख शु	क ल इ म	नीऽ ऽऽ प र	दा ऽ त व।
०	३	×	२

बिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां	प		
सां सां ध निप	ग गम प म	ग — मरे —सा	सा रे सा —
र व सों ऽऽ	ने ऽऽ ह ल	गा ऽ ऽऽ ऽतु	म न वा ऽ
०	३	×	२
नि़ म	प ध		गरे
सा — ग मरे	ग प नि नि	सां सां सांसां गंरें	सांरें सांनि धप मग
दू ऽ जो ऽऽ	ना ऽ हिं श	र न वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

प ध प – नि नि	सां – सां सां	नि सां रें सां गं गं मं	गं रें सां सां
सां ऽ चो सु	खी ऽ को उ	ज ग में न	दी ऽ स त
०	३	×	२
मं गं मं पं मंगं	गं मं रें सां सां	सां ध नि नि सांसां गंरें	गरे सांरें सांनि धप मग
ह र रं गऽ	मा ऽ न ब	च न वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ।
०	३	×	२

बिलावल–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां सां – ध प	म ग म रे	म ग म प मग	ग म रे सा –
जा ऽ ग उ	ठे ऽ स ब	ज न तु मऽ	जा ऽ गो ऽ
०	३	×	२
नि म सा – ग मरे	प सां ध ग प नि नि	सां सां – रें सां	गरे सांरें सांनि धप मग
गौ ऽ व नऽ	के ऽ च र	वा ऽ ल च	रैऽ ऽऽ ऽऽ याऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

प ध प – नि नि	सां सां सां सां	नि रें सां गं गं मं	गं रें सां सां
ग्वा ऽ ल बा	ऽ ल स ब	गौ ऽ वां च	रा ऽ व त
०	३	×	२

नि प प ध नि	सां – सां सां	नि मं सां गंरें गंमं पंमं	गं रें सां सां
तु म रे ऽ	का ऽ र न	आ ऽऽ वऽ तऽ	धा ऽ व त
० प म प	३ सां ध	× नि	२ गरे
ग ग मरे ग	प प नि नि	सां रें सां –	सांरें सांनि धप मग
स दा ऽऽ रं	ऽ ग म न	तु म सों ऽ	लाऽ ऽऽ ऽऽ गोऽ।
० ग नि	३ प	× 	२
सां – ध प	ध ग म गरे		
जा ऽ ग उ	ठं ऽ स वऽ		
०	३		

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			प ग म
प ध प नि – नि	सां – – –	प सां सां ध प	म ग रे ग
न ह ऽ र	वा ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ म
३	×	२	०
प धनि सां नि	सां – – –	नि सां रें सां नि	ध प प प
न हऽ ऽ र	वा ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मै का
३	×	२	०

नि ध नि सां रें	सां नि ध प	प ग म प म	ग – रे सा
ह रि ह रि	चु रि यां ऽ	दे ऽ हो मं	गा ऽ ऽ य
३	×	२	०
नि सा – सा रे	ग – म –	प प नि ध नि	सां – सां –
रं ऽ ग रं	गी ऽ ली ऽ	औ र च ट	की ऽ ली ऽ
३	×	२	०
नि सां – गं गं	गं मं रें सां रें	सां – ध प	प म ग रे ग
ता ऽ प र	ध न क टं	के ऽ ली ऽ	ऽ ऽ ऽ, म
३	×	२	०
प धनि सां नि			
न हऽ ऽ र			
३			

अन्तरा.

ग प – प प	सां ध नि – नि –	सां – – सां	सां रें सां –
औ ऽ र ग	ले ऽ को ऽ	हा ऽ ऽ र	लूं ऽ गी ऽ
३	×	२	०
नि सां रें गं रें	सां सां – ध नि	सां – (सां) –	सां ध – नि प
मो ति य न	था ऽ ल भ	रूं ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

प सां सां सां सांनि	ध प मग मरे	ग म (म) ग	म रे सा -
ख र क खऽ	र क मोऽ रीऽ	चु रि यां ऽ	ख र कें ऽ
३	×	२	०
सां रें गं रें	सां रें सां सां	सां नि ध प	प म ग रे ग
बं ग रि मु	र क ग इ	ली ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, म।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां सां सां ध प	प ग म प म	म ग – रे –	सा रे सा -
ह रि सों ऽ	च ऽ क्र ध	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२
प प ग – ग मरे	प ध ग प नि नि	सां – सांसां गंरें	सांरें सांनि धप मग
भी ऽ ष मऽ	ना ऽ म क	हा ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऊंऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

	सां ध ध नि नि सां		
प – प प		सां – सां सां	– रें सां –
पां ऽ ड व	से ऽ न स	मे ऽ त सा	ऽ र थी ऽ
०	३	×	२

नि		सा	सां
सां – रें गं	गं रें सां सां	ध – सां (सां)	ध नि प –
शो ऽ णि त	पू ऽ र ब	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२
प	सां प	म	म
प प सां सां	ध प ग मरें	ग म प मग	रे – सा –
य ह न क	रूं ऽ तो ऽऽ	आ ऽ न तेऽ	हा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सा	नि		रे
सा – गं –	मं रें ध नि	सां – सांरें सांनि	धप मग म ग
का ऽ पां ऽ	ध्व ज तें उ	ता ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ रूं
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां			
सां – ध प	गम प – म	ग – म रे	सा रे सा सा
ला ऽ ड़ि ली	ऽऽ ला ऽ ड़	फू ऽ ऽ ले	आ ऽ व त
०	३	×	२
नि ग प		सां	म
सा – म म	– प – प	धनि सांरें सांनि धप	मग मग रे सा
ला ऽ ड़ि ली	ऽ ला ऽ ल	फूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ
०	३	×	२
सा सां			
सां – ध प			
ला ऽ ड़ि ली			
०			

अन्तरा.

सां प – प ध	सां सां सां सां	सां – सां सां	नि सां रें सां –
कूं ऽ ज के	ऽ लि न व	रं ऽ ग बि	हा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सां रें गं रें	ध सां सां (सां) ध प	प गप धनि सांरें सांनि	म धप मग रे सा
मु र त हिं	डो ऽ रे ऽ	भूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ।
०	३	×	२
सा सां सां – ध प			
ला ऽ ड़ ली			
०			

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां सां सां ध प	प ग प म ग	म रे गम प मग	म रे – सा –
ब लि ब लि	जा ऽ ऊं म	धु रऽ सु रऽ	गा ऽ वो ऽ
०	३	×	२
नि सा रे ग म	रे सा रे सा	सा ध़ नि़ रे सा	सा ध़ नि़ प़ –
अ ब कि बे	ऽ र मे रे	कुँ व र क	न्है ऽ या ऽ
०	३	×	२

प ग – गम रे नं ऽ दऽ हि ० मा सां मां मां ध प ब लि ब लि ०	प प ध ग प नि नि ना ऽ च दि ३	सांसां गंरे सांनि धनि खाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ×	सांनि धप मग रेंस ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ। २

अन्तरा.

प – प – ता ऽ री ऽ ०	ध नि ध नि – दे ऽ दे ऽ ३	सां सां सां – अ प ने ऽ ×	सां रें सां – क र की ऽ २
मां रें गं मं प र म प्री ०	रें सां रें सां ऽ त उ प ३	सां ध नि (सां) – जा ऽ ऽ ऽ ×	सां ध नि – प ऽ ऽ ऽ वो २
नि सां धनि मां मां ध आऽ ऽ न जौ ०	नि प मग मरे ऽ न्त धुऽ नऽ ३	ग रे गम प मग सु नऽ ड रऽ ×	म रे सा सा प त क त २
प प ग – ग मरे मो ऽ भु जऽ ०	प ध ग प नि नि कं ऽ ठ ल ३	सां – सांसां गंरें गा ऽ ऽऽ ऽऽ ×	सांरें सांनि धप मग ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ। २
ग सां मां मां ध प ब लि ब लि ०			

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म म ध	प	म	रे
ग म नि नि	ध प म प	ध प म ग	– म – ग
क व न व	ट रि या ऽ	ग इ लो ऽ	ऽ मा ऽ इ
०	३	×	२
म	प		
ग म प –	ग म प म	ग – – रे	सा – रे मा
दे ऽ ऽ ऽ	हो ऽ ऽ व	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ य
०	३	×	२
सां	नि	नि	रे
सां सां गं रें	सां नि ध नि	सां नि ध प	म म ग ग
इ त ही ऽ	इ त मो ग	चु र वा ग	इ ल वा ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध		नि सां	नि
प प नि नि	सां – सां –	सां रें सां सां	ध प ध –
ले ने ग इ	सौ ऽ दा ऽ	अ रे ह ट	वा ऽ रे ऽ
०	३	×	२
	मं	सां	ग रे
सां सां गं गं	रें – सां –	ध नि सां सांनि	ध प म ग
इ त नि ग	ली ऽ में ऽ	ग इ लो कऽ	व नु वा ऽ
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि सां मां
			अ ति
नि प रे	ध		ध ध
ध प गम ग	प प नि नि	सां – सां सां	नि नि प प
अ रु णऽ ब	र न पि या	नै ऽ न तु	म्हा रे अ ब
०	३	×	२
नि			
धनि सांरें सां सां	ध प मग मरे	ग मग प मग	म रे सा –
माऽ ऽऽ न हुँ	र ति रऽ सऽ	भ येऽ ऽ रऽ	ग म गे ऽ
०	३	×	२
नि सा	ध	रें	ध
सा म ग प	– प नि नि	सां सां सां सां	नि नि सां सां
क र त के	ऽ लि पि या	प ल क बि	सा रे, अ ति।
०	३	×	२

अन्तरा.

म ध		नि मं	
प – नि नि	सां सां सां –	सां गंरें गं मं	गं रें सां –
मं ऽ द मं	ऽ द डो ऽ	ल तऽ सं ऽ	क र सों ऽ
०	३	×	२
मं		सां	ध
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
सो ऽ भि तऽ	म ऽ ध्य म	नोऽ ऽऽ ह र	ता रे, अ ति।
०	३	×	२

संचारी.

नि़ नि नि	नि नि नि	नि	नि
सा – ध ध	– ध ध ध	ध नि़ प प	प ध नि
बा ऽ र बा	ऽ र अ व	लो ऽ कि प	र म रु चि
०	३	×	२
नि सां		म	म
सां रें सां ध	नि़ प मग मरे	ग म प मग	रे – सा –
क प ट ने	ऽ ह मऽ नऽ	ह र त हऽ	मा ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

म नि		नि मं	
प – ध नि	सां सां सां सां	सां गंरें गं मं	गं रें सां सां
सू ऽ र श्या	ऽ म दे खे	सु खऽ पा ऽ	व त दु ख
०	३	×	२
गं		नि	ध
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां
मो ऽ च नऽ	लो ऽ च न	होऽ ऽऽ र त	ना रे, अ ति।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

			ध
			सां
			दै
सां		ग	प
धनि़ धप म पम	ग रे सा –	रे ग ममगरे ग	ग प प –
ऽऽ याऽ ऽ ऽक	हां ऽ ऽ ऽ	ग ये ऽऽऽऽ ऽ	लो ऽ ग ऽ
३	×	२	०

प ध	नि	सां	म
नि नि सां –	सां (सां) – –	ध नि प –	ध ग म सां
त्रि ज के ऽ	ब सै ऽ ऽ	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध		नि	रें
प – नि ,नि	सां – रें सां	सां गं गं मं	गं रें सां –
ना ऽ मो ,रे	पं ऽ ख ना	पा ऽ य ल	पा ऽ सो ऽ
३	×	२	०
सां	प प ध	सां	म
ध धनि धप मगमरे	ग प नि –नि	सां (सां) ध निप	ध ग म सां
ना ऽऽ कोऽ ईऽऽऽ	सु धि को ऽले	वै ऽ या ऽऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			म
			,नि
			,पी
प			रे
ध प गम गरे	सा – – सा	सारे गम ग –	पपमग म ग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	मत वर वा ऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०
प		नि	म
ध प गम पम	ग रे सा सा	सा रे ग ग	गम पपमग रेग गम,नि
व न ऽऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	म त ब र	वाऽ ऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ,पी
३	×	२	०

अन्तरा.

म नि		गं गं	प सां
प पप, पप धनिध	सांसां सांसां सांरें सां	रेंरें गं रें सां	सां (सां) ध निप
मां गत,मध वाऽऽ	मह सन अब का	करि हों मो री	मा ऽ ऽ ऽऽ
	२	०	३
	नि सां	प ध म	
पप प पपधनिसां रें	सां – धनि प	ध ग म ,नि	
कल ली याऽऽऽ ऽ	ना ऽ हीऽ न	घ र वा ,पी	
×	२	०	

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

							म नि ,ढो
		प				ध	
ध	प	गम	,गरे	सा	–	सासारेरेसानि	नि,सारे
ल	न	ऽऽ	,मांडे	जा	ऽ	नेऽऽऽऽऽ	ऽ,हम
३				×			
				ग			
ग	म	ग	–	मग	–ग	ममगरेग	,म,गम
वा	ऽ	री	ऽ	वारी	ऽकि	थीऽऽऽऽ	,कु,रऽ
२				०			
				म			
प	–	नि	ध	प	प(प)	ग	मरे
वा	ऽ	ऽ	न	जी	ऽऽ	ऽ	ऽऽ
३				×			

ग								प	म
प	धनिसांरें	–,सांनि	(प)	पपधनि	–ध	प	गम,नि		
ग	रेऽऽऽ	ऽ,लग	वे	हो ऽऽऽ	ऽमि	यां	ऽऽ,ढो।		
२				•					

अन्तरा.

								पप	
								तप	
					ध		ध		
सां	–सां	सां	–रें	सां – निध	नि	सां – नि	(प)	पध	सांरें गं गं
दी	ऽता	ती	ऽरा	ती ऽ दऽ	या	ऽ ऽ	ऽ वे	सोऽ	णाऽ ऽ सु
३				×		२		०	
गं				नि	ध	सां			प म
रें	गं	रें	सां	सांसां रेंसां	नि नि	सां – ध	प	पपधनि	–ध पगम,नि
ना	ऽ	ऽ	वे	दर ऽस	न ऽ	दी ऽ	मो ती	ऽऽऽऽ	ऽमाला ऽऽ,ढो
३				×		२		०	

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

												सा
												मा
ग				नि			ध					
रे	ग	रेसा	धप	ध	–	–	नि	ध	सां	–	–,धप	
ऽ	ऽ	एक	तोक	था	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,धोऽ	
३		४		×		०		२			•	

								सा			
म	ग	ममगरेग,	पम	ग	रे	सा	–	ग	रे	सा	–
रे	ऽ	ऽऽऽऽऽ,	सुन	सैं	ऽ	यां	ऽ	र	ऽ	हो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि़	ग			प ध							
सासा	मग	प	मप	निनि	(प)	–	मप	धधपम	पम	ग	–
उन	बिन	ना	ऽऽ	जाऽ	ये	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽघ	री	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				ग						ध़	
ममगरे	ग	–	मप	म	ग	रे	सा	नि़	सा	नि़	,सा
ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	पल	छी	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	,मा
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			ध					नि			
पप	सांसां	सांसां	निनि	रें	सां	–	निसां	पसां	नि	सांसांनिधनि	सां
मुझ	बिर	हिन	ऽऽ	ऽ	को	ऽ	ऽऽ	बिर	हा	भाऽऽऽऽ	री
३		४		×		०		२		•	
नि	नि							नि			
सांसां	सां,गंमं	गंरें	सां	सांसांनिधनि	धनि	सां	निसां	सां	(सां)	धनि	,धप
जारे	जा,ऽऽ	रेऽ	ऽ	जऽऽऽऽ	ऽत	न	ऽऽ	क	छु	ऽऽ	,बऽ
३		४		×		०		२		०	
प ध				नि							
निनि,धप	मग	म	धप	ध	–						
ताऽ,एऽ	कऽ	ऽ	तोक	था	ऽ						
३		४		×							

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ध		सांसां				प ध		सां		ध
सांसांनिध	निनि	सां	रेंरें,सांनिसां	सां	ध	निप	,निनि	सां	ध,निप	पध	पधनि
साऽऽऽ	ऽरी	र	नऽ,नऽऽ	ना	ऽ	ऽऽ	,बन	आ	ऽ,ऽऽ	ईऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	
				म		ग				प	
ध	प	मग	मरे	ग	–म	म	(म)	ग	रे	ग	प
ला	ऽ	ऽऽ	ऽमु	हा	ऽग	स	न	ऽ	ऽ	मं	ऽ
३		४		×		०		२		०	
						ग		ग			
धनि	–,धप	ध	प	ममगरे	ग	मग	प	म	(म)ग	मरे	सा
ऽऽ	ऽ,गऽ	ल	ऽ	गाऽऽऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	ला	ऽऽ	ऽऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

						नि					गं
प	पप	प सांसांनिधनिध	सां	सां	सांरें	सां	सांसां	रेंगं	–	मं(मं)	
हा	थन	में दीऽऽऽऽऽ	बां	हीं	चूऽ	रा	मुख	तमो	ऽ	ऽऽ	
३		४	×		०		२		०		
		प		सां				सां		ध	
गंरें	सां	सां (सां)	ध	निप	धनिसांरें	सां	ध	निप	पध	पधनि	
लऽ	ऽ	ब्या ऽ	हा	ऽऽ	नऽऽऽ	आ	ऽ	ऽऽ	ईऽ	ऽऽऽ	
३		४	×		•		२		०		
ध	प										
ला	ऽ	स्थायी के अनुसार									
३											

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

		ध		नि						म		रे			म
		निध	निसां	सां	ध	नि	ध	प	गम	ग			,पम
		काऽ	हूऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽऽ	ऽ			,हन
		४		×		०		२		०			
म				नि़	सा		रे	म	म	नि			
ग	रे	सा	—	सा	प	गमपपमगरेगग		गग	धध	ध,निध	सांसांनिधनि		
को	ऽ	ऽ	ऽ	मा	या	ऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽ	अब	हम	ये,ऽऽ	ऽऽऽऽऽ		
३		४		×		०		२		०			
(प)	ध,गम												
रे	ऽ,ऽऽ												
३													

अन्तरा.

म		सां	ध												
प	प	नि	-नि	सां	—	सां	निसां	सां	सां	रें			गंरें
अ	ब	मो	ऽरा	मैं	ऽ	यां	ऽऽ	को	सं	दे			ऽस
३		४		×		०		२		०			
नि		सां	— —	ग				नि़	सा				रे
सां	(सां)	ध	निप	मग	(म)	गरे	सा	सा	प	गमपपमगरे			गग
वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	लेऽ	ऽ	जाऽ	मा	मा	या	ऽऽऽऽऽऽऽ			ऽवे
३		४		×		०		२		०			
		ध	नि					मम		नि			
प	ध,गम	निध	सां	(सां)	ध	नि	प	गग	धध	ध,निध	सांसांनिधनि		
ऽ	ऽ,ऽऽ	काऽ	हू	को	ऽ	ऽ	ऽ	अब	हम	ये,ऽऽ	ऽऽऽऽऽ		
३		४		×		०		२		०			
(प)	ध,गम												
रे	ऽ,ऽऽ												
३													

अल्हैयाबिलावल–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

										ग	म
											कं
नि	धप	म	,पम	ग	रे	सा	निसा	नि सा	–रे	गरे	सा
ऽ	थाऽ	ऽ	,ऽऽ	मो	ऽ	रे	ऽऽ	ये	ऽऽ	ऽजि	न
३		४		×		०		२		०	
				ग		प		म			ध
सासानिध	सा,निरे	ममगरे	ग	म	ग	ग	प	प	प	ध	गम
जाऽऽऽ	ऽ,ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	वो	ऽ	रे	ऽ	आ	रे	ऽ,	कंऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म		सां	ध								
प	–	नि	निनि	सां	–	सां	–	सांसां	रें	गं	मं
ना	ऽ	को	ऽऊ	ऐ	ऽ	सी	ऽ	मोरि	भा	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				म	सां	रें	सां	म			ध
(मं)	गं	मंरें	सां	प	धसां	सां	ध,निप	प	प	ध	गम
ऽ	ऽ	ऽऽ	वे	बे	गिले	आ	वो,ऽऽ	आ	रे	ऽ,	ऽ,कं।
३		४		×		०		२		०	

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			प –
			दी ऽ
ध ध ग – प	– नि ध नि	नि सां – सां ध	नि सां सां सां
म्त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न द्रे	ना ऽ त न	ना ऽ त न
०	३	×	२
सां ध नि प	ध नि ध प	– म ग –	म रे सा –
नि ता ऽ न्न	त न दे रे	ऽ त दा ऽ	ऽ ऽ न्नी ऽ
०	३	×	२
सा सा सां –	सां नि ध नि	सां – गं	सांसां निनि (प) –
य ल ली ऽ	या ऽ ल्ला ऽ	ला ऽ ल ले	दिर दिर, दी ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

			प –
			दी ऽ
ध – सांसांनिध निनि	सां – सां –	रेंगं मंपं गंमं रें	सां –सां नि –नि
ऽ रऽऽऽ ऽ दि	ले ऽ आ ऽ	माऽ ऽऽ ऽऽ च	दि ऽलु स ऽतु
०	३	×	२

रें ध सांसां सां नि नि	सां रें सां –	– ध प म	ग –ग ग –
गूऽ ऽ ऽ न	ह र वा ऽ	ऽ द ऽ र्बे	ग ऽलु च ऽ
०	३	×	२
रे मम गग म ग	– म प –	म ग म रे	सा – सा ग
श्मेऽ ऽऽ ब खु	ऽ न्द री ऽ	या ऽ ऽ ऽ	स्ती ऽ आ ऽ
०	३	×	२
म प – प	प – पप धनि	सांरें सां – ध	प –प, प –
श के ऽ व	तू ऽ फाऽ ऽऽ	ऽऽ द ऽ र्बे	ग ऽलु, दी ऽ।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

			प ओ
प नि ध नि	सां – – –सां	ध प म गग	रे प (म) – ग
द त ऽ न	दी ऽ ऽ ऽम	दी ऽ ऽ ऽम	त दा ऽ न्नि
३	×	२	०
म ग म (प) म	ग – रे सा	– सा सासा रेग	– रे सा –सा
ता रे दा नि	ता ऽ ऽ दी	ऽ न्नी दाऽ ऽऽ	ऽ न्नि दी ऽम
३	×	२	०

सा सा सा रे	ग ग ग ग	म पप ग (म)रे	ग प (नि)ध नि
नि त न त	न दे रे त	न दिर नो ऽ	म्त न न न
३	×	२	०
सां – (रें)ध –	सां – सां सां	ध प म ग	रे सा – प
दी ऽ म्दी ऽ	म्दी ऽ म्त न	दे रे ता रे	दा नि ऽ, ओ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प प सां सां	सां सां – रें	सां – सांसां रेंगं	– रें सां नि
त ना दे रे	ना तो ऽ म्त	दी ऽ म्तोऽ ऽऽ	ऽ म्त न न
०	३	×	२
सांसां निध (ध)नि नि	सां – (सां) –	ध पप (म) ग	(म)ग म (नि)ध (नि)ध
तोऽ ऽऽ ऽ म्त	दी ऽ म्दी ऽ	ऽ ऽम ऽ ऽ	त दि या ना
०	३	×	२
(नि)ध – नि प	सांसां निध नि सांसां	रेंगं रें सां सां	धनि प – (प)ध
रे ऽ ऽ ऽ	ताऽ ऽऽ ऽ दीऽ	ऽऽ न्नि त दा	ऽऽ न्नि ऽ त
०	३	×	२
(ध)ग – ग प			
दी ऽ ऽम, ओ			
०			

बिलावल–तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

निध	प	मप	गरे	ग	–रे	सा	निसा
द्रेंद्रे	द्रें	ऽऽ	तन	दे	ऽरें	ना	ऽऽ
३				×			
						प ध	ध
सारें	गम	ग	–	गमपपमग	रेंग,मध	निनि	प
तन	दें रें	ना	ऽ	ऽ	उऽ,ऽऽ	द	त
२				०			
म							
प	ममगरेंग	–रे	गरे	सा	निसा	पग	मप
ऽ	न	ऽऽ	दें रें	ना	ऽ	वे	तदा
३				×			
				प	सां		
सांसांनिध	नि	(प)	–	सां	धनि	प	गम
ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
२				०			

अन्तरा

पप	सांसां	सांसां	निसां	सांसां	सां	निसां	सांसांरेंगं
नाद्रें	तुंद्रें	तना	ऽ	द्रेंत	ना	ऽ	ऽ
३				×			
	नि						ध
–रें	सां	नि	–	नि	सांसांरेंरेंसांनि	धनि	–नि
ऽत	दा	रे	ऽ	ता	रे	ऽऽ	ऽदा
२				०			

सां	निसां	सांसां	गंरें	गं	मं	गंरें	गंरें
नी	ऽ	यला	ऽऽ	या	ऽ	ल्लाऽ	ऽय
३				×			
				सां			ध
सां	–प	धनिसांरें	–सां	धनि	प	ध	गम
ला	ऽय	लं	ऽय	ला	ऽ	ऽ	लेऽ।
२				०			

बिलावल—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

			ग म				
			मनि	ध	प	गम	,गरे
			तन	न	ना	ऽऽ	,देरे
				३			
					ध		
सा	–	निसा	सासारेरे	सासानिनि	–	सा	–रे
ना	ऽ	ऽ	द्रे	ऽ	ऽ	ना	ऽत
×				२			
			रे				
ग	–	गम	ग	गमपप	मगरेग	–	मप
दा	ऽ	ऽऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	दर
०				३			
म	ग	रे	ऽ	सा	रे	ममगरे	ग
ता	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ	ऽ	ऽ
×				२			

नि़ नि़
सा रे सा नि़सा | सामग प -ध प | प धनिसांरें सां सांध
नी ऽ ऽ ऽ | नाद्रेऽ तो ऽम द्रे | ता रे दा नी
० ३ ×

प
ध ध नि़ ध | प म गमपपमग रेग | ग म मनि़ धप गम -,गरे
त दा ऽ नि | ऽ ऽ ऽ ऽऽ | तन नना ऽऽ ऽ,द्रेरे।
२ ० ३

अन्तरा.

पग पप सांसांनिधनि धनि | सां रें सां - | गं सांसां रें गं रें
धेते लेला ना ऽरे | ना ऽ रे ऽ | तारे दा ऽ ऽ
३ × २

सांसांनिधनि धनि सां - | सां (सां) धनि़ प | धनि़ धप गम पम
नि ऽत दा ऽ | ऽ ऽ ऽऽ ऽ | नीऽ ऽऽ ऽऽ ऽत
० ३ ×

ग रे सा - | गम पप सांसांनिधनि -नि | सां - - निसां
दा ऽ नि ऽ | नाद्रे द्रेतुं द्रे ऽद्रे | दीं ऽ ऽ ऽ
२ ० ३

सांसां रें मंमंगंरेंगं -रें | सांसांनिधनि - सां - | गंगंरेंसां निधपम गरेसासा मनि़
तदि या ना ऽरे | तो ऽ म्द्रे ऽ | ना ऽ ऽ तन।
× २ ०

अल्हैयाबिलावल—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प		सां							
सां	—	ध	नि॒	प	म	प	म	ग	मरे
ले	ऽ	ते	ऽ	रि	ल	क	री	ऽ	ऽऽ
×		२			०		३		
म									
ग	म	प	ग	मग	म	रे	सा	रे	मा
ले	ऽ	ते	ऽ	रीऽ	का	ऽ	म	ऽ	रि
×		२			०		३		
		नि॒	नि॒	नि॒	नि॒	नि॒	नि॒		
सा	सा	ध	ध	ध	ध	ध	ध	नि॒	प
ब	छ	रा	ऽ	च	रा	ऽ	व	ऽ	न
×		२			०		३		
सां							सां		
ध	नि	रें	—	सां	सां	सां	ध	नि॒	प
हूं	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	—	प	निध	निध	सां	—	सां	सां	सां
सं	ऽ	ग	केऽ	ऽऽ	ग्वा	ऽ	ल	ब	ल
×		२			०		३		
								सां	
सांध	निध	सां	सां	रें	सां	—	सां	ध	नि॒प
भऽ	ऽऽ	द्र	बि	न	ए	ऽ	क	लो	ऽऽ
×		२			०		३		

प		नि	नि				सां		
ग	म	ध	ध	–	सां	सां	ध	नि	प
ए	ऽ	क	लो	ऽ	ब	न	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां							सां		
ध	नि	रें	–	सां	सां	सां	ध	नि	प
हूँ	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	रे		ग		ध				सां		
गम	ग	–	प	नि	नि	सां	–	सां	ध	नि	प
सऽ	र	ऽ	स	ऽ	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
नि									ग		
ध	नि	ध	प	गम	प	म	ग	–	म	रे	सा
ब	ऽ	ल	ते	ऽऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रो
०		३		४		×		०		२	
नि				सां	ध				सां		
सा	म	ग	प	नि	नि	रें	सां	–	ध	नि	प
रा	ऽ	ख	ले	सि	रि	भ	ग	ऽ	वा	ऽ	न।
०		३		४		×		०		२	
प	ध		प		ध						
ध	ग	प	नि	–	नि	सां	–				
स	र	ऽ	स	ऽ	प्र	ता	ऽ				
०		३		४		×					

अन्तरा.

			प	सां							
प	प	–	नि	ध	नि	सां	–	सां	सां	रें	सां
स	ब	ऽ	बि	धि	ऽ	हो	ऽ	सु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि				मं					सां		
सां	रें	गं	मं	रें	रें	सां	–	सां	ध	नि	प
गु	नि	ज	न	क	र	त	ऽ	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
						सां		सां			
सां	सां	मंगं	मं	रें	सां	नि	सां	ध	सां	सां	सां
च	तु	ऽऽ	रा	ऽ	इ	जा	ऽ	न	त	स	ब
×		०		२		०		३		४	
			सां				ध		प		
रें	सां	–	ध	नि	प	ध	ग	प	नि	ध	नि
म	हा	ऽ	ग्या	ऽ	न	ऽ	स	र	स	ऽ	प्र ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

										प	
										ग	
										पा	
							सां			प	
प	नि	ध	नि	रें	सां	–	ध	नि	प	–	ग
ल	ना	ऽ	ऽ	प	ल	ऽ	प	ऽ	ल	ऽ	गा
३		४		×		०		२		०	

				म			म				नि
म	रे	गम	प	प	म	ग	रें	—	सा	—	सा
ऽ	ऊं	पऽ	ल	झु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ला
३		४		×		०		२		०	
म				प			सां				प
ग	मग	प	प	रें	सां	—	ध	प	मग	मरे	ग
ल	नऽ	ऽ	की	सु	भ	ऽ	घ	ड़ि	रेऽ	ऽऽ,	पा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			सां	सां	ध						
प	प	प	नि	नि	नि	सां	—	सां	रें	सां	—
अ	ग	र	चं	द	न	का	ऽ	प	ल	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	
			मं						सां		
सां	—	रें	गं	मं	रें	सां	—	—	ध	नि	प
रे	ऽ	स	म	ऽ	की	डो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
प	मं				ध				सां		
गं	रें	—	सां	ध	रें	सां	—	—	ध	नि	प
झु	ला	ऽ	व	ऽ	त	मै	ऽ	ऽ.	या	ऽ	सु
×		०		२		०		३		४	
प		सां					प				
सां	—	ध	प	म	ग	मरे	ग				
हा	ऽ	ग	भ	री	ऽ	ऽऽ,	पा				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			सां			नि				ग	
सां	—	सां	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	औ	ऽ	र	का	ऽ	ल	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म	म					ग					
ग	ग	मरे	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	सा
दि	न	ऽऽ	प्र	ऽ	ति	औ	ऽ	र	औ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि		नि	नि		नि				सां	ध	
सा	—	ध	ध	—	ध	नि	प	—	नि	नि	सां
दे	ऽ	खि	ये	ऽ	र	सि	क	ऽ	गि	री	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि				रें						सां	
सां	—	रें	गं	सां	निध	नि	प	—	निध	नि	सां
रा	ऽ	ज	ध	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	इऽ	री	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

			नि		ध				नि		
प	प	—	ध	नि	नि	सां	सां	—	सां	रें	सां
दि	न	ऽ	प्र	ऽ	ति	न	ई	ऽ	छ	ऽ	बि
×		०		२		०		३		४	
			रें			गं			गं		
सां	सां	गं	गं	मं	पं	मं	गं	मंगं	मं	रें	सां
ब	र	ऽ	ने	ऽ	सो	कौ	ऽ	नऽ	क	ऽ	ब
×		०		२		०		३		४	

म		नि	नि			प	ध		प	ध	
ग	म	ध	ध	नि	प	नि	नि	प	नि	नि	सां
पा	ऽ	न	की	ऽ	जे	री	ऽ	झ	र	हि	ये
×		०		२		०		३		४	
नि			रें							सां	
सां	रें	गं	नि	सां	निध	नि	प	–	निध	नि	सां
म	दा	हि	स	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	इऽ	री	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

						नि					
म	–	म	प	–	प	ध	नि	ध	प	–	प
सो	ऽ	भा	श्या	ऽ	म	अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
		नि							नि		
प	–	ध	नि	सां	–	रें	सां	सां	ध	नि	प
ला	ऽ	ज	त	को	ऽ	टि	क	अ	नं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म	म								म		
ग	ग	मरे	ग	म	प	म	ग	मग	रे	–	सा
छ	वि	ऽऽ	की	ऽ	उ	ठ	त	तऽ	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि		नि	नि			प			सां		
सा	–	ध	ध	नि	प	सां	सां	सां	ध	नि	प
वि	ऽ	श्व	को	ऽ	ऽ	म	न	ह	र	ऽ	नि।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			सां								
प	—	प	ध	सां	सां	—	सां	सां	—	रें	सां
च	ऽ	त्र	भू	ऽ	ज	ऽ	प्र	भू	ऽ	गि	रि
×		०		२		०		३		४	
		मं	रें							नि	
सां	—	गं	गं	मं	रें	सां	—	रें	सां	ध	प
धा	ऽ	री	को	ऽ	स	रू	ऽ	प	सुं	द	र
×		०		२		०		३		४	
म		नि	नि		नि	नि			नि		
ग	म	ध	ध	—	ध	ध	नि	प	ध	नि	सां
दे	ऽ	खि	ये	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	बा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि				नि					ध		
सां	सां	रें	गंरें	सां	निध	नि	प	नि	नि	सां	—
ब	र	न	बऽ	र	नऽ	ऽ	मा	ऽ	ई	री	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		नि				प			प		ध
सां	सां	ध	प	मग	मरे	ग	प	—	नि	—	नि
मो	ति	य	न	कीऽ	ऽऽ	झा	ल	ऽ	र	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
		नि				सां			नि		
सां	—	सां	रें	सां	सां	ध	नि	सां	ध	नि	प
गी	ऽ	हे	ऽ	म	ज	री	ऽ	ऽ	मा	ऽ	नो
०		३		४		×		०		२	

प		नि				ग			म		
सां	—	ध	प	मग	मरे	रे	ग	मग	रे	—	सा
ही	ऽ	र	न	सोंऽ	ऽऽ	च	हूँ	ऽऽ	ओ	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
नि			म			सा	ग				
सा	रे	ग	रे	—	सा	ग	रे	—	सा	रे	सा
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	उ	जा	ऽ	गा	ऽ	र।
•		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

						सां	मं				
सां	सां	—	सां	—	सां	गं	रें	—	सां	—	सां
रा	जा	ऽ	रा	ऽ	म	उ	म	ऽ	रा	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
नि							नि	सां		सां	
सां	गं	रें	सां	रें	सां	सां	सां	ध	प	ध	—
पा	ऽ	य	ब	क	सि	स	आ	ज	न	यो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	नि	ध	सां	—	सां	सां	गं	रें	सां	रें	सां
न	व	ऽ	रो	ऽ	ज	अ	प	नि	अ	प	नी
×		०		२		०		३		४	
सां			सां								
ध	सां	—	ध	नि	प						
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रि						
×		०		२							

अल्हैयाबिलावल–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	प		नि							सां	
	ग	प	प	नि	सां	रें	सांनि	सां	सां	ध	प
ऽ	सु	र	त	ऽ	बि	सा	ऽऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	म				प				नि		
म	ग	मरे	गम	प	ग	म	रे	–	सा	रे	सा
ऽ	का	ऽऽ	हऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री
०		३		४		×		०		२	
नि		म	म	म		प					
सा	–	ग	ग	गम	रे	ग	प	धनि	ध	प	म
नं	ऽ	द	नं	दऽ	न	गि	रि	ऽऽ	धा	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	प										
गरे	ग										
रीऽ,	सु										
०											

अन्तरा.

म			नि		ध						
प	–	–	ध	नि	नि	सां	सां	–	सां	रें	सां
सू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	भ	व	न	ऽ	दू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	
नि		मं	मं	मं					सां		
सां	गं	रें	गं	रें	सां	रें	सां	सां	ध	नि	प
दू	ऽ	ऽ	नो	ऽ	ल	ग	त	री	आ	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	

प	प		प			नि					
ग	ग	मरे	ग	प	प	ध	नि	सां	सां	रें	सां
अ	ब	ऽऽ	लों	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
नि	सां		प	ध			प				
सां	ध	प	ध	ग	म	गरे	ग				
ब	न	ऽ	वा	ऽ	ऽ	रीऽ,	मु				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			सां			नि					
सां	—	सां	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	को	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	सु	भ	ग
×		०		२		०		३		४	
म			म								
ग	म	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	—	सा
सां	ऽ	व	रे	ऽ	गु	पा	ऽ	ल	जू	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	
			म			प			नि		
सा	सा	—	ग	म	रे	ग	प	—	ध	नि	सां
क	ह	ऽ	त	ऽ	न	ब	न	ऽ	आ	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
सां											
रें	—	गं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
दे	ऽ	ख	हि	ब	न	आऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प	प	प	सां	सां	सां	सां	–	रें	सां	–	सां
भू	ष	न	ब	स	न	भां	ऽ	ति	भां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
सां			सां			नि			सां		
नि	–	नि	नि	ध	नि	सां	रें	सां	ध	नि	प
अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग	अ	द्धु	त	कां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
नि						प		नि			
ध	नि	ध	प	म	ग	ग	प	ध	नि	सां	सां
ल	ट	प	टी	ऽ	सु	दे	ऽ	स	पा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि			मं	मं							
सां	–	रें	गं	रें	सां	निध	नि	–	प	निध	नि
चि	ऽ	त्त	को	ऽ	चु	राऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

प	प	प				नि					
ग	ग	ग	प	प	प	ध	नि	ध	प	–	प
म	क	र	कुं	ड	ल	ति	ल	क	भा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
म						सां			सां		
प	–	नि	ध	सां	–	रें	सां	सां	ध	नि	प
क	ऽ	स्तू	ऽ	री	ऽ	अ	ति	र	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प	प	म				ग		सा			
ग	गरे	गम	प	म	ग	म	रे	रे	सा	रे	सा
चि	तऽ	वऽ	न	लो	ऽ	च	न	बि	शा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि		नि	नि							सां	
सा	–	ध	ध	–	ध	सां	सां	–	सां	धनि	प
को	ऽ	टि	का	ऽ	म	ल	जा	ऽ	वे	ऽऽ	रि ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म											
प	–	प	सां	सां	–	रें	सां	सां	सां	–	सां
कं	ऽ	ठ	सि	री	ऽ	मो	ति	न	मा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि		गं			रें						
सां	–	रें	गं	गं	गं	मं	रें	सां	सां	ध	प
फैं	ऽ	टा	ऽ	क	टि	ज	री	दु	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
प	प	नि	नि	नि	नि	नि			नि		
ग	ग	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प	ध	नि	सां
छ	वि	ऽ	नि	र	ख	नि	र	ख	आ	ली	री
×		०		२		०		३		४	
सां		मं									
रें	–	गंमं	रें	सां	सां	निध	नि	–	प	निध	नि
धी	ऽ	रऽ	ज	म	न	लाऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

अन्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		प			प						
ग	–	ग	प	–	नि	ध	प	म	प	म	ग
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र	आ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	
	प		म					म			
	ग	मरे	गम	प	–	म	ग	रे	सा	रे	सा
ऽ	मे	ऽऽ	रेऽ	री	ऽ	का	ऽ	न्ह	कुं	व	र
०		३		४		×		०		२	
नि								नि	नि	ध	
सा	–	–	रे	सा	–	सा	सा	ध	ध	नि	प
नं	ऽ	ऽ	द	को	ऽ	ल	प	क	झ	प	क
०		३		४		×		०		२	
प	ध			नि					सां		
ध	ग	–	प	ध	सां	रें	सां	सां	ध	प	ध
च	प	ऽ	ला	ई	ऽ	क	र	त	नि	ड	र।
०		३		४		×		०		२	
ध											
ग	–										
वा	ऽ										
०											

अन्तरा.

			प								
प	प	–	सां	–	सां	रें	सां	सां	–	सां	सां
प	न	ऽ	घ	ऽ	ट	ज	ग्रु	ना	ऽ	त	ट।
×		०		२		०		३		४	

नि			गं			गं			नि	सां	
सां	–	सां	रें	गं	गं	मं	रें	–	सां	धनि	प
बा	ऽ	ट	घा	ऽ	ट	ब्रि	ज	ऽ	बि	थिऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प	पं		नि		नि				सां		
ग	ग	ध	ध	–	ध	नि	प	–	ध	सां	सां
ल	गो	ऽ	ई	ऽ	र	ह	त	ऽ	सं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
			सां		प	ध					
रें	सां	सां	ध	प	ध	ग	–				
ड	ग	र	ब	ग	र	बा	ऽ				
×		०		२		०					

संचारी.

प	प	प				नि					
ग	ग	ग	प	–	प	ध	नि	ध	प	–	प
आ	व	त	जा	ऽ	त	खे	ल	त	खा	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म		नि				नि					
प	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां	सां	ध	प
नै	ऽ	न	न	की	ऽ	सै	ऽ	न	दे	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
प				म		ग					
ग	–	रे	ग	गम	प	म	ग	म	ग	सारे	सा
पां	ऽ	य	प	रऽ	त	प	र	स	त	तऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि़		नि	नि			प			सां		
सा	सा	ध	ध	नि	प	सां	–	–	ध	नि	प
झ	ग	ऽ	र	ऽ	ऽ	झ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			सां								
प	–	–	ध	सां	सां	रें	सां	–	सां	सां	–
धी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ज	के	ऽ	ऽ	प्र	भू	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि			रें			गं		मं		सां	
सां	सां	गं	गं	गंमं	पं	मं	गं	रें	सां	धनि	प
म	न	ऽ	भा	ऽऽ	ई	बा	ऽ	तें	क	रऽ	त
×		०		२		०		३		४	
प		नि	नि			प	ध		सां		
ग	–	ध	ध	नि	प	ध	ग	प	ध	सां	सां
दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख	क	र	त	हां	ऽ	सि
×		०		२		०		३		४	
सां			सां		प	ध					
रें	सां	सां	ध	प	ध	ग	–				
स	ब	हि	न	ग	र	वा	ऽ				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल—धमार(विलम्बित).

स्थायी.

ग			ध				ध	नि			
प	–	नि	नि	सां	–	–	नि प	ध	नि	ध	प –
ए	ऽ	जू	ऽ	का	ऽ	ऽ	ल की	ग्वा	ऽ	लि	न ऽ
३				×				२		०	

प	प	म	म
म प म ग	ग म रे ग म	प मग	म रे –
ए ऽ मे ऽ	रो ऽ ऽ ऽ ऽ	म नऽ	ले ऽ ऽ
३	×	२	०
नि	प		नि
सा रे सा –	सा – – ग –	प –	धनि ध प
ग ऽ ई ऽ	ले ऽ ऽ ग ऽ	ई ऽ	ऽऽ री ऽ।
३	×	२	०
प ध			
ग प नि नि			
ए ऽ जू ऽ			
३			

अन्तरा.

सां			नि
नि – निध सां सां	सां –	रें सां –	सां रें गं मं
सां ऽ ऽऽ झ झ	ई ऽ	अ ज ऽ	हूँ ऽ न हिं
×	२	०	३
	ध	ध	नि
गं रें – सां –	नि नि	प – –	ध नि सां –
आ ऽ ऽ ई ऽ	झू ऽ	ठे ऽ ऽ	ब च न ऽ
×	२	०	३
नि सां		प ध	ध
सां ध नि ध प	– प	निध ग –	प – नि नि
दे ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ग	ईऽ र ऽ	ए ऽ जू ऽ।
×	२	०	३

बिलावल–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

												प	ध		
												ध	ग्	–	
												ए	ता	ऽ	
		सां	ध					ध				सां			
प	–	नि	नि	सां	–	–	नि	नि	सां	–		रें	सां	–	
री	ऽ	ड	फ	बा	ऽ	ऽ	ज	त	मो	ऽ		ह	न	ऽ	
३				×					२			०			
सां				प	प		म								
ध	धनि	प	–	ग	ग	मरे	ग	म	प	मग		ग	रे	–	
छ	विऽ	छा	ऽ	ज	त	ऽऽ	ना	ऽ	च	तऽ		ग	त	ऽ	
३				×					२			०			
				नि			मां					प	ध		
सा	–	–	सा	सां	सां	–	ध	–	नि	प		ध	ग	–	
सों	ऽ	ऽ	अ	नं	ऽ	ऽ	द्	ऽ	ऽ	ता		रे,	ता	ऽ।	
३				×					२			०			

अन्तरा

नि		सां	ध									नि			
सां	–	–	नि	नि	सां	–	सां	–	सां			सां	रें	सां	–
बा	ऽ	ऽ	ज	त	ता	ऽ	ल	ऽ	मृ			दं	ऽ	ग	ऽ
×					२		०					३			
नि			रें				मं					नि			
सां	गं	–	गं	–	–	मं	रें	–	–			सां	रें	सां	सां
बी	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	धु	न	ऽ	ऽ			ने	ऽ	व	र
×					२		०					३			
सां					सां		प	ध							
ध	सांनि	रें	सां	सां	ध	निप	ध	ग	–						
की	ऽऽ	ऽ	झ	न	का	ऽऽ	र,	ता	ऽ						
×					२		०								

राग खमाज

खंमाजो यत्र तीव्रा ऋषभगधनयो मो मृदुर्निर्मृदुःस्या-
दारोहे रिर्निषिद्धः प्रभवति परिपूर्णोऽवरोहे पवक्रः ।
वादी गांधार एव प्रविलसति तथा संप्रवादी निषादो
रात्र्यां यामे द्वितीये प्रमदयति मनः श्रोतुरप्येष रागः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदुमो निद्वयो गांशो निसम्वादी खमाजकः ।
नारोहे ऋषभो यामे द्वितीये निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।

चढ़त रिखब न लगाइये कोमल मनी विराज ।
गनि वादीसम्वादितें कहियत राग खमाज ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ गमौ पनी सश्च सनी धमौ पधौ मगौ ।
खंमाजो गांशको नित्यं द्वितीयप्रहरे निशि ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"खमाज"—यह राग खमाज थाट से उत्पन्न होता है। इसमें निषाद कोमल तथा शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी गंधार और सम्वादी निषाद है। इसके आरोह में रिषभ स्वर वर्जित किया जाता है, अर्थात इसकी जाति षाडव-सम्पूर्ण है। इस राग का गायन समय रात्रि का दूसरा प्रहर माना जाता है। इसके आरोह में धैवत स्वर का विशेष महत्व नहीं है तथा अवरोह में अनेक बार पंचम वक्र करके लगाया जाता है। आरोह में तीव्र निषाद ले सकते हैं। इस राग का वैचित्र्य ग, म, प, नि इन स्वरों पर अवलम्बित है एवं इन्हीं स्वरों पर अनेक तानें आकर समाप्त होती हुई द्रष्टिगोचर होती हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, ग म, प, ध नि॒ सां, सां नि॒ ध प, म ग, रे सा।

पकड़—

नि॒ध, मप, ध, मग.

खमाज—आड़ाचौताल (मध्यलय).

[मात्रा १४]

स्थायी.

सा	ग	म	प	ग	म	नि॒	ध	म	प	ध	ग	ऽ	म
×		२		०		३		०		४		०	
प	नि	सां	रें	नि	सां	नि॒	ध	म	प	ध	ग	ऽ	म।
×		२		०		३		०		४		०	

अन्तरा.

मं	गं	रें	मं	गं	रें	सां	नि	सां	रें	नि	सां	नि॒	ध
×		२		०		३		०		४		०	
म	प	ध	ग	ऽ	म	ग	ऽ	प	म	ग	रे	सा	ऽ
×		२		०		३		०		४		०	
सा	ग	म	ग	रे	सा	सां	गं	मं	गं	रें	सां	नि	सां
×		२		०		३		०		४		०	
प	नि	सां	रें	नि	सां	नि॒	ध	म	प	ध	ग	ऽ	म
×		२		०		३		०		४		०	

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			ध सां सां
			त ब
ध ध नि नि धप म	ध म प ध म	ग – – म	ग – सा सा
क ह तऽ च	तु र ऽ ख	मा ऽ ऽ ज	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
ग सा सा म ग	म म – नि ध	ध म ध नि सां	ध प ध नि ध सां सां
ज ब ह रि	कां ऽ भु जि	मे ऽ ल क	र त, त ब।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग नि म ग म ध	– नि सां –	सां ध नि सां –	सां मं गं रें सां
सु र गं धा	ऽ र को ऽ	वा ऽ दी ऽ	स म झ त
०	३	×	२
मं गं मं पं गं	गं रें मं गंरें नि सां	नि नि सां सां	ध प ध नि ध सां सां
खां ऽ ड व	सं पुऽ र न	त ज त रि	ख ब, त ब।
०	३	×	२

खमाज—आड़ाचौताल (विलंबित).

स्थायी.

सां				नि						ग	ध				
नि	नि	सां	सां	सां	(सां)	नि	धप	म	प	नि	धप	(म)	ग
स	ब	स	खि	यां	ऽ	मि	लऽ	ख	मा	ऽ	जऽ	गा	वो
×		२		०		३		०		४		०	
		म						सां					प
ग	सा	ग	म	प	नि	सां	सां	नि	–	सां	सां	धनि	ध
ह	रि	कां	ऽ	भु	जि	सु	र	मे	ऽ	ल	ब	नाऽ	वो।
×		२		०		३		०		४		०	

अन्तरा.

म								सां				ध	
गम	गम	प	–	नि	नि	सां	–	नि	सां	नि	सां	नि	ध
आऽ	ऽऽ	रो	ऽ	ह	न	में	ऽ	रे	ऽ	ख	ब	त	ज
×		२		०		३		०		४		०	
सां				नि				प		सां			
नि	–	सां	निसांरेंसां	सां	–	नि	,धप	म	प	नि	धप	(म)	ग
वा	ऽ	दि	गंऽऽऽ	धा	ऽ	र	,मऽ	धु	र	दि	खऽ	ला	वो।
×		२		०		३		०		४		०	

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	प रे		
सा सा ग ग	म म ग –	म प – ग	म – – ग
अ रे म न	ह र सौं ऽ	क रे ऽ तु	प्री ऽ ऽ त
×	२	०	३
नि			सां
ध नि ध प	ध नि ध प	प सां नि सां	ध नि ध –
मा ऽ त पि	ता ऽ सा हि	अ खि ल ज	ग त को ऽ
×	२	०	३
	सां	प	
ग म प ध	नि – ध प	ग म प –	ध (म) – ग
अं ऽ त म	मै ऽ ना ऽ	दू ऽ जो ऽ	को मी ऽ त
×	२	०	३

अन्तरा.

म नि		सां	
ग म ध नि	सां नि सां –	नि – सां सां	(सां) – नि ध
य ह सं ऽ	सा ऽ रा ऽ	भू ऽ ठ प	सा ऽ रा ऽ
×	२	०	३
		प	
ग म प ध	सां नि ध प	ग म प –	ध (म) – ग
ह र रं ग	क हे जूं ऽ	सि क ता ऽ	कि भी ऽ त।
×	२	०	३

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प नि सां सां	नि सां (सां) नि धप	प नि नि धप प गम	ग – – ग
सां ऽ व ल	मो ह ना मैंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×
सां नि – सां गं	रें ध नि सां नि पध	प सां नि धप प गम	ग – – म
सां ऽ व ल	मो ह ना मैंऽ	तें डे रेऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×

अन्तरा.

म ग म नि धनि	सां – नि सां	सां नि सां सां निसां	नि सां (सां) नि ध
बि न वे ऽऽ	खे ऽ सा नु	क ल ना ऽऽ	प डं दी ऽ
०	३	×	२
ग म म – ग म	सां प – नि –	सां – गं (सां)	प नि – सांसां
तूं ऽ में ऽ	डे ऽ ही ऽ	प्रा ऽ ऽ न	सां ऽ ऽ वल।
०	३	×	२

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सां सां नि नि	ध ध (म) ग	म ग म प ध	नि सां नि सां –
न म न क	रूं ऽ मैं ऽ	स ऽद्यु रु	च र णा ऽ
०	३	×	२

नि	रें रें	सां	प
सां सां गं मं	गं गं नि सां	नि नि सां –	नि सां नि॒ ध
स ब दु ख	ह र णा ऽ	भ व नि ऽ	स्त र णा ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

प नि॒			सां
ग म ध नि	सां नि सां सां	नि – सां –	नि सां नि॒ ध
शु ऽ द्ध भा	ऽ व ध र	अं ऽ तः ऽ	क र णा ऽ
०	३	×	२
नि	रें रें	सां	प
सां सां गं मं	गं – नि सां	नि – सां सां	निसांरें निसां नि॒ ध
सु र न र	कि ऽ न्न र	वं ऽ द्रि त	चऽऽ रऽ णा ऽ।
०	३	×	२

ख़माज–दादरा (मध्यलय).

स्थायी.

नि॒	म	ग	
सा सा सा	ग – ग	म – म	प प ध
सु धि न	ली ऽ नि	ज ऽ ब्सें	ग ये ऽ
×	०	×	०
ध		ध	
सां – नि॒	ध – म	प ध म	ग – –
नै ऽ न	वा ऽ ल	गा ऽ य	के ऽ ऽ
×	०	×	०

सां											
नि	–	नि	सां	–	नि	सां	–	सां	प	प	ध
नै	ऽ	न	वा	ऽ	ल	गा	ऽ	य	मे	रो	ऽ
×			०			×			०		
पध	सां	नि	ध	–	म	गम	पध	म	ग	–	–
जीऽ	ऽ	य	रा	ऽ	ह	राऽ	ऽऽ	य	के	ऽ	ऽ।
×			०			×			०		
ग											
म	सा	सा									
सु	धि	न									
×											

अन्तरा.

ग			ध								
म	ग	म	नि	ध	नि	सां	–	नि	सां	सां	–
त	र	फ	त	हूँ	ऽ	रै	ऽ	न	दि	ना	ऽ
×			०			×			०		
						नि					
प	–	नि	नि	सां	–	सां	(सां)	–	नि	ध	–
चै	ऽ	न	न	हीं	ऽ	उ	न	ऽ	बि	ना	ऽ
×			०			×			०		
नि			म			ग					
सा	सा	सा	ग	ग	–	म	–	म	प	प	ध
अ	ज	म	पि	या	ऽ	बै	ऽ	ठ	र	हे	ऽ
×			०			×			०		

ध						ध					
सां	–	नि	ध	ध	म	प	ध	म	ग	–	–
सौ	ऽ	त	न	घ	र	जा	ऽ	य	के	ऽ	ऽ।
×			०			×			०		
ग	सा	सा									
सु	धि	न									
×											

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	म	रे							सां		ध
सा	ग	–	ग	म	–	म	प	ध	म	ग	म	प	नि	–	नि
न	मा	ऽ	नँ	गी	ऽ	न	मा	ऽ	नँ	गी	ऽ	न	मा	ऽ	नँ
×				२				०				३			
								सां							
सां	–	–	–	नि	सां	–	–	नि	–	सां	–	नि	सां	–	सां
गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	तो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ
×				२				०				३			
								प							
सां	ध	सां	–	नि	–	ध	धप	ग	म	प	–	ध	म	ग	–
न्हीं	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	मऽ	ना	ऽ	यं	ऽ	ऽ	बि	ना	ऽ।
×				२				०				३			

अन्तरा.

								नि			
नि	नि	नि	सां	सां	सां	नि	सां	सां	–	(सां)	–	नि	नि	ध	प
जा	ओ	जि	जा	ओ	जि	स	खि	वे	ऽ	तो	ऽ	अ	प	ने	ऽ
०				३				×				२			

प	प	नि रे	
ग म प ध	ग म ग –	सा ग – ग	म – म प
र स के ऽ	र सि या ऽ	न जा ऽ ऊं	गी ऽ न जा
०	३	×	२
	सां ध		
ध म ग म	प नि – नि	सां – – –	नि सां – –
ऽ ऊं गी ऽ	न जा ऽ ऊं	गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सां			
नि – सां –	नि सां – सां	सां ध सां –	नि – ध धप
मैं ऽ तो ऽ	ऽ ऽ ऽ उ	न्हीं ऽ ऽ ऽ	के ऽ ऽ मऽ
०	३	×	२
प			
ग म प –	ध म ग –		
ना ऽ ये ऽ	ऽ बि ना ऽ		
०	३		

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			प
			गम
			सखि
	नि	प			म
प नि सां सां	सां नि धप नि	नि धप ग म	ग – – गम
मे रो म न	ली ऽ नोऽ स	लो नेऽ स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×

सां प नि – सांसां	प प सां (सां) नि,धप सां	प नि ध ग म	सां ग – – निसां
मे रो ऽ मन	ली ऽ नो,ऽऽ स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×
सां नि प नि सांरें	रें नि सां पध सांसां	प ध नि धप गम प	ग म म ग – गम
मे रो ऽ मन	ली ऽ नोऽ ऽस	लो नेऽ सऽ ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×
रे प ग म ग	रे सा नि – सा सां	प नि ध ग म	म ग – – गम
मे रो म न	ली ऽ नो स	लो ने स ज	ना ऽ ऽ, सखि
२	०	३	×

अन्तरा.

प नि ग म ध नि	सां – नि सां	सां नि नि सां सां	सां निसां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ र त	र स भ रि	मू ऽऽ र त
०	३	×	२
प नि ग गम ध नि	सां धनिसां सां सां	प नि गम धनि सां– निसां	निनि सांसां सांसां निध
सां ऽऽ व रि	सू ऽऽऽ र त	सांऽ वरि सूऽ रत	रस भरि मूऽ रत
०	३	×	२
प नि ग म ध नि	सां – धनिसां सांसां	प नि सां सां	सांनि सां नि ध
सां ऽ व रि	सू ऽ ऽऽऽ रत	र स भ रि	मूऽ ऽ र त
०	३	×	२

ग म	सां	प	नि
म – ग म	प प नि नि	सां (सां) निध गग	म ध – निसां
बं ऽ सी ऽ	ब ट ज मु	ना ऽ ऽऽ सखि	मे रो ऽ मन
०	३	×	
प	प	प	
सां नि धप सां	नि धप ग म	ग – – गम	
ली ऽ नोऽ स	लो नेऽ स ख	ना ऽ ऽ, सखि	
०	३	×	

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			म
			गम
			मोरे
		प	म
प नि सां सां	सां नि ध प	ध ग म	ग – – गम
सैं यां न हिं	आ ऽ ये मैं	ऽ का रि क	रूं ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
सां	रें	प	सां
प नि – सांरें	नि सां (नि) धप	ध ग म	ग – – निसां
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	ऽ का रि क	रूं ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×
	सां	सां प	प
नि प – धरें	सां – नि धप	पध नि ध गम	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये मैंऽ	काऽ ऽ ऽ रिक	रूं ऽ ऽ, मोरे
२	०	३	×

	प		म
प प – धप	ग प म ग	ध ग म	ग – – गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये ऽ	ऽ का रि क	रूं ऽ ऽ, मोरे
२	•	३	×
प नि सां सां			
सैं यां न हिं			
०			

अन्तरा.

प नि			प
ग म ध नि	सां – नि सां	नि सां –	सां (सां) नि ध
का ऽ सें क	हूँ ऽ अ ब	ऽ ए री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
प नि		सां	प
ग म ध नि	सां सां नि सां	प नि सां –	सां (सां) नि ध
का ऽ सें ऽ	क हूँ अ ब	ए ऽ री ऽ	ऽ ऽ स खि
२	०	३	×
सां सां	सां	प	म
नि नि – सांसां	सांध नि ध प	नि ध – गम	ग – – गम
जि या ऽ घब	राऽ ऽ वे मैं	ऽ का ऽ रिक	रूं ऽ ऽ, मोरे।
२	०	३	×

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

														ध	
														प	ध
														अ	ब
ध				प		ग	रे								
सां	नि	ध	प	म	प	म	ग	म	म	प	–	सां	–	प	ध
क	ब	त	क	त	र	सा	ये	र	खि	यो	ऽ	जी	ऽ	अ	ब
२				०				३				×			
ध					प	ग	रे					ग		ग	
सां	नि	ध	प		मप	म	ग	म	म	प	–	म	ग	म	ग
क	ब	त	क	ऽ	तर	सा	ये	र	खि	यो	ऽ	मैं	तो	नै	न
२				०				३				×			
रे				सां	सां			ध							
नि़	सा	नि	नि	नि	नि	सां	सां	पनि	सांरें	सां	नि	ध	प		पध
भ	र	छ	बि	दे	ख	न	की	हुंऽ	ऽऽ	ग	र	जी	ऽ	ऽ	अब
२				०				३				×			
ध					प	ग	रे								
सां	नि	ध	प		मप	म	ग		मम	प	–	सां	–	–	–
क	ब	त	क	ऽ	तर	सा	ये	ऽ	रखि	यो	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ।
२				०				३				×			

अन्तरा.

	नि			सां				ध							
	धनि	ध	ध	नि	–	ध	प	म	–	प	ध	(म)	–	ग	–
ऽ	कद	र	पि	या	ऽ	मैं	ऽ	तो	ऽ	रे	ऽ	बा	ऽ	री	ऽ
२				०				३				×			

सां	नि	ध	
नि नि सां –	सां (सां) नि ध	म – – पध	(म) – ग –
वि न दा ऽ	मों ऽ में ऽ	चे ऽ ऽ रिते	हा ऽ री ऽ
२	०	३	×
	रें	नि	सां
गं – मं गं	नि – सां सां	प नि – सांरें	नि सां निध पध
हूँ ऽ रा ऽ	जी ऽ जि स	में ऽ ऽ तोरि	म र जीऽ अब
२	०	३	×
ध	प ग रे		
सां नि ध प	– मप म ग	मम प ध	सां – – –
क ब त क	ऽ तर सा ये	ऽ रखि यो ऽ	जी ऽ ऽ ऽ।
२	०	३	×

खमाज--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	प सां		प
	प प सां धसांनि	नि धप ध म	मपधसां निधपध ग म
	धु न सों ऽऽऽ	बा जेऽ मों म	खीऽऽऽ ऽऽऽऽ मु र
	२	०	३
ग – – –	म नि ध नि	सां – नि नि	सां सां सां (सां)
ली ऽ ऽ ऽ	च लो ऽ च	लो ऽ व हीं	हु ई हैं ऽ
×	२	०	३
प			
नि ध ग म			
पी ऽ, कहीं			
×			

अन्तरा.

म म ध नि	सां नि सां सां	प नि सां रें	रें नि निसां निध म
त र प त	र प नि त	र ह त हुँ	म ऽज नीऽ क
२	०	३	×
ग म प ध	पध निसां नि सां	नि सां पनिसांरें सांनिसां-	नि ध ग म
द र धि न	नाऽ ऽऽ हिं ल	ग त मोऽऽऽ राऽऽऽ	जी ऽ, क हीं।
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सां नि सां सां	नि धनि पध सां सां	नि धप म प	प ध (म) गम पध
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	मैं हा ऽऽ रीऽ
×	२	०	३
सां नि नि सां सां	नि ध धनि पध सां नि	ध धप म ग	ग म सा – ग म
स म झ त	नाऽ हिंऽ प न	घ टऽ पि या	रा ऽ र क
×	२	०	३
सां प प नि नि	प नि सां सां	गं रें रें मं गं नि सां	प सां (सां) धनि ध
र त प नि	यां भ र त	बै यां न छु	वो ना ऽऽ रि।
×	२	०	३

अन्तरा.

सां नि नि नि सां	सां सां नि धप	प ग म प धप	प प ग म ग –
श्र व न सु	न त ना हिंऽ	ढी ऽ ट लंऽ	ग र वा ऽ
०	३	×	२
सां रें नि सां गं नि	सां सां नि धप	प ग म प धप	प प ग म ग –
क र त रा	ऽ र मो ऽऽ	ह न प रऽ	वा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सा सा ग म	सां प प नि नि	सां नि सां – सां	नि प नि सां सां
उ म र क	र त बि न	ति श्या ऽ म	जि त क र
०	३	×	२
सां रें गं नि सां सां	नि प सां नि ध ध		
पि या जि या	सों हा ऽ रि		
०	३		

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि नि सां सां	ध सां – निध म	मपधसां निधपध	ग म ग – – ग
अ रे मो रे	सैं ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ	का ह मा ऽ ऽ रू
२	०	३	×
नि नि सां रें	सांध सां निध म	मपधसां निधपध	ग म ग – – सा
अ रे मो रे	सैंऽ ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ	का ह मा ऽ ऽ जों
२	०	३	×

ग – ग म	प – नि –	नि – सां –	नि सां निध पम गग
बो ऽ ल त	ना ऽ हीं ऽ	ए ऽ कौ ऽ	बा ऽऽ ऽऽ ऽर
२	०	३	×

अन्तरा.

ग म प नि	नि सां सां –	नि नि सां –	सां नि (प) म
औ ऽ र जु	लु म जो ऽ	चा ह ना ऽ	क र ना क
२	०	३	×
ग म ग म	प नि – नि	नि नि सां नि	सां निसांरें रे सांनिधप –प
द र पि या	दे ना ऽ ना	दि ल से उ	ता ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽर
२	०	३	×

खमाज–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि म सा – ग ग	ग म म गम पध	नि सां – निसां	नि प सां (सां) नि धध
श्या ऽ म सुं	द र ऽऽ बन	मा ली ऽ ऽऽ	के ऽ स खीऽ
०	३	×	२
सां नि सां – सांध	सां नि धप ध	प ग म सां नि	धप (म) ग ग
द र ऽ सऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ सा ऽ य।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म नि ध नि	सां – नि सां	नि प सां (सां) नि धध	नि सां (सां) नि ध
सो ह ऽ नि	सू ऽ र त	मो ऽ ह नि	मू ऽ र त
०	३	×	२
ग म ग गम पध	नि सां सां सां	सां नि सां निसां सां	(सां) नि ध पध
ह र ऽऽ रंग	की ऽ छ वि	मो ऽ ऽऽ म	न व मी सखि
०	३	×	२
सां नि सां – सांध	सां नि धप ध	प ग म सां नि	धप (म) ग ग
द र ऽ सऽ	ऽ वि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ सा ऽ य।
०	३	×	२

खमाज–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग सा ममगरेग ,ग	म गम – ध पध	सां नि सां – निसां	प प सां (सां) नि ध
प र देऽऽऽऽ ऽस	वा ऽऽ ऽ जिन	जा इ ऽ ऽऽ	यो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
सां नि सां सां निसांरेसां	नि – ध म	म ग म सां नि	ध (म) ग –ग
पा न न छाऽऽऽ	ई ऽ प न	व रि ऽ या	ऽ भं व ऽर।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म			प
म नि ध नि	सां नि सां निसां	प नि सां सां	सां (सां) नि धप
का हे ऽ की	ऽ ते री ऽऽ	ना ऽ व न	व रि या ऽऽ
०	३	×	२
		सां	रें ध
म ग गम	पधनिसां –नि सां निसां	नि – सां –	नि सां निध पध
ऽ का हे ऽऽ	काऽऽऽ ऽते रा ऽऽ	वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ साऽ तेरा
०	३	×	२
सां सां		प	
नि सां सां ध	सां नि धप म	ग म सां नि	ध (म) ग –ग
रा ख न हा	ऽ रा ऽऽ ऽव	ता ऽ ऽ ये	ऽ भं व ऽर।
०	३	×	२

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			प नि
			ओ द
			प म
नि सां – नि	ध प ध म	ग – – –	ग म प म
ना तो ऽ म्त	न न दे रे	ना ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ता रे
०	३	×	२
		ग म	
ग – रे –	सा – – –	नि सा सा ग	– म प प
दा ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ ऽ	धि ति लि तो	ऽ म्त न न
०	३	×	२
सां	गं	रें सां	प सां
नि नि सां सां	रें गं रें सा	नि नि सां नि	– ध नि सां
दिर दि ना रे	तो ऽ म्त न	त द रे दा	ऽ नि, ओ द।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग ग म नि	ध प (नि) ध नि	सां – सां नि	सां – – –
य ल लि य	ल लि य ल	लों ऽ य ल	लों ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
(नि) सां गं रें गं	– (रें) नि नि रें	– नि नि सां	– (नि) ध नि सां
धि ति लि तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न तो	ऽ म्त न त
×	२	०	३
(सां) नि नि सां (ध) नि	– (प) ध नि (सां)		
त द रे दा	ऽ नि, ओ द		
×	२		

खमाज–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

(ध) नि ध नि प	ध नि (सां) –	नि ध प म	ग ग मम गग
ओ दे त न	दे रे ना ऽ	ऽ दी ऽम त	नो ऽम दिर दिर
२	०	३	×
रे सा ग मम	नि ध (प) ग म	निनि धध निनि सां	– रें सां निनि
दा नि दी ऽम	दी ऽ म्दा रा	दिर दिर दिर दी	ऽ म्त दी ऽम
२	०	३	×
(सां) – (नि) ध नि	(सां) – ध प	म ग रे म	ग रे सा सा
दी ऽ म्त न	ना ऽ नि त	त द रे त	द रे दा नि
२	०	३	×

अन्तरा.

म नि ग म ध नि	सां – नि सां	सां सां रें सां	नि ध नि सां
स ऽ व्ज नि	म ऽ त्म ना	गि दी ऽ दूगि	दीं ऽ वे ऽ
०	३	×	२
मं गं मं रें सां	नि सां (सां) नि	ध ध नि रेंरें	म (म) रे सासा
ख ऽ ल्मे नु	मे ऽ रो मा	ऽ गि दी ऽदू	गि दीं ऽ ऽम
०	३	×	२
		सां	मं
म ग – म	नि – ध –	नि – सां –	– गं मं रें
ब रा ऽ बि	रं ऽ गे ऽ	सो ऽ जी ऽ	ऽ म् ऽ क
०	३	×	२
			ध
सां नि सां (सां)	नि ध ध नि	रें सां नि सांसां	नि ध नि प
ऽ ल्मू ऽ नि	मा ऽ गि दी	ऽ दूगि दीं ऽम	ओ दे त न।
०	३	×	२

खमाज–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

म	सां		
ग म प	नि सां	निसांरें सां नि	धप ध
सो लै क	ला ऽ	जाऽऽ में स	माऽ नि
३	×	२	०
म			प
ग म प	सां नि	धप गम पध	म ग
अ मृ त	जै सी	बोऽ लऽ तऽ	बा नि
३	×	२	०

म									
ग	सा	ग	ग	म	प	नि	प	नि	सां
मु	ख	क	म	ल	द्यु	ति	नि	र	ख
३			×		२			०	
नि			रें						
सां	मं	गंरें	नि	सां	निसांरें	सां	नि	धप	ध
चं	ऽ	द्रऽ	जो	ऽ	तिऽऽ	हुं	ल	जाऽ	नि
३			×		२			०	

अन्तरा.

ग									
म	ग	म	प	नि	प	नि	नि	सां	सां
क	टि	के	ह	रि	क	द	लि	जं	घ
३			×		२			०	
					नि	रें			
नि	सां	नि	सां	सां	सां	सां	नि	धप	ध
ना	मि	क	प	र	की	ऽ	र	वाऽ	रो
३			×		२			०	
ग			म						
म	ग	सा	ग	म	प	नि	प	नि	सां
अ	ल	क	प	र	वा	रो	भ्र	म	र
३			×		२			०	
नि			रें						
सां	मं	गंरें	नि	सां	निसांरें	सां	नि	धप	ध
चा	ऽ	लऽ	म	द	गऽऽ	ज	म	माऽ	नि।
३			×		२			०	

खमाज—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा		म			प		म		
नि़	सा	ग	म	प	ग	म	सां	–	नि
सु	धि	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
×		२			०		३		
					ध	प			
ध	म	प	–	ध	ग	म	ग	–	–
अ	प	नै	ऽ	गु	न	न	की	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
म		ध							
ग	म	नि	ध	नि	सां	–	नि	सां	–
तु	म	दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	दो	ऊ	ऽ
×		२			०		३		
ध									
प	नि	सां	–	सां	नि	सां	नि	–	ध
ज	ग	के	ऽ	खे	व	न	हा	ऽ	र।
×		२			०		३		
ध							प		
प	ध	म	ग	म	प	प	सां	–	नि
सु	धि	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
×		२			०		३		

अन्तरा.

म		ध		ध					
ग	म	नि	ध	पध	नि	सां	सां	–	सां
मा	ऽ	ढे	ऽ	मऽ	ढै	ऽ	या	ऽ	छ
×		२			०		३		

नि					सां				
प	नि	सां	–	सां	नि	सां	नि	ध	पध
व	न	ला	ऽ	गि	अ	ख	त	र	ऽऽ
×		२			०		३		
ग									
म	–	ग	–	म	प	ध	नि	सां	रें
पी	ऽ	र	ऽ	फ	की	ऽ	र	ऽ	स
×		२			०		३		
		ध	म		ध		ग		
नि	ध	ग	प	–	नि	धप	म	ग	–
भी	ऽ	गु	नी	ऽ	सु	रऽ	मु	नी	ऽ।
×		२			०		३		

खमाज–झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां					सां				
नि	–	सां	सां	सां	नि	सां	नि	–	धप
सं	ऽ	ग	त	अ	ना	ऽ	घा	ऽ	तऽ
×		२			०		३		
प							ग		
ग	–	म	प	सां	नि	धप	म	ग	–
दे	ऽ	सि	मा	ऽ	र	गऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
ग		ग			रें		रें		
प	–	म	ग	म	ग	–	नि	सा	सा
हो	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ग।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म		ध							
ग	म	नि	ध	नि	सां	—	सां	—	सां
जै	ऽ	जै	ऽ	गु	नी	ऽ	तै	ऽ	तै
×		२			०		३		
		सां							
प	नि	नि	सां	—	नि	सां	नि	ध	—
क	ठि	न	जा	ऽ	न	त	है	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सा		ध		ध			प		
नि	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	म	ग
य	ह	है	ऽ	खि	लो	ना	ना	ऽ	ग
×		२			०		३		

खमाज—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

नि						सां					
सां	—	नि	सां	—	सां	नि	—	सां	नि	—	नि
रं	ऽ	ग	ला	ऽ	ल	रू	ऽ	प	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प		ध					प			
ध	ग	म	प	सां	नि	ध	—	म	ग	—	ग
अ	ध	ऽ	र	ऽ	अ	धी	ऽ	क	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	रे		म						प		
ग	नि़	सा	ग	—	म	प	—	ध	ग	—	म
द्रि	ग	न	ला	ऽ	ल	डो	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प						ध	ध		प		
सां	–	नि	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग।
को	ऽ	रे	ला	ऽ	ल	झ	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग			ध								
म	ग	म	नि	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
क	र	ऽ	ला	ऽ	ल	चू	ऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
सां						नि					
नि	–	नि	सां	–	सां	सां	नि	सां	नि	–	नि
सी	ऽ	स	फू	ऽ	ल	द्रु	में	ऽ	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प					सां					
ध	ग	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ए	ती	ऽ	ला	ऽ	ल	बी	ऽ	च	प्या	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि						ध	ध		प		
सां	रें	नि	ध	–	म	प	प	ध	म	–	ग
ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	प	ल	ऽ	कें	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

						सां					
नि	नि	नि	सां	सां	सां	नि	–	सां	नि	नि	ध
अ	स	न	ब	स	न	ला	ऽ	ल	द	स	न
×		०		२		०		३		४	

	प							प			
ध	ग	म	प	सां	नि	ध	—	म	म	ग	—
च	म	क	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	ल	ही	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	रे									प	
ग	नि़	सा	ग	—	म	प	प	—	ध	ग	म
ल	ल	ऽ	ना	ऽ	प	ग	न	ऽ	प	र	त
×		०		२		०		३		४	
						ध	ध		प		
नि	—	—	ध	—	म	प	प	ध	म	—	ग
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	मुं	ग	न	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म											
ग	—	म	नि	ध	नि	सां	सां	नि	सां	—	सां
मा	ऽ	ला	ला	ऽ	ल	स	ब	हि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
ध						सां		नि			
प	नि	—	सां	—	सां	नि	सां	सां	नि	—	ध
दु	ल	ऽ	री	ऽ	को	रे	स	म	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
	प					सां					
ध	ग	म	प	—	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां
स	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	प्या	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
						ध	ध		प		
रें	—	नि	ध	—	म	प	प	ध	म	—	ग
ला	ऽ	ल	ही	ऽ	में	ल	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

खमाज–चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

											ग
											म
											ते
				ध		सां			प	प	
ग	म	प	ध	सां	–	ध	नि	ध	म	म	प
ऽ	रो	ही	ऽ	चं	ऽ	द्र	ब	द	न	शो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प		प								ग	म
नि	ध	म	ग	ग	सा	ग	मप	ग	म	म	नि
भा	स	द	न	म	द	न	दऽ	ह	न	म	न
३		४		×		०		२		०	
				सां			नि				प
ध	नि	सां	–	रें	नि	सां	सां	नि	धप	ध	,म
ऽ	र	स	ऽ	ब	स	ऽ	क	र	नऽ	ऽ,	ऽते
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प						सां	सां				
ग	म	निध	नि	सां	सां	नि	नि	सां	सां	–	सां
द	र	सऽ	प	र	स	प	र	ऽ	स्प	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सां				रें							
नि	सां	रें	–	नि	सां	नि	नि	सां	नि	–	ध
उ	प	जा	ऽ	व	त	अ	ति	अ	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

ध		सां				ग				
सां	सां	ध	नि	धप	मग	म	नि	ध	नि	सां
स	क	ल	सु	खऽ	दऽ	स	ब	ऽ	बि	धी
×		०		२		०		३		४
सां	रें		नि				प			
रें	नि	सां	सां	नि	धप	ध	म			
दु	ख	ऽ	ह	र	नऽ	ऽ,	ते			
×		०		२		०				

खमाज—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग			ध		ध	सां			
	म	ग	म	प	ध	सां	ध	सां	नि	ध म
ऽ	मा	ऽ	इ	री	ऽ	ब	र	ऽ	जो	ऽ ना
०		३		४		×		०		२
प	ध			प						प
म	प	नि	ध	म	ग	ग	सा	गम	पध	ग म
मा	ऽ	ऽ	न	त	ऽ	अ	त	हीऽ	हऽ	ठी लो
०		३		४		×		०		२
ग						सां			ध	
म	नि	ध	नि	सां	–	रें	नि	सां	सां	नि धप
ते	ऽ	ऽ	रो	ही	ऽ	कुं	व	र	का	ऽ न्हऽ।
०		३		४		×		०		२
	प									
ध	म									
ऽ	मा									
०										

अन्तरा.

म			ध								
ग	म	–	नि	ध	नि	सां	–	नि	सां	–	सां
ज	म	ऽ	ना	ऽ	के	नी	ऽ	र	ती	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
			ध						रें		
म	म	–	नि	ध	नि	सां	–	रें	नि	सां	सां
ज	म	ऽ	ना	ऽ	के	नी	ऽ	र	ती	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि					सां						
प	नि	–	सां	–	रें	सां	–	नि	सां	नि	ध
धे	ऽ	ऽ	नू	ऽ	च	रा	ऽ	ऽ	ऽ	व	त
×		०		२		०		३		४	
प					नि	सां					
ग	–	म	प	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
बां	ऽ	सु	री	ऽ	ब	जा	ऽ	य	गा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सां			नि				ध				
रें	नि	सां	सां	नि	धप	ध	म				
नी	ऽ	की	ता	ऽ	नऽ	ऽ	मा				
×		०		२		०					

खमाज–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां					सां			नि			
नि	सां	नि	सां	–	रें	सांनि	सां	सां	नि	–	धप
आ	ऽ	ज	तो	ऽ	स	खी	ऽ	री	दे	ऽ	खेऽ
×		०		२		०		३		४	

प			ध					प			
ग	—	म	प	सां	नि	ध	—	म	ग	—	सा
गा	ऽ	म	चं	ऽ	द्र	छ	ऽ	त्र	धा	ऽ	ये
×		०		२		०		३		४	
			म			ध					
सा	सा	—	ग	—	म	प	ध	नि	सां	सां	—
ग	ज	ऽ	की	ऽ	म	वा	ऽ	रि	की	ये	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां					सां			नि			प
रें	नि	सां	सां	—	रें	सां	—	सां	नि	ध	ध
च	ले	ऽ	जा	ऽ	त	बा	ऽ	ट	में	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ग			म								
म	ग	म	नि	ध	नि	सां	—	नि	सां	—	सां
के	ते	ऽ	आ	ऽ	स	बा	ऽ	र	सो	ऽ	हे
×		०		२		०		३		४	
सां	सां					सां					
नि	नि	सां	सां	—	सां	नि	सां	निसां	नि	—	ध
के	ते	ऽ	सो	ऽ	हे	ब	कं	ऽऽ	दा	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
प											
म	ग	म	प	—	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां
के	ते	ऽ	के	ऽ	ते	न	की	ब	बो	ऽ	ले
×		०		२		०		३		४	

सां	रें					रें				प	
गं	नि	सां	सां	सां	–	नि	सां	सां	नि	ध	ध
आ	नं	ऽ	द	के	ऽ	ठा	ऽ	ठ	में	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

खमाज—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

गम	पध	प	–	म	–	–	ग	रे	ग	सा	सारे	ग	रे
होऽ	ऽऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	–	–	प	–	–	प	मप	मग	रेग
चा	ऽ	ऽ	हे	का	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ
३				×			२				०		
गम	पध	प	–	म	–	–	ग	रे	ग	सा	सारे	ग	रे
होऽ	ऽऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ज	रेऽ	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	–	–	प	–	–,	प	ध	म	–
चा	ऽ	ऽ	हे	का	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ,	अ	री	ऽ	ऽ
३				×			२				०		
प	–	ध	–	नि	नि	–	सां	–	–	रें	नि सांसां	निध	नि
मे	ऽ	रो	ऽ	म	न	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ह	नाऽ	ऽऽ	ऽ
३				×			२				•		

						नि									
ध	–	प	–	मपधसां	सांनिध		नि	ध	प	–	ध	मप	मग	रेग	
मो	ऽ	मे	ऽ	आऽऽऽ	ऽऽऽ		ऽ	न	ऽ	ऽ	मि	लेऽ	ऽऽ	ऽऽ	।
३				×				२				०			

अन्तरा.

	प	प	प	–	ध	–	नि	–	–	सां	–	–	–		
ऽ	वि	न	पी	ऽ	या	ऽ	कैं	ऽ	ऽ	मे	ऽ	ऽ	ऽ		
×			२				०			३					
										नि					
रें	–	गं	रें	–	–	सां	सां	–	–	सां	नि	ध	प		
फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ		
×			२				०			३					
नि	नि	–	सां	–	–	रें	सां	–	–	नि	ध	नि	प		
अ	बी	ऽ	र	ऽ	ऽ	गु	ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	पे		
×			२				०			३					
		सां							रे						
प	ध	नि	ध	प	–	ध	म	ग	ग	गम	पध	प	ध		
आ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ल	गो	ऽ	ऽ	होऽ	ऽऽ	री	ऽ।		
×			२				०			३					

खमाज–दीपचन्दी (चाचर) (मध्यलय).

स्थायी.

										प			
	सा	सा	ग	–	–	ग	म	–	–	ग	म	प	ध
ऽ	अ	च	रा	ऽ	ऽ	छो	रो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब
×			२				०			३			
सां			सां					नि					
नि	–	–	नि	–	सां	–	–	ध	सां	नि	ध	प	–
जा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	द्यो	ऽ	ऽ	ह	म	को	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
	सां						नि						
	नि	नि	सां	–	–	–	सां	नि	ध	नि	–	प	–
ऽ	क	ब	में	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	ऽ	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
×			२				०			३			
							ध	ध					
	म	म	गम	गम	पध	निसां	नि	प	ध	म	गरे	ग	सा
ऽ	चिं	द	राऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ब	न	ऽ	सें	ऽऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

अन्तरा.

प			ध										
म	–	म	नि	ध	–	नि	सां	–	सां	सां	–	–	–
सा	ऽ	सु	हो	ऽ	ऽ	गी	टो	ऽ	ह	में	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां			सां										ग
नि	–	–	नि	–	–	नि	सां	सां	–	नि	नि	ध	ध
बा	ऽ	ऽ	ट	ऽ	ऽ	त	क	त	ऽ	हु	इ	हैं	ऽ
×			२				०			३			

सां															
नि	—	—	नि	—	—	नि	सां	सां	—	नि	नि	नि	ध
या	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	क	ह	के	ऽ
×			२				०			३			
प													
म	—	—	पध	नि	—	धप	ध	म	—	ग	—	—	—
दो	ऽ	ऽ	खऽ	ऽ	ऽ	लऽ	गै	ऽ	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
मं													
गं	मं	—	रें	—	—	सां	सां	—	—	नि	नि	सां	—
दे	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	की	न्ही	ऽ	ऽ	इ	त	नी	ऽ
×			२				०			३			
—	प	नि	सां	—	—	रें	नि	सां	—	नि	ध	प	ध
ऽ	प	नि	यां	ऽ	ऽ	भ	र	न	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां													
नि	—	नि	सां	—	—	—							
जा	ऽ	य	द्यो	ऽ	ऽ	ऽ	स्थायी के			अनुसार			
×			२										

खमाज—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

सा	—	—	ग	—	—	ग	म	म	—	ग	म	प	ध
जा	ऽ	ऽ	वां	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	ऽ	ऽ	ना	हीं
×			२				०						

नि	—	—	सां	—	—	—	—	सां	सां	सां	ध	सां	नि		
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म	मे	ऽ	ऽ	ऽ		
×			२				०			३					
ध	प	ध	(म)	—	—	ग	म	म	—	गम	पध	निसां	नि		
जा	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	हीं		
×			२				०			३					
सां	—	—	सां	—	—	निनि	सां	(सां)	—	नि	—	ध	—		
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	अरे	ह	म	ऽ	मे	ऽ	ऽ	ऽ		
×			२				०			३					
	नि	—	नि	—	—	सांसां	सां	ध	सां	नि	—	ध	—		
ऽ	ह	ऽ	म्मे	ऽ	ऽ	बहु	ते	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ		
×			२				०			३					
	म	म	मप	मप	धसां	निध	प	ध	प	म	ग	रे ग	—		
ऽ	तु	म	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	द	म	मे	ऽ	ऽ	ऽ		
×			२				०			३					

अन्तरा.

म	ग	म	नि	ध	—	नि	सां	—	नि	सां	—	सां	—		
भू	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ		
×			२				०			३					

ग			म ध		प										
म	–	–	निनि	धध	–	नि	सां	–	–	नि	सां	सां	सां
झू	ऽ	ऽ	ठीऽ	ऽऽ	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व	त
×			२				०			३			
	नि	नि	सां	–	सां	–	सां	नि	सां	नि	–	ध	–
ऽ	ना	हिं	मो	ऽ	हे	र	भा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ
×			२				०			३			
नि	–	–	–	–	सां	सां	सां	ध	सां	नि	–	ध	–
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	र	जा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
											रे		
	म	म	मप	मप	धसं	निध	प	ध	प	म	ग	ग	–
ऽ	तु	म	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	जम	ऽ	ज	म	से	ऽ	ऽ	।
×			२				०			३			

खमाज— दीपचन्दी (विलंबित).

स्थायी.

म													
ग	नि़	सा	ग	–	–	ग	म	म	–	ग	म	प	ध
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	खे	ल	त	ऽ	ऽ	ऽ	मो	सें
×			२				०			३			
सां	सां						सां					प	
नि	नि	–	सां	–	–	सां	नि	सां	–	नि	–	ध	ध
न	ई	ऽ	रे	ऽ	ऽ	न	ई	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

सां															
नि	–	–	सां	–	सां	–	निसां	निसां	–	नि	–	–	धप
का	ऽ	ऽ	भ	ऽ	यो	ऽ	नऽ	नंऽ	ऽ	दी	ऽ	ऽ	अऽ
×			२				०			३			
प													
ग	म	–	सां	–	नि	धप	ग	म	–	ग	–	–	–
नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	खे	पिऽ	या	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

अन्तरा.

ग			ध							सां			
म	ग	म	नि	–	ध	नि	सां	सां	–	नि	सां	सां	–
व	र	ऽ	जो	ऽ	ऽ	रि	क	र	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ
×			२				०			३			
सां								रें					
नि	–	–	सां	–	नि	सां	सांरें	नि	सां	नि	–	ध	–
वै	ऽ	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ग	हऽ	त	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
ग													
म	ग	म	प	–	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां	–
अ	प	ऽ	नी	ऽ	ऽ	क	ह	त	ऽ	औ	ऽ	र	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें												
रें	नि	–	सां	–	–	रें	नि	सां	–	नि	–	ध	–
क	छू	ऽ	ना	ऽ	ऽ	सु	न	त	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

सां									रें						
नि	–	–		सां	–	–	सां	नि	सां	–		नि	–	ध	प
आ	ऽ	ऽ		ज	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ज	ऽ		मो	ऽ	री	ऽ
×				२				०				३			
प								प							
ग	म	–		सां	–	नि	धप	ग	म	–		ग	–	–	–
ग	ई	ऽ		ऽ	ऽ	रे	गऽ	ई	ऽ	ऽ		रे	ऽ	ऽ	ऽ।
×				२				०				३			

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

								ग	सा	म					
								ग	–	म		प	ध	नि	सां
								अ	ब	के		मैं	ऽ	फा	ऽ
								२		०		३			
सां	सां								प	सां					प
नि	नि	सां	नि	ध				नि	ध	नि	सां	–		नि	– ध म
गु	न	ऽ	में	ऽ				ऽ	धे	ल	न	ऽ		आ	ऽ ऽ ये
×								२		०				३	
ध															
प	ध	–	म	ग				ग	सा						
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ				अ	ब						
×								२							

अन्तरा.

ग	म	ध													नि
म	ग	म	नि	–		ध	नि	सां	नि	सां		सां	–	–	सां
अ	प	ऽ	ने	ऽ		ऽ	री	अ	प	ऽ		ने	ऽ	ऽ	मं
×						२		०				३			

सां रें			
मं गं – नि –	सां –	सांरें नि सां	नि – ध –
दि र ऽ से ऽ	ऽ ऽ	निऽ क ऽ	मी ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ग		सां	
म ग म प –	– ध	नि सां –	सां – सां –
को ई ऽ सां ऽ	ऽ व	री ऽ ऽ	को ऽ ई ऽ
×	२	०	३
सां	प	सां	
नि सां – नि ध	नि ध	नि सां –	नि – ध म
गो ऽ ऽ री ऽ	ऽ खे	ल न ऽ	आ ऽ ऽ ये
×	२	०	३
ध			
प ध – म ग	ग सा		
हो ऽ ऽ री ऽ	अ व		
×	२		

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

			सा
			आ
म		नि	ध
ग – म	प ध नि सां	सां नि सां नि ध	– पध
ये ऽ ऽ	रं ग सों ऽ	भी ऽ ऽ जे ऽ	ऽ मोऽ
०	३	×	२

								ध							
नि	सां	–	नि	–	ध	म	प	ध	म	ग	–	–	मा
ह	न	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ख	दै	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ,	आ।
०			३				×					२	

अन्तरा.

ग															
म	ग	म	नि	–	ध	नि	नि	सां	–	नि	सां	सां	सां
मो	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	मु	क	ट	ऽ	ऽ	ऽ	क	टि
×					२		०			३			
नि				रें			सां						
सां	मं	गं	नि	–	सां	–	नि	सां	–	नि	–	ध	–
मो	ऽ	ऽ	हे	ऽ	पी	ऽ	तां	ऽ	ऽ	ब	ऽ	र	ऽ
×					२		०			३			
प													
म	ग	म	प	–	–	ध	नि	सां	–	रें	नि	सां	–
मु	र	ऽ	ली	ऽ	ऽ	अ	ध	र	ऽ	सो	ऽ	हे	ऽ
×					२		०			३			
सां				प									
नि	सां	–	नि	ध	–	नि	नि	सां	–	नि	–	ध	म
ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ह	न	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ख
×					२		०			३			
ध													
प	ध	म	ग	–	–	सा							
दै	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ,	आ							
×					२								

राग भैरव

रागादिर्भैरवाख्यो मृदुऋषभमधस्तीव्रगस्तीव्रनिश्च ।
वाद्यस्मिन् धैवतोऽसावृषभ इह तु संवादिरूपोऽभिगीतः ।
आरोहेऽल्पर्षभत्वं क्वचिदपि मृदुनिः प्राहुरेके विकल्पं ।
प्रातःकालेषु नित्यं जगति सुमतिभिः सुस्वरं गीयतेऽसौ ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

प्रथमो भैरवो रागो मृदुमर्षभधैवतः ।
वादी धैवत एवात्र संवादी चर्षभो मतः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

भैरव कोमल रिमध सुर तीख गंधार निखाद ।
धैवत वादी सुर कह्यो तासुं रिखब सम्वाद ॥

चन्द्रिकासार ।

मगौ मपौ धपौ मगौ रिगौ मपौ मगौ रिसौ ।
भैरवो नित्यपूर्णः स्याद्धैवतांश प्रभातगः ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"भैरव"—यह राग भैरव थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाति सम्पूर्ण है। रिषभ तथा धैवत स्वर इसमें कोमल प्रयुक्त होते हैं, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर धैवत व सम्वादी रिषभ है। इस राग का गायन समय प्रातःकाल माना जाता है। कभी-कभी इस राग के अवरोह में कोमल निषाद का प्रयोग कोई-कोई गायक कुशलता पूर्वक करते हैं। इस राग की प्रकृति गम्भीर है। भैरव राग की सब विशेषता रे, ध इन स्वरों पर निर्भर है। इन स्वरों के आन्दोलन से यह राग अधिक रक्तिदायक होता है। इसके आरोह में रिषभ का अल्पत्व रहता है। मध्यम से रिषभ की मींड इसमें बहुत सुन्दर दिखाई देती है।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे ग म, प ध, नि सां। सां नि ध, प मग, रे, सा।

पकड़—

सा, ग, म प, ध, प.

भैरव–त्रिताल (मध्यलय). (कलावंती)

स्थायी.

रे	ग	रे	ग	म	प	ग	म	नि	ध	ऽ	ग	ऽ	म	ग	रे
०				३				×				२			
ग	म	प	ग	म	नि	ध	··	रें	ऽ	सां	गं	ऽ	ग	ऽ	म
०				३				×				२			
नि	ध	रें	ऽ	ध	ऽ	रे	ऽ	ग	म	प	ग	म	ग	रे,	नि।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ग	ग	प	प	ध	ध	नि	नि	ध	नि	नि	ध	म	प	ग	म
×				२				०				३			
ध	ऽ	नि	ध	ऽ	रें	ऽ	सां	गं	ऽ	रें	ऽ	पं	ऽ	गं	मं
×				२				०				३			
ध	ऽ	ध	ऽ	नि	ध	ऽ	नि	रें	गं	नि	रें	ध	नि	म	ध
×				२				०				३			
ग	म	प	ग	म	ग	रे,	नि								
×				२											

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	रे	ग	ऽ	ऽ	म	ऽ	प
०		३		४		×		०		२	
						नि	नि		नि		
				—	सां	सां	ध	—	ध	—	प
ऽ	ध	ऽ	नि	ऽ	ये	म	म	ऽ	सू	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
						म			म		
—	म	ग	मरे	ग	प	प	म	ग	रे	—	सा
ऽ	मो	ऽ	मऽ	न	में	ऐ	मे	ऽ	आ	ऽ	ये।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि								
प	—	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध	—	नि	सां	सां	रें	—	सां	ध	—	प
स	रे	ऽ	ग	म	की	ऐ	ऽ	मि	हो	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

सा	सा	ध	नि ध	नि ध	नि ध	—	ध	—	नि ध	— प
पु ×	न	ऽ ०	दु	ग २	न	ऽ ०	की	ऽ ३	जे	ऽ ४ तो
नि ध	—	ध	नि	सां	सां	सां	नि	सां	नि ध	— प
ऐ ×	ऽ	मे ०	ली	ऽ २	जे	सु ०	र	ऽ ३	न	ऽ ४ को
प ग	म ग	ग रे	—	ग	प	म	ग	म	रे	ग रे सा
त ×	व	आ ०	ऽ	वे २	स	व ०	न	के ३	म	त ४ में
नि ध	—	ध	नि	सा	सा	ग रे	—	—	ग रे	— सा
कं ×	ऽ	ठ ०	को	ऽ २	सु	धा ०	ऽ	ऽ ३	ऽ	ऽ ४ र।

आभोग.

ध ×	नि	सा ०	नि	सा २	रे	सा ०	रे	ग ३	रे	ग ४ म
ग ×	म	प ०	म	प २	ध	प ०	ध	नि ३	ध	नि ४ सां
सां ×	नि	ध ०	नि	ध २	प	ध ०	प	म ३	प	म ४ ग
म ×	ग	रे ०	ग	रे २	सा	ऽ ०	सा			

भैरव—मूलताल (मध्यलय).

मात्रा १०.

स्थायी.

नि				प		प		ग	
ध	—	प	प	म	प	ध	प	म	ग
धै	ऽ	व	त	को	ऽ	म	ल	क	र
×		०		२		३		०	
		म		ग		ग		ग	
मग	मरे	ग	प	म	ग	म	रे	रे	सा
रेऽ	ऽऽ	ख	ब	सु	र	को	ऽ	म	ल
×		०		२		३		०	
नि		नि		सा		ग			
सा	—	ध	ध	नि	सा	रे	रे	सा	सा
मं	ऽ	द	र	स्था	ऽ	न	म	धु	र
×		०		२		३		०	
ग									
मग	मग	रे	रे	मग	प	मग	मग	रे	सा
भैऽ	ऽऽ	र	व	शांऽ	ऽ	तिऽ	प्रऽ	चु	र।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

		नि		सां					
प	—	ध	ध	नि	—	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	अं	ऽ	श	बि	च	र
×		०		२		३		०	

नि								नि	
ध	—	नि	सां	रें	सां	नि	सां	ध	प
रे	ऽ	ख	ब	क	र	स	ह	च	र
×		०		२		३		०	
प				सां		नि		नि	
ध	रें	सां	—	नि	सां	ध	—	ध	प
सं	ऽ	पू	ऽ	र	न	सूं	ऽ	द	र
×		०		२		३		०	
सां	नि	ध	प	म	ग	रे	रे	सा	ऽ।
×		०		२		३		०	

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	म			सा				नि़							
सारे	ग	रे	सा	नि़	सा	रे	सा	ध़	—	नि़	नि़	सा	—	सा	सा
भैऽ	ऽ	र	व	ल	ऽ	च्छ	न	गा	ऽ	य	गु	नी	ऽ	व	र
०				३				×				२			
म				ग		ग					प	ग			
ग	—	म	म	म	म	रे	रे	रे	गरे	गम	म	म	रे	सा	सा
को	ऽ	म	ल	सु	र	ध	र	ग	मऽ	नीऽ	ऽ	सु	ध	क	र
०				३				×				२			
सा		म		नि				ग			प	ग			
नि़	सा	ग	म	ध	—	प	—	म	रे	गम	म	रे	—	सा	सा
प्रा	ऽ	त	स	में	ऽ	री	ऽ	झ	त	नाऽ	ऽ	री	ऽ	न	र।
०				३				×				२			

अन्तरा.

म				नि						सां					
प	—	प	प	ध	—	नि	नि	सां	—	सां	नि	सां	नि	सां	नि
धैं	ऽ	व	त	हो	ऽ	त	प्र	धा	ऽ	न	जी	ऽ	व	सु	र
०				३				×				२			
सां								सां				सां		नि	
ध	—	ध	ध	नि	नि	सां	सां	रें	—	सां	सां	नि	सां	ध	प
रे	ऽ	ख	व	स	ह	च	र	हो	ऽ	त	पु	र	ऽ	स्म	र
०				३				×				२			
ग								नि				नि			
म	—	ग	म	प	—	प	प	ध	ध	सां	सां	ध	—	प	प
मा	ऽ	ल	व	ठा	ऽ	ठ	लि	ख	त	अ	ति	सूं	ऽ	द	र
०				३				×				२			
				नि											
प	ध	सां	—	ध	ध	प	—	मग	मरे	गम	प	म	ग	रे	सा
भ	ऽ	क्ती	ऽ	र	स	सों	ऽ	गाऽ	ऽऽ	यऽ	गु	नि	च	तु	र।
०				३				×				२			

भैरव–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि													
ग	म	ध	ध	प	—	पध	मप	म	ग	(म)	रे	—	रे	—	सा
सां	ऽ	ब	स	दा	ऽ	शिऽ	वऽ	भो	ऽ	ला	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	रे
०				३				×				२			
नि़		नि़						सा				ग			
सा	सा	ध़	ध़	नि़	नि़	सा	सा	रे	रे	रे	रे	रे	—	सा	सा
र	ट	म	न	नि	स	दि	न	प	र	म	द	या	ऽ	घ	न
०				३				×				२			

सा		म						सां	सां					ग	
नि़	सा	ग	म	प	ध	नि	सां	रें	रें	सां	नि	ध	प	म	ग
त	ज	मा	ऽ	या	ऽ	को	झ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

			नि			सां						सां			
प	–	प	ध	–	ध	नि	नि	सां	–	सां	सां	नि	सां	सां	सां
का	ऽ	म	क्रो	ऽ	ध	म	द	मो	ऽ	ह	रु	म	ऽ	त्म	र
०				३				×				२			
सां				सां				नि	सां			नि			
नि	ध	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	रें	सां	सांनि	ध	–	प	प
लो	ऽ	भ	क	ह	त	ख	ट	रि	पु	ह	तऽ	पा	ऽ	म	र
०				३				×				२			
			ध											प	
–	ध	–	रें	सां	नि	सां	नि	ध	नि	ध	प	म	प	ग	म
ऽ	छां	ऽ	ड	भ	र	म	श	र	न	जा	ऽ	य	च	तु	र।
०				३				×				२			

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि				ग		ग				ग			
ग	म	ध	ध	पम	प	म	ग	रे	–	मग	(म)	रे	–	सा	–
ध	न	ध	न	मूऽ	ऽ	र	त	कृ	ऽ	ष्णऽ	मु	रा	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			
नि़	नि़							ग				सा		म	
सा	ध़	–	नि़	सा	सा	सा	सा	रे	–	सा	–	नि़	सा	गं	म
सु	ल	ऽ	च्छ	ऽ	न	गि	रि	धा	ऽ	री	ऽ	छ	बि	सूं	ऽ
०				३				×				२			

		नि		ध		नि									
प	प	ध	—	सां	—	ध	प	पध	निसां	सांरें	सांनि	धनि	धप	मग	म
द	र	ला	ऽ	गे	ऽ	अ	ति	प्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री
०				३				×				२			

अन्तरा.

म				नि											
प	—	प	—	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां	—
बं	ऽ	सी	ऽ	ध	र	म	न	मो	ह	न	सु	हा	ऽ	वे	ऽ
०				३				×				२			
सां		रें						नि				नि			
रें	रें	मं	मं	रें	—	सां	—	सां	सां	रें	सां	ध	—	प	—
ब	लि	ब	लि	जा	ऽ	ऊं	ऽ	मो	रे	म	न	भा	ऽ	वे	ऽ
०				३				×				२			
म						नि									
ग	म	ग	म	प	—	ध	प	पध	निसां	सांरें	सांनि	धनि	धप	मग	म
स	ब	रं	ग	ज्ञा	ऽ	न	बि	चाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री
०				३				×				२			

भैरव—त्रिताल, (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि						ग					ग		
ग	म	ध	ध	प	—	ध	प	म	ग	(म)	रे	—	रे	—	सा
अ	ब	न	ज	गा	ऽ	वो	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	मै	ऽ	का
०				३				×				२			
सा				नि़				सा			ग				
नि़	—	सा	सा	ध़	ध़	नि़	सा	रे	रे	रे	रे	—	रे	सा	सा
ला	ऽ	ग	लि	अ	खि	मो	रि	अ	ब	हुं	ने	ऽ	क	प	ल
०				३				×				२			

सा म		नि ध	ग
नि सा ग म	प ध नि सां	ध सां – नि	ध प म ग
क झ प क	नि सि सा री	जा गी ऽ ज	गा इ तु म ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म म	नि		
प – प प	ध – नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां सां
सो ऽ व न	दे ऽ मो हे	अ नं द भु	व न ग र
०	३	×	२
नि			नि
ध – ध –	नि – सां –	निसां रें सां सां	ध – प –
ला ऽ गूं ऽ	गी ऽ तो ऽ	रेऽ ऽ छ ति	या ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रें		नि नि	प
– प ध सां	सां नि ध प	प ध ध प	मप ग – म
ऽ श र न	अ ब तू ऽ	जि न जा ऽ	वोऽ आ ऽ ज ।
०	३	×	२

भैरव–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म नि	प		म
ग म ध ध	प – ध मप	धध मप प –	म ग प मग
अ न त क	हा ऽ जि नऽ	जाऽ ऽऽ ऽ ऽ	वो ऽ पि याऽ
०	३	×	२

ग			ग
रे – – –	सा – – –	सारे ग म (म)	रे रे सा –
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	हीऽ ऽ ऽ ऽ	र हि ये ऽ
०	३	×	२
सा		सां नि	प
नि सा ग म	प ध नि सां	रें – सां ध	नि धप ग म
ए ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो रे	धा ऽ म श्या	ऽ मऽ तु म
०	३	×	२

अन्तरा.

	नि		
प प प प	ध ध नि नि	सां सां सां –	नि सां सां –
ज न म ज	न म नि सि	दि न हूँ ऽ	ते ऽ री ऽ
×	२	०	३
नि			नि
ध – ध –	नि – सां सां	रें रें सां –	नि सां ध प
हूँ ऽ था ऽ	री ऽ च र	न न की ऽ	चे ऽ री ऽ
×	२	०	३
	ध नि		ग
ग म प ध	सां सां ध प	म ग (म) ग	रे – सा –
बि न ति सु	म न सु न	ली ऽ जे ऽ	मे ऽ री ऽ
×	२	०	३
सा म		नि	
नि सा सा ग	– म प प	ध – नि नि	सां – सां –
प्र भु गु ला	ऽ ब ब्रि ज	जी ऽ व न	मा ऽ धो ऽ
×	२	०	३
प ध			
ध रें सांनि ध	नि धप म ग		
सुं द रऽ श्या	ऽ मऽ तु म		
×	२		

भैरव–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध्धप मप म ग	म म प प	नि ध – – –	प – – –
प्याऽऽ ऽऽ ला ऽ	मु झ भ र	दे ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग म ग (म) ग	म रे – ग प	म ग म ग	रे – सा –
म त वा ऽ	रे ऽ मो रे	बी ऽ त ग	ई ऽ ली ऽ
०	३	×	२
सा नि़ सा ग म	प ध नि सां	नि (सां) – ध सां	नि नि ध – प
सि ग री ऽ	रै ऽ न भ	ई ऽ ली ऽ	ऽ भो ऽ र
०	३	×	२

अन्तरा.

प प प प	नि ध – नि –	सां सां – सां	नि सां सां –
ह म तु म	पी ऽ वें ऽ	छ का ऽ छ	का ऽ वें ऽ
०	३	×	२
नि ध ध ध ध	नि नि सां –	गं रें – सां सां	सां नि नि सां ध प
दु र ज न	लु ग वा ऽ	दे ऽ ख ड	रा ऽ वें ऽ
०	३	×	२
सा नि़ सा ग म	प ध नि सां	सां सां रें रें सां नि	ध प ध म
क र ली ऽ	यो ऽ अ ति	शो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे	सा सा	नि़	
रे मग रे रे	नि़ सा रे सा	ध़ – नि़ –	सा सा सा –
प वड न च	ल त पु र	बै ऽ या ऽ	सि य री ऽ
०	३	×	२
ग ग			म
म ग म ग	रे – ग प	म ग (म) –	रे – सा सा
मो रा अँ ग	वा ऽ ऽ ज	ड़ा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ य पि
०	३	×	२
ग	नि		म
नि़ सा म ग	म ध प –	मग मरे गप मग	रे – – सा
ब र वा ऽ	ग र वा ऽ	लेऽ ऽऽ वोऽ लऽ	गा ऽ ऽ य।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि	सां		नि
प – ध ध	नि – सां सां	नि सां सां सां	सां रें सां –
आ ऽ वो स	दा ऽ रं ग	ह म तु म	सु क वा ऽ
×	२	०	३
नि	प	नि	सां नि
नि सां ध प	ग म प –	ध – सां –	नि सां ध प
क र हीं ऽ	जा ऽ में ऽ	जा ऽ में ऽ	ऽ ऽ नि सि
×	२	०	३

म		ग	ग नि
प म ग मग	रे – सा सा	नि़ सा म ग	म ध प –
बि हा ऽ ऽऽ	ऽ ऽ य पि	य र वा ऽ	ग र वा ऽ
×	२	०	३
		सा रे	
मग मरे ग प	मग मरे रे सा	रे मग रे रे	
लेऽ ऽऽ वो ल	गाऽ ऽऽ ऽ य	प वऽ न च	
×	२	०	

भैरव–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	नि		
ध – ध ध	ध – प –	धध पम प –	म – ग –
भो ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ	प्याऽ ऽऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग	ग	ग	ग
म ग (म) ग	रे – ग प	म ग म ग	रे – सा –
म त वा ऽ	रे ऽ मों ऽ	ग र वा ऽ	ला ऽ गों ऽ
०	३	×	२
सा		नि ध	नि
नि़ सा ग म	प ध नि सां	ध रें सां –	ध ध प ग
ह म तु म	क र रं ग	र स की ऽ	ब ति यां ऽ
०	३	×	२
ग नि			
गम ध – ध	प – ध म		
भोऽ ऽ ऽ भै	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

अन्तरा.

म	नि		सां
ग म प प	ध – नि नि	सां – सां सां	नि सां सां –
आ ऽ प पि	वे ऽ औ र	मो ऽ को पि	ला ऽ वे ऽ
०	३	×	२
नि	सां	सां	नि
ध ध ध –	नि – सां सां	रें रें सां सां	नि सां ध प
म न को ऽ	भे ऽ द क	ब हुँ न ब	ता ऽ वे ऽ
०	३	×	२
प	नि ध	प	ग
ध ध सां सां	ध नि ध प	ग – म मग	रे – सा –
उ मं ग सुँ	च र नों ऽ	ला ऽ ग तऽ	है ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा		सां	नि
नि सा ग म	प ध नि सां	रें रें सां –	ध ध प –
द र स हे	ऽ त मो रि	र मि ली ऽ	छ ति यां ऽ।
०	३	×	२
प नि			
ग म ध ध	प – ध म		
भो ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि नि			
सा ध ध ध	– प प प	धध पम प –	म – ग –
मे ह र की	ऽ न ज र	कीऽ ऽऽ ऽ ऽ	जे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

ग ग	म	सा	म
म ग म (म)	रे रे सा सा	रे ग म (म)	रे – सा –
सु ख सं ऽ	प द स ब	दी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ जे ऽ
०	३	×	२
सा नि		नि	
नि सा गम ध	– नि सां सां	ध नि सां रें	सां नि ध प
तू ऽ कऽ री	ऽ म क र	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२
ग ——— नि			
म ध ध ध			
मे ह र की			
०			

अन्तरा.

ग	नि		
म म प प	ध – नि नि	सां – – –	नि सां सां –
नि त उ ठि	आ ऽ स ति	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
२	०	३	×
नि		सां	सां नि
ध – ध ध	नि नि सां सां	रें रें सां सां	नि सां ध प
सा ऽ फ न	ज र ते रे	द र का भि	का ऽ री ऽ
२	०	३	×
ग	सा म		सां
म ग रे सा	नि सा ग म	प ध नि सां	रें रें सां सां
ज ग में ऽ	क र म फ	ज ल की श	र म र ख
२	०	३	×
नि	ग नि		
ध – प मगम	म ध ध ध		
ली ऽ जे ऽऽऽ	मे ह र की		
२	०		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

														म	
														प	म
														प्र	भु
म															
रे	–	–	सा	–	रे	नि़	सा	म	–	–	–	–	–	–	–
दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	स	ब	न	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
म								ध		नि	ध				
रे	–	म	म	प	–	प	ध	सां	सां	ध	नि	ध	प	म	म
तू	ऽ	र	ट	रे	ऽ	म	न	घ	रि	प	ल	छि	न,	प्र	भु।
०				३				×				२			

अन्तरा.

				नि											
प	–	प	–	ध	–	नि	–	सां	–	सां	सां	–	सां	सां	सां
जो	ऽ	तू	ऽ	चा	ऽ	हे	ऽ	दू	ऽ	ध	पू	ऽ	त	अ	न
०				३				×				२			
नि										सां		नि			
ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	–	रें	सां	–	नि	सां	ध	–	प
ध	न	ल	छ	मि	इ	मा	ऽ	न	वा	ऽ	को	ऽ	ना	ऽ	म
०				३				×				२			

ध प ध सां –	नि ध नि ध प	म (म) – म	म रे – प म
ले ऽ वा ऽ	के ऽ र व	को ना ऽ म	ले ऽ, प्र भु
०	३	×	२
म रे – – सा	– रे नि सा		
दा ऽ ऽ ता	ऽ स व न		
०	३		

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा प नि सा ग म	नि नि ध – ध ध	– ध प प	नि ध ध प ध
ए ऽ हूँ तो	वा ऽ र वा	ऽ र जा ऊं	तु म्ह रे गु
३	×	२	०
म प प म ग	म म नि नि ध ध	– ध पम प	ग म – म रे
सैं ऽ यां ऽ	ह म रि वा	ऽ त कोऽ ऽ	मा ऽ न ले
३	×	२	०
प – – ग प	म – ग –	(म) – रे –	ग रे – सा –
ऽ ऽ प्या ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

अन्तरा.

म	नि		सां
प प प –	ध – नि नि	सां सां सां –	नि सां सां सां
नी के आ ऽ	वो ऽ तु म	ह म रे ऽ	ढिं ग वा क
×	२	०	३
	सां नि	प नि	ध
रें रें सां –	नि सां ध प	ग म प ध	– ध रें सां
हि ल वा ऽ	ब ति यां ऽ	औ ऽ र डा	ऽ रुं ग र
×	२	०	३
सा	प		सा प
नि सां ध प	म ग म ग	रे – सा –	नि़ सा ग म
ह र वा ऽ	प्या ऽ रे ऽ	मो ऽ रे ऽ	ऽ ऽ हूं तो
×	२	०	३

भैरव–त्रिताल (विलंबित मध्यलय).

स्थायी.

ग			
म म नि ध	प प पध मप	धध पम प –	म ग प मग
पि या ऽ मि	ल न कीऽ ऽऽ	बाऽ ऽऽ ऽ ऽ	री ऽ अ रिऽ
०	३	×	२
ग	ग	सा	ग
रे – – –	रे रे सा –	ध़ ध़ नि़ सा	रे रे सा –
ए ऽ ऽ ऽ	रि स खी ऽ	ज त न क	छु ब ता ऽ
०	३	×	२
सा म		सां	
नि़ सा ग म	प – ध प	पध निसां सां ध	नि धप म गम
मैं ऽ तो ऽ	री ऽ ब लि	हाऽ ऽऽ री बा	ऽ रिऽ मैं ऽऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म ग म प प	नि ध ध नि नि	सां सां सां सां	नि सां सां –
ब हु त दि	न न पा छे	पि या मो रे	आ ऽ ये ऽ
० सां रें – गं मंगं	३ गं रें – सां –	× प नि ध रें सां ध	२ नि धप म गम
मं ऽ ग लऽ	गा ऽ वो ऽ	म खि यां सा	ऽ रिऽ मैं ऽऽ।
०	३	×	२

भैरव–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग म म – गम पप	नि ध – प मप	धधपम प म ग	रे ग म(म) रे रे सा
बा ऽ ऽऽ लमु	वा ऽ ऽ ऽऽ	मोऽऽऽ ऽ रे ऽ	सैंऽ ऽ ऽ यां
३ म नि गम ध – सां	× नि ध – प मप	२ धधपम प म ग	० ग ग म(म) रे रे सा
सऽ दा ऽ रं	गी ऽ ले ऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ऽ रे।
३ निसा म गम म पप	×	२	०
ऽऽ बा ऽऽ लमु			
३			

अन्तरा.

ग		नि						सां			नि			सां
म	प	धध	निनि	सां	सां	सां	–सां	नि	सां	सां	–	धि	धि	धि	नि
हूं	तो	तुम	बिन	त	र	स	ऽग	ई	ऽ	ली	ऽ	द	र	स	बे
३				×				२				०			
			नि	गं			नि	म			नि	ग		ग	
सां	सां	निसां	,सां	रें	सां	निसां	धप	गमपध	निसां	धि	प,मप	म	(म)रे	रे	सा
ऽ	गि	ऽऽ	ऽब	ता	ऽ	ऽऽ	बोऽ	लैऽऽऽ	ऽऽ	हों	ब,ऽऽ	लै	ऽऽ	ऽ	यां।
३				×				२				०			

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

							म
							गम
							जीऽ
नि						ग	
धि	प	मप	धध,पमप	म	गम	म(म)रे	सा,निसा
य	रा	ऽऽ	हुऽलऽऽ	से	ऽऽ	ऽऽऽ	ना,मोऽ
३				×			
सा				नि			
म	–	गम	,प	धि	–	प	मप
रे	ऽ	ऽऽ	ऽपि	या	ऽ	के	ऽऽ
२				०			

				ग			
धधपम	प	म	ग	म(म)	गम	रे	सा
वेऽऽऽ	ऽ	ख	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	न
३				×			
सा						नि	
नि	सा	रे	सा	नि	सा	ध	प
बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ
२				०			
सा	म		निनि			नि	
निसा	गम	पप	धध	सां	निसां	ध	प,गम
उन	बिन	रहि	लोन	जा	ऽऽ	ऽ	य,अरि
३				×			
नि							म
ध	—	प	मप	धधपम	प	मग	म,गम
ये	ऽ	ऽ	ऽऽ	माऽऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,जीऽ
२				०			

अन्तरा.

		म	नि	ध			
		गमप	ध	सां	—	सां,निसा	सांसां
ऽ	ऽ	बेऽगा	वे	खा	ऽ	वे,ऽऽ	सब
३				×			
नि	नि			सां		सां	नि
धध	धध	सां	सां	निसां	रेंसां	निसां	धप
मिल	नभ	ई	लो	दूऽ	वर	भइ	लाऽ
२				०			

म	नि	म		सा	म		
गम	ध	पधपप	मग	निसा	गम	पप	पधनिसांरेंसां
काऽ	से	कऽहिऽ	येऽ	कौऽ	नख	बरि	याऽऽऽऽसु
३				×			
नि			म	नि			
ध	—	प	,गम	ध	प,मप	धधपमप	गम,गम
ना	ऽ	वे	ऽ,अरि	ये	ऽ,ऽऽ	माऽऽऽऽ	ऽऽ,जिऽ।
२				०			

भैरव— एकताल (विलंबित).

स्थायी.

										प	
										नि	
										ए	
						नि	नि				
ध	प	म	गमप,म	प	—	मप	ध	ध	प,मप	म	ग
क	प	ल	ऽऽऽ,छि	न	ऽ	ऽऽ	क	ब	हू,ऽऽ	ना	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	म			ग				सा			ग
म	प	गम	ग(म)ग	रे	—	सा	निसा	नि	सा	—	रे
बि	स	रोंऽ	ऽऽऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ला	ऽ	ऽ	ल
३		४		×		०		२		०	
	ग			नि			म			नि	
रे	रे	सा	निसा	सा	म	म	प	—	प	ध	—
न	त	न	ऽऽ	नै	न	न	आ	ऽ	गे	ठा	ऽ
३		४		×		०		२		०	

ध		नि	नि								म
सां	–	सां	ध	नि	प	ध	म	प	ग	म	नि
ड़ो	ऽ	र	हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	नि									नि	
गम	ध	–	नि	सां	सां	सां	सां	निसां	सां	ध	नि
सऽ	बं	ऽ	न	सु	न	त	जै	ऽऽ	से	रं	ग
३		४		×		०		२		०	
	गं				नि			म	नि		
सां	रें	सां	निसां	रेंरें,सांनिसां	ध	नि	प	गम	ध	–	प,मप
ऽ	र	स	ऽऽ	उऽ,पऽऽ	जो	ऽ	ऽ	एऽ	हो	ऽ	स,ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
				निनि	निनि			नि			
म	गमप,म	प	प	धध	धध	सां	सां	ध	नि	सां	रें
दा	ऽऽऽ,रं	गी	ले	मम	दसा	ऽ	सो	बं	दी	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
गं		नि	नि								म
रें	सां	सां	ध	नि	प	ध	म	प	ग	म	नि
ऽ	ऽ	क	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	ए।
३		४		×		०		२		०	

भैरव–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

		नि		म			
		सा	सारे,गरे	ग	म	–	गम
ऽ	ऽ	औ	ऽऽ,सर	ला	ऽ	ऽ	ऽऽ
३				×			

रे	म		मम	म			
म	प	मग	,पप,मगम	रे	–	सा	निसा
ऽ	ऽ	ऽऽ	,ग,रऽऽऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽऽ
२				०			
सा	ग			निनि	नि		
निसा	रे	–	सा	सासा	ध	–	–
तुम	रे	ऽ	आ	वऽ	न	ऽ	ऽ
३				×			
सा		ग		सा	नि	नि	
नि	सा	रे	सा	नि	सा	ध	–
का	ऽ	ऽ	ई	ब	ल	मा	ऽ
२				०			
नि	नि	ध		नि	ग		
ध	ध	सा	–सा	सा	रे	–	,ग
क	ब	आ	ऽवे	मो	रे	ऽ	,पि
३				×			
म	–	गम	,मम	(म)रे	रेसा	रेरेसानि	सा
या	ऽ	ऽऽ	,सुख	दाऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ
२				०			
		नि	म				
नि	ध	सा	,गरे				
ई	ऽ,	औ	,सर				
३							

अन्तरा.

ग	म	नि					
मम	पप	धध	,निनि	सां	–	निसां	सांसां
सग	रीरै	ऽन	,मग	जो	ऽ	ऽऽ	वत
३				×			

				नि			
रें	–	सां	निसां	ध	धध	सां	निसां,सांसां
बी	ऽ	ती	ऽऽ	भो	रभ	ये	ऽऽ,तब
२				०			
सां		नि					
नि	सां	ध	प	म	गम	प	प,प
आ	ऽ	ये	ऽ	वो	ऽऽ	हि	ऽ,भ
३				×			
नि				सां	गं		
ध	–	सां	निसां	निसां	रें	–	सांसां
ली	ऽ	जो	ऽऽ	तुम	रे	ऽ	मन
२				०			
			नि़				
धधनिसांनिधपम		गपमगरेरेसा-	सा	नि़सागरे			
भाऽऽऽऽऽऽऽ		ऽऽऽऽऽऽइऽ	औ	ऽऽ,सर			
३							

भैरव—त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

							सा
							नि़सा
							पल
नि़				म		ग	सा
सा ध़ सा,	सारे	ग म गम म		म ग म रेरे		रे – सा	,नि़सा
क ऽ ऽ,	दरि	या ऽ ऽऽ व		मे ऽ ऽ ऽरा		सां ऽ ई	,राऽ
१		×		२		०	

ग सा नि	सा ग म	ग	म म
रे –सा निसा धधु	निसा रेसा ग म	म ग म रे	ग म रे सा,सारे
ई ऽका पर वत	पर वत क रे	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ,कर
३	×	२	०
म म	नि प	ग	रे
ग म गम ,गम	धु सां धु प,मप	म ग म रे	मग (म) रे सा,सासा
ता ऽ ऽऽ ,कर	ता ऽ ऽ ऽ,गुऽ	सां ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ई ऽ,पल ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प नि सां		नि नि	नि
म प धु ,निनि	सां सां निसां सां	सां धु नि ,सांसां	रें सां निसां धुप
जो चा हे ,सोइ	इ छा ऽऽ सों	हो वे ऽ ,जुग	रा ऽ ऽऽ जऽ
३	×	२	०
नि	सां सां मं	सां	ग म म
धुपमप मग,म धु निसां	रेंरें सांसां मं(मं) रेंसां	नि सां धु प	म गम रे सा,सासा
ओऽऽऽऽ हींऽ,क रे सब	कुद रत ओऽ सीऽ	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ई ऽ,पल ।
३	×	२	०

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग		नि	नि
सासा	रे	–	निसा	निसारे,सा	धु	–प	धु	–
ऽ काना	बां	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ,सु	री	ऽब	जा	ऽ
४	×		०		२		०	

सा	नि़सा,सा	रेरेसानि़सा	नि़ ध़,नि़सा	सा म	गम
ऽ	ऽऽ,वे	ऽऽऽऽऽ	री,अऽ	री	ऽऽ
३		४		×	
ग म(म)	रे	—	सा	नि़ सा	नि़सा,सा
ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽऽ,ह
०		२		०	
सा म	—	गम	,मप	नि ध	—
ना	ऽ	ऽऽ	,मुख	हे	ऽ
३		४		×	
प	पमप	ग म	मरे	गमप	म
र	तऽऽ	ढूं	ऽऽ	ऽऽऽ	क
०		२		०	
ग (म)म	रे	सा,नि़सा	,सासा		
ढूंऽ	ऽ	क,ऽऽ	,काना		
३		४			

अन्तरा.

					ग म स
नि ध	-नि	सांसां	सां	नि ध	—
प	ऽसु	रन	की	ता	ऽ
३		४		×	

धधनिसांरें	–रें	सां	निसां	नि सां,निसां	नि धध
नऽऽऽऽऽ ०	ऽन	सों २	ऽऽ	मो,ऽऽ ०	रा
पमप	धध,पमप	म	गम,म	पधनिसां	निसां
ऽऽऽ ३	जीऽ,यऽऽ	रा ४	ऽऽ,क	रऽऽऽ ×	ऽऽ
धध,पमप	म	म ग	म रे	गमप	म
तऽ,हीऽऽ ०	टू	ऽ २	ऽ	ऽऽऽ ०	क
ग (म)म	रे	सा,निसा	,सासा		
टू ३	ऽ	क,ऽऽ ४	,काना		

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि सा	–	निसा	,सारे	म ग	म	म	गम	ग म	प	–	मग
को ३	ऽ	ऽऽ ४	,यल	बो ×	ऽ	ले ०	ऽऽ	ऽ २	ऽ	ऽ ०	माऽ
ग म(म)	रे	सा	निसा	ग म	–	गम	,पम	प	–	मप	नि धध
ऽऽ ३	ऽ	ई ४	ऽऽ	मो ×	ऽ	ऽऽ ०	,ढिंग	ला २	ऽ	ऽऽ ०	ऽ

नि	ध	प	मप	ग म	—	म गम	गम मप	म	(म)	रे	सा
ऽ	ल	के	ऽऽ	बा	ऽ	ऽऽ	सऽ	पै	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
निसा	—सा	—	—,सारे								
ऽऽ	ऽ,को	ऽ	ऽ,यल								
३		४									

अन्तरा.

प गम	प,मप	नि ध	—,ध	सां	—	सां निसां	सां	नि ध	—	—	निसां
काऽ	हे,ऽऽ	को	ऽ,नि	सि	ऽ	दिऽ	न	बो	ऽ	ऽ	लगु
३		४		✓		०		२		०	
रें	सां	निसां	धप	ग म	(म)	रे	सा	नि साम	—	ग म	प
ना	ऽ	वऽ	नऽ	आ	ऽ	व	त	मोरे	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म प	नि	ध	प	ग म	प	गमपधप	म	ग	ग म(म)	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽऽऽऽर	पै	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
सा	—	निसा	,सारे								
को	ऽ	ऽऽ	,यल								
३		४									

भैरव–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

										नि	
										सा	
										बि	
सा				नि							
म	–	गम	पप	ध	–	प	मप	धधमम	प	म	ग
ना	ऽ	ऽऽ	हरि	को	ऽ	न	ऽऽ	खऽऽऽ	ऽ	व	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म							ग	म			
रे	ग	म	प	म	–	ग	म(म)	रे	–	सा	सा
र	ऽमो	री	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	त	बि।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

		नि					नि	गं			
प	मप	ध	नि	सां	–	सां	सां	रें	–	सां	सां
हा	ऽऽ	हे	को	मो	ऽ	च	ऽक	रे	ऽ	म	न
३		४		×		०		२		०	
सां		नि		म						नि	
नि	सां	ध	प	प	म	गम	प	प	–	ध	–
मू	ऽ	र	ख	नि	त	ऽऽ	उ	ठि	ऽ	भो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
									नि		
–	नि	सां	निसां	रें	–	सां	नि	सां	ध	प	मपध।
ऽ	ज	न	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽऽऽबि
३		४		×		०		२		०	

ग				नि						ग	
म	गम	प	प	ध	—	—	प	मप	,प	म	ग
ना	ऽऽ	ह	रि	कौ	ऽ	ऽ	न	ऽऽ	,ख	ब	र
३		४		×		०				०	
म											
रे	ग	म	प								
ऽ	मो	री	ऽ								
३		४									

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

										सा	
										क	
ग				ग				नि		ग	नि
रे	— सा	निसा,सा		रे	— मा	निसा		सा ध सा	—सा	रे	— मा —सा
री	ऽम	ऽऽ,र		ही	ऽ म	ऽऽ		बं ऽ दे	ऽन	वा	ऽ ज ऽवा
३				×				२		०	
सा				नि						ग	
म	— गम	—,प		ध	—ध	प मप		धधपम	प म ग	म(म) रे मा	—सा
के	ऽ ऽऽ	ऽ,प		र	ऽव	र ऽऽ		दीऽऽऽ	ऽ गा ऽ	ऽऽ	ऽ र, ऽक।
३				×				२		०	

अन्तरा.

प		नि	सा					नि		प	नि
गम	प,मप	ध	निनि	सां	सां	निसां	सां	रें सां,निसां	ध प	गमधधपमप	गम ध निसां
जित	दे,ऽऽ	खूं	तित	तूं	ही	तूं ऽ	ही	भ र,ऽऽ	र हो	तेऽऽऽऽऽऽ	रिकु द रत
३				×				२		०	

नि		ग	ग म
सां निसां,सां ध प	गमपधपमप म ग रे	रे ग मग मप	म(म) ग रे सा,सा
को ऽऽ,कौ ऽ न	पाऽऽऽऽऽऽ वे ऽ ऽ	रा ऽ ऽऽ, जनि	याऽ ऽ ऽ ज,क।
३	×	२	०

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म		नि	
ग प म ध	प प म ग	म – ध –	– – प म
त न न त	न न त न	दे ऽ नी ऽ	ऽ ऽ त न
०	३	×	२
	ग		
धध पम प –	म – म म	(म) – रे म	ग रे ग म
देऽ ऽऽ ऽ ऽ	नी ऽ त न	दे ऽ नी दे	ऽ नी दी ऽ
०	३	×	२
			ग
प म रे रे	रे प म ग	रे रे रे रे	रे – सा –
ऽ म्दी ऽ म्त	त दि या ना	रे त द रे	दा ऽ न्नी ऽ
०	३	×	२
सा		नि	
नि सा सा सा	ध नि सा सा	सा सा रें सां	नि ध प प
ना दिर दिर दा	नि तुं दिर दिर	दा नी ऽ त	द रे दा नि।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि ग म ध –	– – नि नि	सां – सां सां	सां – सां रें
दिर दिर दी ऽ	ऽ ऽम दिर दिर	दी ऽ म्दिर दिर	दी ऽ म्त दी
×	२	०	३
– सां – सां	सां सां ध नि	सां नि ध प	म ग रे सा
ऽ म्दी ऽ म्त	न न ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
सा रे ग म	प ध नि सां	नि रें सां नि	ध प म ग
×	२	०	३
ग नि म – ध –	स्थायी के	अनुसार	
दे ऽ नी ऽ			
×			

भैरव--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सां नि ध	ग – प म ग	नि म ध – प	ध म प म
ओ द न तो	ऽ म्त न न	त दा ऽ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
ग म – म रे	ग म प म	ग ग म – रे रे	– सा सा सा
दी ऽ म्त न	न न न न	ना ऽ रे ना	ऽ रे त न
०	३	×	२

म ग म प प	प ग म प ध	नि सां नि ध	प म प ध
नि ता ऽ न्न	तो ऽ म्त दि	या ना रे त	द् रे त न ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म म प प	म नि नि ग म ध ध	नि नि ध ध नि नि	सां सां सां सां
य ल ल मु	य ल ल मु	य लि य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
नि सां ध ध ध नि	सां नि सां सां	गं रें – सां सां	नि ध प प
य ल लि या	ऽ ल्ल ल ल	ले ऽ य ल	ल ल ल ल
०	३	×	२
रें सां – नि	धध पप गग मम	नि नि पप पप धध धध	
तक् ध्डा ऽ न्तिर	किट तक नग धिर	किट तक तक धिर	
०	३	×	
निनि सांसां सां सां	मं रें सां –	नि सां ध नि ध	
किट तक तक् ध्डा	ऽ न्तक् धा ऽ	तक ध्डा ऽ न्तक्	
२	०	३	
म म प – म रे	म रे सा –		
धा ऽ न्तक् ध्डा	ऽ न्तक् धा ऽ		
×	२		

भैरव–सूलताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा				ग					
रे	–	रे	–	रे	–	–	रे	सा	–
आ	ऽ	ये	ऽ	भै	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		३		०	
नि़		नि़							
सा	–	ध़	–	सा	–	नि़	सा	सा	–
भो	ऽ	ला	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	थ	ऽ
×		०		२		३		०	
				म			म		
रे	–	सा	सा	ग	मग	म	रे	–	सा
भै	ऽ	र	वि	अ	ऽऽ	ऽ	धां	ऽ	गि
×		०		२		३		०	
सा				नि		नि			
नि़	सा	ग	म	ध	–	ध	ध	प	–
फों	ऽ	फों	ऽ	फों	ऽ	क	र	त	ऽ
×		०		२		३		०	
मग	मरे	ग	प	म	ग	म	रे	–	सा
भुऽ	ऽऽ	ष	न	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प	प	ध	–	नि	नि	सां	सां	–	सां
नं	दी	की	ऽ	अ	स	ऽ	वा	ऽ	री
×		०		२		३		०	

नि						सां		नि	
ध	—	—	नि	सां	रें	नि	सां	ध	प
आ	ऽ	ऽ	नं	ऽ	दि	सो	ऽ	हे	ऽ
×		०		२		३		०	
प				नि			नि		
ग	म	प	प	ध	—	सां	ध	—	प
ए	क	क	र	सो	ऽ	हे	कैं	ऽ	ची
×		०		२		३		०	
प		नि					ग		
ध	सां	ध	प	म	ग	म	रे	—	सा
बा	ऽ	ह	न	को	ऽ	ऽ	बा	ऽ	घ।
×		०		२		३		०	

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

									प
									नि
									तू
					नि				
ध	प	म	मग	म	ध	ध	प	—	ध
अ	ब	या	ऽऽ	द	क	र	रे	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
					ग				
प	मप	म	—	ग	म	रे	ग	म	प
बं	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ	अ	प	ने	ऽ	अ
०		३			×		२		

					सा		म		
म	ग	म	रे	सा	नि़	सा	ग	म	प
ल्ला	ऽ	ऽ	ऽ	को	जो	ऽ	कु	छ	भ
०		३			×		२		
		प			नि				प
प	–	ध	–	सां	ध	–	प	–	नि
ला	ऽ	हो	ऽ	वे	ते	ऽ	रो	ऽ	तू।
०		३			×		२		

अन्तरा.

	म	नि							
प	प	ध	–	नि	सां	सां	सां	–	सां
ला	इ	ला	ऽ	हि	इ	ल्लि	ल्ला	ऽ	मु
०		३			×		२		
सां							नि		
ध	–	नि	सां	सां	रें	सां	ध	–	प
हं	ऽ	म	द	र	सू	लि	ल्ला	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
	ग					म	नि		ध
प	प	म	ग	म	प	प	ध	–	सां
न	बी	जी	ऽ	का	क	ल	मा	ऽ	ज
०		३			×		२		
सां		नि			नि				
ध	–	ध	–	सां	ध	ध	प	–	ध
बां	ऽ	प	ऽ	र	ध	र	रे	ऽ	ऽ।
०		३			×		२		
प	मप	म	–	ग					
बं	ऽऽ	दे	ऽ	ऽ		स्थायी के	अनुसार		
०		३							

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

म					नि़				
रे	—	सा	रे	सा	ध़	—	सा	—	—
ज्ञा	ऽ	न	म	द	मा	ऽ	ते	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म					म		
मग	मग	रे	ग	प	म	ग	रे	—	सा
जेऽ	ऽऽ	न	र	ऽ	नि	स	दी	ऽ	न
×		२			०		३		
सा		म			नि		ध		
नि़	सा	ग	म	म	ध	—	सां	—	सां
ति	न	को	ऽ	क	ब	ऽ	हू	ऽ	न
×		२			०		३		
नि		प							
ध	प	ग	म	प	म	ग	म	रे	सा
हो	ऽ	त	ऽ	खु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प		नि			सां				
म	प	ध	—	—	नि	सां	सां	—	—
स	त	के	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
नि		सां							
ध	ध	नि	सां	सां	रें	सां	निसां	ध	प
भ	र	भ	ऽ	र	पी	ऽ	ऽऽ	व	त
×		२			०		३		

प							ग		
म	प	मग	मरे	गप	म	ग	रे	–	सा
र	स	नाऽ	ऽऽ	सऽ	वा	द	ले	ऽ	त
×		२			०		३		
ग		प			नि		नि		
नि़	सा	ग	म	प	ध	ध	ध	सां	सां
ध्या	ऽ	न	ध	र	जा	को	ला	ऽ	गि
×		२			०		३		
नि					ग				
ध	प	ग	म	प	म	ग	म	रे	सा
र	ह	त	जि	य	ता	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

संचारी.

सा		नि	नि	नि	नि		नि		
नि़	सा	ध	ध	ध	ध	–	ध	–	प
म	न	क	र	र	मा	ऽ	य	ऽ	न
×		२			०		३		
नि		सां			सां		नि		
ध	ध	नि	सां	–	नि	सां	ध	–	प
त	न	क	रो	ऽ	मा	ऽ	टी	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म			ग				
मग	मग	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
पांऽ	ऽऽ	चो	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	त	म
×		२			०		३		
नि़	नि़	सा			ग		ग		
सा	ध़	नि़	सा	–	रे	–	रे	–	सा
अ	गि	नी	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	री।
×		२			०		३		

आभोग.

		नि			सां				
प	प	ध	—	ध	नि	सां	सां	—	सां
ह	रि	दा	ऽ	स	डा	ऽ	गु	ऽ	र
×		२			०		३		
सां		मं		पं	मं		गं		
रें	—	गं	मंगं	मं	रें	—	रें	—	सां
के	ऽ	प्र	भूऽ	ऽ	ध्या	ऽ	ऽ	ऽ	न
×		२			०		३		
सां		ध			सां		नि		
ध	ध	रें	सां	—	नि	सां	ध	—	प
ध	र	त	ही	ऽ	मा	ऽ	नो	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
		म							
मग	मग	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
स्वांऽ	ऽऽ	ति	बुं	द	डा	ऽ	ऽ	ऽ	रि।
×		२			०		३		

भैरव-झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां					सां			नि	
रें	—	रें	सां	—	नि	सां	सां	ध	प
मौ	ऽ	म	दी	ऽ	मौ	ऽ	म	दी	ऽ
×		२			०		३		
प			प						
ग	म	रे	ग	प	मग	म	रे	सा	सा
ज	प	त	हूँ	ऽ	रैऽ	ऽ	न	दि	न
×		२			०		३		

नि़	नि़				ग				
सा	ध़	—	नि़	सा	रे	—	रे	सा	सा
ब	ड़े	ऽ	तु	म	पी	ऽ	र	ज	ग
×		२			०		३		
म			म						
ग	म	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
दी	ऽ	न	ख्वा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म			नि		सां				
प	—	प	ध	—	नि	सां	—	सां	—
ना	ऽ	म	के	ऽ	लि	ये	ऽ	से	ऽ
×		२			०		३		
नि			सां		गं			नि	
ध	ध	ध	नि	सां	रें	रें	सां	ध	प
त	प	त	स	ब	क	ट	त	है	ऽ
×		२			०		३		
प		ध			नि		ध		
ध	ध	रें	सां	सां	ध	—	नि	ध	प
क	ट	त	दु	ख	फं	ऽ	द	युं	हि
×		२			०		३		
प			म						
ग	म	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा
रा	ऽ	ब	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

भैरव—झपताल (मध्यलय).

स्थायी

प					नि			म	म
ध	—	ध	ध	ध	ध	—	प	प	प
आ	ऽ	ज	नँ	द	ला	ऽ	ल	स	खि
×		२			०		३		
प			म		ग		ग		
ग	म	रे	ग	म	रे	रे	रे	सा	—
प्रे	ऽ	म	मा	ऽ	ध	क	पि	ये	ऽ
×		२			०		३		
नि					ग				
ध़	—	ध़	नि़	सा	रे	—	रे	सा	—
सं	ऽ	ग	ल	ल	ना	ऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
प		ग			म		ग		
ग	म	रे	ग	म	रे	—	रे	रे	सा
ती	ऽ	र	ज	मु	ना	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

अन्तरा.

		म	नि						
प	—	प	ध	—	नि	नि	सां	सां	सां
फू	ऽ	लि	के	ऽ	स	र	क	म	ल
×		२			०		३		
नि			सां		सां			नि	
ध	—	ध	नि	सां	रें	सां	सां	ध	प
मा	ऽ	ल	ती	ऽ	स	घ	न	ब	न
×		२			०		३		

प					ध			नि	
ग	—	म	प	ध	सां	—	सां	ध	प
मं	ऽ	द	सो	ऽ	गं	ऽ	ध	सी	ऽ
×		२			०		३		
प		म			प		म		
ग	म	नि	ध	प	ग	म	रे	रे	सा
त	ल	स	मी	ऽ	रे	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

भैरव—मूलताल (मध्यलय).

स्थायी.

सां				सां		नि			म
नि	—	सां	—	नि	सां	ध	—	प	प
सा	ऽ	धो	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	ध	र
×		०		२		३		०	
प		ग				प			
ग	गम	रे	ग	म	प	ग	मग	रे	—
गु	नऽ	नि	धा	ऽ	न	गु	नऽ	दा	ऽ
×		०		२		३		०	
		सा				ग			
सा	—	नि़	नि़	सा	सा	रे	—	सा	—
ता	ऽ	स	र	स्व	ति	मा	ऽ	ता	ऽ
×		०		२		३		०	
प		नि			नि		नि		
ग	म	ध	—	सां	ध	—	ध	—	प
को	ऽ	आ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	स
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प			म	नि					
म	प	—	प	ध	—	नि	नि	सां	सां
न	मो	ऽ	न	मो	ऽ	रि	ध	सि	ध
×		०		२		३		०	
नि			सां	गं				नि	
ध	—	—	नि	सां	रें	—	सां	ध	प
के	ऽ	ऽ	स्वा	ऽ	मी	ऽ	स	क	ल
×		०		२		३		०	
प		नि					ग		
ध	सां	ध	प	प	मग	म	रे	—	सा
बि	ऽ	द्या	ऽ	प	रऽ	ऽ	वे	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

संचारी.

नि	नि	नि	नि	नि			नि		
सा	ध	ध	ध	ध	—	—	ध	—	प
जो	ऽ	इ	न	को	ऽ	ऽ	ध्वा	ऽ	वे
×		०		२		३		०	
ध							नि		
प	ध	नि	सां	सां	रें	सां	ध	—	प
म	न	इ	ऽ	च्छा	फ	ल	पा	ऽ	वे
×		०		२		३		०	
प							ग		
ग	म	रे	ग	म	प	मग	रे	—	सा
दू	ऽ	र	हो	ऽ	त	ऽऽ	क्ले	ऽ	स।
×		०		२		३		०	

आभोग.

प	—	प	नि ध	—	नि	सां	—	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	प्र	भु
×		०		२		३		०	
नि ध	ध	—	नि	सां	सां	रें	सां	नि ध	प
तु	म	ऽ	ही	ऽ	को	ध्या	ऽ	वे	ऽ
×		०		२		३		०	
प ध	सां	नि ध	प	म	ग	म	रे	ग रे	सा
ब्र	ऽ	ह्मा	ऽ	वि	ऽ	ष्णु	म	हे	स।
×		०		२		३		०	

भैरव—ब्रह्मताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध	—	प	पध	प	म	प	—	म	ग
खे	ऽ	ल	नऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	गे	ऽ
×		०		२		३		०	
म ग	म	प	—	पध	मप	म	ग		
ह	रि	जू	ऽ	होऽ	ऽऽ	री	ऽ		
४		५		६		०			
ग म	मग	म	रे	म प	म	ग	म रे	—	सा
ब्रि	जऽ	की	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ	में।
७		८		९		१०		०	

अन्तरा.

		नि		सां					
प	प	ध	ध	नि	—	सां	—	सां	—
छि	र	क	त	रं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×		०		२		३		०	
नि		सां				नि			
ध	ध	नि	सां	रें	सां	ध	प		
ब्रि	ज	जु	व	ति	न	पै	ऽ		
४		५		६		०			
प	ध	नि		म			म		
ध	सां	ध	प	प	म	ग	रे	—	सा
ब	ग	र	ऽ	ब	ग	ऽ	र	ऽ	में
७		८		९		१०		०	

भैरव–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग					नि			नि		
	म	ग	म	प	—	ध	ध	ध	ध	—	प
ऽ	वी	ऽ	ऽ	श्नू	ऽ	च	र	न	ज	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
	ग					म					म
	म	ग	मरे	गम	प	प	म	ग	म	रे	रे
ऽ	ब्र	ऽ	ऽऽ	ह्माऽ	ऽ	क	मं	ऽ	ऽ	ऽ	ड
०		३		४		×		०		२	
	सा		ग			नि़			सा		
सा	नि़	सा	रे	सा	—	ध़	—	—	नि़	सा	सा
ल	शि	व	ज	टा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त
०		३		४		×		•		२	

	मग	म रे	—	म ग	प	प म	—	ग	म	रे	—
ऽ	देऽ	ऽ	ऽ	वी	ऽ	गं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
	ग										
सा	म										
गे,	वी										
०											

अन्तरा.

	प	—	नि ध	—	नि	सां	—	नि	सां	सां	—
ऽ	भा	ऽ	गी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	थी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां			गं			सां			नि		
रें	रें	सां	रें	सां	—	नि	—	सां	ध	—	प
स	क	ल	ज	ग	ऽ	ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
म						प	नि		नि		
प	मग	म	प	—	प	सां	ध	—	ध	—	प
भू	मीऽ	ऽ	भा	ऽ	र	उ	ता	ऽ	र	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
म				म		ग			म		
प	मग	मरे	रे	ग	प	म	—	ग	रे	—	सा
अ	नऽ	ऽऽ	ध	न	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	

सा	सा		ग	ग		सा		ग	
नि़	नि़	सा	रे	रे	सा	रे	ग	रे	ग	म	प
क	टा	ऽ	च्छ	न	के	ता	ऽ	ऽ	र	न	के
×		०		२		०		३		४	
म				म			ग				
प	म	ग	मग	रे	—	सा	म				
त	रं	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	गे,	बे				
×		०		२		०					

संचारी.

ग	म								नि		
म	ग	म	प	—	प	ध	ध	ध	ध	प	प
ह	र	ऽ	द्वा	ऽ	र	प्र	या	ग	सा	ग	र
×		०		२		०		३		४	
नि						सां			नि		
ध	—	—	नि	सां	—	रें	सां	—	ध	—	प
बे	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ति	री	ऽ	बे	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
म				म		म			म		
प	म	ग	मरे	ग	प	प	म	ग	रे	—	सा
स	र	ऽ	ख्वऽ	ती	ऽ	वि	द्या	ऽ	दा	ऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
नि़	नि़		सा			सा			म		
सा	ध़	ध़	नि़	सा	सा	म	—	ग	रे	—	सा
क	र	त	दु	ऽ	ख	भं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गे।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			नि						सां		
प	—	प	ध	—	नि	सां	—	—	नि	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
नि			सां							नि	
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	—	सां	निसां	ध	प
रो	ऽ	ग	दु	ऽ	क्ख	दू	ऽ	र	कऽ	रो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग			म	नि							
म	गम	प	प	ध	—	नि	नि	सां	नि	सां	सां
पा	ऽऽ	प	ह	रो	ऽ	नि	र	म	ल	क	रो
×		०		२		०		३		४	
म			ग				ग				
प	म	ग	म	रे	—	सा	म				
य	ही	ऽ	अं	ऽ	ऽ	गे,	बे				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

	ग								नि		
	म	ग	म	प	ध	नि	ध	—	ध	—	प
ऽ	शा	ऽ	र	दा	ऽ	स	र	ऽ	स्व	ऽ	ती
०		३		४		×		०		२	
		म		म		म			ग		
मग	मग	रे	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	सा
सऽ	ऽऽ	बं	क	ला	ऽ	स	मा	ऽ	रा	ऽ	स
०		३		४		×		०		२	

सा			ग			सा					
नि़	सा	–	रे	–	सा	नि़	सा	ध़	नि़	सा	सा
स	ऽ	ऽ	र्वा	ऽ	नि	स	ऽ	ऽ	र्गे	ऽ	स
०		३		४		×		०		२	
			म			ग					
मग	मग	म	रे	ग	–	म	–	ग	म	रे	सा
रीऽ	ऽऽ	ऽ	त्र	यी	ऽ	रू	ऽ	प	ध	र	न
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि			सां					
प	प	प	ध	ध	ध	नि	सां	नि	सां	सां	सां
ख	ल	नि	द	ल	नि	कं	ऽ	द	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						सां				नि	
नि	ध	ध	नि	सां	सां	रें	–	सां	निसां	ध	प
बि	र	द	बे	ऽ	द	पा	ऽ	ल	कऽ	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि		ध		नि	
प	पध	नि	सां	सां	सां	ध	–	नि	ध	ध	प
दी	ऽऽ	न	न	सु	ख	दा	ऽ	नि	स	र	नि
×		०		२		०		३		४	
ग		म								ग	
म	म	रे	रे	मग	प	म	ग	म	रे	रे	सा
अ	सु	र	न	नेऽ	ऽ	स्ता	ऽ	र	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
ग			सा					प	ध		
म	रे	सा	म	ग	म	प	–	ध	रें	सां	–
ह	र	नि	भू	ऽ	मि	भा	ऽ	र	म	हा	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि		नि	ध		
ध	—	ध	नि	ध	प
मो	ऽ	ह	ह	र	नि
×		०		२	

संचारी.

ग						प			ध		
म	म	गम	प	प	प	ध	ध	—	नि	ध	प
प	ति	तऽ	पा	व	नि	नि	रा	ऽ	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि			ध		
प	पध	नि	सां	रें	सां	ध	—	ध	नि	ध	प
आ	ऽऽ	दृ्श्रु	त	ग	ति	दे	ऽ	व	त	र	नि
×		०		२		०		३		४	
म		ग	म								
ग	म	रे	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	सा
प	र	म	रू	ऽ	प	धा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि			सा						नि		
सा	—	सा	म	ग	म	प	—	—	ध	—	प
वि	ऽ	श्व	भा	ऽ	र	हा	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

		नि									
प	—	ध	—	नि	नि	सां	सां	नि	सां	सां	सां
चिं	ऽ	ता	ऽ	म	नि	आ	नं	द	क	र	नि
×		०		२		०		३		४	

नि										नि	
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	—	सां	निसां	ध	प
ने	ऽ	क	ज	न	म	दू	ऽ	ख	दऽ	ल	नि
×		०		२		०		३		४	
						नि		ध			
प	पध	नि	सां	रें	सां	ध	—	नि	ध	प	प
क	रऽ	नि	सु	ख	बि	ला	ऽ	स	स	क	ल
×		०		२		०		३		४	
ग		ग				ग			म		
म	ग	म	नि	ध	प	म	ग	मग	रे	—	सा
आ	ऽ	नं	ऽ	द	की	खा	ऽ	नीऽ	दा	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
सा		म				नि					
नि़	सा	ग	म	प	—	ध	—	ध	नि	सां	सां
ला	ऽ	य	क	ने	ऽ	स्ता	ऽ	र	सू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	
नि		ध		नि			ग				
ध	—	नि	ध	ध	प	मप	म				
सिं	ऽ	धु	त	र	नि	ऽऽ	शा				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

										नि़	
									सा	सा	म
								ऽ	स	घ	न
								२		०	
				नि							
ग	म	प	—	ध	—	—	प	ध	म	प	म
ऽ	ब	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	स	घ	न
३		४		×		०		२		०	

				नि						ग	
ग	म	प	—	ध	—	—	प	—	—	प	मग
ऽ	ब	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	द्रु	मऽ
३		४		×		०		२		०	
म				प						सा	
रे	ग	म	प	मप	म	ग	म	रे	सा	नि़	सा
ऽ	बे	ली	ऽ	माऽ	धो	ऽ	भ	व	न	अ	ति
३		४		×		०		२		०	
	ग			नि़	नि़					प	
सा	रे	—	सा	सा	ध़	नि़	सा	रे	सा	ग	म
प्र	का	ऽ	स	ब	र	न	ब	र	न	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
											नि़
रे	ग	प	प	म	—	ग	म	रे	—	सा	सा
ष्प	रं	ऽ	ग	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो,	स
३		४		×		०		२		०	
सा	म	गम	प								
घ	न	ऽब	न								
३		४									

अन्तरा.

			नि						सां		
प	—	प	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
को	ऽ	कि	ला	ऽ	खं	ज	न	ऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध	ध	नि	सां	सां	रें	रें	सां	ध	—	प
क	पो	त	अ	ऽ	ति	अ	नं	द	का	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

नि									नि		
ध	प	मप	म	ग	म		प	—	ध	नि	सां
च	हूँ	ऽऽ	आ	ऽ	र	झ		ऽ	ब	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	
					नि						
रें	सां	नि	सां	—	ध	नि	ध	प	मग	—म	प
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ	स	घ	नऽ	ऽब	न
×		०		२		०		३		४	
नि											
ध	—	—	प								
छा	ऽ	ऽ	यो								
×		०									

संचारी.

						नि			नि		
म	म	गम	प	—	प	ध	—	ध	ध	—	प
स	त	ऽऽ	सू	ऽ	र	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
			नि			ध			नि		
प	प	—	ध	—	ध	सां	—	सां	ध	—	प
ए	क	ऽ	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
म			म						म		
ग	म	ग	रे	ग	प	म	—	ग	रे	—	सा
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	ला	ऽ	ग	डां	ऽ	ट
×		०		२		०		३		४	
ग						नि			नि		
म	ग	म	प	प	—	ध	—	—	ध	—	प
क	र	ऽ	दि	ख	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			म	नि		सां					
प	प	—	प	ध	—	नि	सां	नि	सां	—	सां
क	हे	ऽ	मि	यां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि	नि								नि		
सां	ध	—	नि	सां	—	रें	सां	निसां	ध	—	प
सु	नो	ऽ	शा	हे	ऽ	अ	क	ऽऽ	ब	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म								नि			
प	नि	ध	प	ग	म	प	—	ध	नि	सां	—
प्र	थ	म	रा	ऽ	ग	भै	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		०		३		४	
					नि		म				
रें	—	सां	नि	सां	ध	प	प	प	मग	—म	प
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	स	घ	नऽ	ऽव	न
×		०		२		०		३		४	
नि											
ध	—	—	प								
छा	ऽ	ऽ	यो								
×		०									

भैरव—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

											ग
											म
											बा
	ग			नि़			सा				
रे	रे	—	सा	ध़	—	ध़	नि़	सा	सा	—	रे
ऽ	द	ऽ	र	भू	ऽ	म	भू	ऽ	म	ऽ	आ
३		४		×		०		२		०	

	ग			नि़	नि़						
–	रे	–	सा	सा	ध़	नि़	सा	रे	सा	–	रे
ऽ	ऽ	ऽ	ये	ब	र	न	ब	र	न	ऽ	ब
३		४		×		०		२		०	
											ग
ग	रे	ग	प	म	–	ग	म	रे	–	सा	म
र	स	त	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे,	बा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग	नि										
म	ध	–	नि	सां	–	सां	सां	–	नि	सां	सां
सु	नी	ऽ	सु	नी	ऽ	घ	न	ऽ	घो	ऽ	र
×		०		२		०				४	
नि									नि		
ध	–	–	नि	सां	सां	रें	–	सां	ध	–	प
चा	ऽ	ऽ	त्र	क	च	को	ऽ	र	मो	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म					म	प					
प	ग	म	प	–	प	ध	ध	सां	ध	–	प
बो	ऽ	ऽ	ल	ऽ	त	सु	हा	ये	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
म							ग				
प	म	–	ग	म	रे	सा	म				
दु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे,	बा				
×		०		२		०					

संचारी.

			नि	नि	नि	नि			नि		
सा	सा	—	ध	ध	ध	ध	—	ध	ध	—	प
तै	से	ऽ	ही	ब	न	कुं	ऽ	ज	के	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
				नि					नि		
प	प	प	प	ध	ध	सां	—	सां	ध	—	प
बि	ह	र	त	भु	ज	कं	ऽ	ठ	मे	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
म						म			म		
ग	मग	मरे	ग	म	प	प	म	ग	रे	—	सा
अ	नुऽ	ऽऽ	रा	ऽ	गे	दो	ऊ	ऽ	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	
	सा					ग			ग		
	नि़	ध़	नि़	सा	—	रे	—	—	रे	—	सा
ऽ	रू	ऽ	प	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म		नि								
प	प	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
स	खी	ऽ	ज	ऽ	न	ब	लि	ऽ	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि									नि		
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	सां	सां	ध	—	प
ले	ऽ	त	रू	ऽ	प	नै	न	नि	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

प	ग	म	प	–	ध	सां	नि	सां	सां	ध	प
सा	ऽ	हे	सू	ऽ	हे	ह	स	न	ब	स	न
×		०		२		०		३		४	
म			म				ग				
प	म	ग	रे	–	सा	–	रे				
मै	न	ऽ	बा	ऽ	रे	ऽ,	बा				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											ग
											म
											ये
				नि							ग
गम	प	प	–	ध	–	प	पम	प	म	ग	म
ऽऽ	ग	न	ऽ	ना	ऽ	ऽ	यऽ	ऽ	क	ऽ	स
३		४		×		०		२		०	
ग									ग		
रे	ग	म	प	म	–	ग	म	रे	रे	सा	–
ब	सु	ख	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	क	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सा		ग		सा			सा			ग	
नि़	सा	रे	सा	नि़	सा	ध़	नि़	सा	सा	म	–
मो	ऽ	प	र	की	ऽ	ऽ	जे	ऽ	क्रि	पा	ऽ
३		४		×		०		२		०	

	म			म			ग				ग
रे	ग	म	प	प	म	ग	म	रे	–	सा	म
ऽ	दी	ऽ	जे	बु	ध	ऽ	बा	ऽ	ऽ	नि,	ये।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

	प	–	नि ध	–	सां नि	सां	सां	–	नि	सां	सां
ऽ	लं	ऽ	बो	ऽ	द	र	आ	ऽ	नं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	
नि ध	ध	ध	सां नि	सां	सां	रें	–	सां	सां निसां	नि ध	प
क	र	न	स	क	ल	वि	ऽ	घ्न	हऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
नि ध	–	नि	ध	–	प	प	–	–	नि ध	–	प
मो	ऽ	ऽ	द	ऽ	ब	ढ़ा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
प	मप	–	नि ध	–	ध	ध सां	सां	–	नि ध	–	प
मं	ऽऽ	ऽ	ग	ऽ	ल	म	हा	ऽ	मं	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म प	म	ग	म	रे	–	सा	ग म				
ग	त	ऽ	दी	ऽ	ऽ	नि,	ये				
×		०		२		०					

संचारी.

प						नि			नि		
म	प	गम	प	–	प	ध	–	ध	ध	–	प
इ	त	ऽऽ	नो	ऽ	प्र	सा	ऽ	द	पा	ऽ	ऊं
×		०		२		०		३		४	
प			सां			ध			नि		
ध	ध	–	नि	सां	–	रें	सां	–	ध	–	प
स	दा	ऽ	ह	री	ऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ऊं
×		०		२		०		३		४	
ग				म		ग					
म	मग	म	रे	गम	प	म	म	ग	म	रे	सा
सु	धऽ	बु	ध	हिऽ	त	चि	त	ऽ	छां	ऽ	ड़ि
×		०		२		०		३		४	
									नि		
रे	सा	–	म	–	म	प	–	प	ध	–	प
त	न	ऽ	म	ऽ	न	औ	ऽ	र	ध्या	ऽ	ऊं।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

			नि			सां					
प	–	प	ध	–	ध	नि	सां	–	सां	–	सां
प्रे	ऽ	म	दा	ऽ	स	ति	हा	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि			सां					सां		नि	
ध	–	ध	नि	सां	सां	रें	सां	नि	सां	ध	प
ध्या	ऽ	न	ध	र	त	नि	स	दि	न	उ	र
×		०		२		०		३		४	

							नि		सां		
प	म	गम	प	—	प	प	ध	—	नि	सां	सां
तु	म	ऽऽ	तो	ऽ	पु	र	न	ऽ	ज	ग	त
×		०		२		०		३		४	
म							ग				
प	म	ग	म	रे	—	सा	म				
गु	र	ऽ	ग्या	ऽ	ऽ	नि,	ये				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग					नि					
	म	ग	म	प	—	ध	—	—	प	मप	प
ऽ	गं	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ध	ऽ	ऽ	र	ऽऽ	त्रि
०		३		४		×		०		२	
		म	म			ग					
म	ग	रे	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	सा
न	य	न	सू	ऽ	ल	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि
०		३		४		×		०		२	
सा			ग			सा					
नि़	सा	सा	रे	—	सा	ध़	—	नि़	सा	—	सा
भ	ऽ	स्म	अं	ऽ	ग	नी	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ
०		३		४		×		०		२	
	ग					म					
	म	ग	म	प	—	प	म	ग	म	रे	सा
ऽ	गौ	ऽ	ऽ	री	ऽ	अ	र	ऽ	धं	ऽ	ग।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

			नि			सां					
प	प	प	ध	—	ध	नि	सां	—	सां	—	सां
क	र	त्रि	सू	ऽ	ल	ग	रे	ऽ	मुं	ऽ	ड
×		०		२		०		३		४	
नि						सां					
सां	सांनि	रें	—	सां	—	नि	सां	—	ध	—	प
मा	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
प			नि			म			म		
म	—	प	ध	—	प	प	म	ग	रे	—	सा
भा	ऽ	ल	चं	ऽ	द्र	मृ	त्युं	ऽ	ज	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा			प			नि			सां		
नि़	सा	—	ग	म	प	ध	—	—	नि	सां	सां
भृं	ऽ	ऽ	गी	ऽ	सो	हे	ऽ	ऽ	भू	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि					नि						
सां	रें	सां	नि	सां	ध	प	म				
सं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ,	गं				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											नि़
											सा
											स
ग				नि			नि				म
म	गम	प	प	ध	—	—	ध	—	प	—	प
ब	ऽऽ	मि	लि	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ब
३		४		×		०		२		०	

		म		म			ग				सा
मग.	मरे	ग	प	प	म	ग	म	रे	—	सा	नि़
जाऽ	ऽऽ	वो	ऽ	मि	र	ऽ	दं	ऽ	ऽ	ग	आ
३		४		×		०		२		०	
	ग			ग						म	
सा	रे	—	रे	रे	—	—	सा	—	नि़सा	ग	म
ऽ	ज	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	ला	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म			ग	म			म				नि़
रे	ग	मग	प	प	म	ग	रे	—	सा	—	सा
ल	न	जूऽ	की	ब	र	स	गां	ऽ	ठ	ऽ,	स।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि						सां		
प	प	प	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
क	न	क	था	ऽ	र	भ	र	ऽ	भ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि						नि			नि		
ध	—	—	नि	सां	—	रें	सां	निसां	ध	—	प
मू	ऽ	ऽ	क्ता	ऽ	ऽ	फ	ल	ऽऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म						नि			नि		
प	म	गम	प	—	मप	ध	—	सां	ध	—	प
क	रि	ऽऽ	न्यौ	ऽ	ऽऽ	छा	ऽ	ऽ	व	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म			म				नि़				
प	म	ग	रे	—	सा	—	सा				
या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ,	स				
×		०		२		०					

संचारी.

नि़			नि	नि		नि	नि		नि	नि	
सा	सा	—	ध	ध	—	ध	ध	—	ध	ध	प
न	व	ऽ	न	व	ऽ	प	ल्ल	ऽ	व	न	की
×		०		२		०		३		४	
						नि			नि		
प	—	ध	नि	सां	—	सां	—	निसां	ध	—	प
मा	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽऽ	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प						म					
ग	मग	मरे	ग	म	प	प	म	ग	म	रे	सा
द्वा	ऽऽ	ऽऽ	र	ऽ	न	बं	धा	ऽ	ऽ	ऽ	यो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म			नि						सां		
प	—	—	ध	—	नि	सां	—	—	नि़	सां	सां
बं	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ध	र	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	शु
×		०		२		०		३		४	
नि			सां					सां		नि	
ध	—	—	नि	सां	—	रें	सां	नि	सां	ध	प
को	ऽ	ऽ	ज	स	ऽ	सु	नि	य	त	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग						ध		सां			
म	ग	म	प	—	ध	सां	—	ध	धनि	ध	प
स	ब	ऽ	ही	ऽ	को	ला	ऽ	ग	तऽ	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म							नि़				
प	म	ग	म	रे	—	सा	सा				
सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो,	स				
×		०		२		०					

भैरव–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

																				ग			
																				रे	–	सा	
																				ला	ऽ	ल	
			नि़																	ग			
नि़	सा	ध़	–	सा	–	–	म	–	म	ग	म	प	–										
अ	ल	सा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भो	ऽ	ऽ										
३				×					२		०												
				म																ग			
म	ग	म	–	रे	–	–	सा	–	नि़	सा	रे	–	सा										
रे	ऽ	ही	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ल										
३				×					२		०												
सा		नि़																					
नि़	सा	ध़	–																				
अ	ल	सा	ऽ																				
३																							

अन्तरा.

			नि											सां					
प	–	–	ध	–	–	नि	सां	सां	–	नि	सां	सां	सां						
कौ	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	बा	ऽ	म	ऽ	हि	त	चि	त						
×					२		०			३									
नि												नि							
ध	ध	–	नि	–	सां	–	रें	सां	–	नि	सां	ध	प						
सों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ						
×					२		०			३									

म नि			सां					नि							
प	ध	–	नि	–	सां		–	ध	–	–	प	–	गम	प	
स	ग	ऽ	री	ऽ	ऽ		ऽ	रै	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽऽ	ज	
×					२			०			३				
ग								ग			सा		नि		
म	–	ग	म	रे	–		सा	रे	–	सा	नि	सा	ध	–	
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ		ये	ला	ऽ	ल	अ	ल	सा	ऽ।	
×					२			०			३				

भैरव–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

											ग				
											रे	–	सा		
											आ	ऽ	ज		
	सा							ग		नि					
सा	ध	सा	–	म	–	–	म	गम		ध	–	प	म	ग	
र	स	मा	ऽ	ते	ऽ	ऽ	हो	ऽऽ		री	ऽ	खे	ऽ	ऽ	
३				×						२		०			
							ग								
म	–	ग	म	म	रे	–	रे	–		सा	–	रे	–	सा	
ले	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ		ल	ऽ	आ	ऽ	ज	
३				×						२		०			

अन्तरा.

			नि			सां						सां			
प	–	मप	ध	–		नि	सां	–	–	नि	सां	सां	सां		
ता	ऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	दै	दै	ऽ	ऽ	ना	ऽ	च	त		
×					२		०			३					
नि												नि			
ध	–	–	नि	सां	सां	सां	रें	–	सां	नि	सां	ध	प		
गा	ऽ	ऽ	व	त	सं	ग	ग्वा	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ब्रि	ज		
×					२		०			३					
ध					म		ग								
सां	ध	प	ग	मग	रे	सा	रे	–	सा						
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ल	आ	ऽ	ज						
×					२		०								

राग पूर्वी

पूर्वी रागः सकलविदितः कोमलाभ्यां रिधाभ्यां ।
मध्यस्तीव्रो मृदुरपि सदैवात्र तीव्रौ गनी स्तः ॥
गो वाद्यत्र प्रविलसति तत्साहचर्ये निषादः ।
संपूर्णोऽसौ सरसविबुधैः सायमेव प्रगीतः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू रिधौ मध्यमौ द्वौ वादिसम्वादिनौ गनी ।
पूर्वीरागः सायमुक्तः पूर्णारोहावरोहणः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल रिध तीवर गनी दोऊ मध्यम लाग ।
गनि वादी सम्वादितें बनत पूर्वी राग ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ मगौ मपौ धपौ मगौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा पूर्विका सायं गांशा मद्वयभूषिता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'पूर्वी'—यह राग पूर्वीथाट से निकला है ! इसमें रिषभ, धैवत कोमल लगते हैं, मध्यम दोनों प्रकार के लिये जाते हैं एवं शेष स्वर शुद्ध प्रयुक्त होते हैं। इसकी जाति सम्पूर्ण है। वादी स्वर गन्धार और सम्वादी निषाद है। इस राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर माना जाता है। पूर्वी राग का वैचित्र्य सा, ग, प, नि इन स्वरों पर दिखाई देता। इसकी प्रकृति गम्भीर है। उत्तर भारत की ओर तीव्र धैवत का प्रयोग इस राग में कहीं-कही दिखाई पड़ता है। कोई-कोई गायक इसमें दोनों धैवत भी लगाते हैं।

आरोहावरोहः—

सा, रे॒ ग, मं प, ध॒, नि सां । सां नि ध॒ प, मं, ग, रे॒ सा ॥

पकड़ः—

नि़, सा रे॒ ग, म ग, मं, ग, रे॒ ग, रे॒ सा ।

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	रे	ग	ग	म॑	ग	रे	ग	रे	सा
×		२			०		३		
नि़	नि़	सा	रे	ग	रे	ग	म	ग	ग
×		२			०		३		
म॑	ग	म॑	ध	म॑	रें	नि	ध	नि	ध
×		२			०		३		
प	म॑	ग	म॑	ध	म॑	ग	ग	रे	सा
×		२			०		३		

अन्तरा.

म॑	ग	म॑	ध	म॑	सां	ऽ	नि	रें	सां
×		२			०		३		
नि	रें	गं	रें	सां	नि	रें	नि	ध	प
×		२			०		३		
म॑	ध	नि	ध	रें	नि	ध	नि	ध	प
×		२			०		३		
सां	नि	ध	प	म॑	ग	रे	ग	रे	सा
×		२			०		३		

पूर्वी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग								म			
म	ग	रे	सा	नि़	नि़	सारे	ग	प	मग	म	ग
ए	री	स	खी	तो	हे	पूड	र	बी	सुड	ना	ऊं
×		०		२		०		३		४	
म											
प	ध	प	ध	म	प	म	ग	म	रे	ग	ग
का	ऽ	म	व	र	ध	नि	के	क	र	सु	र
×		०		२		०		३		४	
सा								ध			
नि़	रे	ग	—	म	ध	नि	ध	रें	नि	ध	प
सं	ऽ	पू	ऽ	र	न	मे	ऽ	ल	मि	ला	ऊं।
×		०		२		०		३		४	
म											
प	म	ग	रे	सा	नि़						
ए	री	स	खी	तो	हे						
×		०		२							

अन्तरा.

ग				ध		नि					
म	—	ग	—	म	ध	सां	—	सां	नि	सां	सां
वा	ऽ	दी	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	र	ब	ना	ऊं
×		०		२		०		३		४	
सां						सां		नि			
नि	नि	रें	गं	रें	सां	नि	—	रें	नि	ध	प
स	म	बा	ऽ	दी़	ऽ	स	ऽ	स	म	गा	ऊं
×		०		२		०		३		४	

मंप	ध	म	प	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
अऽ	ऽ	स्त	स	म	य	तु	रि	य	प	ह	र
×		०		२		०		३		४	
सा				ध							
नि़	रे	ग	ग	म	ध	नि	ध	रें	नि	ध	प
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	को	रि	झा	ऊं
×		०		२		०		३		४	
मं											
प	म	ग	रे	सा	नि़						
ए	री	स	खी	तो	हे						
×		०		२							

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं											
प	ध	म	पमं	ग	म	ग	रे	ग	–	नि़	रे
पू	ऽ	र	विऽ	के	ऽ	सु	र	गा	ऽ	य	गु
०				३				×			
								मं			
ग	रे	ग	म	प	ध	म	प	ग	रे	ग	म
०				३				×			
					ध			ध			
					म	ध		रें	नि	ध	नि
नि़	नि़	सा	रे	ग	ऽ	ज	हां	अं	ऽ	ग	म
०				३				×			
मंप	ध	म	पमं								
पुऽ	ऽ	र	विऽ								
०											

ग	म	ग	ग
नी	ऽ	व	र
२			
ग	रे	सा	ऽ
२			
ध			
म	–	गम	ग
नो	ऽ	हऽ	र।
२			

अन्तरा.

ध म – ग ग	ध म – ध मध	ध सां – सां सां	नि सां रें सां सां
वा ऽ दि गं	धा ऽ र निऽ	खा ऽ द सु	स ह च र
० नि	३	× ध	२
सां – सां सां	नि – ध ध	नि रें नि ध	नि ध प प
म ऽ ध्य म	जो ऽ ग दि	खा ऽ व त	सुं ऽ द र
० सा	३	× ध	२
नि़ – सा रे	ग – म ध	रें नि ध नि	धप पम गम ग
सं ऽ धि प्र	का ऽ श स	म य क ह	तऽ चऽ तुऽ र।
०	३	×	२

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि़
ब

म रे ग प प	ध प – प	म प ध म पम	ग म ग ध
न त ऽ ब	ना ऽ ऽ ऊं	ब न न हिंऽ	आ ऽ वे ह
१	×	२	०
म ग – रे	सा – – –	निरे गम पध पम	सा ग रे सा नि़
रि के ऽ बि	ना ऽ ऽ ऽ	हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ आ लि, ब।
१	×	२	०

अन्तरा.

ध म ग म धम	ध सां – रें सां	सां नि ध निरें निध	प नि ध प ध
का ऽ रि कऽ	रूं ऽ अ ब	कैं से सऽ मऽ	झा ऽ ऊं स
३	×	२	०
म ग – म	ग रे सा सा	निरे गम पध पम	सा ग रे सा नि
म झ ऽ त	ना ऽ हिं न	हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ आ लि, व
३	×	२	०

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प ध म पम	म ग म ग रे	ग म ग – रे	ग म प –
आ ऽ व नऽ	क हि ग ये	अ ग ऽ म्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
म प प ध म –	ग म ग –	ध म मध म ग	रे ग रे सा –
उ न को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	भु जऽ फ र	क त है ऽ
०	३	×	०
नि रे ग म	प – – –	ध म – ध म –	म ग म ग –
अं खि मो रि	बां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ईं ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

ग				ध				ध							
म	म	ग	ग	म	–	ध	मध	सां	–	सां	सां	सां	रें	सां	–
स	कु	न	बि	चा	ऽ	रो	ऽऽ	रे	ऽ	मो	रे	ब	म	ना	ऽ
×				२				०				३			
नि								ध				नि			
सां	–	सां	सां	नि	ध	नि	सांरें	नि	–	–	ध	ध	–	प	प
बे	ऽ	ग	मि	ल	न	वा	ऽऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
×				२				०				३			
मं	ध		ध	मं											
प	म	–	म	ग	म	ग	–	नि़	रे	ग	म	प	–	–	प
स	दा	ऽ	रं	गी	ऽ	ले	ऽ	आ	ऽ	ल	म	गी	ऽ	ऽ	र
×				२				०				३			
मं		ध		मं											
प	–	म	–	ग	म	ग	–								
सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ईं	ऽ								
×				२											

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं										सा					
प	ध	प	मं	ग	म	ग	रे	ग	–	नि़	रे	ग	म	ग	–
क	ग	वा	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	मो	ऽ	रि	अ	ट	रि	या	ऽ
०				३				×				२			

ग रे ग म	प – – –	म ग – म	ग रे सा –
ट रि या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	स कु ऽ न्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
सा			
नि़ नि़ सा रे	ग ग म ध	रें नि ध प	म ग म ग
स खि मो री	भु ज वा ऽ	फ र क न	ऽ ला ऽ गी।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग	ध	ध	नि
म म ग ग	म – ध मध	सां – सां सां	सां रें सां –
अ व न क	रो ऽ तु मऽ	मो ऽ रे पि	य र वा ऽ
०	३	×	२
नि		सां सां	
सां – सां सां	नि ध नि ध	नि निरें नि ध	नि ध प –
डा ऽ रुं ग	रे ऽ फू ऽ	ल नऽ के ऽ	ह र वा ऽ
०	३	×	२
सा			
नि़ नि़ सा रे	ग ग म ध	रें नि ध प	म ग म ग
स खि री ऽ	उ न प र	त न म न	वा ऽ री ऽ।
०	३	×	२
ग ध प म			
क ग वा ऽ			
०			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	म॑	ग	रे	–	सा	नि़	-	सा	रे	ग	–	–	–	म	ग
रं	गी	ली	रा	ऽ	म	की	ऽ	अ	खि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ग				ध				ध							
म॑	म॑	ग	ग	म॑	म॑	ध	म॑ध	सां	–	सां	सां	रें	–	सां	सां
सु	र	न	र	सु	नि	ज	नऽ	जी	ऽ	व	न	खं	ऽ	ज	न
०				३				×				२			
सां															
नि	नि	सां	–	नि	ध	नि	ध	रें	रें	नि	ध	म॑	ग	म	ग
म	न	रं	ऽ	ज	न	प	खि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ग				ध											
म॑	म॑	–	ग	म॑	–	ध	म॑ध	सां	सां	सां	सां	रें	–	सां	-
कृ	पा	ऽ	क	टा	ऽ	छ	लऽ	छ	न	छ	बि	आ	ऽ	छे	ऽ
०				३				×				२			
सां															
नि	निरें	रें	गं	रें	सां	नि	ध	रें	रें	नि	ध	म॑	ग	म॑	रे
मृ	गऽ	छौ	ऽ	ना	ऽ	छ	कि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
०				३				×				२			

पूर्वी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

															सा
															च
सा		ध													मं
नि़रे	ग	मं	ध	मंध	निसां	नि	ध	–	प	(प)	–	ग	म	ग	ध
लोऽ	री	मा	इ	औऽ	ऽऽ	लि	या	ऽ	ऽ	पी	ऽ	ऽ	ऽ	कें	द
३				×				२				०			
					नि										
मं	ग	रे	सा	–	सां	–	नि	ध	प	मं	प	मं	ग	म	ग
र	बा	ऽ	र	ऽ	पू	ऽ	बिं	दु	ल	हि	न	ब	ना	ऽ	ई
३				×				२				०			
सा				ध	ध										
नि़	रे	ग	मं	मं	मंध	मं	ग	मंरे	ग	–	मं	ग	रे	सा	सा
गा	ऽ	व	त	क	रऽ	जो	ऽ	रऽ	रा	ऽ	ग	रं	ऽ	ग,	च
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग				ध				नि							
मं	मं	ग	–	मं	मं	ध	–	सां	सां	सां	–	रें	–	सां	–
सु	ल	ता	ऽ	न	म	शा	ऽ	य	क	मा	ऽ	नो	ऽ	जू	ऽ
२				०				३				×			
नि								सां							
सां	–	सां	सां	नि	निध	नि	ध	नि	निरें	नि	ध	नि	–	ध	प
व्या	ऽ	ह	न	च	ढिऽ	या	ऽ	स	बऽ	प्र	थ	वी	ऽ	ऽ	ब
२				०				३				×			

मंप मंपध मं पमं	मं ग म ग ग	सा नि़ रे ग म	ध मं मंध मं ग
राऽ ऽऽऽ ती ऽऽ २	म न रं ग ०	ध न ध न ३	वा ऽऽ की रा ×
मं रे ग मं	ग रे सा सा		
ऽ त रं ग २	सं ऽ ग, च ०		

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि़
म

रे ग – रे	मं ग म ग –	मंप ध मं पमं	ग म ग –
थु रा ऽ न ३	जा ऽ वो ऽ ×	कौऽ ऽ न वऽ २	हां ऽ हैं ऽ ०
ग ध मं ग मं ध	ध रें नि ध प	मं प ध मं पमं	सा ग म ग नि़
कु ब जा ऽ ३	ना ऽ री ऽ ×	ना ऽ रि अऽ २	ना ऽ रि, म। ०

अन्तरा.

ध मं ग मं ध	सां – सां सां	नि रें गं रेंसां	नि रें सां नि ध प
हूँ ऽ तो पे ३	वा ऽ रि अ ×	र ज मो रिऽ २	मा ऽ नो ऽ ०

ग		ध		ध				मं						सा	
म	ग	म	ध	रें	नि	ध	प	प	ध	म	पमं	ग	म	ग	नि़
उ	त	हूं	न	जै	ऽ	यो	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	मुऽ	रा	ऽ	रि,	म
३				×				२				०			

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

सा								मं							
नि़	रे	ग	रेग	प	–	–	प	प	ध	म	पमं	ग	म	ग	–
का	ऽ	ज	रऽ	का	ऽ	ऽ	रे	अ	ति	सु	कुऽ	मा	ऽ	रे	ऽ
३				×				२				०			
ग				ध											
म	रे	ग	म	म	–	ग	–	म	रे	ग	म	ग	रे	सा	–
नै	ऽ	न	ति	हा	ऽ	रे	ऽ	ला	ऽ	ग	त	प्या	ऽ	रे	ऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग				ध				ध							
म	म	ग	ग	म	म	ध	मध	सां	सां	सां	सां	सां	रें	सां	–
नि	र	ख	त	ल	ग	त	कऽ	र	त	म	न	ब	स	में	ऽ
३				×				२				०			
सां			रें			ध	ध								
नि	रें	गं	नि	रें	नि	म	मध	म	ग	ग	म	ग	रे	सा	–
च	प	ल	चं	ऽ	प	अ	निऽ	या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ।
३				×				२				०			

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध ध	रे	सा	
म मध म ग	ग – रे सा	नि – सा रे	ग – म ग
मा इड मे रे	नै ऽ न न	बा ऽ न प	री ऽ री ऽ
०	३	×	२
सा सा			प
नि सा प प	प – प –	मप ध म पम	ग म ग –
जा ऽ दि न	नै ऽ ना ऽ	श्या ऽ म नड	दे ऽ खों ऽ
०	३	×	२
नि	ध		
सा सा ग ग	म – ध मध	रें रें नि ध	म ग रे सा
बि स र त	ना ऽ हिं घड	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

ग	ध	ध	
म म ग –	म म ध मध	सां – सां सां	रें – सां सां
चि त में ऽ	ब स ग इड	सां ऽ व रि	सू ऽ र त
०	३	×	२
नि			
सां सां सां –	नि – ध ध	रें रें नि ध	नि ध प –
उ र तें ऽ	ना ऽ हिं ढ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध	ध ध		
म – ध नि	म मध म ग	म रे ग म	ग रे सा –
मी ऽ रा ऽ	ह रिड के ऽ	हा ऽ थ बि	का ऽ नी ऽ
०	३	×	२

नि़ ध
सा सा ग ग | म – ध मध | रें रें नि ध | म ग रे सा
स र ब स | दे ऽ नि बऽ | री ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ री ऽ।
० ३ × २

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि़
व

म ध म
रे ग – रे | ग म ग – | प ध म पम | ग म ग –
हीं क्यों ऽ न | जा ऽ ओ ऽ | कृ ऽ ष्ण कऽ | न्हा ऽ ई ऽ
३ × २ ०

ध ध म सा
म ग म ध | रें नि ध प | प ध म पम | ग म ग नि़
जा ऽ य र | हो ऽ मो सें | क र के ढिऽ | टा ऽ इ, व।
३ × २ ०

अन्तरा.

ग ध
म म ग – | म म ध म | सां सां सां सां | सां रें सां –
स ग री ऽ | र ति यां ऽ | जि न घ र | बी ऽ ती ऽ
३ × २ ०

नि सां
सां नि रें गं | – रें सां सां | नि निरें नि ध | नि ध प –
क हो ऽ ना | ऽ थ अ ब | को ऽऽ ऽ ये | री ऽ ती ऽ
३ × २ ०

सा नि़ – रे ग	– ग ध मं ध	ध रें नि ध प	प सा ग म ग नि़
ग्वा ऽ ल सू	ऽ त तो हे	श र म न	आ ऽ ई, व।
३	×	२	०

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध ध नि नि मं ग	गमं रेग – रे	सा – – –	सा नि़
मौ ऽ जा ऽ	माऽ ऽऽ ऽ णी	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ थें
०	३	×	२
सा सा ग ग	ध मं ध नि सां	रें सां नि ध प	प – ध मं ग
मा णी ग र	र सि या ऽ	रै ऽ ण स	मै ऽ रा ऽ
०	३	×	२
मं रे ग मं	मं ध नि नि मं ग	गमं रेग – रे	सा – – –
णी ऽ सों ऽ	च ऽ त्र ऽ	साऽ ऽऽ ऽ णि	हो ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध मं मंमं मं ग	ध मं – ध मं	सां सां सां सां	सां रें सां –
भां गड ली पि	वो ऽ सु ख	क रो म न	रं ग में ऽ
०	३	×	२

सां								म				ध			
नि	रें	गं	रें	सां	–	रें	सां	प	–	प		म	ग	मरे	ग
सा	लु	डा	रे	आं	ऽ	च	ल	ऽ	छा	ऽ	णि	हो	ऽ	ऽऽ	ऽ।
०				३				×				२			

पूर्वी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध						सा					
म	म	ग	रे	सा	सा	नि	–	रे	ग	म	ग
न	इ	रे	ल	ग	न	मो	ऽ	रि	ला	ऽ	गि
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध											
म	–	ध	–	सां	सां	सां	–	सां	रें	सां	सां
ते	ऽ	रे	ऽ	रं	ग	में	ऽ	नि	स	दि	न
×		०		२		०		३		४	
सां						सां			ध		
नि	–	रें	गं	रें	सां	नि	रें	नि	म	–	ग
हों	ऽ	ऽ	र	ह	त	रं	ऽ	ग	पा	ऽ	गि।
×		०		२		०		३		४	
ध	म										
न	इ										
×											

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	(सा)	नि़	सारे	ग	—	रे	रे	ग	ग	प	—
ऽ	पी	ऽ	रनि	जा	ऽ	मो	दी	ऽ	न	औ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
म	गम	ग	—	रे	रे	ग	म	—	ध	नि	निरें
ऽ	लिऽ	या	ऽ	स	ब	ऽ	मे	ऽ	रि	ई	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
निध	नि	ध	प	प	प	ध	म	प	म	ग	म
छाऽ	दो	ऽ	ऽ	भ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रेसा	नि़	सारे	ग	—						
र,	पीऽ	ऽ	रनि	जा	ऽ						
३		४		×							

अन्तरा.

म	ग	म	ध	सां	—	सांनि	रें	—	सां	ध	निरें
दो	ऽ	ऊ	ज	हां	ऽ	मेंऽ	दी	ऽ	न	इ	माऽ
३		४		×		०		२		०	
नि	नि	ध	प	मध	म	म	ग	म	ध	नि	निरें
न	पा	ऽ	ऊं	आऽ	नं	द	स	हि	त	ध	नऽ
३		४		×		०		२			

				म						म	
निध	नि	ध	प	प	–	ध	म	प	म	ग	म
जोऽ	की	ऽ	जे	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ग	रेसा	नि़	सारे	ग	–						
र,	पीऽ	ऽ	रनि	जा	ऽ						
३		४		×							

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

										मंग	
										दुन	
								म			
रे	सा	नि़	सारे	ग	म	ग	–	प	ध	म	पम
वा	ऽ	ऽ	हेमा	ई	ऽ	ऽ	ऽ	क	र	दे	ऽऽ
३				×				२			
सा								ध			
नि़	–	–	सारे	ग	म	ग	–	सां	नि	ध	प
जो	ऽ	ऽ	बस	हो	ऽ	वे	ऽ	पि	या	ऽ	ऽ
३				×				२			
ग	रेसा	नि़	सारे	ग	म	ग	–				
वा	ऽऽ	ऽ	हेमा	ई	ऽ	ऽ	ऽ				
३				×							

ग	म	ग	–				
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ				
०							
		म	ध	म			
प	म	धम					
मो	ऽ	रा	दुन				
०							

अन्तरा.

ग ध म ग म ध	ध सां - रें सां	नि ध नि नि सांरें	ध नि ध प -
ग रे को ऽ	हा ऽ दू गी	क र को कंऽ	ग न वा ऽ
१	×	२	०
ग ध म ग - मध	सां नि रेंनि ध प	म प ध म पम	म ग म ग धम
औ र ऽ गुन	मा ऽनुं गी ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रा, दुन
३	×	२	०
ग रेसा नि सारे	ग म ग -		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		
३	×		

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा ध रे ग गमम गम	रे ग रे सा -	रेरेसानिसा नि - सारे	ग म ग -
नै ऽ ऽऽऽ याऽ	मो ऽ री ऽ	पाऽऽऽऽ ऽ ऽ रक	रो ऽ रे ऽ
३	×	२	०
गमरेग प - ,पम	ध - प -	म प ध म पम	ग म ग -
अऽऽऽ ब ऽ ,निऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ मी ऽ।
३	×	२	०
सा ध रे ग गमम गम			
नै या ऽऽऽ ऽऽ			
३			

अन्तरा.

ध		ध		नि										रें	
म	ग	म	ध	सां	–	सां	,सांनि	रें	–	सां	सां	निध	निनि	ध	प
तु	म	हो	ऽ	पी	ऽ	र	,गंऽ	भी	ऽ	ऽ	र	ग्याऽ	ऽऽ	ऽ	न
३				×				२				०			
	ध		ध	ध				म							
प	म	ग	मध	रें	नि	ध	प	प	ध	म	पम	ग	म	ग	–
अं	ऽ	ऽ	तर	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	मी	ऽ
३				×				२				०			
सा		ध													
रे	ग	गमम	गम												
नै	या	ऽऽऽ	ऽऽ												
३															

पूर्वी–एकताल. (विलम्बित).

स्थायी.

														ग	
														ध	
														पि	
ध											म				
म	गरे	सानि	,सारे	ग	म	ग	–	प	ध	म	पम				
य	ऽर	वाऽ	,कीऽ	बा	ऽ	से	ऽ	तो	ऽ	में	ऽऽ				
३		४		×		०		२		०					
प				ग		ध		रे							
ग	म	ग	–	मरे	ग	मध	म,गम	ग	रे	सा	–				
आ	ऽ	वे	ऽ	तूंऽ	ऽ	मोऽ	हे,ऽऽ	भा	ऽ	वे	ऽ				
६		४		×		०		२		०					

सा			ध	ध				म	ध		ग
नि़	सारे	ग	मध	सां	नि	ध	प	प	म	गम	ग,ध
ला	गग	रे	मोरे	पि	या	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	ऽऽ	रि,पि
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध	सां							नि			
मध	निसां	सांसां	–,सांनि	रें	–	सां	–	सां	सां	नि	ध
तूं ऽ	जिन	लजा	ऽ,वऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽ	तो	सी	तूं	हि
३		४		×		०		२		०	
सां	ध			ध	ध			ध		सां	
रेंनि	नि	ध	पप	म	म	ग	,ग	म	ध	नि	रेंनि
बड़	भा	ऽ	गिन	ग	हे	ऽ	,सु	ल	ऽ	छ	ऽन
३		४		×		०		२		०	
ध				म							ग
नि	ध	प	–	प	ध	म	पम	ग	म	ग	,ध
न्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	री	,पि।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

														ग	
														ध	
														म	
म	ग	रेरेसानि़	–,सारे	ग	गम	ग	–	म	प	म	ध	सां नि	निरेंनि	ध	प
न	ऽ	मऽऽऽ	ऽ,स्तऽ	जा	ऽऽ	मे	ऽ	इ	श्कं	ऽ	ऽ	अ	ऽऽज्खु	दे	ऽ
३				×				२				०			

म॑ ध॑		ध॑	रे॒ सा
प प म॑ ग	म॑ रे॒रे॒ ग –	म॑ ध॒ म॑ गम॑	ग रे॒ सा –ध॒
ख ब ऽ ऽ	ऽ ऽर्ने दा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध॒ ध॒	ध॒	नि	
म –ग म ध॒,म॑ध॒	सां –नि रें सां	सां निध॒ नि ध॒	रें नि ध॒ प
ग ऽर्स रे ऽ,बुऽ	रं ऽद री रा	प ऽऽ र्वा ऽ	ऽ ऽ ये ऽ
३	×	२	०
ध॒		ध॒	रे॒ सा
म ध॒ म ग	म रे॒ ग –	म ध॒ म गम॑	ग रे॒ सा, –ध॒
स ऽ र्ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रं, ऽम।
३	×	२	०
ध॒			
म ग रे॒सा नि,सारे॒			
न ऽ ऽम ऽ,स्तऽ			
३			

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

म॑	सा	रे॒	
ध॒ म॑ ग –	रे॒ सा – नि॒सा	नि॒ – – सारे॒	ग गम ग –
च र ऽ ऽ	न प ऽ ऽऽ	र ऽ ऽ ऽऽ	स ऽऽ त ऽ
३	×	२	०
ग म॑	प	म॑	प
मरे॒ गप – प	ध॒ – प –	प ध॒ म॑ पम॑	ग म ग –
एऽ रोऽ ऽ आ	नं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ द ऽ।
३	×	२	

म॑				रे				नि़	सा			म॑		रे	
ध	म॑	ग	गम॑	ग	रे	सा	–	सारे	नि़	–	सारे	ग	गम	ग	गम॑
सु	ख	ऽ	ऽऽ	भ	ऽ	यो	ऽ	तन	म	ऽ	नऽ	ध	ऽऽ	न	ऽऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध		ध		ध			नि	नि							
म	ग	म	ध,मध	सां	–सां	रें	सां	सां	सां	–	सांनि	रें	रें	सां	–
ऐ	सो	पी	र,जऽ	रा	ऽज	रो	ऽ	ज	र	ऽ	बऽ	क	स	न	ऽ
३				×				२				०			
नि				ध				ध							
सां	सां(सां)	–	निध	नि	–	ध	ध	नि	–	रें	निध	नि	ध	प	–
नि	जाऽ	ऽ	मुऽ	दी	ऽ	ऽ	न	औ	ऽ	ऽ	लिऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
३				×				२				०			
ध								म॑							
म	–	ध	नि	रें	निध	निध	प	प	ध	म	पम॑	ग	म	ग	गम॑
ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	धऽ	नऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	न	ऽऽ।
३				×				२				०			

पूर्वी–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

रे					ध			ध							
ग		म॑ग		,मप	निनि	ध	प	म	पम॑			ग	म	ग	–
ये		ऽऽ		,मेह	ऽऽ	बू	ऽ	ऽ	ऽऽ			ऽ	ऽ	ब	ऽ
३				४		×		०				२		०	

ध				रे				नि			
म	धम	—	,गम	ग	रे	सा	—	सासा	सा,रेरेसानि	—	,रेम
पी	ऽऽ	ऽ	,रेऽ	चे	ऽ	स्ती	ऽ	हज	र,तऽऽऽ	ऽ	,सुल
३		४		×		०		२		०	
		रे									
ग	—	ग	म	म	ग	म	रे	ग	रे	प	प
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न
३		४		×		०		२		०	
म	ध			ध						ध	
प	मध	रें	नि	नि	ध	प	प	प	ध	म	पम
नि	जाऽ	ऽ	मु	दी	ऽ	ऽ	न	औ	ऽ	ऽ	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
		रे	म								
ग	मरे	ग,मग	पनि								
ऽ	ऽलि	या,ऽऽ	मेहे								
३		४									

अन्तरा.

प		प				नि		नि			
मम	ग	म	धप	सां	–सां	सांरें	सां	सां	–सां	नि	ध
कर	ता	र	आऽ	पी	ऽब	नाऽ	यो	नू	ऽर	ते	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सां	ध			म						ध	
निरें	निनि	ध	प	प	ध	म	पम	ग	म	ग	,मध
ऽऽ	माऽ	मू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रे	,सुऽ
३		४		×		०		२		०	

नि –रें	निध नि	ध प	ध प म म	म ग म	म रे रे ग	
र ऽऽ	तऽ ऽ	खू ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ब ये	
३	४	×	०	२	०	
म ग	,मप ध निनि					
ऽ ऽ	,मेह ऽऽ					
३	४					

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध ध रे म,-ध म-,गम ग रेसा	रे रे सानि, सारे ग मग	ग गमरेग प – पप	ध मध रेंनि ध प
ए,ऽऽ म,कऽ दू ऽम	साऽऽऽ, ऽऽ हे ऽव	त्रिऽऽऽ ला ऽ यत	सब ऽवि ध ऽ
३	×	२	०
म पम ध म गम	रे ग – रे सा	नि सानि – ध म,गम	रे ग – रे सा
लाऽ ऽ य ऽक	की ऽ ऽ नो	अल्ला ऽ ऽ ये,रऽ	सू ऽ ऽ ल
३	×	२	०
ध रे म,-ध म,गम ग रेसा			
ए,ऽऽ म,कऽ दू ऽम			
३			

अन्तरा.

ध म ध सां सांनि	रें – सां –	नि सां (सां) नि ध	ध नि रेंनि ध प
स ब मि लऽ	आ ऽ ये ऽ	औ ली या ऽ	अं ऽबि या ऽ
३	×	२	०

ध म ग म ध	नि रेंनि ध पप	मं पमं ध म गमं	रे ग – रे सा
च हुँ चो ऽ	ऽ ऽक में तुऽ	म्हाऽ ऽ री ऽऽ	धू ऽ ऽ म।
३	×	२	०

पूर्वी–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

			सासा दर्द
सा ग ध नि सारेग मरेग प,मध	नि ध प मंप	मं ध प म गम ग	रे ग म मरे ग
की सऽफा ऽऽऽ ऽ,ईऽ	अ ल्ला ऽ ऽऽ	अल्ला ऽऽ हो	अल्ला ऽऽ ऽ
३	×	२	०
सा निरेगमंप पमं ध प	पपधधपमं पमं गम ग	मं मंध म गरे ग	ध – रे सा सासा
अऽऽऽऽ ऽऽ ऽ ल्ला	ऽऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ हो	अऽक ऽऽ ऽ	ऽ ब र, दर्द।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं प,पमं धप सांसां –सां	रें – सां नि ,सां	नि सां निध नि,रेंनि धप	मं प प म ग
अ,ल्लाऽ ऽहि अल्ला ऽसु	भा ऽ न ,अ	क ऽऽ ऽ,ब रऽ	आ ले ऽ ऽ
३	×	२	०

ग म रे ग –	ध म,मध म,गम गरे सा	सा निरे गम प मप	प नि ध प –
ऽ ऽ हं ऽ	दु,ऽऽ ली,ऽऽ ऽऽ ल्ला	लाहे लाहे ला ऽऽ	ऽ व ल्ला ऽ
३	×	२	०
म ध प म – ग	ग म रे ग ग	ध मध म – गरे	ग –रे सा, सासा
अ ल्ला ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ हो	अऽ क ऽ ऽऽ	ऽ ऽख र, दर्द।
३	×	२	०

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा निरेगग –	ध गमम –गम	रे ग –	रे सा सा रे सा – निसा
सऽऽला ऽ	ऽऽऽ ऽ,हेऽ	का ऽ	ऽ र कु जा ऽ ऽऽ
३	४	×	० २ ०
सा निसारेरेसा निरे	ग रेसा	सा निसारेरेसा नि	सा निरे गरे ग –	म गममममग म
ऽऽऽऽऽ ऽऽ	म नऽ	ऽऽऽऽऽ ऽ	ऽऽ ऽख रा ऽ	ऽऽऽऽऽऽ ऽ
३	४	×	० २	०
रे गरे प	– मप	म प ध	म पम ग म	ग –
वकु जा	ऽ ऽऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
३	४	×	० २	०

अन्तरा.

ध		ध									
मं,मंध	मंग	मं	धप	सां	सांनि	रें	सां	रेंरेंसांनि	सां,निध	नि	ध
वि,ऽऽ	बित	फा	ऽव	त	ऽऽ	र	हे	अऽऽऽ	ऽ,ज्कुऽ	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
सां				मं							
नि	रेंनि	निध	प	प	ध	मं	पमं	ग	म	ग	—
स्ता	बुकु	जाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

												नि़
												सा
												पि
सा		प						मं		ध		
नि़	रे	गप	मंध	नि	ध	प	मंप	प	ध	मं	पमं	
या	ऽ	सऽ	नऽ	वा	ऽ	ऽ	ऽऽ	मो	ऽ	री	ऽऽ	
३		४		×		०		२		०		
मं				सा								
ग	मरे	ग	—	नि़	रे	ग	,गरे	पपमंग	मंरे	ग	—	
मो	ऽरि	मा	ऽ	जै	ऽ	जै	वति	यांऽऽऽ	ऽह	ती	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
ध				प				रे				
मं	ध	रेंनि	धप	मं	ध	मं	गमं	ग	—	रे	सा,सा	
त	ब	ऽव	हांऽ	को	ऽ	ऽ	उन	था	ऽ	ऽ	ऽ,पि।	
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

ध								सां			
म	ग	पम	धप	सां	—	सां	निसां	नि	रें	गं	रेंसां
ए	ऽ	हूऽ	ऽन	जा	ऽ	ने	ऽऽ	वे	ऽ	हू	ऽन
३		४		×		०		२		०	
नि	रें			म		ध		म			
सां	नि	ध	प	प	ध	म	पम	गम	गरे	ग	गग
जा	ऽ	ने	ऽ	मा	ऽ	ई	रीऽ	उन	कर	भे	द,ब
३		४		×		०		२		०	
ध				म						रे	
म	ध	रेंनि	धप	प	ध	म	पम	ग	म	ग	,सा
ता	ऽ	वम	ताऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	,पि
३		४		×		०		२		०	

पूर्वी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	म	ग	म	ग	रे	सा	—	नि	रे	ग	म	ग	—	—	ग
त	न	न	त	न	न	तो	ऽ	म्त	न	दे	रे	ना	ऽ	ऽ	ता
२				०				३				×			
म	रे	म	ग	ग	—	प	प	—	ध	प	—	प	(प)	—	म
ऽ	दी	ऽ	नि	ता	ऽ	ऽ	नू	ऽ	म्त	नू	ऽ	म्त	दा	ऽ	रे
२				०				३				×			
ग	म	ग	ग	ग	—	म	रे	ग	म	ग	रे	सा	—	सा	सा
ता	रे	दा	नि	दी	ऽ	म्त	न	न	न	न	न	ना	ऽ	रे	ना
२				०				३				×			

– सा सा नि़	रे॒ ग म रे॒	ग म॑ प ध॒	(प) – – म॑
ऽ रे त न	नि ता ऽ न्त	नि त न म	तो ऽ ऽ म्ता
२	०	३	×
– ध॒ रें॒ नि	म॑ – – म॑	– ग म॑ ग	रे॒ सा – सा
ऽ दीं ऽ नि	ता ऽ ऽ दीं	ऽ नि ता ऽ	ऽ दीं ऽ नि।
२	०	३	×

अन्तरा

ग म॑ म॑ ग ग	ध॒ म॑ म॑ ध॒ ध॒	ध॒ म॑ म – सां सां	सां – सां सां
ओ द त न	ओ द त न	दी ऽ म्त न	दी ऽ म्त न
०	३	×	२
रें॒ सां – सां	सां सां सां नि	नि रें॒ गं रें॒	सां सां सां सां
त द्रे ऽ न्ना	त न द्रे द्रे	त दा ऽ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
नि निरें॒ नि ध॒	प – प प	(प) – म॑ ग	म ग ग ग
दि याऽ ना रे	तो ऽ म्दे रे	ना ऽ रे ना	ऽ रे धा किट
०	३	×	२
ग ग म॑ ध॒	ध॒ म॑ सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि रें॒
तक धुम किट तक	धि त्ता किड नग	नग तिर तिट कत	गदि गिन धा ऽ
०	३	×	२
नि ध॒ प म	ध॒ म॑ ग ग म॑	ग रे॒ सा –	
तिट कत गदि गिन	धा ऽ तिट कत	गदि गिन धा ऽ	
०	३	×	

पूर्वी–तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

म			सा	म							
धम	गरे	सा	निरेगरे	ग	प	मगम	ग	पप	पम	ध	प
तन	देरे	ना	ऽऽऽत	द्रे	ऽ	ऽऽऽ	ना	तदा	ऽऽ	ऽ	रे
३				×				२			
				ग				म			
मपधनि	–	ध	प	प	(प)	म	पम	ग	म	ग	–
ताऽऽऽ	ऽ	ऽ	रे	या	ऽ	ऽ	नीऽ	दा	ऽ	नी	ऽ
०				३				×			
ग				रे				सा			
रे	ग	म	धमग	ग	–रे	सा	–सा	नि	रे	गरे	सा
ता	ऽ	ऽ	ऽरेऽ	ना	ऽरे	दी	ऽम	तो	ऽ	ऽम्त	द्रे
२				०				३			
सा				सा				ग			
रे	नि	ध	प	निरे	ग	गम	गरे	रे	म	ग	–गम
ना	ऽ	ऽ	ऽ	तन	न	ऽऽ	देऽ	रे	ऽ	ना	ऽऽऽ
×				२				०			

अन्तरा.

		ध									
		मममध	सांसां	सांनि	रें	सां	–सां	निसांरेंगं	–रें	सां	–ध
ऽ	ऽ	तनन	देरे	ताऽ	ऽ	नू	मऽ	याऽऽऽ	ऽरे	दी	ऽम्त
३				×				२			
सां				प							
नि	रेंनि	ध	प	म	गरे	म	ग	निरेगम	धनिरेंगं	–रें	सां
दी	म्तन	ना	ऽ	दे	ऽरे	त	नूं	उदाऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽनि	
०				३				×			

निरें	गं	पंपंमंगं	मंगं	नि	रेंगं	मंमंगंरेंसांनि	धपमंगरेसा
तदी	या	नाऽऽऽ	ऽरे	तो	म्द्रेऽ	नाऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ
२				०			

पूर्वी–सूलताल (मध्यलय)

स्थायी.

							प मं
							क र
ध	नि	सां	सां	नि	ध	नि	ध	प प
क	पा	ऽ	ल	लो	ऽ	च	न	त्र य
×		०		२		३		०
ध								
मं	ध	मं	ग	मं	रे	ग	रे	सा सा
पं	ऽ	च	ब	द	न	द	श	भु ज
×		०		२		३		०
सा						मं		
नि	–	सा	रे	ग	–	प	पभं	ध मं
भू	ऽ	षि	त	भू	ऽ	ष	नऽ	शि व
×		०		२		३		०
						ध		मं
ध	नि	सां	सां	नि	ध	नि	ध	प मं
ज	टा	ऽ	मु	कु	ट	ध	र	क र।
×		०		२		३		०

अन्तरा.

प									
म	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां	सां
नी	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ	शो	ऽ	भि	त
×		०		२		३		०	
सां									
नि	–	सां	रें	–	सां	नि	सां	नि	धप
रू	ऽ	ड	मा	ऽ	ल	वि	धु	ब	लऽ
×		०		२		३		०	
ध									
म	मध	म	ग	म	रे	ग	रे	सा	सा
त्रि	पुऽ	रा	ऽ	सु	र	म	र	द	न
×		०		२		३		०	
नि		सा						म	
सा	–	सां	–	नि	ध	नि	ध	प	म
गौ	ऽ	री	ऽ	सु	ख	व	र	क	र
×		०		२		३		०	

संचारी.

नि		सा							
सा	–	प	–	प	म	ध	–	प	प
व्या	ऽ	घ्रां	ऽ	ब	र	अं	ऽ	ब	र
×		०		२		३		०	
म									
प	–	म	–	ध	–	नि	ध	प	प
भ	ऽ	स्म	ऽ	भू	ऽ	ष	न	क	टि
×		०		२		३		०	

ध	ध								
म	म	–	ग	म	रे	म	ग	रे	सा
भु	जं	ऽ	ग	फ	न	प	व	र	त
×		०		२		३		०	

आभोग.

ध									
म	–	ध	नि	सां	सां	सां	–	रें	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	प्र	भु
×		०		२		३		०	
सां						सां			
नि	–	रें	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प
वो	ऽ	प्र	वी	ऽ	न	भ	व	ब्रि	ज
×		०		२		३		०	
ध			ध						
म	–	ध	म	–	गरे	ग	रे	सा	–
भु	ऽ	क्ति	मु	ऽ	क्तिऽ	क	र	के	ऽ
×		०		२		३		०	
नि		सा							
सा	सा	सां	–	नि	ध	नि	ध	प	म
नि	त	पौं	ऽ	ची	ऽ	स	ब	क	र
×		०		२		३		०	

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा					रे				
नि	रे	ग	ग	म	ग	–	रे	सा	सा
अ	ब	च	तु	र	दं	ऽ	डि	म	त
×		२			०		३		

सा		प							
नि़	रे	ग	म	प	प	म	ग	म	ग
बें	ऽ	क	ट	सु	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		
म				प					
प	–	प	म	म	ध	नि	ध	प	प
द्वा	ऽ	द	श	सु	र	न	के	ख	ट
×		२			०		३		
म					म				
प	–	म	–	ग	प	म	ग	म	ग
च	ऽ	क्र	ऽ	ब	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		

अन्तरा.

प		प							
म	ग	म	ध	म	सां	सां	रें	सां	–
र	ग	र	गी	ऽ	र	गु	रि	गी	ऽ
×		२			०		३		
सां					सां				
नि	रें	गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध	प
रि	गु	रु	गु	र	चा	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
ध		ध			ध		ध		
म	ग	म	ध	–	रें	नि	नि	ध	प
ध	न	ध	नी	ऽ	ध	नु	धि	नि	ऽ
×		२			०		३		

म॑			ध॒		म॑				
प	प	ध॒	म॑	प	प	म॑	ग	म	ग
धि	नु	धु	नु	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×		२			०		३		

संचारी.

नि़		सा							
सा	—	प	—	प	प	—	ध॒	—	प
द्वा	ऽ	स	ऽ	प्त	ती	ऽ	मे	ऽ	ल
×		२			०		३		
ध॒									
म॑	म॑	ध॒	—	ध॒	नि	ध॒	प	प	प
प्र	ति	म	ऽ	ध्य	म	सों	ज	नि	त
×		२			०		३		
ध॒		ध॒							
म॑	-ध॒	म॑	—	ग	म॑	ग	रे॒	रे॒	सा
रा	ऽऽ	गां	ऽ	ग	स	ब	ज	न	क
×		२			०		३		
रे॒									
नि़	रे॒	ग	प	प	प	म॑	ग	म	ग
आ	ऽ	दे	ऽ	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	वे
×		२			०		३		

आभोग.

ध॒		ध॒							
म॑	ग	म॑	ध॒	प	सां	सां	सां	—	सां
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	अ	व	रो	ऽ	ह
×		२			०		३		

सां					सां				
नि	रें	गं	रें	सां	नि	(रें)	नि	ध	प
के	ऽ	भे	ऽ	द	को	(ऽऽ)	सा	ऽ	ध
×		२			०		३		
ध		ध			ध				
म	ग	म	—	ध	रें	(निध)	नि	ध	प
भा	ऽ	षां	ऽ	ग	रु	(उऽ)	पां	ऽ	ग
×		२			०		३		
प									
म	प	ध	म	प	प	म	ग	म	ग
च	तु	र	उ	प	जा	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×		२			०		३		

पूर्वी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा		ध			ध				
रे	ग	म	—	ध	सां	—	नि	ध	प
पा	ऽ	यो	ऽ	है	पी	ऽ	रे	ऽ	पु
×		२			०		३		
म		ध			म				
प	ध	म	प	म	ग	म	ग	—	—
र	न	प	र	म	जो	ऽ	धा	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
ध					रे				
म	(ध)	म	ग	म	ग	—	रे	—	सा
द	(ऽऽ)	स्त	गी	ऽ	रे	ऽ	हो	ऽ	त
×		२			०		३		

सा					ग		ध		
नि़	रे	ग	—	रे	म	ग	प	—	प
सु	ख	सं	ऽ	ऽ	प	द	ना	ऽ	म
×		२			०		३		
म		ध			म				
प	ध	म	—	पम	ग	—	म	ग	—
ली	ऽ	ये	ऽ	निऽ	स्ता	ऽ	र	है	ऽ
×		२			०		३		

अन्तरा.

ध		ध							
म	ग	म	—	ध	नि	सां	सां	—	सां
मा	ऽ	नो	ऽ	दो	उ	ज	हां	ऽ	न
×		२			०		३		
सां					सां				
नि	रें	गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध	प
में	ऽ	मो	ऽ	इ	नूं	ऽ	दी	ऽ	न
×		२			०		३		
ध		ध			रे				
म	ध	म	ग	म	ग	—	रे	—	सा
मी	ऽ	रा	ऽ	जि	गौ	ऽ	से	ऽ	स
×		२			०		३		
		ध			ध		रें		
ग	—	म	—	ध	सां	—	नि	रें	नि
क	ऽ	ले	ऽ	न	का	ऽ	औ	ऽ	लि
×		२			०		३		
		ध			म				
ध	प	म	—	पम	ग	—	म	ग	—
या	ऽ	को	ऽ	सऽ	हा	ऽ	र	है	ऽ
×		२			०		३		

पूर्वी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	ग					सा					
	म	ग	रे	सा	सा	नि़	–	सारे	ग	म	ग
ऽ	मे	री	ऽ	प	त	रा	ऽ	खऽ	ली	ऽ	जो
०		३		४		×		०		२	
म			म			म	ध		ग		ध
प	प	–	प	ध	प	प	म	–	म	ग	मध
ह	ज	ऽ	र	ऽ	त	शे	ऽ	ऽ	ख	ऽ	सऽ
०		३		४		×		०		२	
			रे			नि़	रे				
म	–	ग	ग	रे	सा	सा	नि़	रे	ग	प	प
ली	ऽ	म	पी	ऽ	र	अ	ल्ला	ऽ	हो	ऽ	मु
०		३		४		×		०		२	
		म				म	ध		ग		
प	–	प	ध	प	–	प	म	–	म	–	ग
हं	ऽ	म	द	के	ऽ	का	ऽ	ऽ	र	ऽ	न।
०		३		४		×		०		२	
	ग										
–	म										
ऽ	मे										
०											

अन्तरा.

ग									सां		
म	ग	मध	नि	सां	सां	सां	सां	–	नि	रें	सां
हों	ऽ	आऽ	जी	ऽ	ज	गु	न्हा	ऽ	गा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

						ध					
नि	सां	–	नि	–	ध	नि	–	–	ध	–	प
ति	हा	ऽ	रो	ऽ	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं
×		०		२		०		३		४	
ध	ध							ध			
म	म	ध	नि	सां	–	सांरें	नि	नि	ध	प	प
हो	ऽ	तु	मी	ऽ	ऽ	जऽ	ग	त	के	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
म	ध		ग				ग				
प	म	–	म	–	ग	–	म				
स्ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	न	ऽ	मे				
×		०		२		०					

पूर्वी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	सा		म			म			म		
	नि़	रे	ग	प	प	प	–	म	ग	म	ग
ऽ	लो	ऽ	च	ऽ	न	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
ग			ध								
म	रे	ग	म	–	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
चु	न	ऽ	री	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
नि़	रे										
सा	नि़	रे	ग	म	ध	नि	निरें	नि	ध	प	प
ही	रा	ऽ	मो	ऽ	ति	ला	ऽऽ	ल	ला	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

ग			ध			सां					
म	ग	–	म	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ग	रे	ऽ	बी	ऽ	च	हा	ऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
सां									ध		
नि	–	रें	गं	रें	सां	नि	निरें	नि	नि	ध	प
ना	ऽ	सि	का	ऽ	बे	स	ऽऽ	र	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
ग			ध								
म	ग	–	म	–	ध	नि	निरें	नि	ध	प	प
पि	या	ऽ	ला	ऽ	ल	प्या	ऽऽ	रि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
म							सा				
प	ध	म	ग	म	ग	–	नि़				
से	ऽ	ज	ला	ऽ	ल	ऽ,	लो				
×		०		२		०					

पूर्वी—चौताल (विलंबित).

स्थायी.

म		ध	ध			ग		ध			
प	–	म	म	ग	–	प	–	म	म	गम	ग
ग्या	ऽ	न	न	मों	ऽ	ग्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	नी
×		०		२		०		३		४	
ग						सा					
म	–	ग	रे	सा	–	नि़	रे	ग	रे	सा	–
मा	ऽ	न	न	मों	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ
×		०		२		०		३		४	

सा						मं					
नि़	–	सा	रे	ग	–	प	–	म	ध	प	मध
रं	ऽ	ग	न	मों	ऽ	रं	ऽ	ग	त	है	ऽऽ
×		०		२		०		३		४	
सां											
नि	निरें	नि	ध	–	प	नि	ध	प	म	गम	ग
रा	ऽऽ	ग	रं	ऽ	ग	क	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध		ध		सां							
म	ग	म	ध	नि	सां	–	सां	–	नि	रें	सां
सा	ऽ	ध	न	में	ऽ	ऽ	सा	ऽ	धे	ऽ	सु
×		०		२		०		३		४	
सां						सां					
नि	–	रें	गं	रें	सां	नि	निरें	नि	ध	–	प
धा	ऽ	र	न	में	ऽ	सा	ऽऽ	व	धा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
				ध		सां					
म	मध	म	ग	म	ध	नि	निरें	निध	नि	ध	प
आ	ऽऽ	ठ	न	में	ऽ	आ	ऽऽ	ठऽ	गां	ऽ	ठ
×		०		२		०		३		४	
सां										ध	
नि	निरें	निध	नि	ध	प	नि	ध	प	–	म	ग
आ	ऽऽ	ठऽ	पा	ऽ	ठ	र	हि	ये	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि़		सा				म					
सा	—	प	प	प	—	प	—	ध	—	प	प
झूं	ऽ	ठ	न	के	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	द	स
×		०		२		०		३		४	
ध			सां			सां			ध		
म	—	ध	नि	सां	सां	नि	निरें	नि	नि	ध	प
पां	ऽ	च	झूं	ऽ	ठ	छां	ऽऽ	ड़ि	डा	ऽ	रे
×		०		२				३		४	
ध				ग		रे					
म	मध	म	ग	म	ग	ग	—	रे	रे	सा	—
सां	ऽऽ	च	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त	मों	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा			म			म		ध			
नि़	—	रे	ग	प	प	प	प	म	—	गम	ग
सां	ऽ	च	आं	ऽ	च	र	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

ध		ध		सां					सां		
म	ध	म	ध	नि	सां	सां	सां	—	नि	सां	सां
म	ज	लि	स	में	ऽ	म	जा	ऽ	ल	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
सां						मां			ध		
नि	सां	—	नि	—	ध	नि	रें	नि	नि	ध	प
क	ही	ऽ	ये	ऽ	द	या	ऽ	ल	दा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

ध		ध		ध		सां			ध		
म	ध	म	ग	म	ध	नि	रें	नि	नि	ध	प
ज	हां	जै	ऽ	सी	ऽ	बा	ऽ	त	व	हीं	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां		सां						ध			
नि	निरें	नि	—	ध	प	प	प	म	—	गम	ग
त	हांऽ	तै	ऽ	सी	ऽ	क	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

पूर्वी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

											म				
										प	प	म	ग		
										आ	हो	ऽ	ऽ		
											०				
ग		प									म				
मरे	ग	म	प	ध	—	प	म	—	प	म	ग	म	—		
ऽऽ	ऽ	कै	से	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	पा	ऽ		
३				×					२		०				
		रे		रे											
ग	—	नि़	रें	म	—	—	ग	—	रे	—	ग	—	—		
चो	ऽ	गे	ऽ	भ	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ		
३				×					२		०				
रे				नि़											
नि़	रे	सा	—	सा	नि़	रे	ग	—	—	म	ग	रे	सा		
री	ऽ	में	ऽ	ज	ब	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ग	ये	ऽ	ऽ		
३				×					२		०				

सा							ध					ध			
नि़	रे	ग	म	प	–	–	म	ध	रें	नि		म	–	ग	
ऽ	ऽ	तु	म	भा	ऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ	अ		हो	ऽ	ऽ	
३				×					२			०			

अन्तरा.

ध			नि												नि
म	–	ध	सां	–	–	नि	रें	–	–	सां	–	–	सां		
गा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	दृं	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	दि		
×					२		०			३					
रें							नि	रें		ध					
नि	–	रें	गं	–	रें	सां	सां	नि	–	नि	ध	प	–		
ला	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	स	ब	न	ऽ	पै	ऽ	ऽ	ऽ		
×					२		०			३					
	ध		ग				ध			सां					
पध	म	–	म	–	ग	–	म	–	ध	नि	–	सां	रें		
मुऽ	ख	ऽ	मी	ऽ	ऽ	ऽ	डों	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ		
×					२		०			३					
ध		ध					ध			ग					
नि	ध	प	म	ध	रें	नि	म	–	ग	मरे	ग	म	प		
आ	ऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ	अ	हो	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	कै	से।		
×					२		०			३					

पूर्वी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

															नि़
															सा
															भ
नि़	रे	ग	म	प	ध	–	प	–		ध	प म	प	म
लो	री	ते	रो	जु	ब	ऽ	ना	ऽ	ऽ	भ	लो	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
				ग	म								
ग	म	ग	–	म	रे	–	ग	–		म	ग	रे	–
री	भ	लो	ऽ	भ	लो	ऽ	ते	ऽ	ऽ	रो	भा	ऽ	ऽ
३				×					२		०		
			नि़				ध				ग		
सा	–	–	सा	सा	ध	–	म	–	प	म	म	ग	सा
ग	ऽ	ऽ	सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग,	भ।
३				×					२		०		

अन्तरा.

प	ध		सां												
ध	म	ध	नि	–	सां	सां	सां	–	–	नि	सां	सां	–
भ	लो	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल	सं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×					२		०			३			

नि								सां							
सां	–	–	नि	ध	नि	ध	नि	–रें	निध	नि	ध	प	–
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	खे	ऽऽ	लऽ	त	भ	लो	ऽ
×					२		०			३			
प		ध					ग						
म	प	ध	म	–	प	म	म	ग	सा				
र	चौ	ऽ	तैं	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ग,	भ				
×					२		०						

राग मारवा.

रागेऽस्मिन् मारवाख्ये किलगमधनयस्तीव्रकाः स्युर्मृदू रिः ।
वाद्यस्मिन्स्याद्द्वितीयो स्वरपविरहितो लक्ष्ययोगानुरोधात् ॥
संवादी धैवतोऽसौ स्फुटमिहगमनं साध्यतेऽतिश्रमेण ।
सङ्गीताभ्यासशीलैर्नियतमविरतं गीयते सायमेव ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

तीव्रौ गमौ धनी चैव मृदूरिर्धैवतर्षभौ ।
संवादिवादिनौ चापः स मारुः सायमीरितः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे गमधनि सुर रिखब कोमल पंचम नाहिं ।
धरि संवादीवादितें कहत मारवा ताहिं ॥

चन्द्रिकासार ।

धमौ गरी गमौ गश्च रिसौ निधौ मधौ सरी ।
मारवा ऋषभांशाढ्याऽपा सायं चित्ररूपिणी ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'मारवा'—यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें रिषभ कोमल व मध्यम तीव्र है, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। पंचम इसमें वर्जित है, अतः इसकी जाति षाड़व-षाड़व मानी गई है। इसके आरोह में निषाद स्वर अनेक बार वक्र गति से दिखाई देता है। वादी स्वर रिषभ और सम्वादी धैवत है। इस राग की सम्पूर्ण विशेषता रे, ग, ध इन स्वरों पर निर्भर है। अवरोह में रिषभ जब वक्र गति में प्रयुक्त होगा, तब यह राग स्पष्ट होकर खुलेगा। इस राग में मीड़ का काम प्रायः नहीं होता और वह सुन्दर भी नहीं लगता। मारवा राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर है। इस राग के पश्चात् कल्याण थाट के रागों में प्रवेश करना सहज-साध्य है, अतः इसे "परमेल प्रवेशक" राग भी कोई-कोई मानते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे॒, ग, म॑ ध, निध, सां । सां निध, म॑ ग रे॒ सा ।

पकड़ः—

ध म॑ ग रे॒, ग म॑ ग, रे॒, सा ।

मारवा–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि़	रे़	ग	म॑	नि	ध	ऽ	म॑	ग	रे़	ग	म॑	ग	रे़	सा	ऽ
३				×				२				०			
नि़	रे़	नि़	ध़	म़	ध़	सा	ऽ	नि़	रे़	ग	म॑	ग	रे़	सा	ऽ।
३				×				२				०			

S → ?

अन्तरा.

म॑	ध	म॑	ग	म॑	ध	सां	ऽ	नि	रें	गं	मं	गं	रें	सां	ऽ
३				×				२				०			
रें	नि	ध	नि	ध	म॑	ध	म॑	ग	रे़	ग	म॑	ग	रे़	सा	ऽ।
३				×				२				०			

मारवा–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

												ध	म॑		
ऽ	ध	ग	म॑	ध	म॑	ग	रे़	नि़	रे़	नि़	ध़	म़	ध़	सा	नि़
३				×				२				०			
ऽ	रे़	ग	नि़	रे़	ग	म॑	ध	ग	नि	ध	रें	नि	म॑	ध	रें
३				×				२				०			
ग	नि	ध	म॑	ग	म॑	ध	रे़	ग	म॑	ग	रे़	नि़	रे़,	ध	म॑।
३				×				२				०			

अन्तरा.

														ग	म
ध	नि	ऽ	सां	नि	ऽ	रें	गं	मं	गं	रें	गं	नि	रें	नि	ध
०				३				×				२			
रें	ऽ	रें	नि	ध	म	ग	रे	ऽ	ध़	नि़	ऽ	रे	ग	म	ग
०				३				×				२			
रे	ऽ	मं	गं	रें	गं	मं	धं	ऽ	रें	ऽ	नि	ध	म	ग	रे
०				३				×				२			
नि़	रे	ध	म	ऽ	ध	ग	म	ध	म	ग	रे				
०				३				×							

मारवा—झपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा									
ध	—	म	म	ध	म	ध	म	ग	रे
ती	ऽ	व	र	ग	म	ध	नि	सु	र
×		२			०		३		
सारे	ग	रे ग	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
मेऽ	ऽ	ल	न	स	ज	त	म	धु	र
×		२			०		३		

नि					रे				
सा	सानि	रे	रे	रे	नि	ध	मंध	सा	सा
वि	कऽ	र	त	रि	ख	ब	भीऽ	त	र
×		२			०		३		
		रे							
सारे	ग	ग	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
माऽ	ऽ	रु	व	क	ह	त	च	तु	र।
×		२			०		३		

अन्तरा.

		ध	ध		ध				
ग	—	म	म	ध	म	सां	सां	सां	सां
रा	ऽ	ग	गा	ऽ	व	त	सु	क	र
×		२			०		३		
नि					रें				
सां	—	रें	रें	रें	नि	रें	नि	ध	ध
पं	ऽ	च	म	वि	वा	ऽ	दि	सु	र
×		२			०		३		
ध									
म	ध	म	ग	रे	म	ग	रे	रे	सा
सं	ऽ	वा	ऽ	द	रि	ध	बि	च	र
×		२			०		३		
सा					ग				
रे	—	रें	रें	रें	रे	रे	ग	रे	सा
अ	ऽ	स्त	दि	न	अ	ति	रु	चि	र।
×		२			०		३		

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग			ध
म॑ ग – रे	सा सा नि़ नि़	रे – ग ग	म॑ – ध ग
जा ओ ऽ मो	ह न मो रे	फं ऽ द प	रो ऽ ना ऽ
०	३	×	२
सां सां	ध ध		
नि निरें नि ध	म॑ मंध म॑ ग	रे – ग म॑	ग रे सा –
क पऽ टि कु	टि लऽ ह म	आ ऽ प भ	ले ऽ हो ऽ
०	३	×	२
सा सा			ध
नि़ नि़ ध़ नि़	– नि़ रे रे	ग – ग ग	म॑ – ध ग
गु न नि धा	ऽ न अ रु	श्या ऽ म स	लो ऽ ना ऽ।
•	३	×	२

अन्तरा.

	ध	ध	
ग – ग ग	म॑ – ध मंध	सां – सां सां	सां रें सां सां
मं ऽ द म	ती ऽ ह मऽ	का ऽ न्ह च	तु र तु म
०	३	×	२
नि	रें		
सां सां रें रें	नि रें नि ध	म॑ म॑ ध ध	म॑ – ग ग
बि र ह बि	था ऽ भ ले	ह म को स	ता ऽ व त
०	३	×	२
म॑			
ग – म॑ रे	ग – म॑ म॑	ग – म॑ ग	रे – सा –
मं ऽ दि र	में ऽ अ ब	दे ऽ र प	रे ऽ गी ऽ
•	३	×	२

सा			ध
ध़ – ध़ –	नि़ – रे़ रे़	ग ग ग –	म – ध ध
क्यूं ऽ पू ऽ	छो ऽ तु म	ह म रो ऽ	रो ऽ ना ऽ
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा म	ध	ध ध	ग ग
नि़ नि़ रे़ ग	ग ग म ध	सां – नि नि	म ध म ग
ज ग त ज	न नि ज ग	दं ऽ ब भ	वा ऽ ऽ नि
०	३	×	२
		नि़	
म ग – रे़	रे़ सा सा सा	ध़ ध़ ध़ म़	ध़ सा सा सा
कृ पा ऽ क	र नि दु ख	ह र नि सु	ख़ क र नि
०	३	×	२
सा	ध	म ध	
नि़ नि़ रे़ ग	ग ग म ध	नि नि ध म	ग रे़ सा सा
प्र ण त ज	न श र नि	भ व ज ल	धि त र नि
०	३	×	२

अन्तरा.

ध			
म – ध सां	– सां सां –	सां सां सां सां	सां रें़ सां –
मैं ऽ प ती	ऽ त से ऽ	व क च र	न न को ऽ
०	३	×	२
सां	सां सां		ध
नि नि रें़ रें़	नि नि रें़ नि	– रें़ नि ध	म ध म ग
मु झ प र	कृ पा ऽ द	ऽ ष्टि अ ब	की ऽ जे ऽ
०	३	×	२

							ध								
म	रे	–	ग	–	ग	म	ध	म	ग	–	म	ग	रे	सा	–
म	हा	ऽ	मा	ऽ	य	जो	ऽ	ग	नी	ऽ	शि	वा	ऽ	नी	ऽ
०				३				×				२			
सा							ध	म							
नि़	नि़	रे	ग	ग	ग	म	ध	नि	नि	ध	म	ग	रे	सा	सा
प्र	ण	त	ज	न	श	र	नि	भ	व	ज	ल	धि	त	र	नि
०				३				×				२			

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा							ध					ध			
नि़	नि़	रे	ग	–	ग	म	ध	नि	ध	–	नि	म	ध	म	ग
का	उ	कि	री	ऽ	त	को	उ	क	रे	ऽ	स	खी	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			
								ध़							
म	रे	ग	म	ग	रे	सा	–	म़	–	ध़	–	सा	सा	सा	–
मी	ऽ	त	पि	य	र	वा	ऽ	जो	ऽ	जो	ऽ	क	रि	ये	ऽ
०				३				×				२			
		सा	–	रे	–	सा	सा	नि़	रे	ग	म	ग	रे	सा	–
ऽ	ऽ	सो	ऽ	सो	ऽ	स	ब	अ	प	ने	ऽ	म	न	की	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध															
म	–	ध	सां	–	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	रें	सां	–
हों	ऽ	अ	धी	ऽ	न	त	न	म	न	ध	न	तु	म	रे	ऽ
०				३				×				२			

नि नि रें –	नि नि रें नि	– रें नि ध	म ध म ग
तु म तो ऽ	मे ह र बा	ऽ न स ब	के ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रे रे – ग	– ग म म	ग ग म ग	रे – सा –
स दा ऽ रं	ऽ ग प र	रं ग ब र	सा ऽ यो ऽ
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा ध ध म ध	म ग रे रे	रे गरे ग म	ग रे सा –
अ व गु न	ब क स क	र मऽ क र	मे ऽ रे ऽ
०	३	×	२
ध म़ – ध़ ध़	सा – सा सानि	रे गरे ग म	ग रे सा –
ए ऽ क र	ता ऽ र सऽ	र नऽ द र	ते ऽ रे ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म ग ग ग –	ध म – ध मध	सां – सां सां	सां रें सां –
इ त नो ऽ	ही ऽ व ऽ	मां ऽ ग त	अ ब मैं ऽ
०	३	×	२
सां नि नि रें रें	नि रें – रें नि	– रें नि ध	ध म ध म ग
दि न दि न	ब ढ़ो ऽ ग्या	ऽ न स र	सा ऽ व त
०	३	×	२

म रे रे ग	– ग (ध)म ध	म ग – म	ग रे सा –
ता ऽ न रा	ऽ ग ता ऽ	ल सू ऽ र	मे ऽ रे ऽ
•	३	×	२
(सा)ध ध म ध	म ग रे रे		
अ ब गु न	ब क स क		
०	३		

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

(सा)ध ध म ध	म ग रे –	सारे ग (रे)ग म	ग रे सा सा
सु घ र सु	घ र बैं ऽ	ठेऽ ऽ स ब	गु नि ज न
०	३	×	२
(ध)मं – धं –	सा सा सा –	सारे ग (रें)ग म	ग रे सा –
दे ऽ खो ऽ	गु न की ऽ	रीऽ ऽ त अ	नो ऽ खी ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा

(ध)म – ग ग	(ध)म म ध –	(ध)म म सां –	सां – सां –
स ऽ स सु	र न सों ऽ	गु न को ऽ	गा ऽ वे ऽ
०	३	×	२
(नि)सां सां – नि	– रें (रें)नि –	रें (रें)नि – ध	म ध म ग
उ नं ऽ चा	ऽ स कू ऽ	ट ता ऽ न्सु	ना ऽ वे ऽ।
•	३	×	२

						ग	ध								
म	रे	–	ग	–	ग	नि	नि	ध	म	ग	म	ग	रे	सा	–
स	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	री	ऽ	झ	त	स	ब	म	न	को	ऽ।
०				३				×				२			

मारवा–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ग							सा							
	ध	–	म	ग	–	रे	सा		नि़	–	रे	ग	–	–	म
ऽ	आ	ऽ	ना	वे	ऽ	मि	ल	ऽ	जा	ऽ	ना	वे	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
								सा							
	ध	–	म	ग	–	रे	सा		नि़	–	रे	ग	–	–	–
ऽ	आ	ऽ	ना	वे	ऽ	मि	ल	ऽ	जा	ऽ	ना	वे	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
	ध			ध								ध			
	म	–	ग	म	–	ध	–	नि	ध	–	नि	म	ध	म	ग
ऽ	सा	ऽ	मि	दा	ऽ	ऽ	ऽ	श	र	ऽ	द्धि	गा	ऽ	ना	ऽ।
०				३				×				२			
	रे														
रे	ध	–	म												
ऽ	आ	ऽ	ना												
०															

अन्तरा.

	ग			ध				ध							
	म	ग	ग	म	–	ध	ध	म	सां	–	सां	सां	–	सां	–
ऽ	चं	द	न	का	ऽ	क	ठ	ड़ा	ऽ	ऽ	ब	ना	ऽ	या	ऽ
०				३				×				२			

	सां	सां	सां	निसां	रें	नि	ध		म	नि	ध	म	ग	रे	ग
ऽ	ता	प	र	बैऽ	ऽ	ठे	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ना	वे	ऽ	ऽऽ	।
०				३				×				२			
ध	ध	–	म												
ऽ	आ	ऽ	ना												
०															

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

											सा
											बो
नि़	रे	ग	म	ध	म	ध	म	ग	रे	ग	म
ल	न	बि	न	क	ब	ऽ	हूं	ऽ	चै	न	न
३		४		×		०		२		०	
				ध़							
ग	रे	सा	सा	म़	ध़	रे	सा	–	सा	रे	–
हिं	प	र	त	पि	य	र	वा	ऽ	जो	चा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे़											
ध	म	ध	–	निरे	गम	ध	ग	म	ग	रे	सा
हे	र	स	ऽ	आऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे	मा,	बो
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध								नि			
म॑	—	ध	ध	सां	—	सां	सां	सां	नि	रें	रें
औ	ऽ	र	न	सें	ऽ	तु	म	भ	ला	ऽ	इ
×		०		२		०		३		४	
रें नि	रें	नि	ध	म॑	ध	म॑	ग	रे	—	—	म॑
पी	ऽ	त	क	रो	ऽ	म	न	के	ऽ	ऽ	रं
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	—	नि़	रे	ग	म॑	ध	सां	रें	—
गी	ऽ	ले	ऽ	ह	में	बो	ल	न	सु	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रेंरें	निध	निनि	धम॑	धध	म॑ग	रे,	सा				
ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ,	बो				
×		०		२		०					

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा											
ध	ध	म॑	ग	रे	सा	नि़	—	रे	ग	—	ग
च	लो	ह	टो	गि	र	धा	ऽ	रि	श्या	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
रें नि	नि	नि	ध	म॑	ग	नि	ध	म॑	ग	रे	सा
न	इ	सी	चु	न	रि	मो	रि	बि	ग	र	त
×		०		२		०		३		४	

सा						ध					
नि़	–	रे	ग	ग	ग	म	–	ध	सां	सां	सां
हा	ऽ	हा	क	र	त	पां	ऽ	य	प	र	त
×		०		२		०		३		४	
नि	नि										
सां	रें	नि	ध	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
क	र	प	क	र	त	क	छु	ना	ड	र	त।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म						ध					
ग	–	ग	ग	म	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
बा	ऽ	ट	च	ल	त	अ	च	रा	ग	ह	त
×		०		२		०		३		४	
ध		सां									
सां	सां	नि	रें	नि	ध	म	–	नि	ध	म	ग
म	ढु	की	ऽ	स	र	सों	ऽ	ढु	र	क	त
×		०		२		०		३		४	
सा				ध							
रे	–	ग	ग	म	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
जा	ऽ	य	क	हों	ऽ	घ	र	को	ऽ	अ	ब
×		०		२		०		३		४	
नि	सां										
सां	रें	नि	ध	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
ह	टो	ह	टो	अ	ब	च	तु	र	श्या	ऽ	म।
×		०		२		०		३		४	

मारवा- त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा															
म॑	म॑	ग	म॑	ग	रे॒	सा	–	सा	सा	ध़	–	सा	सा	रे॒	–
सु	न	स	न	ब	ति	यां	ऽ	स	ग	री	ऽ	र	ति	यां	ऽ
०				३				×				२			
ग				ध				ध							
रे॒	रे॒	ग	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	रें॒	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा
उ	च	ट	जि	या	ऽ	मो	रा	ड	र	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध				ध		ध									
म॑	म॑	ध	ध	म॑	ग	म॑	ध	सां	सां	सां	सां	सां	–	रें॒	–
र	ह	त	अ	के	ऽ	लो	ऽ	थ	र	थ	र	कां	ऽ	पे	ऽ
०				३				×				२			
सां				सां				ध				ध			
नि	नि	रें॒	–	नि	निरें॒	नि	ध	म॑	म॑	ध	ध	म॑	–	ग	–
जि	य	रा	ऽ	उ	नऽ	बि	न	ल	र	ज	त	मो	ऽ	रा	ऽ
०				३				×				२			
रे॒								ध							
सा	–	ग	ग	म॑	–	ध	ध	रें॒	–	नि	ध	म॑	ग	रे॒	सा
का	ऽ	सें	क	हूँ	ऽ	स	ग	रो	ऽ	दु	ख	पा	ऽ	ऽ	वे।
०				३				×				२			

मारवा—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध ध				ग	ध			सां		ध	
मंमं	धमं	गरे	सा	मंग	मंध	सां	–	नि	रेंनि	मंध	मंग
झांझ	ऽन	मोऽ	रा	झन	काऽ	ई	ऽ	न	ऽसु	नाऽ	ईऽ
३		४		×		०		२		०	
ध				सा		सा					
मंध	मं गरे	गरे	सा	नि,निरे	निध	निरे	गग	मंमंगमं	गरे	गरे	सा
लोऽ	ग,ऽऽ	ऽऽ	वा	पि,याऽ	काई	मुख	दिखा	ऽऽऽऽ	ऽइ	ओऽ	र ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध						नि				ध	
मंध	सांसां	सांसां	निरें	सां	–	सां	-,निध	नि	रेंनि	मं	ध
लेऽ	चलो	नग	रऽ	में	ऽ	मैं	ऽ,सुऽ	र	ऽझ	न	ऽ
३		४		×		०		२		०	
						ध		नि			
निध	मंग	रे	–	रे	–	मं	ध	सां	नि	रें	नि
मिल	बिछु	रे	ऽ	आ	ऽ	नं	द	क	ऽ	ऽ	रे ।
३		४		×		०		२		०	

मारवा—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ध	मंमं				ध		ध	ध	ध	ध		
मंध	धध,मंग	रेसा	रेनि	मैं	–	मं	मं	मं	मं	ध	मं	ग रे
नऽ	नंऽ;दीऽ	याऽ	ऽ,छुऽ	वा	ऽ	व	ना	मो	री	ऽ	रे	ऽ ऽ
३				×			२				०	

रे	ग	म	ध	मध	मध	(ध) रे	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	स	ब	घ	र	ऽ	घ	र
३				×			२				०		
सा	नि़	रे	(ध) निनि़	(ध़) मं	ध़	सा	सा	सा	सानि़	रे	(ध) म	(ध) म	(ध) म
च	वा	ऽ	वक	र	ऽ	त	फि	र	तऽ	ऽ	र	ह	त
३				×			२				०		
	नि	ध	–	म	–	ग	(सा) नि़	रे	ग	म	ध	म	(ध) म
ऽ	नि	त	ऽ	भूं	ऽ	ठ	सां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च।
३				×			२				०		

अन्तरा.

(ध) मध	मग	रे	रे	ग	म	ध	(ध) मध	सां	–	सां	रें	सां	–
काऽ	हूऽ	के	ल	गा	ऽ	ये	बुऽ	झा	ऽ	ये	क	हा	ऽ
३				×			२				०		
सां	–	सांनि	रें	(रें) नि	ध	–	(ध) म	–	ध	–	(ध) म	ग	रे
हो	ऽ	तऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	इ
३				×			२				०		
(सा) नि़	रे	ग	म	ध	–नि	ध	(नि़) ध़	नि़	रे	ग	(ध) म	ध	(ध) म
सां	ऽ	च	को	ऽ	ऽक	हां	आं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च।
३				×			२				०		

मारवा—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

ध	ध			ध								सा			
म	मध	म	ग	म	–	ध	म	ग		रे		रे		ग	
जि	याऽ	नि	क	सो	ऽ	इ	आ	ऽ		वे		आ		ऽ	
३		४		×		०		२				०			
								नि							
रे	ग	–	म	ग	रे	सा	–	सानि		रे		नि		ध	
वे	मो	ऽ	री	मा	ऽ	इ	ऽ	रीऽ		ऽ		पि		य	
३		४		×		०		२				०			
ध					नि	नि									
म	ध	सा	सा	–	सा	रे	रे	धधमध		धमगरे		गममग		रेसानिसा	
ग	व	न	को	ऽ	ग	इ	ल	वाऽऽऽ		ऽऽऽऽ		ऽऽऽऽ		ऽऽऽऽ	
३		४		×		०		२				०			

अन्तरा.

		ध						नि							
म	ग	म	ध	सां	–	सां	–	सां		सांनि		रें		–	
उ	न	बि	न	मैं	ऽ	का	ऽ	वि		रऽ		हा		ऽ	
३		४		×		०		२				०			
सां	सां			ध	ध										
नि	निरें	नि	ध	म	म	ध	म	ग		रे		सा		–	
दु	खऽ	वा	ऽ	नि	स	ऽ	दि	ना		ऽ		ऽ		ऽ	
३		४		×		०		२				०			
सा	सा			नि											
नि	निरे	नि	ध	सा	सानि	रे	–	रेंरेंनिरें		रेंनिधम		धधमंग		मगरेसा	
नि	तऽ	भ	इ	ल	वाऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽऽ		ऽऽऽऽ		ऽऽऽऽ		ऽऽऽऽ	
३		४		×		०		२				०			

मारवा–एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

										नि़	
										सा	
										मा	
ध	ध			ध	ध		ध				
म	म	–	धनि	म	म	ग	म	ध	म	ग	रे
ई	ऽ	ऽ	मोहे	का	हु	ऽ	की	ऽ	क	हा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				नि़	ध			रे			
ग	रे	सा	नि़सा	सा	मध	म	गरे	ग	रे	सा	नि़सा
ऽ	प	री	ऽऽ	अ	पऽ	ने	पीऽ	त	म	को	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
सा		ध़		नि़			ध			नि़	
नि़रे	नि़	म़	ध़	सा	रे	–	म	ग	रे	सा	सा
राऽ	खों	गी	ऽ	ग	रे	ऽ	ल	गा	ऽ	य,	मा।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

										गग	
										कोऊ	
ध		ध						नि		सां	
म	ध	म	सां	सां	–	सां	–	सां	सां	निसां	निसांरेंरें
ला	ऽ	ख	क	हो	ऽ	तो	ऽ	ए	क	नाऽ	ऽऽऽगि
३		४		×		०		२		०	

				ध		ध		ध			सां
नि	ध	म	ग	म	ग	म	ध	म	सां	सां	नि
नों	ऽ	री	ऽ	ए	रि	हूँ	तो	दे	ऽ	ख	री
३		४		×		०		२		०	
				सां							नि
रें	गं	रें	सां	रें	नि	ध	म	ग	रे	सा	सा
ऽ	झ	र	हि	उ	न	को	सु	भा	ऽ	य,	मा।
३		४		×		०		२		०	

मारवा–त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा

पि

सा				म ध				रे			नि
नि	रे	ग	म	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा –सा	सा	रे	सा –
या	ऽ	मो	रे	अ	न	त	ऽ	दे	ऽ	स ऽग	ई	ल	वा ऽ
३				×				२			०		
ध ध								नि					
म म	–	गरे		ग	रे	सा	–	ध	नि	ध म	ग	रे	सा ,सा
ना	जा	ऽ	तूं ऽ	ऽ	क	ब	ऽ	घ	र	ऽ आ	ऽ	वें	गे ,पि।
३				×				२			०		

अन्तरा.

ध								नि			सां		ध
मध	सांसां	सांसां	सांसां	रें	–	सां	–	सांसां	सां	नि रें	नि,निरें	निध	म ग
उन	केद	रस	देख	वे	ऽ	को	ऽ	अखि	यां	ऽ ऽ	त,रऽ	सर	हीं ऽ
३				×				२			०		

ध ध म ध सां सां	सांनि रें सां –	नि सां सांनि रें रें	रें ग रे रे सा –सा
उ न बि न	मोऽ ऽ हे ऽ	क छूऽ ऽ न	भा ऽ वे, ऽपि
३	×	२	०

मारवा–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि़ रे उ द
ग म ध म	ध म ग रे	सा – – –	– – नि़ रे
त न दे रे	ना दी ऽ म्त	ना ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ उ द
०	३	×	२
ग म ध म	ध म ग रे	सा – ध म़ ध़	नि़ रे नि़ रे
त न दे रे	ना दी ऽ म्त	ना ऽ त न	न न द रे
०	३	×	२
ग नि़ – रे	ग म ध ध	म नि – ध	रें – नि –
ना दी ऽ म्त	न न दिर दिर	त दे ऽ र्ना	दे ऽ र्ना ऽ
०	३	×	२
रें रें गं गं रें नि	रें नि ध म	म ध नि रें –	नि रें नि ध म
ता ऽ रे त	दा रे दा नि	दी ऽ ऽ ऽ	म्त न न न
०	३	×	२

म॑ ध – ध म॑	रे॒ ग ग ग म॑ –	ग म॑ ग रे॒ सा	नि़ ध़ नि़ रे॒
तो ऽ म्त न ०	न न दी ऽ ३	म्त न न न ×	न न, उ द। २

अन्तरा.

म॑ नि नि ध म॑	म॑ ध ध म॑ ग	म॑ ध नि रें॒	– सां सां –
दिर दिर ता ना ×	दिर दिर ता ना २	दे ऽ नी दे ०	ऽ नी दी ऽ ३
सां – नि रें॒	गं मं धं मं	धं मं गं रें॒	गं मं गं मं
म्दी ऽ म्त न ×	न न दे रे २	ना त दा रे ०	दा नि दी ऽ ३
रें॒ गं नि रें॒	ध नि म॑ ध	ग म॑ रे॒ ग	नि़ रे॒ ग म॑
म्त न न न ×	दे रे ना त २	दि या ना रे ०	दा नि दी ऽ ३
रे॒ ग म॑ ध	म॑ ध नि रें॒	नि रें॒ गं गं	रें॒ रें॒ गं गं रें॒ नि
म्त न न न ×	दे रे ना त २	दि या ना रे ०	दा ऽ ऽ ऽ ३
ध म॑ ग रे॒	सा – नि़ रे॒		
ऽ ऽ ऽ ऽ ×	नी ऽ, उ द २		

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	—	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	रे॒	सा	—	नि़	नि़रे॒
तो	ऽ	म्त	न	न	त	न	न	तों	ऽ	म्त	नऽ
×		०		२		०		३		४	
नि़	ध़	ध़	ध	—	म॑	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	रे॒
दे	रे	न	दा	ऽ	रे	त	न	न	दे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
रे॒	—	ग	—	रे॒ग	म॑	ग	रे॒	रे॒	सा	सा	सा
तो	ऽ	म्तो	ऽ	म्त	न	न	न	न	दे	रे	ना
×		०		२		०		३		४	
नि़	रे॒	ग	म॑	ध	नि	—	म॑	ध	म॑	ग	म॑
ना	द्रे	तुं	द्रे	त	दीं	ऽ	म्त	दीं	ऽ	म्त	दीं
×		०		२		०		३		४	
रे॒	ग	म॑	ध	ग	म॑	ग	रे॒	सा	नि़	ध़	—
ऽ	म्त	न	द्रे	त	दि	या	ना	रे	त	दीं	ऽम।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध	—	ध	म॑	ग	रे॒	ग	म॑	ध	सां	—	सां
दी	ऽ	म्त	न	दे	रे	त	द	रे	दा	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	

नि	रें	गं	रें	सां	सां	नि	–	रें	नि	ध	मं
तों	ऽ	ऽ	म्त	न	न	दी	ऽ	ऽ	म्त	न	न
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	ध	मं	ग	रे	ग	मं	ध	–	ग	मं
ता	ऽ	रे	त	न	न	ना	द्रे	द्रे	ऽ	तुं	द्रे
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	–	ध़	–	मं़	मं़	ध़	सा	सा	ग
द्रे	त	दा	ऽ	नी	ऽ	धा	ती	ना	धा	किट	धुम
×		०		२		०		३		४	
मं	ध	सां	–	मंध	सां	–	रें	सां	सां	नि	नि
किट	तक	थों	ऽ	तक्	थों	ऽ	धुम	किट	तक	धा	किड
×		०		२		०		३		४	
रें	गं	–	रें	सां	सां	रें	नि	–	ध	मं	ग
नग	धे	ऽ	धुम	किट	तक	धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ
×		०		२		० ग		३		४	
रे	ग	–	मं	ध	–	मं	ग	रे	सा	ध़	–
धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ	धे	त्लां	ऽ	न्न	धा	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

सा मं ध नि़रे गमं ध मंग	रे सा सा(सा) –नि़ध़	सा नि़ रे सा नि़नि़रेनि़ध़
तन नन ऽ तन	ना ऽ नाऽ ऽन,न	ना रे दो स्तनऽ,देरे
३	×	२
	मं	
मं़ धमं़ सा रे	गग मंध मंग रे	–सा –सा नि़ रेध़
या ऽऽ ऽ रे	दानि मोंऽ ऽऽ ऽ	ऽमां ऽडे ऽ ऽऽ
०	३	×
सा		
नि़ रे ग गमं,ध	मं ग रे सासा	
ना ऽ ऽ ऽऽ,ऽ	ऽ ऽ रे दोस्	
२	०	

अन्तरा.

ध मंग मंध	ध मं सां सां –सां	नि नि सां सां –ध नि रें
ऽ ऽ बेऽ ऽव	फा ऽ ई ऽन	क ऽखुं दा ऽ
३	×	२
रें	रें	ध
मं ग़ रें सां	निसां –रें नि –ध	मं ध मंग रेरे
से ऽ ऽ ड	ऽऽ ऽर्ज ग ऽहँ	सा ऽ ईऽ ऽन
०	३	×
नि़ सा		
सानि़ रेध़ नि़ रे	मं ग रे सासा	
कऽ ऽखुं दा ऽ	से ऽ ऽ डर	
२	०	

मारवा—झपताल (विलम्बित).

स्थायी.

		सा							
रे	सा	ध़	सा	सा	सा	सानि़	रे	सा	सा
म	हा	द	ल	बि	क	टऽ	भ	ट	प्र
×		२			०		३		
सा									
नि़	रे	ग	—	म	ग	रे	सा	—	सा
ब	ल	रा	ऽ	ज	र	घु	वी	ऽ	र
×		२			०		३		
नि़					ध				
सा	रे	सा	ग	ग	म	म	ध	म	ध
ति	ल	क	स	मु	झ	स	ट	ह	ट
×		२			०		३		
नि	ध	म	ग	—	म	ग	रे	—	सा
न	क	र	रा	ऽ	मे	ऽ	पा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म					ध				
ग	—	म	ध	ध	म	—	सां	सां	—
नी	ऽ	ल	न	ल	री	ऽ	झ	रा	ऽ
×		२			०		३		
नि					रें				
सां	—	रें	रें	—	नि	रें	नि	ध	ध
जा	ऽ	ब	ली	ऽ	लं	ऽ	क	क	रि
×		२			०		३		

ध मं	नि	ध	मं	ग	मं	ग	रे	सा	सा
पं	ऽ	क	ह	नु	मं	ऽ	त	छि	न
×		२			०		३		
नि़ सा	—	रें	नि	ध	मं	ग	रे	—	सा
ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग ध	मं	ध	मं	ग	ध	मं	ग	—	ग	रे	सा
प्र	थ	ऽ	म	ऽ	मं	ज	न	ऽ	क	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि़ सा	नि़	रे	नि़	—	ध़	सा नि़	रे	ग	रे	सा	—
अ	ऽ	ऽ	स्ना	ऽ	न	अं	ज	न	दि	ए	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा नि़	—	रे	ग	—	ग	ध	मं	ध	सां	—	सां
ला	ऽ	ऽ	ग	ऽ	त	नै	ऽ	ऽ	न	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

									रे	
सां	रें	नि	ध	म	नि	ध	म	ग	ग	रे	सा
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म						नि					
ध	म	ध	सां	—	—	सां	नि	रें	रें	सां	—
ना	ऽ	क	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	थ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि						नि					
सां	—	नि	रें	सां	सां	सां	नि	रें	नि	ध	ध
आ	ऽ	ऽ	ऽ	न	न	में	ऽ	ऽ	बी	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
म					ग						
ध	म	ध	म	ग	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
अ	ल	ऽ	क	ऽ	फु	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि						ध		ध			
सा	नि	रे	ग	—	ग	म	ध	म	ध	सां	सां
सिं	दु	र	मां	ऽ	ग	मा	ऽ	थे	के	स	र
×		०		२		०		३		४	

सां											
रें	नि	ध	म	नि	ध	म	ग	–	ग	रे	सा
टी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को।
×		०		२		०		३		४	

मारवा–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											ग
											ध
											अ
ध							न			सा	
म	ग	रे	सा	सा	–	–	सा	–	सा	नि़	रे
ना	ऽ	ह	त	ना	ऽ	ऽ	द	ऽ	अ	का	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				नि़						नि़	
ग	रे	–	सा	सा	सानि़	रे	नि़	ध़	–	सा	–
स	वा	ऽ	यु	मं	ऽऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	न्या	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				म			रे				सा
सानि़	रे	–	रे	ग	म	ग	ग	रे	सा	–	ध
रोऽ	न्या	ऽ	रो	बा	ऽ	ऽ	द	ऽ	ल	ऽ,	अ
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध		नि				नि					
म॑	ध	सां	सां	सां	—	सां	सां	नि	रें	—	सां
चि	त	च	प	ला	ऽ	च	म	ऽ	क	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
सां						नि			रें		
नि	—	रें	गं	रें	सां	सां	सांनि	रें	नि	—	ध
वो	ऽ	ल	बूं	ऽ	द	ब	रऽ	ऽ	ख	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
ध						ध					
म॑	ध	म॑ग	म॑	ग	—	म॑ध	सां	नि	रें	नि	ध
ता	ऽ	रऽ	स	मे	ऽ	प्रऽ	मा	ऽ	ऽ	न	ए
×		०		२		०		३		४	
म॑							सा				
ध	म॑	ग	रे	ग	रे	सा	ध				
स	मी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	अ				
×		०		२		०					

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध								नि़			
म॑	ध	म॑	ग	रे	सा	सा	—	सा	रे	—	सा
गां	ऽ	व	गां	ऽ	व	की	ऽ	लु	गै	ऽ	यां
×		०		२		०		३		४	
नि़						म॑					
सा	—	सा	रे	—	रे	ग	म॑	ग	रे	—	सा
दौ	ऽ	रि	दौ	ऽ	रि	आ	ऽ	इ	आ	ऽ	इ
×		०		२		०		३		४	

नि़						ध			ध		
सा	रे	सा	ग	–	ग	म	ग	–	म	–	ध
री	ऽ	झ	री	ऽ	झ	प्या	रे	ऽ	की	ऽ	ब
×		०		२		०		३		४	
ध			ध			ध					
म	ध	–	म	ग	–	म	ध	म	ग	रे	सा
लै	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध			ध			ध					
म	ग	–	म	–	ध	म	सां	–	सां	–	सां
वे	ऽ	ऽ	स	ऽ	ब	बू	ऽ	ऽ	झ	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
नि						सां					
सां	–	सां	सां	सां	रें	नि	नि	रें	नि	ध	ध
श्या	ऽ	म	सुं	द	र	क	म	ल	नै	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
ध	ध					ध			ग		
म	म	ध	म	ग	–	म	–	ध	म	ग	–
ते	रो	ऽ	क	हां	ऽ	रा	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग											
रे	–	रे	ग	म	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा
सो	ऽ	च	स	कु	च	मु	स	ऽ	का	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

						सां			ध	ध	
ग	ग	—	म॑	—	ध	नि	—रें	नि	नि	म॑	ध
मु	ख	ऽ	फे	ऽ	ऽ	रा	ऽऽ	त	म	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां			ध	नि		ध					
नि	—रें	नि	नि	ध	—	म॑	ध	म॑	ग	रे॒	सा
नै	ऽऽ	न	क	हे	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त।
×		०		२		०		३		४	

मारवा–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	नि़										
	सा	नि़	रे॒	ग	म॑	ग	रे॒	सा	सानि़	रे॒	सा
ऽ	गा	य	क	स	ब	मि	ल	बि	चाऽ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
		ध									
म॑	—	म॑	ध	—	रे॒	—	ग	—	ग	म॑	ग
ले	ऽ	हो	ऽ	ऽ	या	ऽ	बा	ऽ	त	को	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे॒	ग	रे॒	सा	—	सा	म़	ध़	सा	—	सा	सा
सु	ध	अ	स्ता	ऽ	इ	सु	ध	अ	ऽ	च्छ	र
×		०		२		०		३		४	
						ध					
रे॒	—	रे॒	ग	—	ग	म॑	ध	म॑	ध	म॑	ग
ता	ऽ	न	रा	ऽ	ग	की	ऽ	ऽ	सं	ग त	
×		०		२		०		३		४	

ग								नि़			
म	ग	रे	रे	म	ग	रे	सा	सा	रे	नि़	ध़
में	ऽ	ध	र	न	मु	र	न	सूं	ऽ	द	र
×		०		२		०		३		४	
म़	ध़	सा	सा	सा	–	नि़	रे	ग	सानि़	रे	ध़
त	ब	क	हि	ये	ऽ	वा	ऽ	ऽ	कोऽ	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	
सा	सा										
ऽ	गा										
×											

अन्तरा.

			ध			ध					
ग	–	ग	म	–	ध	म	सां	–	सां	–	सां
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	का	ऽ	ऽ	व्य	ऽ	में
×		०		२		०		३		४	
सां						सां					
नि	रें	गं	रें	–	सां	नि	–	रें	नि	–	ध
धा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	अ	नू	ऽ	ऽ	प्रा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
ध							ग				
म	नि	ध	म	ग	रे	–	म	ग	रे	–	सा
त	ब	धु	र	प	द	ऽ	ब	ऽ	ना	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	

						सा					
नि़	रे	ग	रे	–	सा	नि़	रे	ग	रे	सा	–
गा	ऽ	ऽ	वे	ऽ	सु	ना	ऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा						ध					
नि़	–	रे	ग	–	ग	म	ध	नि	ध	म	ग
ऐ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	जो	हो	ऽ	ऽ	ऽ	वे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
								नि़			
म	रे	ग	म	ग	रे	सा	सा	सा	रे	ध़	सा
श्रे	ऽ	ष्ट	श्र	व	न	सु	ख	दा	ऽ	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा	सा										
क,	गा										
×											

मारवा–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

										नि़			
										सा	सा		
										कै	से		
नि़			ध										
सा	ध	–	म	–	–	ध	म	ग	–	रे	–	–	–
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	खे	ल	त	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
सा													
रे	ग	रे	ग	–	ग	म	ग	रे	–	सा	–	रे	सा
ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नं	द	ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	य	हां
×					२		०			३			

ध़		सा	
म़ ध़ – सा –	सा –	नि़ रे़ ग	रे़ – – सा
स ब ऽ स ऽ	खी ऽ	य न ऽ	सों ऽ ऽ क
×	२	०	३
सा			
नि़ रे़ – ग –	– म	ग रे़ सा	सा रेध़ सा सा
र त ऽ है ऽ	ऽ ऽ	प्या ऽ र	अ होऽ, कै से
×	२	०	३

अन्तरा.

म ध – सां –	– सां	– सां –	रें – सां –
ब्रि ज ऽ की ऽ	ऽ ना	ऽ री ऽ	स ऽ ब ऽ
×	२	०	३
नि		नि	
सां नि रें गं रें	सां –	सां नि रें	नि – ध –
ब न ऽ ब ऽ	न ऽ	आ ऽ ऽ	ई ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध			
नि ध – म –	ग रे़	म ग –	रे़ – – सा
पि च ऽ का ऽ	ऽ ऽ	रि न ऽ	की ऽ ऽ प
×	२	०	३
नि़		रे़	नि़
सा रें – नि ध	म ग	ग रे़ सा	सा रेध़ सा सा
र त ऽ है ऽ	ऽ फु	हा ऽ र	अ होऽ, कै से
×	२	०	३

मारवा–धमार(विलम्बित).

स्थायी.

												सा	सा		
												ह	म		
नि															
सा	ध	–	म	–	ध	–	म	ग	–	रे	–	–	रे		
आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	खे		
×					२		०			३					
रे	ग	रे	ग	–		म	ग	–	–	रे	–	सा	–		
ल	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	न	ऽ	ऽ	स	ऽ	न	ऽ		
×					२		०			३					
ध			नि				रे								
म	ध	–	सा	नि	रे	–	म	ग	–	रे	–	सा	सा		
उ	म्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ,	ह	म।		
×					२		०			३					

अन्तरा.

ध											नि				
म	ध	–	सां	सां	सां	सां	सां	सां	–	सां	रें	सां	–		
भ	र	ऽ	भ	र	रं	ग	स	ब	ऽ	ले	ऽ	हो	ऽ		
×					२		०			३					
रें										रे					
नि	–	रें	नि	ध	म	नि	ध	म	ग	ग	रे	सा	–		
री	ऽ	क	र	त	अ	प	ने	ऽ	ऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ		
×					२		०			३					
ध			नि				रे								
म	ध	–	सा	नि	रे	–	म	ग	–	रे	–	सा	सा		
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ,	ह	म।		
×					२		०			३					

राग काफी.

काफी रागो भुवनविदितः कोमलाभ्यां गनिभ्यां-
मन्यैस्तीव्रैः परममधुरः पंचमो वादिरूपः ॥
संवादी स्यात् स इह कतिचिद्वादिनं गं वदंति ।
सांद्रस्निग्धं सरसमतिभिर्गीयतेऽसौ निशायाम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ रिधौ तीव्रावुभौ नी पंचमोंऽशकः ।
यत्र षड्जस्तु सम्वादी काफी सा निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम गन्धार है मृदु तीवर हुँ निखाद ।
काफी सुन्दर राग है पस वादी सम्वाद ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ मपौ धनी सनिधपा मगौ रिधौ ।
काफी पूर्णा भवेन्नित्यं पंचमांशसमन्विता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'काफी'—यह राग काफी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें गंधार व निषाद कोमल हैं और शेष सब स्वर शुद्ध लगते हैं। इसका वादी स्वर पंचम व सम्वादी षड्ज है। कोई-कोई गुणिजन गन्धार और निषाद का सम्वाद मानते हैं। इस ग्रन्थ के लेखक को पहिला मत अधिक माननीय है। इस राग की जाति सम्पूर्ण-सम्पूर्ण है। गायन समय मध्यरात्रि का माना जाता है। कोई-कोई इसका गायन समय सायंकाल भी मानते हैं। सर्व साधारण में यह राग लोकप्रिय है। इसके आरोह में तीव्र गन्धार व तीव्र निषाद अनेक बार लगाये हुए दिखाई देते हैं। इन स्वरों के उचित प्रयोग से इस राग का वैचित्र्य बढ़ता है। किन्तु यह ध्यान रखना चाहिये कि तीव्र ग और तीव्र नि इस राग के नियमित स्वर नहीं हैं। कभी-कभी क्वचित कोमल धैवत लेकर भी चतुर गायक राग हानि नहीं होने देते, किन्तु यह प्रयोग गायक की कुशलता पर निर्भर है। इस राग की विशेषता **सा, ग॒, प, नि॒** इन स्वरों पर है। यह यावनिक राग बताया जाता है। साधारण श्रोतागण **"सासा, रेरे, ग॒ग॒, मम, प"** इस विशिष्ट स्वर समुदाय से तत्काल ही इस राग को पहिचान लेते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे ग॒, म, प, ध नि॒ सां । सां नि॒ ध, प, म ग॒, रे, सा ।

पकड़ः—

सा सा, रे रे, ग॒ ग॒, म म, प ।

काफी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	ग	रे	सा	रे	प	ऽ	म	प	ध
×		२			०		३		
ग	ग	रे	सा	रे	प	ऽ	म	प	प
×		२			०		३		
म	ध	नि	सां	नि	ध	म	प	ग	रे
×		२			०		३		
रे	ग	रे	म	ग	रे	सा	रे	नि़	सा
×		२			०		३		
नि	ध	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	रे।
×		२			०		३		

अन्तरा.

म	म	प	नि	नि	सां	ऽ	प	नि	सां
×		२			०		३		
रें	गं	रें	सां	रें	नि	सां	नि	ध	ध
×		२			०		३		
प	रें	सां	सां	रें	नि	सां	नि	ध	ध
×		२			०		३		
सां	ऽ	नि	ध	म	प	ध	ग	ग	रे
×		२			०		३		
रे	ग	रे	म	ग	रे	सा	रे	नि़	सा
×		२			०		३		
नि	ध	सां	नि	ध	म	प	ध	ग	रे।
×		२			०		३		

काफ़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

पध	मप	म ग	—	रेसा	रे	म ग	—	म	प	—	प
गुऽ	निऽ	गा	ऽ	वऽ	त	का	ऽ	फि	रा	ऽ	ग
०		३		४		×		०		२	
नि सां	सां रें	सां	नि	ध	प	म ग	—	रे	सा	रे	सा
ख	र	ह	र	प्रि	य	मे	ऽ	ल	ज	नि	त
०		३		४		×		०		२	
नि सा	—	रे	रे	म ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	ऽ	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०		२	
सां नि	सां	निसां	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप
सु	र	पंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ
०		३		४		×		०		२	
पध	ध										
गुऽ	नि										
०											

अन्तरा.

प म	म	म	प	नि	—	सां	नि	सां	—	सां	सां
स	र	ल	स	रू	ऽ	प	वि	प	ऽ	श्चि	त
०		३		४		×		०		२	

नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
मा	ऽ	न	त	स	ब	सु	ध	अ	वि	क	ल
०		३		४		×		०		२	
प		ध				म					
सां	—	नि	ध	म	प	ग	ग	रे	सा	रे	नि
आ	ऽ	श्र	य	गु	नि	च	तु	र	क	ह	त
०		३		४		×		०		२	
				म							
सा	—	रे	रे	ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	ऽ	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०		२	
नि	सां	निसां	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप
सु	र	पंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ ।
०		३		४		×		०		२	
पध	ध										
गुऽ	नि										
०											

काफी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

										प	
										ध	प
										का	हे
										०	
म			सा	म						नि	सां
ग	ग	रे	रे	ग	—		प	—	प	सां	रें
छें	ड़ो	मो	हे	हो	ऽ	ऽ	श्या	ऽ	म	ब	हु
३		४		×		०		२		०	

				म							
सां	नि	ध	प	ग	ग	रे	सा	रे	नि़	सा	–
त	ह	सि	न	क	रो	तु	म	अ	ब	सा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
		म									
रे	रे	ग	ग	म	म	प	प	ध	ध	नि	नि
स	न	न	द	सु	न	जो	पा	व	त	तु	में
३		४		×		०		२		०	
सां	–	निसां	रेंनि	ध	–	म	प	म	प	पध	मप
न्दे	ऽ	गीऽ	ऽऽ	गा	ऽ	रि	श्या	ऽ	म	काऽ	हेऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	म	म	प	नि	नि	सां	नि	सां	नि	सां	सां
अ	प	नि	क	र	त	क	छु	न	सु	न	त
०		३		४		×		०		२	
नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
रो	ऽ	क	त	नि	त	ड	ग	र	च	ल	त
०		३		४		×		०		२	
		ध				म					
सां	–	नि	ध	म	प	ग	–	रे	सा	रे	सा
नी	ऽ	ल	ज	ठ	ठु	रा	ऽ	इ	क	र	त
०		३		४		×		०		२	
नि़				म							
सा	–	रे	रे	ग	ग						
सा	ऽ	स	न	न	द						
०		३		४							

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

														ग	
														म	प
														जि	न
		रे	सा											ग	
ग	म	ग	रे	रे	ग	म	म	प	प	ध	प	म	ग	म	प
डा	रो	रं	ग	मा	नो	गि	र	धा	रि	मो	रि	बा	त,	जि	न
०				३				×				२			
		रे	सा											ग	
ग	म	ग	रे	रे	ग	म	म	प	प	–	–	–	–	म	ग
डा	रो	रं	ग	मा	नो	गि	र	धा	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब
०				३				×				२			
												ग		ग	
म	नि	ध	नि	ध	प	ध	म	प	प	ध	प	म	ग	म	प
सा	ऽ	स	सु	ने	गि	दे	गि	गा	रि	ह	म	हा	रि,	जि	न
०				३				×				२			

अन्तरा.

												सां	सां		
म	म	प	ध	नि	–	सां	सां	नि	नि	सां	सां	नि	नि	ध	प
गि	रि	कै	ऽ	ला	ऽ	स	को	बा	स	ह	म	छां	ऽ	ड्यो	ऽ
०				३				×				२			

	सां		ग ग
नि नि सां सां	ध सां नि नि	ध प ध प	म ग म प
ह म अ ब	ला ऽ अ ति	बा रि भि जि	सा री, जि न
०	३	×	२

संचारी.

		म	म
सां नि ध सां	नि ध म प	ग – रे म	ग – रे सा
ड म क ड	म क ड म	रू ऽ ग त	बा ऽ ज त
०	३	×	२
नि़ सा रे –	रे ग म म	प प ध म	प प – –
म त सं ऽ	गी ऽ त बि	चा रि त त	का री ऽ ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

			सां सां
म म प ध	नि नि सां सां	नि नि सां –	नि नि ध प
ह र रं ग	क हा क हुँ	अ ब मैं ऽ	तो ऽ सों ऽ
०	३	×	२
			ग ग
नि नि सां सां	निसां रें सां नि	ध प ध प	म ग म प
अ न गि न	देऽ ऽ ऊं मैं	गा रि दे दे	ता रि, जि न
०	३	×	२

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			ग म क
ग ग म प	प ध प ग म	म सा ग ग रे रे	प – – ग
द र पि या	नै या मो रि	कै से ला गे	पा र् ऽ तु
२	०	३	×
म ध नि सां	ध रें नि – नि	ध प ध म	प – – म
खे व ट अ	ना ड़ी ऽ हुँ	ठा ड़ि म झ	धा र् ऽ क
२	०	३	×

अन्तरा.

(म) – म प	सां नि – सां –	मं सांरें गं रें सां	रें नि सां –
ना ऽ मो रे	नै ऽ या ऽ	नाऽ ऽ रे खि	वै ऽ या ऽ
०	३	×	२
सां नि – सां सां	रें निसां नि ध म	प – – ग	म ध नि सां
आ ऽ न प	ड़ीऽ ऽ म झ	धा र् ऽ क	द र पि या
०	३	×	२
नि ध म प	म सा ग ग रे रे	ग प – – म	
नै या मो रि	कै से ला गे	पा र् ऽ क	
०	३	×	

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि़ सा नि़ छां ड़ो
सा रे रे (ग)	– म – म	प – प म	प ध नि सां
छां ड़ो छै ला	ऽ मो ऽ रि	बैं ऽ यां दु	ख त मो रि
०	३	×	२
नि धप म प	(ग) – रे –	सा रे नि ध नि	ध प ध म प
न ऽड म क	ला ऽ ई ऽ	कै से तु म	कै से तु म
०	३	×	२
प ध ग म प ग	म म सा नि़	सा ग रे म	ग रे सा नि़
नि ड र ला	ऽ ल म ग	रो क त प	राई, छां ड़ो
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म म म प	सां नि नि सां –सां	गं रें रेंगं रें सां	रें नि सां –सां
कै से तु म	म हा रा ऽज	आ वऽ त न	तो को ला ऽज
×	२	०	३

ध	रें		
प रें सां रें	नि नि सां –सां	प ध प नि	ध प सा नि
जा नो ना कं	सा को रा ऽज	प क ड़ मं	गा वे वा की
×	२	०	३
सा ग रे म	ग रे सा नि		
फि र त दु	हा ई, छां ड़ो		
×	२		

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	ध	सां	
सां नि सां	नि निध म प	नि सां – सां	नि रें सां रें
ऽ आ ऽ ज	म नऽ ब स	ग ई ऽ सां	ऽ व रे कि
०	३	×	२
रें			म
नि सां नि ध	प ध नि सां	प नि ध प	ग – रे म
सु र ति या	प्या रि प्या रि	स खि रि क	हा ऽ क हुँ
०	३	×	२
म			मं
ग – रे सा	म नि प ध	म प नि सां	गं रें – मं
तो ऽ से ऽ	अ प ने जि	या कि बी ति	आ ली ऽ री
०	३	×	२
मं	सां		
गं रें सां रें	नि सां – रें	सां नि ध प	म ग रे सा
बा हु के बि	न दे ऽ खे	क ल न प	र त मो को
०	३	×	२

अन्तरा

प नि प – ध	म प नि सां	मं गं रें – मं	गं रें सां –
हा हा ऽ क	र त तो रे	पैं यां ऽ प	र त हूँ ऽ
३	×	२	०
सां – रें रें	सां – प नि प	म ग – रे म	ग रे सा –
जो ऽ पि या	आ ऽ न मि	ले ऽ मो रि	स ज नी ऽ
३	×	२	०
नि सा सा रें सां –	प नि प म प	म ग ग रे सा	सा सां सां – रें
मैं तो चे ऽ	री स न द	भ इ ते रि	ऽ आ ऽ ज
३	×	२	०
नि सां नि म प	सां नि सां – सां		
म न ब स	ग ई ऽ सां		
३	×		

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प
स खी

म ग म रे	रे ग सा रे	प – प म	रे ग ग म प
अ ब कै सो	क र त है	मो ऽ र सो	ऽ र स खी
०	३	×	२

म ग म रे	रे ग सा रे	प – – प	ग रे रे –
अ ब कै सो	क र त है	मो ऽ ऽ र	औ र बो ऽ
०	३	×	२
			रे
म रे सा सा	सा – सा –	म ग ग म	ग ग म प
ल त है प	पी ऽ हा ऽ	जो ऽ र जो	ऽ र, स खी
०	३	×	२

अन्तरा.

म म म –	प प नि –	सां – सां सां	नि ध – ध
सु न को ऽ	य ल की ऽ	कू ऽ क जि	या ऽ ऽ में
०	३	×	२
नि – ध ध	नि ध नि प	म ध ध ध	– ध ध नि
हू ऽ क उ	ठ त है ऽ	क द र ओ	ऽ र कै से
०	३	×	२
नि ध प –	प – ध प	म ग ग म	गरेगरे गम प
जै ऽ यूं ऽ	ना ऽ हीं ऽ	हो व त भो	ऽऽऽऽ र, स खी।
०	३	×	२

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे			
म ग म प	म ग म ग	म रे – ग	म म प –
जो रे जो रे	छु वो ना ऽ	हीं छै ऽ ल	बं ग री ऽ
२	०	३	×

(रे) म ग म प	म ग म –	प नि सां रें	नि सां नि॒ ध
जो रे जो रे	छु वो ना ऽ	बि न ति क	र त मो हे
२	०	३	×
नि॒ ध नि॒ प	– प म ग	म रे – ग॒	म म प –
गु ज री रै	ऽ न स ग	री छै ऽ ल	बं ग री ऽ
२	०	३	×

अन्तरा.

प प प प	नि – नि नि	सां – सां –	पनि सारें निसां रेंरें
क द र पि	या ऽ जो मैं	ऐ ऽ सो ऽ	जाऽ ऽऽ न्तीऽ ऽऽ
३	×	२	०
सांनि॒ धप – –	प नि – सां	(नि) सां नि॒ - ध	नि॒ ध नि॒ (ध) प
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ	आ ती ऽ का	हे को ऽ मैं	तो री न ग
३	×	२	०
म रे – ग	म म प –		
री छै ऽ ल	बं ग री ऽ		
३	×		

काफी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			म
			मु
रे ग ग म प	ग म ग म म	रे रे ग सा रे	रे प – ध प
र्का ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
२	०	३	×
रे मग ग म प	म ग म म	रे रे ग सा रे	रे प – प प
र्काऽ ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
२	०	३	×
म ग म प	म ग म म		
र्का ऽ के क	ला ई क्युं मु		
२	०		

अन्तरा.

प	म ग म मग	म नि ध नि	ध – प ध
मु	र्का ऽ के फिर	नै ऽ न मि	ला ऽ व त
	२	०	३
नि सां नि ध	प – ध प	म ग म म	रे ग रे रे
हँ स हँ स	बा ऽ त क	र त ऐ सो	नि प ट ढी
×	२	०	३

ग रे सा रे	नि सा सा, निनि	नि नि सां सां	नि ध नि ध
ऽ ट क द	र पि या, चलो	ह टो जा ओ	छां डो मो री
×	२	०	३
	रे		
प – ध प	मग ग म प		
गै ऽ ल मु	कांऽ ऽ के क		
×	२		

काफी -त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि
र हि

सा रे – ग	म म प –	ध प म ग	रे सा, रे नि
हैं कैं ऽ से	बि जु री ऽ	च म क च	म क र ही
०	३	×	२
सा रे – ग	म म प –		
हैं कैं ऽ से	बि जु री ऽ		
०	३		

अन्तरा.

म म म प	नि नि नि नि	सां सां रें नि	सां – सां –
ग र ज ग	र ज बा दल	ब र स न	ला ऽ गे ऽ
०	३	×	२

प रें सां रें	नि सां नि ध	नि ध नि प	ध प म ग
क द र क	र त मो रा	जि या ध क	ध क र हि।
०	३	×	२
म रे – ग	म म प –		
है कै ऽ से	बि जु री ऽ		
०	३		

काफी (सिंधुरा) –त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे – रे	(म) ग रेग म म	प प – (म) ग	म ग (सा ग) रेरेमम गरेनिसा
ऽ जा ऽ ने	दो ऽऽ मो हे	छो रो ऽ पि	य रु वाऽऽऽ ऽऽऽऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

म म प प	नि – सां सां	सां – रें नि	सां सां सांनिध निप
क द र पि	या ऽ तु म्हें	ला ऽ ज न	ड र हैऽऽ ऽऽ
०	३	×	२
प नि नि नि	सां सां नि ध	नि ध नि प	
इ त ने लो	ग न में ल	गा य ले त	
०	३	×	

म प मपमपधनिधप	मगरेसानिसा
ग र वाऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ
२	

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे – ग	म – प –	ग म ध –	निध नि ध प
मैं वा ऽ री	सैं ऽ या ऽ	औ र वा ऽ	रूं ऽ ऽ त न
३	×	२	०
ध प म ग	रे ग रे सा	ग ग म –	साग मप म ग
म न ध न	स ब ही ऽ	तु म रे ऽ	काऽ ऽऽ र न।
३	×	२	०
म रे – ग			
मैं वा ऽ री			
३			

अन्तरा.

म म प –	नि – नि नि	सां सां रें नि	सां – सां सां
त न से ऽ	जो ऽ ग न	म न से बि	यो ऽ ग न
२	०	३	×
नि ध ध ध	नि – ध प	ध म प प	नि – सां सां
ह म तु म	रे ऽ बि न	क द र पि	या ऽ तु म
२	०	३	×
रें रेंगं रें सां	रें नि सां –	प नि सां निसां	नि ध प ध
जु गऽ जु ग	जी ऽ ओ ऽ	क र लूं ऽऽ	नै ऽ ऽ न
२	०	३	×
नि निसां नि ध	नि प म ग	म रे – ग	
भ रऽ क र	द र श न	मैं वा ऽ री	
२	०	३	

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

						ग								प	
म	प	म	ग	म	रे	रे	ग	सा	रे	प	–	ध	प	मग	रेग
पि	या	झु	म	झु	म	मो	हे	निं	दि	या	ऽ	आ	ई	रेऽ	ऽऽ
२				०				३				×			
						ग		रे				प			
म	प	म	ग	म	रे	रे	ग	सा	रे	प	–	ध	प	म	ग
पि	या	झु	म	झु	म	मो	हे	निं	दि	या	ऽ	आ	ई	रे	लो
२				०				३				×			
						नि									
म	ध	ध	ध	नि	सां	नि	ध	प	–	ध	प	मपध	प	म	ग
भो	र्भये	आ	ये	जा	ओ	ज	हां	रै	ऽ	न	ग	वांऽऽ	ई	रे	ऽ।
२				०				३				×			

अन्तरा.

											ध				
म	म	प	प	नि	नि	सां	सां	नि	ध	ध	सां	नि	ध	प	–
क	र	के	धि	टा	ई	क	दर	बि	न	ति	क	र	त	हो	ऽ
३				×				२				०			
	नि														
नि	सां	नि	ध	प	–	प	–	म	म	ध	–	ध	ध	ध	ध
ये	भी	च	तु	रा	ऽ	ई	ऽ	अ	ब	का	ऽ	ज	य्ये	मो	रे
३				×				२				०			
	नि														
नि	सां	निध	प	मपध	प	म	ग								
जि	या	सेऽ	बु	राऽऽ	ई	रे	ऽ								
३				×											

काफी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			प म
			त न
(म) नि प ग रे	ग रे सा रे	प – – –	– – गम रेग
दे रे ना ऽ	ऽ दा ऽ न्नि	दी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ म्तऽ नऽ
०	३	×	२
म निनि धध नि	पप धध सां (सां)	नि ध प प	ध म प प
ना दिर दिर तुं	दिर दिर त न	दे रे ना त	दे रे दा नि
०	३	×	२
(म) नि प ग रे			
दे रे ना ऽ			
०			

अन्तरा.

ग म ध	ध नि सां –	निसां ध निनि सां	(ध) नि ध प –
ऽ ख ऽ ल्के	मे ऽ गो ऽ	ऽऽ य ऽद् के	खू ऽ स्रो ऽ
०	३	×	२
ग ग म ध	ध नि सां –	निसां ध नि सां	नि ध प –प
ऽ बु ऽ तुप	र ऽ स्ती ऽ	ऽऽ मे ऽ कु	न ऽ ऽ ऽद्
०	३	×	२

ग ग म ध	ध नि सां –	निसां ध निसां	नि ध प –
ऽ आ ऽ रे	आ ऽ रे ऽ	ऽऽ मे ऽ कु	न ऽ द्वा ऽ
०	३	×	२
ग म ध	ध नि सां –	निसां ध निसां	निध प म ग
ऽ ख ऽ ल्के	मा ऽ रा ऽ	ऽऽ का ऽ र	नेऽ ऽ स्त न
०	३	×	२
म निनि धध नि	स्थायी अनुसार		
ना दिर दिर तुं			
०			

काफी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा			सा	ग				
नि़	सा	रे ग	रे	रे	मरे	म	प	म
सौ	ऽ	त ऽ	न	के	ऽऽ	सं	ऽ	ग
×		२		०		३		
प	–	– –	ध	सां	नि	ध	–	प
ला	ऽ	ऽ ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	री
×		२		०		३		
म				म		ग		
ग	–	म नि	प	ग	–	रे	नि़	सा
आ	ऽ	छी ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२		०		३		

अन्तरा.

प							नि		
म	—	प	—	ध	नि	सां	सां	—	सां
हं	ऽ	स	ऽ	न	की	ऽ	ग	ऽ	ति
×		२			०		३		
	मं								
रें	गं	रें	—	सां	रें	नि	सां	—	—
हं	ऽ	स	ऽ	हि	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां									
नि	—	सां	—	रें	सां	नि	ध	म	—
को	ऽ	ई	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
प	—	—	—	ध	सां	नि	ध	—	प
का	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	रि
×		२			०		३		
					म		ग		
ग	—	म	नि	प	ग	—	रे	नि़	सा
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

काफी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़		सा	म		सा				म		
सा	रे	रे	ग	रे	रे	प	—	ध	ग	—	रे
आ	ऽ	ये	री	मे	रे	धा	ऽ	म	श्या	ऽ	म
•		३		४		×		०		२	

रे						म					
म	ग	सा	रे	नि़	सा	रे	म	प	ध	नि	सां
कुं	व	र	कृ	ऽ	ष्ण	उ	न	के	च	र	न
०		३		४		×		०		२	
				म		रे	म		सा		
नि	ध	म	प	ग	रे	प	ग	—	रे	नि़	सा
नै	ऽ	न	न	सों	ऽ	प	र	ऽ	सों	ऽ	ऽ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

								सां		सां	
म	—	प	ध	नि	सां	सां	सां	नि	सां	मं	गं
बं	ऽ	सी	ऽ	ब	ट	त	र	क	र	बं	ऽ
×		०		२		०		३		०	
				मं							
रें	सां	नि	ध	गं	मं	पं	मं	गं	रें	सां	—
सी	ऽ	लि	ये	सा	ऽ	ज	न	ट	व	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि				रें						प	
ध	—	नि	रें	नि	सां	धनि	धप	म	ग	मग	म
सा	ऽ	जे	री	ऽ	ऽ	ओऽ	ढऽ	पि	य	रोऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म									म		सा
ग	रे	—	रे	रें	रें		सा	रे	ग	रे	रे
प	ट	ऽ	धा	ऽ	य	ऽ	आ	ये	री	मे	रे
×		०		२		०		३		४	

काफी–चौताल (विलंबित).

स्थायी.

नि़		सा	म		सा				म		
सा	रे	रे	ग	रे	रे	प	–	ध	ग	–	रे
जा	ऽ	गे	मे	ऽ	रे	भा	ऽ	ग	आ	ऽ	ज
०		३		४		×		०		२	
म						म					
रे	ग	सा	रे	नि़	सा	रे	म	प	ध	नि	सां
श्या	ऽ	म	सुं	द	र	क	म	ल	न	य	न
०		३		४		×		०		२	
			म			रे	म		सा		
नि	–	धप	ग	–	रे	प	ग	–	रे	नि़	सा
आ	ऽ	नऽ	ठा	ऽ	ड़े	मे	रे	ऽ	द्वा	ऽ	र।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

						सां					
म	म	म	म	प	ध	नि	–	सां	नि	सां	सां
त	न	म	न	ध	न	नौ	ऽ	छा	ऽ	व	र
×		०		२		०		३		४	
						सां					पं
नि	सां	रें	गं	रें	सां	नि	सां	सां	नि	ध	ध
क	रि	हों	ऽ	मैं	ऽ	प	रि	हों	पैं	ऽ	यां
×		०		२		०		३		४	

						म				रे	
सां	–	नि	ध	म	पध	ग	–	रे	नि़	सा	सा
लै	ऽ	ऽ	हों	ऽ	बऽ	लै	ऽ	यां	आ	ऽ	ज
×		०		२		०		३		४	
नि़											
सा	रें	रें	रे	नि़	सां						
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र						
×		०		२							

काफी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

					सा	रे	म				
सा	–	सा	रे	–	रे	प	ग	म	ग	रे	रे
धा	ऽ	य	धा	ऽ	य	मे	रे	ऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	
			म							प	
सा	–	सा	रे	म	म	प	–	प	प	ध	म
धा	ऽ	य	धा	ऽ	य	सूं	ऽ	द	र	स	ब
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	–	रें	सां	सांनि	–	ध	प	म
मि	ल	सु	जा	ऽ	न	आ	ऽऽ	ऽ	नं	द	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	म						म		म		
प	ग	–	रे	म	म	प	ग	मग	ग	रे	रे
ऽ	क	ऽ	रो	ऽ	ई	मे	रे	ऽऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

						सां					
	म	म	प	—	ध	नि	सां	—	सां	—	सां
ऽ	आ	ज	मो	ऽ	रे	पि	या	ऽ	पे	ऽ	मैं
×		०		२		०		३		४	
						नि					
	नि	—	सां	—	सां	सां	सांनि	—	ध	प	—
ऽ	वा	ऽ	रूँ	ऽ	गी	जी	येऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	—	रें	सां	सांनि	—	ध	प	म
स	म	झ	सो	ऽ	च	हूँ	साऽ	ऽ	य	ने	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म	म		म				म				
प	ग	—	रे	म	म	प	ग	म	ग	रे	रे
ह	ल	ऽ	गा	ऽ	ई	मे	रे	ऽ	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	

काफी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग			म		सा						
म	नि	प	ग	रे	रे	प	—	—	प	नि	म
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	सो
०		३		४		×		०		२	

			म		सा						प
म	नि	प	ग	रे	रे	प	—	—	प	—	ध
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	सो
०		३		४		×		०		२	
									म		
म	म	प	नि	सां	रें	सां	नि	प	ग	—	रे
ऽ	आ	ये	मो	रे	ऽ	प्रा	ऽ	ण	ना	ऽ	थ
०		३		४		×		०		२	
					नि						
—	म	प	नि	सां	सां	रें	सां	नि	प	सां	नि
ऽ	की	नी	मो	से	ऽ	र	स	की	बा	ऽ	त।
०		३		४		×		०		२	
			म		सा						
म	नि	प	ग	रे	रे						
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ						
०		३		४							

अन्तरा.

प											
ध	म	—	प	—	ध	नि	सां	—	नि	सां	सां
अ	चा	ऽ	न	ऽ	क	आ	ये	ऽ	ऐ	ऽ	से
×		०		२		०		३		४	
	नि	नि	सां	—	रें	सां	सांनि	—	ध	—	प
ऽ	ह	र	को	ऽ	मि	ले	ऽऽ	ऽ	कै	ऽ	से
×		०		२		०		३		४	

प	रें	रें	(मं) रें	मं	रें	सां	नि	प	नि	सां	–
छां	ऽ	ड़	दे	ऽ	रि	मे	ऽ	रि	आ	ली	ऽ
×		०		२		०		३		४	
						(प)			(म)		(सा)
रें	सां	नि	प	सां	नि	म	नि	प	ग	रे	रे
अ	प	नो	घा	ऽ	त	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

									(नि)		
ध	म	–	प	–	ध	नि	–	सां	सांनि	ध	प
जि	या	ऽ	में	ऽ	आ	नं	ऽ	द	भऽ	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
	नि	नि	सां	–	रें	सां	सांनि	–	ध	प	–
ऽ	त	न	की	ऽ	त	प	तऽ	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
(म)	(म)					(म)		(ग)			
ग	ग	–	म	–	प	ग	–	म	ग	रे	सा
घ	र	ऽ	में	ऽ	सु	हा	ऽ	यो	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म	–	प	–	ध	नि	सां	–	नि	सां	सां
ऽ	प्रा	ऽ	न	ऽ	जी	व	न	ऽ	बि	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

–	नि	–	सां	–	सां	नि	प	सां	नि	ध	प
ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	स	रे	ऽ	गो	मे	ऽ	रो
×		०		२		०		३		४	
									सां		
प	रें	–	रें	मं	रें	सां	नि	प	नि	सां	सां
क	दी	ऽ	ना	ऽ	हिं	छां	ऽ	डुं	कृ	ऽ	ष्ण
×		०		२		०		३		४	
										सा	
रें	सां	नि	प	सां	नि	म	नि	प	ग	रे	रे
ति	हा	रो	सा	ऽ	थ	आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

						सा	म						
सा	सा	–	रे	–	रे	रे	ग	–	–	म	–	–	म
ब्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
प	–	–	प	–	ध	प	म	ग	–	म	ग	(म)	–
चा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

अन्तरा.

प	प	–	रें	–	–	–	रें	रें	–	गं	रें	गं	–
इ	त	ऽ	सों	ऽ	ऽ	ऽ	नि	क	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

														मं	
सां	रें	–	नि	–	नि	–	सां	सां	–	रें	–	गं	–
कुं	व	ऽ	रि	ऽ	रा	ऽ	ऽ	धि	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
								ध					
सां	रें	–	सां	–	नि	–	ध	म	–	प	–	–	ध
उ	त	ऽ	सौं	ऽ	ऽ	ऽ	कुं	व	ऽ	र	ऽ	ऽ	क
×			२				०			३			
सां			ध										
नि	–	–	नि	–	रें	–	सां	–	–	–	–	–	–
न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
ग						रे							
म	–	–	ग	–	–	ग	म	–	–	प	–	–	ध
खे	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	त	फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	प
×			२				०			३			
							ध						
सां	–	नि	ध	–	–	म	प	ध	–	(म)	–	ग	–
र	ऽ	ऽ	स्प	ऽ	ऽ	र	हि	ल	ऽ	मी	ऽ	ले	ऽ
×			२				०			३			
सां										सां			
नि	–	–	सां	–	नि	–	सां	सां	–	नि	–	सां	रें
सो	ऽ	ऽ	सु	ऽ	ख	ऽ	ब	र	ऽ	नी	ऽ	ऽ	न
×			२				०			३			
सां	नि	–	ध	–	–	प	ध	प	–	प	–	म	ग
जा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	सो	घ	र	ऽ	घ	ऽ	र	ऽ
×			२				०			३			

प								ध							
म	म	नि	ध	–	नि	ध		प	ध	प		म	ग	(म)	–
ब	ज	ऽ	त	ऽ	ऽ	ब		धा	ऽ	ऽ		ई	ऽ	ऽ	ऽ
×			२					०				३			
						सा									
सा	सा	–	रे	–	रे	रे									
त्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि									
×			२												

काफी–दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

								म							
सा	नि़	सा	रे	ग	सा	रे		ग	रे	ग		म	–	प	म
अ	ब	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ		टे	ऽ	ऽ		क	ऽ	ऽ	ह
×			२					०				३			
प	–	–	प	–	–	प		–	प	–		म	ग	म	–
मा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ला		ऽ	ज	ऽ		रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२					०				३			
म	–	नि	ध	नि	ध	प		म	ग	–		म	ग	(म)	–
खो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र		धा	ऽ	ऽ		री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२					०				३			

अन्तरा.

प	–	–	रें	–	रें	–	–	रें	–	गं	रें	गं	–
जै	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ज	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
												मं	
सां	रें	–	नि	–	नि	–	सां	सां	–	रें	–	गं	–
खी	ऽ	ऽ	अ	ऽ	र	ऽ	जु	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	–	सां	–	नि	–	ध	म	–	प	–	–	ध
भा	ऽ	ऽ	र	ऽ	त	ऽ	जु	ऽ	ऽ	द्ध	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
सां			ध										
नि	–	–	नि	–	रें	–	सां	–	–	–	–	–	–
झा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
						रें							
म	–	–	ग	–	–	ग	म	–	–	प	–	ध	–
सा	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	थि	हो	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	सां	–	नि	–	ध	म	प	ध	–	(म)	–	ग	–
र	थ	ऽ	कां	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	क्यो	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां													
नि	–	–	सां	–	–	नि	सां	सां	–	सां	–	रें	–
च	ऽ	ऽ	क्र	ऽ	ऽ	सु	द्	र	ऽ	श	ऽ	न	ऽ
×			२				०			३			

सां	नि	–	ध	–	नि	प	प	प	–	म	ग	म	–
धा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	भ	क्त	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
							ध						
म	–	नि	ध	–	नि	प	प	ध	–	म	ग	(म)	–
टे	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				०			३			

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

													नि़
													नि
							म			म			
सा	–	नि़सा	रे	–	–,	रे	ग	रे	–	ग	सा	–,	रे
का	ऽ	ऽऽ	ला	ऽ	ऽ,	नि	रा	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ,	अ
०			३				×			२			
							म						
म	म	–	मप	मप	ध	प	ग	–	रेग	रे	–	–,	नि़
ल	ग	ऽ	सऽ	ऽऽ	ऽ	न्से	रं	ऽ	ऽऽ	ग	ऽ	ऽ,	जो
०			३				×			२			
							म			म			
सा	–	–	रे	–	–	रे	ग	रे	–	ग	सा	–,	रे
है	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ऽ	त	जी	ऽ	ऽ	स्की	ऽ	ऽ,	उ
०			३				×			२			

								म							
म	—	—	मप	मप	ध	प	ग	रे	ग	रे	—	—	—
सी	ऽ	ऽ	केऽ	ऽऽ	ऽ	है	सं	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।
०			३				×			२			

अन्तरा.

													म
													को
म	—	—	प	—	—	ध	नि	—	—	सां	—	—	नि
ई	ऽ	ऽ	कू	ऽ	ऽ	छ	गा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	न
०			३				×			२			
									नि				
नि	—	—	सां	—	—	सां	सां	—	सां	नि	ध	नि	प
हीं	ऽ	ऽ	मो	ऽ	ऽ	हे	भा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ
०			३				×			२			
									नि				
प	नि	नि	नि	नि	सां	—	सां	—	सां	नि	ध	नि	प
क	द	र	तु	म	री	ऽ	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	का
०			३				×			२			
							म			रे			
	म	म	मप	मप	ध	प	ग	रे	ग	सा	—	—,	नि़
ऽ	ज	म	जाऽ	ऽऽ	ऽ	ये	रं	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ,	नि।
०			३				×			२			

काफा–धमार (विलाम्बित).

स्थायी.

म			सा									म			
ग	ग	रे	रे	प	–	–	ध	म	प	ध		ग	ग	–	
ए	रि	ए	मैं	कौ	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ज		त	न	ऽ	
३				×					२			०			
				म											
रे	–	–	–	ग	रे	–	म	–	ग	रे		सा	रे	–	
सों	ऽ	ऽ	ऽ	खो	ऽ	ऽ	लौं	ऽ	मो	रे		ऽ	पी	ऽ	
३				×					२			०			
				नि़ सा								म			
नि़ सा	सा	–		सा	सां	नि	ध	म	प	ध		ग	–	रे	
या	ऽ	के	ऽ	म	न	में	ऽ	ऽ	प	रि		गां	ऽ	ठ।	
३				×					२			०			

अन्तरा.

प									सां						
म	म	–	प	–	–	ध	नि	सां	–		सां	–	सां	–	
स	ब	ऽ	स	ऽ	ऽ	खि	यां	ऽ	ऽ		मि	ऽ	ली	ऽ	
×					२		०				३				
	मं		सां												
रें	गं	–	रें	–	सां	–	रें	नि	–		सां	–	–	–	
ब	न	ऽ	ब	ऽ	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ		ई	ऽ	ऽ	ऽ	
×					२		०				३				
सां											सां				
नि	–	–	सां	–	नि	सां	नि	ध	–		ध	नि	प	ध	
मैं	ऽ	ऽ	बै	ऽ	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ		ऽ	ऽ	बि	ख।	
×					२		०				३				

							म			म			सा		
सां	नि	–	ध	म	प	ध	ग	रे	–	ग	ग	रे	रे		
घो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लौं	ऽ	ऽ	ए	रिं	ए	मैं		
×					२		०			३					

काफी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

														नि	
														सां	
														सुं	
सां							नि			नि					
नि	सां	–	सां	–	सां	–	सां	नि	–	ध	–	म	–		
द्	र	ऽ	ते	ऽ	रे	ऽ	मु	ख	ऽ	सें	ऽ	ऽ	ऽ		
×					२		०			३					
			ध												
प	–	–	प	ध	सां	–	सां	नि	–	–	–	ध	प		
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	हे		
×					२		०			३					
म								रे					सां		
ग	रे	ग	म	–	–	ग	रे	नि़	सा	सा	–	–	नि		
प्या	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ल	ग	त	ऽ	है	ऽ	ऽ,	सुं		
×					२		०			३					

अन्तरा.

							सां					सां		मं	
	म	प	ध	नि	सां	–	सां	सां	रें		रें	गं	रें	गं	
ऽ	बे	स	र	की	ऽ	ऽ	मो	ति	य		न	की	ऽ	ऽ	
३				×					२			०			

सां				सां	सां	सां				सां					
रें	नि	सां	–	नि	नि	नि	सां	–		रें	सां	नि	–		
झ	ल	क	ऽ	चं	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ऽ	की	च	म	ऽ		
३				×					२		०				
		ध		ध					म		म				
ध	–	प	ध	सां	–	नि	ध	म	ध	प	ग	–	–		
क	ऽ	अ	ति	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	त	न्या	ऽ	ऽ		
३				×					२		०				
सा			सां												
रे	नि़	सा	नि												
ऽ	ऽ	री,	सुं												
३															

राग आसावरी.

रागिण्यासावरीयं मृदुगमधनिभिस्तीव्रकेणर्षभेण ।
संपन्नारोहणे या खलु गनिरहिता चावरोहे तु पूर्णा ॥
वादी स्याद्धैवतोऽस्यां श्रुतिरुचिरतरो गश्च संवाद्यभीष्टो ।
विष्वक्तानप्रसारैर्मृदुमधुरगलैर्गीयते संगवे सा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ धनी चैव तीव्रस्तु ऋषभो धगौ ।
वादिसंवादिनौ यस्यां सासावर्यपि संगवे ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल गमधनि तीखरिखब चढत गनी न सुहाइ ।
धग वादीसम्वादि तें आसावरी कहाइ ॥

चन्द्रिकासार ।

रिमौ पनी धपौ धसौ निधौ पमौ पगौ रिसौ ।
धांशाऽऽरोहेगनित्यक्ताऽऽसावरी संगवे मता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

'आसावरी'—यह राग आसावरी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें गन्धार, धैवत व निषाद स्वर कोमल लगते हैं और शेष सब स्वर शुद्ध हैं। यह राग बहुत लोकप्रिय है। इसका वादी स्वर धैवत और सम्वादी गांधार है। गायन समय दिन का दूसरा प्रहर है। आरोह में गान्धार व निषाद वर्ज्य करते हैं और अवरोह सम्पूर्ण है, अर्थात् इसकी जाति औडुव-सम्पूर्ण है। इस राग से मिलते-जुलते दूसरे राग **जौनपुरी** व **गांधारी** हैं, वे आगे बताये जांयगे। उत्तर भारत की ओर आसावरी में कोमल रिषभ लेने की प्रथा है, किन्तु अपनी ओर (दक्षिण) के ख्याल गायक इसमें तीव्र (शुद्ध) रिषभ ही लगाते हैं। इस पुस्तक में यह दोनों ही प्रकार दिये गये हैं और दोनों ही मधुर हैं। जलद तानों में कोमल रिषभ लगाने से गायकों को कुछ असुविधा होती है, इसीलिये संभवतः तीव्र रिषभ लेने का व्यवहार पड़ गया, ऐसा प्रतीत होता है। इस राग की विशेषता गान्धार पंचम व धैवत, इन स्वरों पर अवलम्बित है। यह राग अवरोह में स्पष्ट होता है।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे म प, ध, सां। सां नि ध, प, म ग, रे, सा।

पकड़ः—

रे, म, प, नि ध प।

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ऽ	म	प	नि	नि ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	म ग	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	ऽ	सा	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	म ग	ऽ	म	ऽ
३		४		×		०		२		०	
प	ऽ	नि ध	ऽ	रें	सां	नि	ध	प	म	म ग	सा रे
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	प	—	नि ध	—	ध	सां	—	सां	सां	—	सां
स	स	ऽ	सू	ऽ	र	ती	ऽ	न	ग्रा	ऽ	म
×		०		२		०		३		४	
नि ध	नि ध	—	ध सां	—	सां	रें	—	सां	नि ध	—	प
ए	क	ऽ	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
म प	प गं	—	सां रें	—	सां	रें	—	सां	नि ध	—	प
उ	नं	ऽ	चा	ऽ	स	कू	ऽ	ट	ता	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प म	प	नि	नि ध	प	ध	म ग	सा रे				
गा	ऽ	ऽ	इ	ऽ	ऽ	यं	ऽ				
×		०		२		०					

संचारी

	नि		नि			नि	नि		नि		
सा	ध	—	ध	—	ध	ध	ध	—	ध	—	प
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध						नि		
ध	ध	ध	सां	—	सां	रें	सां	—	ध	—	प
अ	ऽ	ऽ	स्था	ऽ	ई	सं	ऽ	ऽ	चा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
ध			प			म			सा		
प	ध	म	म	प	ध	ग	—	रे	रे	—	सा
औ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व	सं	ऽ	पु	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
			रे		म	नि			नि		
सा	सा	रे	म	प	प	ध	—	—	ध	—	प
सं	पू	ऽ	र	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प		म	नि			ध					
म	प	प	ध	—	—	सां	—	—	सां	—	सां
धूं	ऽ	ऽ	डी	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध			सां			नि		
ध	ध	—	सां	सां	—	रें	—	सां	ध	—	प
तु	म	ऽ	ब	हो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	य	ऽ	क
×		०		२		०		३		४	

म	प		सां			सां			नि		
प	गं	—	रें	रें	सां	रें	सां	—	ध	—	प
गु	नि	ऽ	ज	न	के	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	थ
×		०		२		०		३		४	
प					प	म	सा				
म	प	नि	ध	प	ध	ग	रे				
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ	ये	ऽ				
×		०		२		०					

आसावरी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प			म		प	नि					
म	म	प	प	—	सां	ध	—	—	प	—	धम
च	तु	र	रा	ऽ	ग	गा	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	
	म		सा			म					
मप	ग	—	रे	—	सा	रे	म	—	प	—	प
आऽ	सा	ऽ	व	ऽ	री	औ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व
०		३		४		×		०		२	
नि			नि				म		सा		
ध	—	ध	ध	—	प	पध	ग	—	रे	—	सा
सं	ऽ	पु	र	ऽ	न	बऽ	त	ऽ	ला	ऽ	यो
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ह	ग	नि	को	त	ज	त
×		०		२		०		३			

नि	नि		ध			सां			नि		
ध	ध	–	सां	–	सां	रें	–	सां	ध	–	प
अ	व	ऽ	रो	ऽ	ह	सं	ऽ	पु	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
म			सां			सां			नि		
प	गं	–	रें	–	सां	रें	–	सां	ध	–	प
धै	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	वा	ऽ	दि	सू	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
	म		सा			म			म		
पध	ग	–	रे	–	सा	रे	म	प	प		
दिऽ	ख	ऽ	ला	ऽ	यो	च	तु	र	रा		
×		०		२		०		३			

आसावरी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध		नि			म	प	म	ग		म	
म	पसां	ध	प	ध	म	पध	मप	ग	–	रे	सा	रे	म	प	–
का	न्हाऽ	मो	हे	आ	सा	वऽ	रीऽ	रा	ऽ	ग	सु	ना	ऽ	ये	ऽ
०				३				×				२			
नि	नि	नि		ध				प	म	प		म		सा	
ध	ध	ध	–	नि	ध	प	धम	म	प	पध	मप	ग	–	रे	सा
ग	नि	को	ऽ	आ	ऽ	रो	ऽऽ	ह	न	मेंऽ	छुऽ	पा	ऽ	ऽ	ये
०				३				×				२			
						नि		नि	ध						
सा	रे	म	रे	म	प	ध	प	ध	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प
•				३				×				२			

अन्तरा.

प म	नि नि	ध	
म – प प	ध – ध –	सां – सां सां	सां – सां –
धै ऽ व त	वा ऽ दी ऽ	गा ऽ स म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
नि नि		मं सां	नि
ध – ध ध	सां सां सां सां	सांरें गं रें सां	सां रेंनि ध प
म ऽ ध्य म	सु र ग्र ह	न्याऽ ऽ स सु	पं ऽऽ च म
०	३	×	२
प प	नि म प	म	
म प सां –	ध प पध मप	ग ग रे सा	रे – सा सा
अ व रो ऽ	ह न संऽ ऽऽ	पु र न दि	खा ऽ व त
०	३	×	२
	नि	नि ध	
सा रे म रे	म प ध प	ध गं रें सां	रें नि ध प।
०	३	×	२

आसावरी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि	प मप	म सा
म म प सां	ध – प –	ध म धध पमप	ग – रे सा
अ खि यां ऽ	ला ऽ गी ऽ	र ह तऽ निऽऽ	स ऽ दि न
३	×	२	०
ग	नि	म म प	म सा
रे सा सा रे	धं प सा –	रे म धध पमप	ग – रे सा
प्या ऽ रे ति	हा ऽ रे ऽ	दे ऽ खऽ नऽऽ	कां ऽ ऽ हिं।
३	×	२	०

अन्तरा.

प		नि	नि							सां		नि			
म	प	ध	ध	सां	सां	सां	सां	रें	गं	रें	सां	सां	रेंनि	ध	प
घ	रि	प	ल	छि	न	मो	हे	जु	ग	सी	ऽ	बी	ऽऽ	त	त
३				×				२				०			
म	प	सां				नि				पप		म		सा	
प	गं	रें	सां	रें	सां	ध	प	म	प	धध	पमप	ग	ग	रे	सा
नि	स	दि	न	च	ट	प	टि	ला	ऽ	गऽ	रऽऽ	ह	त	म	हिं।
३				×				२				०			

आसावरी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प				नि				म	सा						
म	म	प	सां	ध	प	पध	मप	ग	रे	म	म	प	प	प	–
अ	रे	म	न	स	म	ऋऽ	सऽ	म	ऋ	प	ग	ध	रि	ये	ऽ
२				०				३				×			
प				नि	नि	नि						म			
ध	म	प	प	ध	ध	ध	प	ध	म	पध	मप	ग	ग	रे	सा
अ	रे	म	न	इ	स	ज	ग	में	ऽ	नऽ	हींऽ	अ	प	ना	ऽ
२				०				३				×			
				नि		सा		सां				सां		नि	
रे	–	सा	–	सा	सा	गं	–	रें	–	सां	–	रें	रें	ध	प
को	ऽ	ई	ऽ	प	र	छां	ऽ	ई	ऽ	सों	ऽ	ड	रि	ये	ऽ।
२				०				३				×			

अन्तरा.

प	नि नि	ध	
म – प प	ध ध ध –	सां सां सां सां	सां – सां –
दो ऽ ल त	दु नि यां ऽ	कु टु म क	बी ऽ ला ऽ
०	३	×	२
नि		सां सां	नि
ध ध ध –	सां – सां सां	गं गं रें सां	नि सां ध प
इ न सौं ऽ	ने ऽ ह न	क व हु न	क रि ये ऽ
०	३	×	२
नि		म	
प ध नि ध	– प धम प	ग – रे सा	रे रे सा सा
रा ऽ म ना	ऽ म सुऽ ख	धा ऽ म ज	ग त प ति
०	३	×	२
सा	सां	सां नि	
सा सा गं गं	रें – सां सां	रें रें ध प	ध म प सां
सु मि र न	सौं ऽ ज ग	त रि ये ऽ	अ रे म न।
०	३	×	२

आसावरी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प म प	म	म	प नि नि
ध म पध मप	ग ग रे सा	रे म प प	सांसां – ध प
मे री ऽऽ खीऽ	य न के मु	प न गि र	धाऽ ऽ री ऽ
२	०	३	×
प म	नि	प	म म
ध म प प	ध धनि ध प	ध म पध मप	ग – ग –
ए रि स खि	ब लिऽ ब लि	जा ऽ ऽंऽ छऽ	बी ऽ ली ऽ
२	०	३	×

ग रे रे सा सा	नि सा सा सा गं –	रें रें सां सां	नि नि सां रें ध प
छ वि प र	अ ति आ ऽ	नँ द सु ख	का ऽ री ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

म म म प प	नि नि ध – ध ध	ध सां सां सां –	सां – सां सां
प र म उ	दा ऽ र च	तु र चिं ऽ	ता ऽ म णि
०	३	×	२
नि नि ध ध ध ध	सां सां सां सां	सां गं – रें –	नि सां – ध प
द र स प	र म दु ख	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२
पध पधनि ध प	प धम पध मप	म ग ग रे रे	ग रे – सा सा
अऽ तुऽऽ ल सु	भा ऽऽ वऽ तऽ	नि क तु ल	सी ऽ द ल
०	३	×	२
नि सा गं रें रें	गं रें – सां –	सां सां नि रें रें ध प	प ध म मपध मप
मा ऽ न त	से ऽ वा ऽ	भा ऽ री ऽ	मे रि अंऽऽ खीऽ।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म				नि॒	नि॒		प	प				म	सा		
रे	म	प	मप	ध॒	ध॒	प	म	म	प	ध॒म	प	ग॒	रे	ग॒	सा
अ	ब	तो	ऽऽ	सै	ऽ	ली	ग	ले	ऽ	ऽऽ	ऽ	मै	ऽ	ऽ	ली
३				×				२				०			
		सा		म	प	ध॒	प	नि॒				म	सा		
सा	सा	रेनि॒सा	सा	रे	म	प	नि॒	ध॒	प	मपध॒	मप	ग॒	रे	ग॒	सा
पि	या	केऽऽ	भ	ये	ऽ	है	नि	का	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
३				×				२				०			

अन्तरा.

प		नि॒		ध॒								नि॒			
म	प	ध॒	–	सां	–	–	सां	सां	–	–	सां	सां	–	सां	सां
नै	ऽ	ना	ऽ	ने	ऽ	ऽ	क	पा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	दो	ऊ
३				×				२				०			
नि॒						सां						प			
ध॒	–	सां	रें	सांरें	गं	रें	सां	रें	नि॒	ध॒	प	म	प	ध॒म	प
द्	ऽ	स्त	ह	माऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ	नाऽ	ऽ
३				×				२				०			
म	सा			म			प	नि॒				म	सा		
ग॒	रे	ग॒	सा	रे	म	प	नि॒	ध॒	प	मपध॒	मप	ग॒	रे	ग॒	सा
में	ऽ	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ख	ति	हा	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ।
३				×				२				०			

आसावरी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

														प	
														ब	
प				नि								म		म	
ध	म	प	सां	ध	–	प	ध	म	म	प	ध	ग	–	ग	ग
ढै	ऽ	या	ऽ	ला	ऽ	ओ	ला	ऽ	ओ	रे	ऽ	ला	ऽ	ओ	ला
३				×				२				०			
		ग							सां			नि			
–	रे	रे	–	सा	–	सा	सा	सां	सां	रें	रें	ध	ध	प	प
ऽ	ओ	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽज्	सु	घ	र	घ	ड़	प	ल	ना,	ब।
३				×				२				०			

अन्तरा.

प				नि		नि									
म	म	प	प	ध	ध	ध	ध	सां	सां	सां	सां	–	सां	सां	–
र	त	न	ज	त	न	सों	ज	टि	त	हिं	डो	ऽ	ल	ना	ऽ
३				×				२				०			
	गं		गं							सां		नि			
सांरेंगं	रें	–	रें	–	सां	–	सां	सां	–	रें	रें	ध	ध	प	प
भूऽऽ	ला	ऽ	ब	ऽ	त	ऽ	ज	सो	ऽ	म	त	ल	ल	ना,	ब।
३				×				२				०			

आसावरी–रूपक (मध्यलय).

स्थायी.

प								गं		गं					
ध	म	प	ध	सां	–	सां		रें		रें		सां	सां	नि	
हो	ऽ	नं	द	ला	ऽ	ल		अ		ति		हि	र	ध	– प
२		३		×				२				३		सा	ऽ ल
प				नि				म						×	
ध	म	प	नि	ध	–	प		ग				ग		ग	
नि	र	त	त	सं	ऽ	ग		गो	ऽ		–	रे	–	रे	– सा
२		३		×				२				पी	ऽ	ग्वा	ऽ ल।
												३		×	

अन्तरा.

प								सां							
म	प	नि						रें				रें			
		ध	–	सां	सां	–			–	रें	गं			रें	– सां
ए	क	मा	ऽ	धु	री	ऽ		बा	ऽ	ज	त			बी	ऽ न
२		३		×				२		३				×	
सां														नि	
गं	–	रें	गं	रें	–	सां		सां	–	सां	रें			ध	– प
मा	ऽ	धु	रि	बां	ऽ	सु		री	ऽ	क	ठ			ता	ऽ ल।
२		३		×				२		३				×	

आसावरी–त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

														प	
														प	
						म		सा		म			म	नि	
ध॒म	पसां	ध॒प	मपध॒मप			ग॒	–	रे	मा	रे	म	प	–	प	नि॒	ध॒	प
हृऽ	रऽ	वाऽ	ऽऽऽऽऽ			जा	ऽ	ऽ	गो	जा	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
३						×				२				०			
		प				म		सा									
ध॒म	प	,मपध॒	मप			ग॒	–	रे	मा	रे	नि॒	ध॒	प	सा	रे	म	प
ऽऽ	ऽ	,ऽऽऽ	ऽऽ			जा	ऽ	ऽ	गो	ऽ	ऽ	रे	ऽ	चु	र	वा	ऽ
३						×				२				०			
	नि॒											सां		सां			
–	ध॒	–	प			ध॒म	पध॒	सां	–	सां	रें	रें	गं	रें	नि॒	ध॒	प
ऽ	ला	ऽ	गि			ऽऽ	थाऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	धा	ऽ	त,	प।
३						×				२				०			

अन्तरा.

प										नि॒				सां			
म	प	ध॒म	,पध॒			सां	–	सां	सां	ध॒	सां	रें	गं	रें	–	सां	–
इ	त	निऽ	,कऽ			ही	ऽ	सा	री	रै	ऽ	न	ऽ	बी	ऽ	ती	ऽ
३						×				२				०			
सां		सां						नि॒				सां					
गं	–	रें	नि॒			म	प	ध॒	सां	सां	रें	गं	रें	नि॒	ध॒	प	प
चे	ऽ	त	पा			ऽ	छ	ली	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त,	प।
३						×				२				०			

आसावरी—त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

म प प		म प	ध ध
रे म प ,नि	ध – प –	प नि ध प	प प ध म
का ऽ रि ,क	रूं ऽ मैं ऽ	ए क प ल	न मा ऽ ने
३	×	२	०
प म	म म	सा	सा
मपध मप ग –	ग ग – रे	रे सा – सा	रे रे सा –
जिऽऽ यऽ रा ऽ	पि या ऽ बि	न आ ऽ ज	अ ब मैं ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प	प	ध	
म म प –	ध म प ,पध	सां – सां –	सां सां सां सां
दि न तें ऽ	रै ऽ न ,भऽ	ई ऽ रै ऽ	न तें दि न
३	×	२	०
नि	ध	सां सां	नि
ध – ध ध	सां सां सां –	गं गं रें सां	रें सां ध प
रा ऽ ह त	क त हूँ ऽ	उ न के अ	व न की ऽ
३	×	२	०
म सां	नि	ध पप	म सा
प गं रें सां	रें नि ध प	म प मप धध,पमप	ग – रे सा
का ऽ से क	हूं ऽ अ प	ने ऽ ऽऽ जीऽ,याऽऽ	की ऽ, अ ब।
३	×	२	०

आसावरी—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

											,रे
											ऽक
म		सा						म	प		
ग	—	रे	सा	रेंरेंसानि	सा	सा	निसा	रे	म	प	प
ग	ऽ	वा	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	बो	ऽऽ	ल	ही	ऽ	रे
३		४		×		०		२		०	
		प						नि			
मप	प,मप	सां	,निसां	सां	सांनि	रें	सां	ध	—	प	धम
ऽऽ	सो,अऽ	ब	,ऽऽ	मो	रेऽ	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
प	प	पप		म			सा				
म	म	प धध,पमप		ग	—	—	रे	—	ग	सा	,रे
स	गु	ऽ नऽ,बिऽऽ		चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	ऽक
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

				प							
			मप	सां	—	निसां	सां	सां	निसां	सां	—
ऽ	ऽ	ऽ	दुध	भा	ऽ	ऽऽ	त	तो	ऽऽ	हे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि		सां	सां			नि			रे		म
ध	सां,रेंसां	गं	रेंसां	रेंरेंसांनि	सांरें	ध	प	म	म	प	प
जो	ऽ,ऽऽ	लों	ऽखि	लैऽऽऽ	ऽऽ	यां	ऽ	औ	र	ऽ	डा
३		४		×		०		२		०	

नि		नि				म		सा			
ध	सां	ध	प	धधपम	प	ग	—	रे	ग	सा	रे
ऽ	ऽ	रूं	ऽ	गऽऽऽ	ऽ	रे	ऽ	हा	ऽ	र,	ऽक
३		४		×		०		२		०	

आसावरी—झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ग				ग			नि		प	प	प
रे	—	—	सा	रे	—	सासा	ध	—	प धम	म	म	प
बी	ऽ	ऽ	र	बा	ऽ	मन	वा	ऽ	ऽ ऽऽ	स	गु	ऽ
३				×			२			०		
			म				प	प		पप		
मप	धधपमप		ग	रे	—	सा	म	म	प मप	धधपम	प	ग
ऽऽ	नऽविऽऽ		चा ऽ	ऽ	ऽ	रो	क	ब	ऽ ऽऽ	घऽ,ऽऽ	ऽ	र
३				×			२			०		
म					ग		प			म		
ग	—	रे	सा	सा	रे	म	म	प	ध प,मप	ग	रे	सा
आ	ऽ	वे	ऽ	मो	रा	ऽ	पी	ऽ	ऽ मं,ऽऽ	द	ऽ	र
३				×			२			०		

अन्तरा.

ने	निनि	निनि	निनि	नि							म
साध	धध	धध	धध	ध	नि	प	ध	म	प प	पध	प,मप	ग
काऽ	गउ	ड़ाऽ	वत	मो	ऽ	रि	बैं	ऽ	यां थ	कऽ	ग,ऽऽ	ईं
३				×			२			०		

म म म म	ग ग	नि	ग
ग ग ग ग	रे रे सा	ध – सा –	रे – सा
नै ऽ न न	ढ र त	जो ऽ ऽ ऽ	नी ऽ र
३	×	२	०
प नि	ध	सां	गं गं
म प ध ध	सां सां सां	ध सांरें गं –	रें रें सां
त न की वि	था मो रि	का ऽऽ में ऽ	क हूं मैं
३	×	२	०
नि	नि नि	प	म
ध गं रें सां	सां ध प	धम प – पध	ग रे सा
री ऽ अ हे	ल ग त	जोऽ ऽ ऽ ऽऽ	ती ऽ र।
३	×	२	०

आसावरी–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

म	नि	नि नि	म म
रे म प प	ध – ध	ध ध ध म	प प प
रा ऽ ऽ म	जै ऽ जै	म न भा ऽ	ऽ व न
३	×	२	०
नि नि	म सा	म म	नि
ध ध प ध	ग रे सा	रे म प प	ध – प
न मो ना ऽ	रा य ण	ए ऽ क न	के ऽ कि
३	×	२	०
नि ध			
ध – सां सां	रें नि ध	प म ध प	नि ध प
ये ऽ स ब	का ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र।
३	×	२	०

प नि नि नि	ध	नि	
मप ध– धध –ध	सां – –	सां रें सांरेंगं रेंसां	रें – सां
हम ग्वाऽ रनि ऽतु	म ऽ ऽ	ग्वा ऽ ऽऽऽ रगु	सां ऽ ऽ
३	×	२	०
	प म	नि नि नि	ध
रें नि ध प	म प प	ध ध ध –	सां – –
ऽ ऽ ऽ ईं	ज न म	ज न म ऽ	के ऽ ऽ
३	×	२	०
मं	सां	सां	
सां रें गं –	रें सां सां	रें नि सां रें	नि ध प
र ख वा ऽ	ऽ र ह	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र।
३	×	२	०

आसावरी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे म
त न न

		म	
प नि ध प	ध म प ध	ग – रे सा	रे म प प
ना द्रे दा नि	तुं द्रे दा नि	ता ऽ ऽ रे	त दा ऽ नि
०	३	×	२
नि नि	म म		
ध – ध –	ग – ग –	रे रे ग सा	रे नि सा सा
दी ऽ म्दी ऽ	म्तों ऽ म्तों ऽ	म्त दा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२

				नि							सां		नि		
सा	रे	म	प	ध	–	ध	ध	सां	–	–	रें	ध	प	प	प
त	दि	या	ना	रे	ऽ	त	न	दी	ऽ	ऽ	म्त	दा	नि	त	न
०				३				×				२			
								म							
प	ध	नि	ध	प	म	प	ध	ग	–	रे	सा	नि	सा	रे	म
दी	ऽ	ऽ	म्त	दा	नि	त	न	दी	ऽ	म्त	दा	नि,	त	न	न।
०				३				×				२			

अन्तरा.

						नि		नि							
म	म	म	म	प	प	ध	–	ध	सां	–	सां	रें	नि	सां	सां
दे	रे	ना	दे	रे	ना	दी	ऽ	म्त	दा	ऽ	रे	त	न	दे	रे
०				३				×				२			
नि															
ध	ध	–	ध	सां	–	रें	सांसां	रें	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प
त	नु	ऽ	म्त	नो	ऽ	म्तो	ऽम्	दे	रे	ना	त	दा	रे	दा	नि
०				३				×				२			
	प														
प	गं	–	रें	सां	–	रें	नि	निनि	निनि	सां	–	पप	पप	सांसां	सांरें
तक्	ध्डा	ऽ	न्तक्	ध्डा	ऽ	न्धा	ऽ	किड	नग	धा	ऽ	तिट	कत	गदि	गिन
०				३				×				२			
मं															
गं	–	सांसां	सांसां	सांसां	सांसां	रें	नि	निनिनिनि	निनिसांसां			नि	ध	प	म
धा	ऽ	तिट	कत	गदि	गिन	धा	ऽ	तिट	कत	गदि	गिन	धा	,त	न	न।
०				३				×				२			

आसावरी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

											सा
										ऽ	ओ
										२	
		म				म	प				
रे	म	रे	म	प	प	प	मां	नि	ध	प	—
दा	ता	ना	द्रे	ता	ना	त	दी	य	न	रे	ऽ
०		३		४		×		०		२	
ध	प			म							
प	नि	ध	ध	ग	—	मग	मग	रे	रे	सा	सा
त	दी	या	ना	रे	ऽ	त	दि	या	ना	रे	त
०		३		४		×		०		२	
		नि				प			नि		नि
सा	रे	ध	—	प	—	म	प	—	ध	—	ध
ना	द्रे	ना	ऽ	दीं	ऽ	ता	दी	ऽ	म्दी	ऽ	म्त
०		३		४		×		०		२	
		म		म	म	म			सा		
सा	सा	रे	म	ग	ग	ग	ग	रे	रे	सा	सा
ना	ना	ना	ना	त	दि	त	द	रे	दा	नि,	ओ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	—
ओ	दे	ऽ	ता	ऽ	ना	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		ध			सां					
ध	ध	—	सां	—	सां	गं	गं	रें	रें	सां	सां
ता	दी	ऽ	म्दी	ऽ	म्त	त	ना	ता	ना	ना	ना
×		०		२		०		३		४	
सां								म			
रें	सां	नि	ध	प	प	ध	म	रे	म	प	प
त	द	रे	दा	नि,	ओ	दा	ता	ना	द्रे	ता	ना।
×		०		२		०		३		४	

आसावरी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि			प	म	म		ग		
ध	—	प	धम	धप	ग	—	रे	—	सा
ला	ऽ	ल	अऽ	लऽ	सा	ऽ	ने	ऽ	हो
×		२			०		३		
सा					नि		नि		
रे	ग	रे	—	सा	सा	—	ध	—	प
तु	म	रै	ऽ	न	के	ऽ	जा	ऽ	गे
×		२			०		३		
प		नि			ध			ग	
म	प	ध	—	ध	सा	—	रे	रे	सा
नै	ऽ	न	ऽ	उ	नीं	ऽ	दे	अ	ति
×		२			०		३		
सा				ध	म		ग		
नि	ध	प	धम	प	ग	ग	रे	—	सा
र	त	र	ती	ऽ	र	स	पा	ऽ	गे।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प		नि	नि	नि	ध				
म	प	ध	ध	ध	सां	सां	सां	—	सां
अं	ऽ	ज	न	अ	ध	र	भा	ऽ	ल
×		२			०		३		
सां	रें		गं				नि		
रें	गं	रें	रें	सां	सां	सां	ध	—	प
क	व	न	ति	य	अ	नु	रा	ऽ	गे
×		२			०		३		
म							नि		
प	गं	गं	रें	सां	सां	सां	ध	—	प
सां	ऽ	चि	क	हो	ह	र	रं	ऽ	ग
×		२			०		३		
				म	म		ग		
पध	नि	ध	पम	धप	ग	ग	रे	—	सा
काऽ	ऽ	के	मुऽ	खऽ	हं	स	ला	ऽ	गे।
×		२			०		३		

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध		नि	नि		म	म		ग	
प	नि	ध	ध	पम	प	ग	—	ग	रे	—	सा
ब	र	स	त	धऽ	न	सा	ऽ	थ	बूं	ऽ	द
०		३		४		×		०		२	
सा	म		ग					सा			
ग	ग	ग	रे	—	सा	—	सा	रे	म	—	प
स	ज	ल	ज	ऽ	ल	ऽ	त	न	की	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	

	नि		नि			सां			नि		
प	ध	—	ध	सां	—	रें	सां	रें	ध	प	धम
प	त	ऽ	ग	ई	ऽ	मी	त	ल	अं	ऽ	गऽ
०		३		४		×		०		२	
	प	नि	नि								
प	सां	ध	ध								
व	र	स	त								
०		३									

अन्तरा.

				नि	नि	ध					
म	म	प	प	ध	ध	सां	—	सां	सां	सां	सां
नि	र	ख	नि	र	ख	ने	ऽ	त्र	क	म	ल
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध		सां	गं	गं		नि		
ध	ध	ध	सां	सां	गं	रें	रें	सां	ध	—	प
अ	र	स	प	र	स	अ	ति	उ	मं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
						नि					
म	म	प	प	—	प	ध	—	—	सां	सां	सां
प्र	फु	लि	त	ऽ	भ	ये	ऽ	ऽ	री	म	न
×		०		२		०		३		४	
सां		सां					प	नि	नि		म
रें	सां	रें	नि	ध	प,धम	मप	सां	ध	ध	पम	प
अ	ति	उ	मं	ऽ	ग,ऽऽ	वऽ	र	स	त	घऽ	न
×		०		२		०		३		४	

आसावरी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म			म		प	नि					
रे	म	प	प	–	नि	ध	–	–	प	–	धम
अ	ति	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽऽ
०		३		४		×		०		२	
म	म		सा			म			म		
प	ग	–	रे	–	सा	रे	म	–	प	–	–
ज	ग	ऽ	में	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०		३		४		×		०		२	
नि			नि				म		सा		
ध	–	ध	ध	–	प	पध	ग	–	रे	–	सा
रा	ऽ	व	रा	ऽ	जे	वाऽ	हा	ऽ	द्	ऽ	र ।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प			नि		नि	ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	सां	–	सां	–	सां
ना	ऽ	ऽ	म	ऽ	सु	न	त	ऽ	गू	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
नि			ध			सां			नि		
ध	–	–	सां	–	सां	रें	–	सां	ध	–	प
आ	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	धा	ऽ	य	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
म			सां						नि		
प	गं	रें	रें	सां	सां	रें	सां	–	ध	–	प
पा	ऽ	व	त	म	न	इ	छा	ऽ	फ	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

			नि								
म	प	—	ध	सां	—	रें	सां	रें	नि	ध	प
ति	न	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	म		मा								
पध	ग	—	रे	—	मा						
आऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	र						
×		०		२							

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		ग	ग			सा					
ध	म	रे	रे	—	रे	रे	ग	रे	सा	—	सा
नै	ऽ	न	आ	ऽ	ल	सा	ऽ	नें	भा	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि						ध		रे			
सा	—	रे	नि	ध	ध	मा	—	ग	रे	—	सा
ऐ	ऽ	से	आ	ऽ	ज	अं	ऽ	ज	ना	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
						नि				ध	
सा	—	रे	म	प	—	ध	—	प	ध	सां	—
दे	ऽ	ख	म	न	ऽ	मे	ऽ	रो	पि	या	ऽ
×		०		२		०		३		४	

						म	ग		ग		
सांरें	नि	ध	प	धम	पध	ग	रे	—	रे	सा	—
अऽ	ति	ऽ	ही	ऽऽ	अऽ	कु	ला	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प			नि		नि						
म	प	मप	ध	—	ध	सां	—	सां	सां	सां	—
ब	स	ऽऽ	न	ऽ	म	ली	ऽ	न	भ	ये	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि		नि				सां				नि	
ध	—	ध	सां	सां	—	गं	रें	सां	सां	ध	प
अं	ऽ	ज	न	हूँ	ऽ	नै	ऽ	न	ध	रे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म			गं	गं							
प	गं	—	रें	रें	रें	सां	सां	रें	नि	ध	प
भा	ऽ	ऽ	व	र	त	न	सा	ऽ	ज	त	ये
×		०		२		०		३		४	
म		नि			प	म			ग		
प	नि	ध	ध	प	धम	ग	—	रे	रे	सा	—
अं	ऽ	ग	रा	ऽ	गऽ	आ	ऽ	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि			नि			प			नि		
सा	ध	ध	ध	—	प	नि	ध	—	ध	—	प
कौ	ऽ	न	तो	ऽ	हे	मि	ली	ऽ	ना	ऽ	रि
×		०				०		३		४	

ध						म		ग	ग		
प	ध	म	प	प	ध	ग	—	रे	रे	—	सा
जा	ऽ	के	सु	ख	ऽ	को	ऽ	नि	हा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
प	ध					सा					
ध	ग	—	रे	—	रे	रे	ग	रे	सा	—	सा
ज	गे	ऽ	सा	ऽ	रि	गा	ऽ	त	प्या	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि		नि	नि								
सा	—	ध	ध	मा	सा	रे	—	ग	रे	सा	—
ढी	ऽ	ट	न	श	र	मा	ऽ	ऽ	त	है	ऽ
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि		नि	ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
स	ग	ऽ	री	ऽ	नि	म	ट	ऽ	ग	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
नि		नि				गं			नि		
ध	—	ध	सां	—	सां	रें	सां	रें	ध	—	प
जा	ऽ	वो	ये	ऽ	सि	म	ट	ऽ	ग	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
म			गं						नि		
प	प	गं	रें	—	सां	रें	सां	सां	ध	—	प
क	हे	ऽ	ह	ऽ	रि	ब	ल्ल	भ	ये	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म						म			ग		
प	नि	ध	प	ध	मप	ग	–	रे	रे	सा	–
खं	ऽ	डि	ता	ऽ	कह	ला	ऽ	ऽ	त	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आसावरी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											सा
											रे
											ऽ आ
											०
				नि			नि				
म	प	–	नि	ध	–	–	ध	–	प	ध	म
ऽ	यो	ऽ	रे	जी	ऽ	ऽ	त	ऽ	ही	ऽ	रा
३		४		×		०		२		०	
				नि			नि				म
–	प	–	नि	ध	–	प	ध	–	प	ध	ग
ऽ	जा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	म	चं	ऽ	द्र	ऽ	लं
३		४		×		०		२		०	
	सा			म			सा				म
–	रे	–	सा	ग	–	–	रे	–	सा	–	रे
ऽ	का	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ग	ऽ	र	ऽ, आ।	
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

प			नि			ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	सां	–	सां	–	सां
जि	त	ऽ	ती	ऽ	त	सु	नी	ऽ	य	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	

नि	नि		ध		सां				नि	नि	
ध	ध	—	सां	—	गं	रें	—	सां	सां	ध	प
च	हूं	ऽ	दे	ऽ	स	बा	ऽ	जे	ब	ज	त
×		०		२		०		३		४	
प			नि			प			नि		
म	प	नि	ध	—	प	रें	रें	सां	ध	—	प
रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त	अ	नं	द	भ	ऽ	यो
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध	ग	—	रे	—	सा	—	रे				
घ	र	ऽ	घ	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

संचारी.

प						नि	नि		नि		
म	म	—	प	—	प	ध	ध	—	ध	प	—
ज	ब	ऽ	को	ऽ	प	कि	ये	ऽ	च	ढे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध				नि		नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	सांरें	ध	—	ध	—	प
ह	नू	ऽ	मा	ऽ	न	अऽ	ग	ऽ	वा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
प			म			म			सा		
ध	म	प	प	—	ध	ग	—	—	रे	—	सा
क	र	जो	धा	ऽ	ये	लं	ऽ	ऽ	के	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

						प	नि		नि		
म	–	प	प	–	–	सां	ध	–	ध	–	प
कां	ऽ	पि	यो	ऽ	ऽ	थ	र	ऽ	थ	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि		नि	ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	–	सां	सां	–	सां
रा	ऽ	ऽ	व	ऽ	न	मा	ऽ	र	धा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	–	सां	–	सां	रें	मां	–	ध	–	प
लि	यो	ऽ	दे	ऽ	म	दि	यो	ऽ	जी	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म	प			सां					नि		
प	गं	–	रें	रें	सां	रें	–	सां	ध	–	प
वि	भी	ऽ	ष	न	को	ला	ऽ	यो	सी	ऽ	ता
×		०		२		०		३		४	
प	म		सा				म				
ध	ग	–	रे	–	सा	–	रे				
र	घू	ऽ	व	ऽ	र	ऽ,	आ				
×		०		२		०					

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											प
											म
											अ
		नि		म			सा				प
प	सां	ध	पध	प	ग	—	रे	म	प	प	म
ति	ऽ	अ	लऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	री
३		४		×		०		२		०	
	नि			प					म		प
प	ध	—	प	ध	म	—	प	—	प	पध	ग
ऽ	आ	ऽ	ली	झ	प	ऽ	क	ऽ	च	लऽ	न
३		४		×		०		२		०	
	सा			म			म	सा			प
—	रे	ग	सा	ग	—	ग	ग	रे	सा	निसा	म
ऽ	ग	ऽ	ति	मं	ऽ	द	च	ल	न	ऽऽ,	अ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

			नि			ध					
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
मो	ह	ऽ	ना	ऽ	सों	मि	ल	ऽ	आ	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध						नि		
ध	ध	—	सां	—	सां	रें	—	सां	ध	—	प
त	ब	ऽ	हीं	ऽ	म	जा	ऽ	न	पा	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	

प	प		सां			सां		नि			
मप	गं	—	रें	—	सां	रें	सां	ध	सां	—	सां
चऽ	तु	ऽ	रा	ऽ	ई	क	र	न	ला	ऽ	गि
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध				प				
सां	ध	ध	नि	ध	प	धम	म				
च	तु	र	त	र	न	ऽऽ	अ				
×		०		२		०					

संचारी

प						नि			नि		
म	—	प	प	—	मप	ध	—	—	ध	—	प
ग्रे	ऽ	म	की	ऽ	ऽऽ	चो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
						नि	नि		नि		
ध	म	—	प	—	नि	ध	ध	—	ध	प	—
क	र	ऽ	त	ऽ	री	स	ज	ऽ	ऽ	नी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध						म	म		सा		
प	—	ध	म	—	प	ग	ग	—	रे	—	सा
कै	ऽ	ऽ	से	ऽ	दु	र	त	ऽ	ते	ऽ	री
×		०		२		०		३		४	
नि			प			प	नि		नि		
सा	रे	म	म	प	प	नि	ध	—	ध	—	प
सों	ऽ	ऽ	धें	ऽ	की	ह	र	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प			नि			ध					
म	प	–	ध	–	ध	सां	–	सां	सां	सां	–
धी	ऽ	ऽ	र	ऽ	ज	के	ऽ	प्र	भु	सों	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		ध		सां						
ध	ध	–	सां	–	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प
रि	त	ऽ	मा	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई
×		०		२		०		३		४	
म			सां								
प	गं	रें	रें	सां	सां	रें	नि	ध	सां	सां	–
को	ऽ	टि	का	ऽ	म	ला	ऽ	ऽ	ऽ	जे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध				प				
सां	ध	ध	नि	ध	प	धम	म				
चँ	व	र	ढु	र	न	ऽऽ	अ				
×		०		२		०					

आसावरी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

											सा			
											रे	म	–	
											आ	ऽ	ऽ	
											०			
				नि			नि							
प	–	प	–	ध	–	–	ध	ध	प	–	ध	म	–	
ई	ऽ	है	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ल	न	के	ऽ	फा	ऽ	ऽ	
३				×					२		०			

				म								सा	नि		
प	–	–	ध	ग	–	–	रे	–	सा	–		रे	ध	–	
ग	ऽ	ऽ	ल	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सों	ऽ		ह	म	ऽ	
३				×					२			०			
				ग			ग					सा			
सा	–	–	रे	रे	–	–	रे	–	सा	–		रे	म	–	
सों	ऽ	ऽ	छि	पा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ		क	हा	ऽ	
३				×					२			०			
				म			ग					सा			
प	–	ध	ध	ग	–	–	रे	–	सा	–		रे	म	–	
ऽ	ऽ	जि	य	ठा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ		आ	ऽ	ऽ।	
३				×					२			०			

अन्तरा.

प			नि						ध						
म	प	–	ध	–	–		ध		सां	–	सां	सां	–	सां	–
हों	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ऽ		ति		हा	ऽ	रि	प्या	ऽ	री	ऽ
×					२				०			३			
सां												नि			
रें	रें	गं	रें	रें	सां		–		–	रें	सां	ध	–	प	–
स	खी	ऽ	हि	त	जा		ऽ		ऽ	न	त	है	ऽ	ऽ	ऽ
×					२				०			३			
म												नि			
प	गं	–	रें	–	–		रें		गं	रें	सां	ध	–	प	ध
ते	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ		न		न	द	ऽ	जे	ऽ	ऽ	ऽ
×					२				०			३			
म									सा						
ग	–	–	रे	–	सा		–		रे	म	–				
ठा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी		ऽ		आ	ऽ	ऽ				
×					२				०						

आसावरी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा							नि			नि				
रे	म	–	प	–	–	–	ध	–	–	ध	–	प	–	
आ	ऽ	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ऽ	ऽ	गु	ऽ	न	ऽ	
०			३				×					२		
							म							
ध	म	–	प	–	–	ध	ग	–	–	रे	–	सा	–	
मा	ऽ	ऽ	स	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	
०			३				×					२		
सा							प	म						
रे	नि़	ध़	सा	सा	रे	सा	ध	ग	–	रे	–	सा	–	
ले	ऽ	ऽ	च	ल	उ	न	ही	पा	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ।	
०			३				×					२		

अन्तरा.

			नि		नि									
प	–	–	ध	–	ध	ध	सां	सां	–	सां	–	सां	सां	
वै	ऽ	ऽ	ठा	ऽ	कु	र	अ	ज	ऽ	हूँ	ऽ	न	हिं	
×					२		०			३				
										नि				
रें	–	गं	रें	–	सां	–	रें	सां	–	ध	–	ध	नि	
आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	टू	ऽ	ट	न	ऽ	ला	ऽ	गी	ऽ	
×					२		०			३				
			ग											
ध	म	ग	रे	–	सा	–	रे	म	–					
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	आ	ऽ	ऽ					
×					२		०							

राग भैरवी.

आभांत्यस्यां रिगमधनयः कोमला मोऽत्रवादी ।
सः संवादी क्वचिदपि धगौ वादिसंवादिनौ च ॥
प्रातर्गेया सुरुचिरतरा स्वैरिणी सर्वगम्या ।
संपूर्णा सा जनयति सुखं भैरवी रागिणीयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र मध्यः स्वरो वादी संवादी षड्ज ईरितः ।
स्वैरिणी गीयते प्रातर्भैरवी सर्वकोमला ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सब कोमल सुर भैरवी संपूरन सुर होइ ।
मस वादी सम्वादि है सब जो चाहै कोइ ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ गमौ पधौ निश्च सनिधपा मगौ रिसौ ।
संपूर्णा भैरवी प्रोक्ता धैवतांशा प्रभातगा ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"भैरवी"—यह राग भैरवी थाट से उत्पन्न होता है । इसमें मध्यम शुद्ध (कोमल) तथा शेष स्वर भी कोमल लगते हैं, यह राग सम्पूर्ण है। वादी स्वर मध्यम और सम्वादी षड्ज है। कोई-कोई गुणीजन धैवत वादी व गान्धार सम्वादी मानते हैं। इन दोनों मतों के गीत प्रचार में दिखाई पड़ते हैं। इस राग के गाने का समय प्रातःकाल माना जाता है, कोई-कोई इसे सर्वकालिक (प्रत्येक समय का) मानते हैं। प्रायः इसके आरोह में अनेक बार तीव्र रिषभ का प्रयोग किया हुआ दिखाई पड़ता है किन्तु यह इस राग का नियमित स्वर नहीं है, यह ध्यान अवश्य रखना चाहिये। प्राचीन ग्रन्थों में भैरवी में तीव्र रिषभ लेने का उल्लेख मिलता है, जिसका प्रचार दक्षिण में आज भी है। यह राग अति लोकप्रिय है और बहुत से गायकों को आता है। इस राग में ख्याल बहुत कम गाये जाते हैं; ग़ज़ल, ठुमरी, टप्पा आदि गीत ही अधिकतर दिखाई देते हैं। इस राग की विशेषता और सुन्दरता सा, ग॒, प, ध॒ इन स्वरों पर निर्भर है । मध्यम को प्रधानता (वादित्व) देने वाले गायक, मध्यम का ठीक-ठिकाने अधिक प्रयोग करके गन्धार का महत्व घटा देते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे॒ ग॒ म, प ध॒, नि॒ सां। सां, नि॒ ध॒ प, मग॒, रे॒ सा।

पकड़ः—

म, ग॒, सा रे॒ सा, ध॒ नि॒ सा।

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ग रे सा	नि़ सा ध ऽ	नि ध ऽ ग	म ध म प
०	३	×	२
ग म ग रे	सा नि़ ध़ ऽ	म़ ध़ नि़ ग	ऽ म ध ऽ
०	३	×	२
नि सां ऽ रें	सां नि ध म	प नि ध प	म ग रे सा।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि नि ध नि	ध प म ग	म ध नि सां	ध नि सां ऽ
०	३	×	२
गं मं गं रें	सां नि ध नि	गं ऽ सां ऽ	रें नि सां ऽ
०	३	×	२
ध ऽ नि म	ऽ ध ग ऽ	म नि ध प	म ग रे सा।
०	३	×	२

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			रे म – भै ऽ
म रे ग – रे	सा – नि़ ध़ नि़	सा रे सा –	– – – –
र वी ऽ क	ही ऽ म न	मा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

ध़ नि़ – नि़ नि़	नि़ नि़ ध़ नि़	मा मा रे नि़	सा – सा सा
को ऽ म ल	स ब सु र	क र गु नि	गा ऽ व त
०	३	×	२
सा सा सा ध ध	प प पध नि	नि ध – प म	म ग – म –
प्र थ म प	ह र कीऽ ऽ	रा ऽ नी ऽ	हो ऽ, भै ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

नि ध – ध ध	ध म ध नि	मां मां मां मां	मां – मां –
म ऽ ध्य म	वा ऽ दी ऽ	सु र म म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
सां नि – नि –	सां सां सां –	गंगं रेंसां रें –	नि नि सां – ध प
भ ऽ क्ती ऽ	र स की ऽ	खाऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सा सा ध ध	प – प प	ध प ध नि	नि ध पम रे ग
स ब को इ	गा ऽ व त	स ब को रि	झा ऽऽ व त
०	३	×	२
रे प ग – ध ध	प – ध सांनि	म ध मप ग –	प – ध पम
भै ऽ र वि	शा ऽ स्त्र प्रऽ	मा ऽऽ नी ऽ	हो ऽ, भै ऽऽ।
०	३	×	२

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध़ – नि़	सा – रे सा	रे ग रे ग म	रे ग रे सा
ऽ जा ऽ य	तू ऽ म न	गु रु च र	न श र न
३	×	२	०
(सा ध प ध)	– पम म रे ग	रे सा – रे म	ग रे ग रे सा
ए ऽ क भा	ऽ वऽ ध र	अं ऽ त र	मों ऽ घ न।
३	×	२	०

अन्तरा.

नि ध म ध नि	सां रें सां सां	सां नि – सां सां	सां नि नि रें सां ध प
जो इ जा ऽ	व त ज न	स ऽ दृगु रु	के श र न
३	×	२	०
प – प	ध पम म प	म रे ग सारे म	ग रे ग रे सा
ऽ वा ऽ को	ह ऽ त च	तु र भऽ व	बं ऽ ध न।
३	×	२	०

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि़ सा ग म	(ध) – ध प	– ध प प	म प म ध
कै सी ये म	ला ऽ ई रे	ऽ क न्हा इ	प नि यां भ
३	×	–	

म प म ग रे	म ग प ध नि	म ध प ग म	रे ग रे सा सा
र त मो रि	ग ग रि गि	रा इ क र	के ल ग इ ।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध म ध नि	सां – सां नि	सांरें गं रें गं	रें गं सां रें सां सां
म न द क	हे ऽ ऐ सो	ढीऽ ऽ ट भ	यो क न्हा इ
०	३	×	२
प ध – ध ध	प म प ग ग रे	ग प ध नि	म ध प ग म
का ऽ क रुं	मा इ न हिं	मा न त क	न्हा इ क र
०	३	×	२
रे ग रे सा सा			
त ल रा इ			
०			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			नि़ सा नि़
			अ त
ग सा रे ग म	रे (ग) – सा	म रे ग – रे	सा – – रे
सां डे ना ले	ग लां ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ ऽ आ
२	०	३	×

मा ध़ (नि) – नि़	सा – सा रे	(ग) सा ग रे	सा – सा रे
ऽ मो ऽ द	दे ऽ ले बे	चे र ऽ दि	या ऽ सु न
२	०	३	×
नि़ मा – रे	ग म – ग	म (रे) ग – रे	सा – सा नि़
मि या ऽ मि	यां बे ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ, अ त।
२	०	३	×

अन्तरा.

			ध ध
			इ श्क
म (नि) ध – म	ध नि सां नि	सां – सां (गं) रें	सां (नि) ध प (म) ग
दि सा ऽ र	न हिं जा ने	दे ऽ मि यां	इ ना ऽ य
×	२	०	३
म – नि –	प ध म प	रे (म) ग – सा	रे (म) ग – रे
त ऽ जा ऽ	प्या रे ते रे	भ ला ऽ क	र के ऽ च
×	२	०	३
मा – सा नि़			
ला ऽ, अ त			
×			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

															प
															तो
				म				म							
ध	प	-	ध	प	-	-	म	ग	-	प	म	ध	-	प	म
री	ब	ऽ	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
३				×				२				०			
	रे									म					
	ग	-	रे	सा	-	-	-	सा	रे	ग	-	रे	सा	-	प
ऽ	ढो	ऽ	ला	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ,	तो
३				×				२				०			

अन्तरा.

															प
															ध
															इ
										गं					सां
म	ध	-	नि	सां	-	-	-	-	-	रें	-	सां	-	-	नि
रक	दी	ऽ	सां	ढे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
३				×				२				०			
				गं								नि		म	
नि	सां	-	सां	रें	-	-	-	सां	-	रेंनि	सां	ध	-	प	सा
नी	त	ऽ	न	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हींऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	वा
६				×				२				०			

	नि म	म	
ध प – प	ध – प –	ग – – म	प – – म
ऽ य ऽ क	ले ऽ जे ऽ	का ऽ ऽ रि	रे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
रे			
ग – रे	सा – – –		
ऽ ढो ऽ ला	या ऽ ऽ ऽ		
३	×		

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			सा
			रे म
			ए जि
म म सा			
रे ग – रे	रे सा रे नि़	सा – सा –	– – पध मप
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ पऽ जिऽ
०	३	×	२
म म ग			
रे ग – रे	रे सा रे नि़	सा – सा –	– – – नि़
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ ऽ मैं
०	३	×	२
सा			
नि़ – नि़ नि़	नि़ नि़ ध़ प़	ध़ – प़ –	म़ – – –
दौ ऽ रि झ	प ट प र	हूँ ऽ पैं ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

सा नि़ – नि़ नि़	नि़ नि़ – ध़ नि़	सा – सा –	– – सा म
डा ऽ रि फि	रूं ऽ ग र	बैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि
०	३	×	२

अन्तरा.

प ध – म ध	– ध नि नि	सां – सां सां	सां – सां –
अं ऽ ध का	ऽ र जि न	ठा ऽ ड़ो गु	सै ऽ यां ऽ
०	३	×	२
सां नि नि नि नि	सां – सां सां	गंगं रेंसां रें सां	नि ध – प –
ग ह प क	रो ऽ मो रि	बैंऽ ऽऽ ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सा सा ध ध	प – प –	प – ध सांनि	नि ध प (ग) –
मु रा ऽ द	ली ऽ की ऽ	ला ऽ ज तुऽ	म्हीं ऽ को ऽ
०	३	×	२
म ग – प –	प प ध प	प म – म –	म प म
रा ऽ खो ऽ	सं ग इ क	ठैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि।
०	३	×	२
म म रे ग – रे	रे सा रे नि़		
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये		
०	३		

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

	सा	–	रे	ग	–	(प)म	–	(ग)रे	–	–	सा	–	–	–	रे
ऽ	रा	ऽ	व	रे	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
नि़	सा	–	(सा)रे	सा	(नि़)ध़	–	नि़	सा	–	–	नि़	सारे	गम	–	रे
ऽ	ऽ	ऽ	म	न	मे	ऽ	रो	ली	ऽ	ऽ	नो	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
ग	सा	–	रे												
ऽ	रा	ऽ	व												
०															

अन्तरा.

(प)ध	प	(म)ग	म	(नि)ध	–	नि	नि	सां	–	नि	–	(सां)गं	गं	गं	(नि)ध
अ	चा	न	क	जा	ऽ	नि	क	सी	ऽ	हों	ऽ	सु	झ	क	झि
३				×				२				०			
ध	ध	–	ध	पध	निध	प	(म)ग	–	म	(ग)रे	–	(ग)ग	सा	–	रे
झ	क	ऽ	उ	ठीऽ	ऽऽ	अ	जा	ऽ	न	जा	ऽ	न,	रा	ऽ	व।
३				×				२				०			

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	नि	म ग	ग
नि़ सा ग म	ध – प –	ग – प म	रे – सा –
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	लो ऽ अ नि	या ऽ रे ऽ
३	×	२	०
सा	नि		प ध
नि़ सा ग म	ध – प –	ध ध प प	ध नि ध प
अ ब तो रि	बां ऽ की ऽ	चि त व न	मे रो म न
३	×	२	०
म	नि म		
म प ग म	ध – प ग	– ग प म	ग रे सा रे
ब म की नो	प्या ऽ रि प्या	ऽ रि ब ति	यां कर के।
३	×	२	०

अन्तरा.

प		सां	नि
ध म ध नि	सां – रें सां	नि नि सां सां	रें नि सां ध प
स न द क	हे ऽ मो रा	जी रा न हिं	मा ऽऽ ने ऽ
३	×	२	०
प——गं	नि	म ग	
गं – – रें	सां ध – प	ग ग प म	ग रे सा रे
डा ऽ ऽ दी	नो मो ऽ पै	जा दु सा क	छु क र के।
३	×	२	०

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			सा,सारे
			स,खीऽ
रे			सा
म – पध प	म – रे रे	सा रे सा –	रे नि़ – सा,सारे
आ ऽ जऽ अ	मा ऽ द भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स,खीऽ
०	३	×	२
रे	ग		
म – – पधपम	म – – रेरे	सा रेनि़ सा –	– – सा सा
आ ऽ ऽ जऽअऽ	मा ऽ ऽ दभ	ई ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ स खी
०	३	×	२
नि़		म ग	
सा ध प प	प ध,निध प म	प गम रे सा	रे नि़ – सारे
सा ऽ ज न	आ ऽ,ऽऽ प त	जी ऽऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ सखी।
०	३	×	२

अन्तरा.

सा			म
ग – ग ग	ग ग – गग	म म म म	पग म म –
चा ऽ दु व	च न ऽ कछु	श्र व न न	कीऽ ऽ ने ऽ
०	३	×	२
सा	ग	रे	
ग – ग ग	म – म म	गग मप धनि धप	मग रेसा रेनि़ सा–
अ ऽ पिं त	हा ऽ र त	जीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ लाऽ
०	३	×	२

नि सा – ध ध	प – प प	प – ध ध	पम प म –
बो ऽ ध म	खी ऽ ज न	के ऽ अ ब	माऽ ऽ ने ऽ
०	३	×	२
नि सा सा – ध –	पध निध प म	प म रे सा	रे नि – सा,सारे
प ऽ च्छा ऽ	ताऽ ऽऽ प भ	ई ऽ ला ऽ	ऽऽऽ म,खीऽ।
०	३	×	२

अन्तरा. २ रा.

प ध ध ध ध	ध म – धनि	सां सां – सां	गं रें रें सां सां
च र न न	ते ऽ ऽ गिर	प र्यो ऽ च	तु र म खि
०	३	×	२
सां नि नि सां सां	सां – – रेंगं	रें गंगं रेंसां निसां –	नि ध – प –
त ब हुँ न	हा ऽ ऽ थग	हीऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ला ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
नि सा सा सा ध –	प प प –	प नि ध ध सां ध	– पम म –
क ल हा ऽ	न्त ता ऽ	क ह त ना	ऽ थिऽ का ऽ
०	३	×	२
नि सा सा सा ध –	पध निध प मप	म – रे सा	रे नि – सा,सारे
जि या में ऽ	दाऽ ऽऽ ग ऽर	ही ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ म,खीऽ।
०	३	×	२

भैरवी–पंजाबी त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां	नि म सा	म ग	
प -ध नि	ध पम ग रे	सारे ग सा रे	मा – – मा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	यर छू टो ऽ	जा ऽ ऽ य
२	०	३	×
	म सा		
प -ध नि	ध पम ग रे	मा सारे ग सारे	मा – – मा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू ऽटो	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

अन्तरा.

ध म धनि	मां रें सां मां	निनि सां सां	गंगंरेंसां रें.निसां(ध) प
ऽ बा ऽ एक	हा र मि ल	ऽ हुलि यां ऽम	गाऽऽऽ ऽऽऽ बो ऽ
२	०	३	×
सा		ध प	नि म म
सा मा ध -ध	प – प –	प – ध मां	ध प ग –
अ प ना ऽवि	मा ऽ ना ऽ	छू ऽ टो ऽ	जा ऽ ये ऽ।
२	०	३	×
	म सा		
प -ध नि	ध पम ग रे	सा सारे ग सारे	मा – – मा
ऽ बा ऽबु ल	मो ऽऽ रा नै	य रऽ छू टोऽ	जा ऽ ऽ य।
२	०	३	×

भैरवी–त्रिताल पंजाबी (विलंबित).

स्थायी.

			सा ~~बि~~
नि़ सा ध प ,–प	प म ध धप (ग) प ध,पम	रे ग ग रे –सा रेनि़	सा – – –सा
ना ऽ रे ,ऽखि २	वैऽ या नै या,ऽऽ ०	कै मे ऽला ऽगे ३	पा ऽ ऽ ऽबि ×
नि़ सा ध प धसां	निम ध धप(ग) प मपधनिधपम	रे ग ग रे –सा रेनि़	सा – – –सा
ना ऽ रे ऽखि २	वैऽ या नै याऽऽऽऽऽऽऽ ०	कै मे ऽला ऽगे ३	पा ऽ ऽ ऽबि। ×

अन्तरा.

सा सा सा सारे	ग ग म –	रे ग ग – म म	धधमम गम रे सा
न दि या ऽऽ ×	ग ह री ऽ २	ना ऽ व पु ०	राऽऽऽ ऽऽ नी ऽ ३
नि़ सा सा ध –ध	प प ध सां	नि़ ध ध,पम (ग) प ध,पम	रे ग रे सारे नि़
मौ ला ऽ ऽल ×	गा वे बे ड़ा २	पा,ऽऽ र नै या,ऽऽ ०	कै मे लाऽ गे ३
सा – – –सा ~~पा ऽ ऽ ऽबि~~ ×			

भैरवी–पंजाबी (विलम्बित).

स्थायी.

सा सारे पम	म ग गम रे सारे ,सानि	सा – – ,प	पप ध,पम रे सा ग रेनि
ऽ ना ऽऽ हिंप	रऽ त ऽऽ ,मैंका	चैं ऽ ऽ ,न्सां	वरि या,ऽऽऽ ऽऽ।
०	३	×	२
,सा – सारे पम			
ऽना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

अन्तरा.

सा सा सा –रे	ग – म –	म ग – म –म	गगमप धनिधप मगरेसा रेनिसा
द् र स ऽपि	या ऽ को ऽ	वे ऽ गि ऽदि	खाऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽवो
०	३	×	२
नि सां ध प प	प – – प धसां	नि म म ध प ग ,प	पप पधनिसां निधपम गरेसा–
मा ऽ न त	नाऽऽ दिन	रै ऽ न ऽसां	वरि याऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ।
०	३	×	२
सा – सारे पम			
ना ऽ ऽऽ हिंप			
०			

भैरवी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

															ध
															त
म	प	ग	म	प	ध	नि	प	–	ध	प	म	प	–	–	ध
न	न	दिर	दिर	ता	ऽ	ऽ	नो	ऽ	म्त	दे	ऽ	नो	ऽ	ऽ	त
३				×				२				०			
														म	
म	प	ग	म	प	ध	निध	प	–	ध	प	म	प	–	ग	म
न	न	दिर	दिर	ता	ऽ	ऽऽ	नो	ऽ	म्त	दे	ऽ	नो	ऽ	त	न
३				×				२				०			
					म				म						
प	ध	नि	प	–	ग	–	म	प	ग	–	म	ग	रे	सा	सा
दे	रे	ना	दि	ऽ	म्दी	ऽ	म्त	त	दी	ऽ	म्त	न	दे	रे	ना
३				×				२				०			
सा					म				नि						
नि	सा	ग	म	प	ग	–	प	–	ध	–	नि	सां	सां	–	नि
ता	ना	दे	रे	ना	दे	ऽ	नो	ऽ	दी	ऽ	म्त	त	दी	ऽ	म्त
३				×				२				०			
									म				म		
सां	रें	गं	मं	प	–	ध	प	–	ग	–	म	प	ग	–	म
न	दे	रे	ना	दी	ऽ	म्त	दी	ऽ	तो	ऽ	म्त	त	दा	ऽ	रे
३				×				२				०			
ग	रे	सा	सा	प	ध	निध	प	–	ध	प	म	प	–	–	ध
त	द्रे	दा	नि	ता	ऽ	ऽऽ	नो	ऽ	म्त	दे	ऽ	नो	ऽ	ऽ	त।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ग	म	म	नि ध	–	नि	सां	सां	सां	सां	–	सां
ना	दिर	दिर	दा	ऽ	नि	तुं	दिर	दिर	दा	ऽ	नि
३				×				२			
सां	रें	गं	मं	पं	मं	–	धं	पं	–	गं	–
ता	ना	दे	रे	ना	दी	ऽ	म्त	दी	ऽ	म्ता	ऽ
३				×				२			
सां	नि	सां	प	–	ध	–	प	–	म ग	–	म
दे	रे	ना	दी	ऽ	म्ता	ऽ	दी	ऽ	म्तो	ऽ	म्त
३				×				२			
ग	रे	सा	सा	प	ध	निध	प	–	ध	प	म
ता	द्रे	दा	नि	ता	ऽ	ऽऽ	नो	ऽ	म्त	दे	ऽ
				×				२			

सां	रें	गं	मं	प	म ग	–	म	प	म ग	–	म
ता	ना	दे	रे	ऽ	नो	ऽ	म्त	ऽ	त	दा	ऽ
				०							
सां	रें	गं	मं	–	गं	रें					
ता	ना	दे	रे	ऽ	नो	ऽ	म्त	न			
				०							
सां	रें	गं	मं	–	गं	रें					
ता	ना	दे	रे	ऽ	नो	ऽ	म्त	न			
				०							
प	ग	–	म	प	ग	–	म				
रे	ता	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ				
				०							
प	–	–	ध								
नो	ऽ	ऽ	त।								
				०							

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

											रे
											त
नि़	सा	ग	म	ध प	नि	ध	प	म ग	ग	म	ग रे
दा	नि	दा	नि	तो	ऽ	म्त	न	न	न	दे	रे
३				×				२			

–	सा	–	सा								
ऽ	नो	ऽ	त								
				०							

सा नि़ नि़ सारे ग	सारे गरे सा नि़ध़	प़ – प़ सां	नि सां ध नि
न न नऽ ऽ	देऽ ऽऽ रे ना	ऽ ऽ ओ दा	नि दा नि त
३	×	२	०
म ध प ग म	ध प नि ध प	म ग ग म	ग रे – सा – रे
दा नि दा नि	तो ऽ म्त न	न न दे रे	ऽ ना ऽ, त।
३	×	२	०

अन्तरा.

प ध ध ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	रें नि सां सां
ओ द त न	ओ द त न	नि त त न	नि त त न
×	२	०	३
सां गं – रें	रें – गं रें सां	सां नि सां – नि ध	– नि ध प
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३
म ग प – प	ध नि ध प	म ग ग म	ग रे – सा सा सा
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त न न	त न दे रे	ऽ ना त न
×	२	०	३
नि़ नि़नि़ साधा सासा	ग गग मम मम	धध धध निनि निनि	सांसां सांसां सांसां सांसां
ना दिर दिर दिर	तुं दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर
×	२	०	३

सांसां गंगं रेंरें सांसां	निनि रेंरें सांसां निनि	धध निनि धध पप	म गग गग रे सा
दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दा नि
×	२	०	३
नि़ नि़नि़ सा सा	गग गग म –	ध –ध नि –	सांसां सां मं मं
धीं तृक धी ना	नक तिक धा ऽ	कडा ऽन धा ऽ	किड धा ऽ न्धा
×	२	०	३
गं रें सां नि ध	म – ग –ग म	ग रे – सा रे	
क त्ती ना कडा	ऽ न्ता ऽड् ता	धा ऽ ऽ, त	
×	२	०	

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध प ध	म प ग म	नि ध – म ग	– ग म प
ऽ त न न	त न ना दिर	त नो ऽ म्दी	ऽ म्त न न
०	३	×	२
रे – सा रे	सा नि़ ध़ नि़	सा ग – म	नि ध – नि सां
दी ऽ म्त न	दे रे त न	दिर तो ऽ म्त	दी ऽ म्त दि
०	३	×	२
गं गं रें सां	नि ध प म	ग म नि ध	प म ग रे
या ना रे त	दा नि ना द्रे	तुं द्रे त न	न ता रे दा
०	३	×	२
सा ध प ध			
नि, त न न			
०			

अन्तरा.

म सा ग – म	नि ध –ध म ध	नि सां – रें	सां नि ध नि
त नो ऽ म्त	नो ऽम् ओ दा	ना दी ऽ म्नि	त न न न
×	२	०	३
सां – गं गं	रें सां नि सां	गं मं पं मं गं	– मं गं रें
दी ऽ म्त न	दे रे त दि	या ना रे दी	ऽ म्त न न
×	२	०	३
सां नि ध –	नि (रें) – नि	(ध) – नि ध	नि ध प म
त न दी ऽ	म्त दी ऽ म्त	दी ऽ म्त न	दे रे ना त
×	२	०	१
ग म नि ध	प म ग रे	सा ध प ध	
दा नि त न	न ता रे दा	नी, त न न	
×	२	०	

भैरवी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			पप धध दिर दिर
नि ध नि ध	म प ग – रे	सा – ग –	नि म – ध –
त न न त	न दी ऽ म्त	ना ऽ दी ऽ	म्तो ऽ म्ता ऽ
०	३	×	२

नि ध नि सां	– ग – म	म ग म ध –	म – ध –ध
न्न दे रे ना	ऽ ता ऽ न्न	दे रे ना ऽ	दी ऽ म्तो ऽम
०	३	×	२
म धध मम ध	– नि सां –	नि ध ध प	म ग म पप धध
ना दिर दिर दा	ऽ नि ता ऽ	रे त द रे	दा नि, दिर दिर।
०	३	×	२

अन्तरा.

निनि निनि ध पप	धध ध मम पप	म ग म ध –	– सां – गं
दिर दिर ना दिर	दिर तुं दिर दिर	त न दी ऽ	ऽ म्ता ऽ रे
×	२	०	३
गं रें – सां –	नि नि सां सां	नि ध ध नि ध	म – प ग –ग
दा ऽ न्नी ऽ	न न तुं द्रे	त द रे दा	ऽ न्नि दी ऽम
×	२	०	३
म म ग रे	म सा – ग म	नि – म ध –	नि – सां –
त न द रे	ना ऽ त द्रे	ऽ न्ना दी ऽ	म्तो ऽ म्ता ऽ
×	२	०	३
नि ध ध प	म ग म पप धध		
रे त द रे	दा नि, दिर दिर		
×	२		

भैरवी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

							सा	–	सा
							शा	ऽ	र
							३		
सा									
ध	–	–	–	–	प	–	प	–	ध
दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
म		म					सा		
प	–	ग	–	रे	सा	–	नि	–	–
दा	ऽ	नि	ऽ	द	या	ऽ	नी	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
					म		ग		
प	ध	प	म	प	रे	ग	सा	रे	सा
ज	ग	ज	न	नि	दु	ख	ह	र	नि
×		२			०		३		
ग					ग				
रे	–	रे	–	म	रे	–	सा	–	सा
ज्वा	ऽ	ला	ऽ	मु	खी	ऽ	मा	ऽ	त
×		२			०		३		
सा				म			ध		
नि	सा	ग	म	नि	ध	–	सा	–	सा
स	ऽ	र	ऽ	स्व	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प									
ध	म	ध	—	नि	सां	—	सां	—	सां
की	ऽ	जे	ऽ	कृ	पा	ऽ	दृ	ऽ	ष्टि
×		२			०		३		
सां					सां	नि	नि		
नि	नि	नि	सां	सां	रें	सां	ध	—	प
से	व	क	प	र	अ	प	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
प				ध	नि				
ध	—	ध	—	सां	ध	—	प	—	प
ना	ऽ	रा	ऽ	य	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
प		गं			नि				
गं	गं	रें	—	सां	ध	—	प	—	प
क	म	ला	ऽ	स	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
सा		म			नि				
नि	सा	ग	ग	म	ध	नि	सां	सां	सां
से	त	अ	श्वि	नि	से	त	अ	श्वि	नि
×		२			०		३		
ग					ग				
रे	रे	रे	—	म	रे	—	सा	—	सा
ह	र	पा	ऽ	र्व	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

भैरवी–झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

									ध
									~~भ~~
ध				सां			नि		
सां	–	सां	–	रें	सां	–	ध	प	प
~~वा~~	ऽ	~~नी~~	ऽ	~~द~~	~~या~~	ऽ	~~नी~~	ऽ	~~म~~
×		२			०		३		
							म		
नि	–	ध	–	प	प	–	ग	–	म
~~हा~~	ऽ	~~वा~~	ऽ	~~क~~	~~वा~~	ऽ	~~नी~~	ऽ	~~सु~~
×		२			०		३		
	प				म				
प	नि	ध	प	प	ग	ग	रे	–	सा
~~र~~	~~न~~	~~र~~	~~सु~~	~~नि~~	~~ज~~	~~न~~	~~मा~~	ऽ	~~नि~~
×		२			०		३		
सा							नि		
गं	गं	गं	रें	रें	सां	...	ध	–	नि
~~स~~	~~क~~	~~ल~~	~~बु~~	~~ध~~	~~ग्या~~	ऽ	~~नी~~	ऽ,	~~भ।~~
×		२			०		३		

अन्तरा.

प									
ध	म	ध	ध	नि	सां	सां	सां	–	सां
~~ज~~	~~ग~~	~~ज~~	~~न~~	~~नि~~	~~ज~~	~~ग~~	~~जा~~	ऽ	~~नि~~
×		२			०		३		

सां									
रें	रें	रें	—	रें	गं	रें	रें	सां	सां
म	हि	मा	ऽ	मु	र	म	र	द	नि
×		२			०		३		
सां		रें			गं				
गं	—	गं	—	मं	रें	—	सां	—	सां
ज्वा	ऽ	ला	ऽ	मु	खी	ऽ	चं	ऽ	डि
×		२			०		३		
							नि		
प	ध	नि	सां	रें	सां	—	ध	—	नि
अ	म	र	प	द	दा	ऽ	नी	ऽ,	भ।
×		२			०		३		

भैरवी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि		सा							म
सा	सा	ध	प	ध	प	म	प	रे	ग
ध	न	व	री	ऽ	ध	न	सु	दि	न
×		२			०		३		
ग					ग				
सा	सा	रे	रे	म	रे	ग	रे	—	सा
ध	न	ध	न	मु	ह	ऽ	र	ऽ	त
×		२			०		३		
	नि	नि							
सारे	सां	ध	ध	नि	सा	—	—	रे	सा
धऽ	न	ध	न	स	खी	ऽ	ऽ	ध	न
×		२			०		३		

सा					म		ग		
ध	—	प	म	प	ग	—	रे	—	सा
आ	ऽ	ज	की	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ऽ	लि।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प									
ध	म	ध	ध	नि	सां	—	—	रें	सां
ध	न	ध	न	बिं	द्रा	ऽ	ऽ	ब	न
×		२			०		३		
सां		सां			गं				
रें	रें	रें	—	मं	रें	रें	सां	—	सां
ध	न	बं	ऽ	सि	ब	ट	ध	ऽ	न
×		२			०		३		
प									
ध	ध	प	प	ध	प	म	प	ग	म
ध	न	स	रि	त	सि	रि	ज	मु	ना
×		२			०		३		
			म		ग		ग		
प	नि	धप	ग	म	रे	—	रे	—	सा
का	ऽ	न्हऽ	क	र	त	ऽ	के	ऽ	लि।
×		२			०		३		

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा			रे				ग				
म	—	—	ग	—	म	रे	ग	रे	सा	—	सा
जो	ऽ	ऽ	तू	ऽ	र	चो	ऽ	सा	मा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि़											
सा	रे	नि़	सा	–	रे	ग	–	रे	सा	–	सा
द	या	ऽ	सौं	ऽ	ना	ना	ऽ	प्र	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
नि़											
सां	ध	ध	प	–	ध	प	म	म	प	म	–
तो	ऽ	हे	ना	ऽ	बि	सा	ऽ	रों	स	दा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सारे	ग	ग	ग	म	रे	ग	रे	सा	–	सा
ह	ऽऽ	ह	र	गु	न	गा	ऽ	य	गा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प											
ध	ध	म	ध	–	नि	सां	–	रें	सां	–	सां
दु	ख	ऽ	सू	ऽ	ख	जी	ऽ	स	हा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सां	रें										
गं	गं	गं	गं	गं	–	रें	रें	रें	सां	–	सां
अं	ऽ	त	र	ना	ऽ	क	छु	उ	पा	ऽ	य
×		०		२		०		३		४	
सा											
ध	–	ध	प	–	ध	प	म	प	–	म	म
ओ	ऽ	क	जो	ऽ	क	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	सारे	ग	–	म	म	रे	ग	रे	सा	–	सा
ध्या	ऽऽ	नां	ऽ	त	र	ला	ऽ	य	ला	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

नि		सा				प					
सा	—	ध	प	—	प	नि	ध	पम	प	म	म
जा	ऽ	की	ना	ऽ	या	नि	रं	ऽऽ	का	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
रे						ग					
सा	सा	रे	ग	—	म	रे	रे	—	सा	—	सा
लि	खि	न	जा	ऽ	त	अ	मं	ऽ	पा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
ध़											
नि़	नि़	ध़	प़	ध़	नि़	सा	सा	रे	सा	—	सा
सु	र	न	र	सु	नि	क	र	बि	चा	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
						ग					
सा	—	सा	रे	ग	म	रे	ग	रे	सा	—	सा
जा	ऽ	को	ऽ	शि	व	ध्या	ऽ	य	ध्या	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प											
ध	—	म	ध	—	नि	सां	सां	सां	सां	—	सां
प्रे	ऽ	म	दा	ऽ	स	सि	रि	नि	बा	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
सां						गं		गं			
गं	—	रें	रें	गं	गं	रें	रें	रें	सां	—	सां
पू	ऽ	र	न	घ	ट	घ	ट	प्र	का	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	

सा	सा	सा ध	ध	प	प	प	ध	प	म	–	म
ज	ल	थ	ल	अ	मु	ब	न	वि	ला	ऽ	स
×		०		२		०		३		४	
म नि	ध	–	म ग	–	म	ग रे	ग	रे	सा	–	सा
र	हे	ऽ	अ	ऽ	मु	छा	ऽ	य	छा	ऽ	य।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा ग	–	ग	सा	रे	म	ग रे	ग	रे	सा	–	सा
भ	ऽ	स्म	अं	ऽ	ग	गौ	ऽ	रि	सं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि सां	रें	नि	सा	–	रें	ग	–	म	ग म	–	म
ज	टा	ऽ	में	ऽ	वि	रा	ऽ	जे	गं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
म ग	–	ध	प	–	प नि	ध	प	म	प	–	म
चं	ऽ	द्र	मा	ऽ	ल	ला	ऽ	ट	थ	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
सा	सा	रे	ग	–	म	ग रे	–	ग	रे	सा	–
अ	धि	ऽ	क	ऽ	मु	हा	ऽ	ऽ	यो	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प ध	—	ध	म	ध	नि	सां	रें	सां	सां	—	सां
घो	ऽ	ट	त	भं	ग	च	ढ	त	रं	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
सां नि	--	सां	सां	सां गं	—	रें	—	सां	नि ध	—	प
रुं	ऽ	ड	न	की	ऽ	मा	ऽ	ल	श्री	ऽ	व
×		०		२		०		३		४	
प	प	प	—	नि ध	सां	नि ध	नि ध	पम	प	म	म
ध	तु	रा	ऽ	अ	र	धां	ऽ	गिऽ	से	ऽ	त
×		०		२		०		३		४	
म सा	—	रे	ग	—	म	ग रे	—	ग	रे	सा	—
पू	ऽ	ज	न	ऽ	च	ढा	ऽ	ऽ	यो	है	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	म ग	—	म ग	—	म	ग रे	—	ग	रे	सा	—
ऽ	जा	ऽ	दि	ऽ	न	ते	ऽ	ऽ	वि	छु	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि ध	—	—	नि	सा	रे	रे ग	—	रे	ग	रे	सा
रे	ऽ	ऽ	म	न	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ऽ	ह	न
×		०		२		०		३		४	

सा						ग			ग		
प	—	—	ध	म	प	ग	—	—	म	रे	सा
वा	ऽ	ऽ	दि	न	ऽ	तें	ऽ	ऽ	भ	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि						ग			रे		
सा	—	रे	ग	—	म	रे	ग	—	ग	रे	सा
खू	ऽ	ऽ	ख	ऽ	स	रा	ऽ	ऽ	खे	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प											
ध	—	म	ध	—	नि	सां	—	—	सां	सां	—
जे	ऽ	ऽ	चू	ऽ	रि	यां	ऽ	ऽ	क	र	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सां										नि	
नि	—	—	सां	—	सां	रें	—	—	सां	ध	प
में	ऽ	ऽ	न	ऽ	हिं	भा	ऽ	ऽ	व	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प						म				ग	
ध	—	—	ध	प	पम	ग	—	—	म	रे	सा
जे	ऽ	ऽ	चु	री	ऽऽ	यां	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे						म					
सा	—	रे	ग	—	म	ग	रे	ग	रे	सा	—
वां	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ढ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	के	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी

सा									म		
ध	—	—	प	—	ध	प	धम	प	ग	—	—
ए	ऽ	ऽ	क	ऽ	स	पू	ऽऽ	ति	ने	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे									ग		
ग	—	म	सा	—	रे	ग	—	म	रे	—	सा
आ	ऽ	ऽ	न	ऽ	क	ह्यो	ऽ	ऽ	ते	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि़			सा								
ध़	—	—	नि़	सा	—	रे	—	ग	रे	सा	—
मो	ऽ	ऽ	ह	न	ऽ	ठा	ऽ	ड़े	हैं	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि									म		
सा	ध	—	प	—	ध	प	म	प	ग	—	—
द्वा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ध	रा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म			नि								
ग	म	—	ध	—	नि	सां	—	—	सां	—	—
का	ऽ	ऽ	छू	ऽ	में	का	ऽ	ऽ	छू	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध			सां			सां			नि		
नि	—	—	नि	सां	सां	नि	सां	—	ध	—	प
यूं	ऽ	ऽ	हू	ऽ	ल	से	ऽ	ऽ	बं	ऽ	द
×		०		२		०		३		४	

प	ध	–	प	म	प मप	म ग	–	–	म	रे	सा
ट	ऽ	ऽ	ट	ऽ	मऽ	पे	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि सा	रेसा	रे	ग	–	म	ग रे	–	ग	रे	सा	–
ड़ा	ऽऽ	ऽ	के	ऽ	त	ड़ा	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी–दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

										नि़ ध़	नि़
										क्या	गु
रे सा	–	–	सा	–	–	सा	सा	रे	–	रे नि़	–	नि़ ध़	नि़
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ	सैं	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	पे
×			२				०			३			
सा	ग	–	रे ग	–	–	–	ग नि़	–	–	सा	रे	ग	म
डा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	नि
×			२				०			३			

ग								ग							
रे	–	–	सा	–	–	ग	रे	रे	–	सा	–	सा	–		
ऐ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	ऽ	च	ट	क	ऽ	रं	ऽ	ग	ऽ		
×			२				०			३					
सा								ग				नि			
नि	नि	–	सा	–	–	ग	रे	–	सा	ध	–	–	नि		
ब	द	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ,	मु।		
×			२				०			३					

अन्तरा.

सा	–	–	सा	–	–	रे	ग	–	–	म	–	म	म		
आ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	सैं	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मु	ख		
×			२				०			३					
म							म			ग					
ग	–	–	म	–	–	प	ग	–	म	रे	–	सा	–		
दे	ऽ	ऽ	खो	ऽ	ऽ	मो	रे	ऽ	मं	द	ऽ	र	ऽ		
×			२				०			३					
रे								ग							
ग	रे	–	ग	–	–	म	रे	–	–	सा	–	–	रे		
मु	ख	ऽ	जै	ऽ	ऽ	सो	चं	ऽ	ऽ	द्र	ऽ	ऽ	ब		
×			२				०			३					
रे								ग		नि					
नि	नि	–	सा	–	–	ग	रे	सा	–	ध	–	–	नि		
द	न	ऽ	जै	ऽ	ऽ	सो	ता	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ऽ,	मु।		
×			२				०			३					

(क० २)

भैरवी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा				नि						म		ग			
नि़	सा	ग	म	ध	–	–	प	पम		ग	म	रे	–	सा	
डा	ऽ	र	त	के	ऽ	ऽ	स	ऽऽ		पि	च	का	ऽ	रि	
३				×						२		०			
नि़	सा			म								ग			
मां	नि	ध	प	ग	ग	–	म	–		–	म	रे	–	सा	
स	खि	मो	पै	कुं	व	ऽ	र	ऽ		ऽ	क	न्हे	ऽ	या	
३				×						२		०			

अन्तरा.

प															
ध	–	म	ध	–	–		नि	सां	सां	–	सां	–	–	–	
बा	ऽ	ऽ	ट	ऽ	ऽ		बा	ऽ	ट	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	
×					२			०			३				
सां											नि				
नि	–	–	सां	–	–		गं	रें	सां	–	ध	–	प	–	
रो	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ		त	रूं	ऽ	ऽ	ध	ऽ	त	ऽ	
×					२			०			३				
म					म			ग			सा				
ग	धप	नि	ध	प	ग		म	रे	–	सा	नि़	सा	ग	म	
क	हाऽ	क	रूं	ऽ	मो		रि	दै	ऽ	या	डा	ऽ	र	त	
×					२			०			३				

भैरवी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

	रे		नि												
सारे	निसा		ध	नि	सा	–	–	मा	–	–		गरे	ग	–	ग
काऽ	न्हाऽ		ऐ	सी	वं	ऽ	ऽ	मी	ऽ	ऽ		वऽ	जा	ऽ	ई
३					×					२			०		
रं								म					ग		
ग	प	ध	नि		ध	म	म	रे	ग	गप		म	रे	–	सा
मो	ऽ	ह	ल		ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नऽ		ई	ना	ऽ	र ।
३					×					२			०		

अन्तरा.

म													नि		सां
ग	म	ध	नि		सां	–	–	सां	–	रें		सां	सां	सां	गं
श्या	ऽ	म	में		सै	ऽ	ऽ	न	ऽ	क		र	र	ही	है
३					×					२			०		
		नि			म			प					ग		
रें	सां	ध	प		ग	नि	धप	रे	ग	मम		म	रे	–	सा
म	न	मु	ख		री	ऽ	झऽ	र	ही	रीऽ		झ	वा	ऽ	र ।
३					×					२			०		

भैरवी– धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सां	नि	नि			प			नि							
रें	सां	ध	प		ग	म	–	ध	–			नि	सां	–	–
आ	ली	दे	खो		भो	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ		भ	ई	ऽ	ऽ
३					×					२			०		

	सां गं	गं रें	सां
– – सां नि	– गं रें रें	रें –	– सां
ऽ ऽ लो ग	जा ऽ गे प व	न ऽ	जा ऽ गे
३	×	०	०
नि	नि म		ग
सां नि रें सां	ध – प ग ग	गप म	रे – सा
पं ऽ ऽ छि	जा ऽ गे ग ग	नऽ वि	रा ऽ जे।
३	×	२	०

अन्तरा.

म नि			
ग म – ध –	– नि	सां – –	सां – सां सां
प्रे ऽ ऽ म ऽ	ऽ अ	ला ऽ ऽ	प ऽ क छु
×	०	०	३
नि सां	नि	ध प	नि
सां सां गं रें सां	ध प	प गं –	रें सां ध प
सु न त हू ऽ	ना हिं	क हा ऽ	क रूं मो रे
×	२	०	३
ध म		रे	सां नि नि
प नि धप ग –	प म	ग रे सा	रें सां ध प
आ ऽ नऽ जा	ऽ ऽ	ऽ व त	आ ली दे खो।
×	२	०	३

राग तोड़ी.

मनी तीव्रौ यस्यां खलु धगरयः संति मृदवो ।
मतो वादी षष्ठोऽस्य तु सहचरो गोऽतिमधुरः ॥
गभीरा सम्पूर्णा प्रकटसग्रहन्यासमुभगा ।
प्रसिद्धा तोडीयं दुरधिगमना संगवचरा ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मनो तीव्रौ धगरयः कोमलाः स्युर्धगौ स्मृतौ ।
वादिसंवादिनौ यत्र तोडी सा संगवे मता ॥

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे मनि कोमल रिगध वादी धैवत साज ।
सम्वादी गंधार है टोडी राग बिराज ॥

चन्द्रिकासार ।

धनी सरी गरी सश्च मपौ धपौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा तोडिका ज्ञेया धैवतांशा च संगवे ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

"तोड़ी"—यह राग तोड़ी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें मध्यम तीव्र, निषाद शुद्ध शेष स्वर रे, ग, ध कोमल लगते हैं। वादी धैवत व सम्वादी गान्धार है। यह राग सम्पूर्ण जाति का है, गायन समय दिन का दूसरा प्रहर मानते हैं। पंचम स्वर का प्रयोग इस राग में कमी के साथ किया जाता है। नवीन विद्यार्थियों को इस राग में विकृत स्वर उचित स्थानों पर लेना कठिन होता है। इस थाट से उत्पन्न होने वाले "मुलतानी" नामक राग में भी ऐसी ही अड़चन होती है। इस राग की सारी खूबी रे, ग, ध, इन स्वरों पर अवलम्बित है, जबकि मुलतानी में ग, प, नि, यह स्वर विशेषता रखते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे॒ ग॒, मप, ध॒, निसां। सांनिध॒प, मग॒, रे॒, सा।

पकड़ः—

ध॒ नि॒ सा, रे॒, ग॒, रे॒, सा, म, ग॒, रे॒ ग॒, रे॒ सा।

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

											सा नि़
रे	ग	प म	ग	प म	–	ध	प ध	–	ध	सां नि	सां
चे	सु	र	न	गा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ब	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
–	नि	ध	नि	ध	–	म	ग	म	–	ध	नि
ऽ	ये	ऽ	रि	झा	ऽ	ये	ऽ	ले	ऽ	हो	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ध म	म	प	ध	ध म	म	ग	म	ग	रे	सा	सा नि़
म	ब	बि	धि	अ	प	ने	गु	रु	न	की,	सां।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म ग	ग	म	म	ध	–	सां नि	–	सां	नि	सां	--
गु	नि	ज	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त	सों	ऽ
×		०		२		०		३		४	

नि			सां			रें				सां	रें
ध	—	ध	नि	सां	रें	नि	—	ध	नि	र	न
रा	ऽ	ग	पु	र	न	स	ऽ	प	सु	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	ऽ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सा	ऽ	सा	रे	ग	म
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	ऽ	सा	रे	ग	म	प	म	ग	रे
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	रे	ग	म	प	ध	प	म	ग	रे
×		०		२		०		३		४	
सा	ऽ	सा	रे	ग	म	प	ध	नि	सां	ऽ	नि
×		०		२		०		३		४	
ऽ	ध	ऽ	प	ऽ	म	ऽ	ग	ऽ	रे	ऽ	सा
×		०		२		०		३		४	
नि	निनि	सासा	रेरे	गग	गग	म	म	धध	धध	निनि	सांसां
धा	किट	तक	घुम	किट	तक	धि	त्ता	तिर	किट	धिड	नग
×		०		२		०		३		४	
निनि	निध	धध	मम	ग	रे	सा	सा नि				
नगि	नत	गिन	तक	धि	त्ता	धा,	सां				
×		०		२		०					

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	रे	रे	रे	सा	सा	नि़	ध़	नि़	सा	रे	ग
रे	ग	रे	रे	सा	सा	ध़	ध़	नि़	सा	रे	ग
बि	क	र	त	ज	ब	ध	ग	रि	क	र	त
×		०		२		०		३		४	
म	प	मप	ध	म	ग	रे	ग	रे	—	सा	सा
म	नि	तीऽ	ऽ	व	र	सु	र	सं	ऽ	ग	त
×		०		२		०		३		४	
सा				ध							
नि़	सारें	ग	ग	म	म	ध	—	ध	नि	ध	ध
सु	गऽ	म	स	र	ल	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
प		नि		ध		ग					
ध	नि	ध	नि	म	ग	रे	ग	रे	रे	सा	सा
गु	नि	तो	ऽ	ड़ी	ऽ	को	ऽ	ब	र	न	त
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध		ध				सां					
म	ग	म	म	ध	ध	नि	—	सां	नि	सां	सां
धै	ऽ	व	त	ज	हां	अं	ऽ	श	र	ह	त
×		०		२		०		३		४	
सां								नि			
नि	नि	सांरें	गं	रें	सां	नि	नि	रें	नि	ध	प
रि	ग	मुऽ	र	त	हां	स	ह	च	र	म	त
×		०		२		०		३		४	

ध						ध				रे	
म	ध	नि	सां	नि	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा
पं	ऽ	च	म	को	उ	अ	ऽ	ल्प	क	ह	त
×		०		२		०		३		४	
सा			रें			ग		रे			
रे	रे	रें	गं	रें	सां	रे	रे	ग	रे	सा	सा
ह	र	रं	ग	को	ऽ	म	त	अ	भि	म	त
×		०		२		०		३		४	
सा	रे										
रे	ग	रे	रे								
बि	क	र	त								
×		०									

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध				ध						सा					
म	म	प	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	नि़	नि़	सा	रे	ग	–
मो	रे	म	न	जा	ऽ	य	श	र	न	तु	मु	कं	ऽ	दा	ऽ
२				०				३				×			
				रे											
–	–	–	–	ग	ग	ग	रे	–	रे	सा	सा	नि़	–	सा	रे
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	म	ल	भा	ऽ	व	ध	र	अं	ऽ	तः	ऽ
२				०				३				×			
सा		नि़						ध				ध			
रे	सा	ध़	–	सा	रे	ग	ग	म	म	ध	ध	म	ध	नि	ध
क	र	ना	ऽ	टू	ऽ	ट	त	स	ब	भ	व	फं	ऽ	ऽ	ऽ
२				०				३				×			

म ग रे सा	सारे ग रे रे	सा सा (नि) ध ध	नि सारे ग –
ऽ ऽ दा ऽ	जाऽ ऽ य श	र न तु मु	कं ऽऽ दा ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

(ध) म – ग –	(ध) म – ध –	(सां) नि – सां नि	सां – सां –
मे ऽ रा ऽ	मे ऽ रा ऽ	ना ऽ क छु	ते ऽ रा ऽ
०	३	×	२
सां रें (रें) गं (रें) गं	रें रें सां सां	(सां) नि – सां रें	(रें) नि – ध –
झूं ऽ ठा ऽ	क ल जु ग	धं ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
(ध) म ध नि सां	नि (ध) नि ध प	(ध) म ग रे ग	रे रे सा सा
दो ऽ दि न	को ऽ ज ग	च तु र स	म झ स ब
०	३	×	२
(सा) नि सा ग (ध) म	– म ध –	(ध) नि (ध) नि ध म	ग – रे सा
सां ऽ च ए	ऽ क गो ऽ	बीं ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ दा ऽ।
०	३	×	२

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प ध प ध	(ध) म म प ध	(ध) म ग – ग	म म प प
का ऽ न्ह क	र त मो से	रा ऽ ऽ र	ए रि मा ई
०	३	×	२
(म) ग म प ध	(ध) म – ग ग	रे – रे रे	(ग) रे – सा सा
अ ब ही ऽ	जा ऽ य क	हूं ऽ ज सो	दा ऽ घ र
०	३	×	२
(रे) नि सा ग ग	(ध) म म ध ध	(ध) म ध नि ध	सां नि ध प
लं ग र झ	ग र मो रि	ग ग रि दि	नि डा ऽ र।
०	३	×	२

अन्तरा.

(ध) म – ग ग	(ध) म – ध ध	(सां) नि – सां नि	सां – सां सां
मैं ऽ द धि	वे ऽ च न	जा ऽ त बिं	द्रा ऽ ब न
०	३	×	२
(सां) नि – ध ध	नि – सां सां	(सां) नि नि सां रें	(रें) नि – ध ध
आ ऽ न अ	चा ऽ न क	तु म रो ऽ	बा ऽ ऽ र
०	३	×	२
(ध) म ध नि ध	नि ध प –	(म) ग – रे रे	(ग) रे – सा सा
बा ऽ ट घा	ऽ ट में ऽ	रो ऽ क त	टो ऽ क ।
०	३	×	२

सा	ध	ध	
रे रे ग ग	म म ध –	म ध नि धनि	सां नि ध प
अ प ने च	तु र कों ऽ	ली ऽ जे संऽ	ऽ भा ऽ र
०	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा		रे	
रे रे ग रे	– मा मा –	नि – सा रे	ग – – –
अ ल्ला ऽ जा	ऽ ने अ ऽ	ल्ला ऽ जा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध	ध		
म प – ध	म – ग –	रे – रे ग	रे रे सा –
न बी ऽ अ	ली ऽ को ऽ	नू ऽ र भ	र र हो ऽ
०	३	×	२
सा	ध	ध	ध
रे रे ग –	म म ध ध	म ध नि म	– ग रे सा
ज ग में ऽ	ह स न हु	से ऽ न चै	ऽ न जि ये।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध	ध		
म म ग –	म – ध ध	नि – सां नि	सां – सां –
जो ह रा ऽ	के ऽ फ र	जं ऽ द न	बी ऽ के ऽ
०	३	×	२
सां रें		सां	
रें रें गें रें	गं रें सां सां	नि – सां रें	नि – – ध
जि ग र गो	ऽ से अ लि	का ऽ स म	हो ऽऽ बै
०	३	×	२

म	ध	नि	सां	नि	ध	ध	नि	ध म	–	ग	रे	ग	रे	सा	–
कौ	ऽ	स	र	के	ऽ	दो	उ	जा	ऽ	म	ह	म	पि	ये	ऽ।
०				३				×				२			

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

	रे	सा	सा	सा प	–	प	प	म	–	प	ध	ध म	ग	–	रे
ऽ	लं	ग	र	कां	ऽ	क	रि	या	ऽ	जि	न	मा	ऽ	ऽ	रो
३				×				२				०			
ग	रे	सा	सा	ध	–	प	प	मंप	ध	म ध	नि	ध म	ग	–	रे
ऽ	लं	ग	र	कां	ऽ	क	रि	याऽ	ऽ	जि	न	मा	ऽ	ऽ	रो
३				×				२				०			
ग	रे	–	सा	सा नि	रे	ग	–	ध म	–	प	ध	ध म	–	ग	रे
ऽ	मो	ऽ	रे	अं	ग	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ।
३				×				२				०			
ग	रे	सा	सा												
ये	लं	ग	र												
३															

अन्तरा.

म प	प	म ग	–	ध म	–	ध	ध	सां नि	–	सां	नि	सां	सां	सां	–
सु	न	पा	ऽ	वे	ऽ	मो	रि	सा	ऽ	स	न	न	दि	या	ऽ
×				२				०				३			

								रें						म	
सांरें	गं	रें	नि	–	नि	सां	रें	नि	ध	नि	ध	–	प	ग	म
दौ ऽ	ऽ	रि	दौ	ऽ	रि	ध	र	आ	ऽ	ऽ	वे	ऽ	लं	ग	र
×				२				०				३			
प				ध				ध							
ध	–	ध	नि	म	–	प	ध	म	ग	–	रे	ग	रे	सा	सा
कां	ऽ	क	रि	या	ऽ	जि	न	मा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	लं	ग	र
×				२				०				३			

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प				ध				ध				ग			
म	–	प	ध	म	ग	–	पध	म	ग	–	म	ग	रे	सा	–
बे	ऽ	ग	लि	आ	ऽ	ऽ	पति	या	ऽ	ऽ	प	थि	क	वा	ऽ
×				२				०				३			
सा			ध						म		ग				
रे	ग	–	म	ध	नि	ध	प	मंपधप	ग	–	म	ग	रे	सा	–
मो	रे	ऽ	पि	या	ऽ	स	न	मोऽऽऽ	रा	ऽ	सं	दे	स	वा	ऽ
×				२				०				३			

अन्तरा.

प				ध				सां							
म	म	ग	ग	म	म	ध	ध	नि	नि	सां	सां	रें	–	सां	–
घ	रि	घ	रि	प	ल	प	ल	छि	न	छि	न	मै	ऽ	का	ऽ
३				×				२				०			

सां	गं	सां	रें
रें गं गं रें	रें रें सां –	नि – सां रें	नि – ध –
जु ग सि बि	त त है ऽ	बे ऽ ग लि	आ ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
ध			ध ग
म ध नि सां	नि ध ध नि	ध पम प ध	म ग – म
सि य री ऽ	हो ऽ छ ति	या ऽऽ प ति	या ऽ ऽ प
३	×	२	०
ग रे सा –			
थि क वा ऽ			
३			

तोड़ी –त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

			ध नि क
म		ध	ग
ध प ग म	प – मप ध	म ग – रे	रे – सा –
ल लि म्हा ने	दा ऽ ऽऽ ऽ	रु ड़ी ऽ पि	ला ऽ वै ऽ
३	×	२	०
नि			
ध नि सा ग	रे – सा सा	निसा मग पम ध	निनि धम गरे सा,नि
हों ऽ तो ऽ	रा ऽ म द	छऽ कीऽ ऽऽ ऽ	वेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ,क ।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध ध	सां	नि	नि
म ग म ध	नि नि सां मां	ध नि सांरें गं	रें सां ध –
सु न री ऽ	भ ग ति न	प्रे ऽ मऽ का	म धु वा ऽ
३	×	२	०
सां	रें	प	ध ध
रें गं रें सां	नि सांरें नि ध	ध नि मां रें	नि – ध नि
भ र भ र	मो ऽऽ हे छ	का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे क।
३	×	२	०

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे	ग	सा	
ग ग रे रे	रे – मा मा	नि – मा रे	ग – गम प
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२
	ग	नि	
म ग रे रे	रे – मा मा	ध नि मा रे	ग – – –
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म		ध ध	
ग – म म	प – ध ध	नि नि ध प	म ग गम ध
जो ऽ ब न	की ऽ म त	वा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽऽ ऽ।
०	३	×	२
म ग रे रे			
पि या सं ग			
०			

अन्तरा.

म प म प ध	ध ध म ग म ध	सां नि – सां नि	सां – सां –
मृ ग म द	औ ऽ रे ऽ	के ऽ स र	डो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
सां नि – सां गं	रें – सां –	प प ध ध सां नि	म ध प प ग
भी ऽ ज त	रं ऽ ग ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ।
०	३	×	२
ग म ग रे रे			
पि या सं ग			
०			

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध ध ध	ध म म प प	मप धप म –	ग – – –
ऽ दे उ द	र स मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध – म – ध	नि नि सां सां	सां रें सां रें	नि नि सां –
ऽ हों ऽ तो	दा सी तो रि	ज न म ज	न म की ऽ
०	३	×	२
सां रें गं – रें	– नि सां –	नि सां निसां रेंसां	नि ध – –
तु ही ऽ है	ऽ मो रा ऽ	प्या ऽ ऽऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

							म॑								
–	ध	–	नि	ध	ध	प	–		ध	–	नि	ध	–	प	–
ऽ	प्रे	ऽ	म	र	स	वा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ज्दु	ला	ऽ	रे	ऽ।
०				३				×				२			

तोड़ी–त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

												म॑			
												प	प		
												मैं	तो		
म॑				ग											
ग	ग	रे	रे	रे	–	सा	सा	सा	रे	ग	–	–	–	–	–
अ	प	ने	सैं	या	ऽ	म	न	मा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
सा				ग				सा				रे			
रे	रे	रे	रे	रे	–	सा	–	नि़	–	सा	रे	नि़	–	ध़	ध़
भ	र	भ	र	प्या	ऽ	ला	ऽ	दे	ऽ	त	अ	मी	ऽ	र	स
०				३				×				२			
सा				ध				ध	ध						
रे	रे	ग	ग	म	म	ध	ध	नि	नि	ध	प	म	ग,	म	प
ल	ट	क	च	ल	त	ब	हु	भां	ऽ	ऽ	ऽ	ती	ऽ,	मैं	तो
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध				ध				सां							
म	–	ग	ग	म	–	ध	–	नि	नि	सां	–	सां	सां	सां	–
जो	ऽ	को	उ	वा	ऽ	की	ऽ	च	र	चा	ऽ	क	रि	है	ऽ
०				३				×				२			

सां		सां	रें
नि – सां गं	रें – सां सां	नि – सां रें	नि – ध –
मो ऽ ऊं ऽ	ना ऽ दि न	रा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ ऽ ऽ
	३	×	२
ध			ग
म ध नि सां	ध नि ध प	म ग रे रे	रे – सा –
गा ऽ वे गु	द र गु रु	जि न लि ख	दी ऽ नो ऽ
०	३	×	२
सा	ध	ध	
नि सा ग ग	म म ध ध	नि नि ध प	म ग म प
जो ऽ मो रे	ज न म मं	गा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ, मैं तो
	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

	प		
– ध – प	म म प प	मंप धप म ग	प म ध –
ऽ रा म् सु	मि र मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
		प	ध
– ध नि धप	म म प प	ग म प ध	म – ग –
ऽ रा म् सुऽ	मि र मो रे	प्या ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

	ध														
–	म	–	ध	नि	–	सां	सां	रें	–	सां	सां	नि	सां	सां	सां
ऽ	रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	स	दा	ऽ	सु	ख	दा	ऽ	य	क
०				३				×				२			
नि								रें							
सांरें	गं	रें	सां	सां	नि	सां	रें	नि	ध	म	ध	नि	ध	–	प
संऽ	ऽ	क	ट	म	क	ल	नि	वा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	तो	ऽ	रे।
				३				×				२			

तोड़ी–एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

		मं				सा					
प	प	ग	–	रे	सा	नि	–	सा	रे	ग	ग
म	न	वा	ऽ	मो	रा	ना	ऽ	हिं	र	ह	त
०		३		४		×		०		२	
मं											
ग	म	प	ध	म	प	ध	नि	ध	प	मं	प
इ	त	नि	क	ह	त	अ	र	ज	ग	र	ज
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

प		मं		प		सां					
मं	–	ग	–	म	ध	नि	–	नि	सां	–	सां
कै	ऽ	से	ऽ	क	र	रा	ऽ	खुं	प्रा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

सां						सां					
नि	नि	सां	गं	रें	सां	नि	सां	नि	—	ध	—
पि	या	बि	न	हां	ऽ	रे	ऽ	दू	ऽ	जे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	ध					सां					
ध	रें	सां	रें	नि	सां	नि	नि	सां	नि	—	ध
उ	मं	ड	उ	मं	ड	घु	मं	ड	गा	ऽ	वे
×		०		२		०		३		४	
प	ध										
ध	नि	ध	नि	ध	प	प	प				
ग	र	ज	ग	र	ज	म	न				
×		०		२		०					

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़				ग			सा		सा	ध	
ध़	नि़	सा	रे	रे	—	सा	नि़	सा	ध	म	ग
अ	ब	मो	रे	रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे				सा						ग	
ग	रे	—	सा	ग	—	रे	ग	—	रे	रे	सा
वि	रा	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध		ध		सां							
म	ग	म	ध	नि	सां	—	सां	नि	ध	नि	सां
नि	स	दि	न	ति	हा	ऽ	रि	टे	ऽ	र	क
३		४		×		०		२		०	

				सां				ध			
सांरें	गं	रें	सां	नि	सांरें	नि	ध	म	ध	नि	सां
रऽ	त	म	न	रं	ऽऽ	ग	ऽ	ह	म	चे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
				ध			ध			ध	
नि	धनि	ध	प	म	पध	नि	म	प	ध	म	ग
री	ऽऽ	तु	म	शा	ऽऽ	म	रा	ऽ	म	रे	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे				रे							
ग	रे	—	सा	ग	—	रे	ग	रे	—	सा	निसा
वि	रा	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽऽ।
३		४		×		०		२		०	

तोड़ी–झूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

नि							सा			ग	
ध़	नि़	—	सारे	(सा)नि़	ध़	नि़	सा	सा	निसा	रे	रे	सा
स	ब	ऽ	निस	ब	र ऽ	जो	ऽ	री	ऽऽ	क	र	त
३				×		२				०		
				ग			सा					
निसा	रेरेसानिसा	नि़	सारे	रे	— सा	नि़	सा	सारे	सारेग	रे	—	सा
रह	तऽऽऽऽ	ऽ	नित	बो	ऽ ली	ठो	ऽ	लीऽ	ऽऽऽ	प्या	ऽ	रे
३				×		२				०		
नि	सा	ध				नि						
सा	ध	म	ग	रे	— सा	ध़	नि़	सा	रे	ग	रे	सा
अ	प	ने	ऽ	ऽ	ऽ ऽ	गां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व
३				×		२				०		

अन्तरा.

नि़	सा							ध़			
सा	ध़	ध़	–	नि	ध़	प	म	ध़	नि	ध़	नि	ध़	प
मे	रे	तो	ऽ	जि	या	में	जो	ऽ	ई	ऽ	आ	ऽ	वै
३				×			२				०		
ध़				ध़			मं						
मं	–	प	मंपध़	मं	मं	ग़	ध़	मं	ग़	रे़	ग़	रे़	सा
जो	ऽ	ही	ऽऽऽ	क	र	हो	स	दा	ऽ	ऽ	ऽ	रं	ग
३				×			२				०		
सा							मं				ग़		
नि़	सारे़	नि़	ध़ध़	नि़	सारे़	ग़	प	मंपध़	मं	ग़	रे़	–	सा
त	बऽ	ही	ऽह	मा	ऽऽ	गो	ना	ऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
३				×			२				०		
नि़							ध़				सा	ग़	
ध़	नि़	–	सारे़	(सा)	नि़	ध़	मं	ध़	नि़	सा	रे़	रे़	सा
म	ब	ऽ	निस	ब	र	ऽ	जो	ऽ	री	ऽ	क	र	त।
३				×			२				०		

तोड़ी–आड़ाचौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़				ध़				सां					
सा	ध़	ध़	–	निमं	ध़	–	न	सां	नि	ध़	ध़	प	मंप
जा	ऽ	जा	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	प	थि	क	वा	ऽऽ
४		०		×		२		०		३		०	

प				ग	ग										
मंपध	मं	ग	–	रे	रे	ग	रे	सा	निसा	रे	सा	ध	ध
मोऽऽ	रे	ऽ	ऽ	पि	या	ऽ	सों	ऽ	ऽऽ	क	ह	ऽ	दे
४		०		×		२		०		३		०	
		ग		प									
मं	ग	मंरे	ग	मंप	धनि	ध	प	मंप	मंपध	मं	ग	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	होऽ	ऽऽ	प	ति	ऽऽ	ऽऽऽ	या	ऽ	रे	ऽ।
४		०		×		२		०		३		०	

अन्तरा.

प		ध		सां		सां				सां		सां	
मंमं	पध	मंग	मंध	नि	सां	–	नि	सां	सां	नि	ध	नि	सां
पह	लेऽ	मुख	सोंऽ	क	ही	ऽ	ऽ	ऽ	यो	तु	म	रो	ऽ
४		०		×		२		०		३		०	
सां								ध					
रें	गं	–	रें	सां	निसांरें	नि	ध	मं	ध	नि	ध	प	मंप
खु	दा	ऽ	हा	ऽ	ऽऽऽ	फि	ज़	तु	म	ऽ	बि	न	ऽऽ
४		०		×		२		०		३		०	
प		ग										सा	रे
ध	मं	ग	मंरे	ग	रे	–	सा	–	रे	सा	निसा	रे	रें
स	दा	ऽ	रंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	अ	ब	ऽऽ	ज	री
४		०		×		२		०		३		०	
				नि									
–	गंरें	–	सां	सां	सांरें	गं	–	रें	सां	निसां	निसांरें	नि	ध
ऽ	जाऽ	ऽ	त	छ	तिऽ	यां	ऽ	रे	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	ऽ	ऽ।
४		०		×		२		०		३		०	

तोड़ी--एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

											प धनि किर्
ध	प	म	पध	म	ग	रे	सा	नि़	सा	निसा	रेरे
पा	ऽ	ऽ	ऽक	रो	ऽ	रे	ऽ	मो	ऽ	ऽऽ	मन
३		४		×		०		२		०	
ग रे	—	सा	निसा	नि ध़	नि़	सा	रे	सारेग	रे	रे नि़	ध़
सैं	ऽ	यां	ऽऽ	त	न	म	न	धऽऽ	न	नौ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि ध़	नि़	सा	रे	ग	रे	सा	निसा	सा नि़	सारे	ग	—
छा	ऽ	व	र	क	रि	हूँ	ऽऽ	प	रिऽ	हूँ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
ध म	—	ध	—	नि ध	नि	सां	रें	नि	ध	पम धनि	
पैं	ऽ	ऽ	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ किर् ।	
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध म	ध	नि	सां	सां	—	निसां	सां	गं रें	—	सां	निसांरेंगं
म	हु	म	द	शा	ऽ	ऽऽ	सु	जा	ऽ	न	अऽऽऽ
३		४		×		०		२		०	

रेंसां	निसांरेंसां	नि	ध	ध म	प	मंपधनि	ध	–	मंपध	म	ग
बऽ	कऽऽऽ	हीं	ऽ	भा	ऽ	ऽऽऽऽ	ग	ऽ	हऽऽ	मा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	ग रे	–	सा	सा नि़	सा	रे	ग	म	ध	नि	सां
रे	जा	ऽ	गे	ले	ऽ	ऽ	हों	ऽ	ब	लै	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रें	नि	–	ध	ध	नि	सां	रें	गं रें	–	सां	ध निनि
ऽ	या	ऽ	ऽ	सु	र	ज	न	मैं	ऽ	यां	किर।
३		४		×		०		२		०	

तोड़ी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

											सारे जिऽ
ग	–	–	रेसा	ग रे	–	सा	–	नि़	सा	रे	रेग
ऊ	ऽ	ऽ	मोरा	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ
३				×				२			
म	ध	ध निनि	मंध	सां	निसां	नि	ध	मं प	पध	ध म	ग
ऽ	ऽ	हेऽ	ऽऽ	पी	ऽऽ	या	ऽ	मि	लन	को	ऽ
३				×				२			

प म	रे	ग	–	म	रे	ग	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०							
प म	रे	ग	–	म	रे	ग	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
०							

सा रे ग –	ध म ध नि ध	धधनिसां रेंगं रेंनि ध	म ग म ध धनि
र खि ये ऽ	ग रे ऽ ल	गाऽऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ये ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
म ग – – रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

अन्तरा.

म ध ग – – मध	सां निसां सां सां	नि धध नि सांरें सांरेंगं	सां नि सांरें ध –
सूं ऽ ऽ दर	मू ऽऽ र त	जब तें देऽ ऽऽऽ	खी ऽअ त ऽ
३	×	२	०
प ध म ग	ग म ध नि सां	निसां निसांरें नि ध	म ग म ध धनि
त ब तें ऽ	क छु न हिं	ऽऽ ऽऽऽ भा ऽ	वे ऽ ऽ, ऽजि।
३	×	२	०
म ग – – रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

तोड़ी–त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि़ ध़ नि़ सा –रे	ग रे सा –	रे नि़ ध़ प़	ध़ नि़ सा –रे
बा जो रे ऽमं	म द सा ऽ	घ र वा ऽ	अ नं द ऽब
३	×	२	०

				सा				म				ग			
नि़	–ध़	प़	–	सासा	प	–	मंप	पध	मंपधप	ग	–	रे	ग	रे	सा
धा	ऽत्र	रा	ऽ	पूजि	ले	ऽ	ऽऽ	मन	काऽऽऽ	ई	ऽ	का	ऽ	जो	रे।
३				×				२				०			

अन्तरा.

ध			म	सां			
मंध	निध	प,पधप	ग,मंध	नि	सां	सां	–निसां
तन	ऽम	न,धऽऽ	न,पाऽ	ई	ऽ	ला	ऽ,ऽऽ
३				×			
नि				सां		रें	
ध	नि	सां	सां	नि	सांरें	नि	ध
गा	जी	ऽ	ला	ऽ	बन	रा	ऽ
२				०			
सां				सां		रें	
नि	सांरें	गं	रेंसां	नि	निसांरें	नि	ध
स	दाऽ	ऽ	रंऽ	गी	ऽऽऽ	ला	ऽ
३				×			
			नि	ध			
धधनिसांरेंगं	गंरें	निसां,निसांरेंसां	ध	मंध	मंग	–रे	सा
ऽऽऽऽऽऽ	ऽऽ	मोऽ,ऽऽऽऽ	रा	राऽ	ऽऽ	ऽजो	रे।
२				०			

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

प								सा			
मंरे	ग	रेसा	सारे	ग	—	रे	सा	नि़	सारेग	रे	सा
दैं ऽ	ऽ	याऽ	बट	दू	ऽ	भ	र	भ	ऽऽऽ	ई	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि़				नि़							
सा	निसारे	नि़	ध़	सा	नि़	—	सारे	नि़	ध़	प़	—
मै	ऽऽऽ	का	ऽ	लं	ऽ	ऽ	गर	वा	ऽ	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
नि़				ग			सा				
ध़	नि़	सा	सारे	रे	—	सा	नि़	सारे	ग	रे	सा
भ	र	ऽ	नन	दे	ऽ	त	ग	गऽ	रि	या	ऽ।
३		४		×		०		२		०	
रे											
ग	—	रेसा	निसारे								
दै	ऽ	याऽ	ऽ,बट								

अन्तरा.

ग				प		ध					
रेरे	धध	निध	पप	म	मंपध	मंग	गरे	ग	रे	सा	निसा
बिहा	ऽन	तोरे	संग	कै	सेऽऽ	जाऽ	ऽऊं	स	ज	नी	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
ध								प	ध		
म	धनि	सां	–,सांरें	नि	ध	प	मंप	ध	म	ग	रे
बी	चमां	ऽ	ऽ,झऽ	ठा	ऽ	ड़ो	ऽऽ	स	दा	ऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	

ग	रे	मा	सारे	रे ग	—	ग मंरे	ग	—	रे	मा	सारे
रं	ऽ	ग	उच	कै	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या,	ऽऽ
३		४		×		०		२		०	
रे ग	—	रेसा	नि,सारे								
दे	ऽ	याऽ	ऽ,बट								
३		४									

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

											नि़ सा तो
सा ध	—	मं प	मंपध	ध म	ग	—	ध म	ध	सां नि	सां	नि
री	ऽ	छ	बिऽऽ	मो	ऽ	ऽ	म	न	ही	ऽ	म
३		४		×		०		२		०	
ध मंध	मंग	रे	सा	नि़ ध़	नि़	सा	–,सा	सारे	सारेग	रे	सा
नऽ	भाऽ	ऽ	वे	अ	धि	क	ऽ,सु	हाऽ	ऽऽऽ	वे,	तो
३		४		×		०		२		०	
सा ध	—	मं प	मंपध	ध म	ग	—	ध मंध	सां नि	सां	नि	ध म
री	ऽ	छ	बिऽऽ	मो	ऽ	ऽ	मन	ही	ऽ	म	न
३		४		×		०		२		०	
ग	ग रे	—	सा								
ऽ	भा	ऽ	वे								
३		४									

अन्तरा.

म	ग	ध म	ध	ध सां	निसां	सां	सां	निध	सांनि	रेंसां	गं,रेंसां
सा	ऽ	त	स	खी	ऽऽ	मि	ल	दे ऽ	हो ऽ	ऽऽ	ऽ,मु ऽ
३		४		×		०		२		०	
सां निसां	निसांरें	रें नि	ध	ध मध	निसां	निध	-नि	ध म	ग	रे	सा
वा ऽ	ऽऽऽ	र	क	सुं ऽ	ऽऽ	द ऽ	ऽर	सु	ऽ	घ	र
३		४		×		०		२		०	
सा निसा	सा गग	ध म	ध	ध सां	नि	ध	प	म ग	म	ध,	ध नि
गा ऽ	येव	जा	ये	रि	झा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ,	तो
३		४		×		०		२		०	
ध	प	मंप	पध								
री	ऽ	ऽऽ	छबि								
३		४									

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

रे ग	-	रे	रे	ग रे	-	सा	निसा	रे ग	-	-	म गम
को	ऽ	स	म	झा	ऽ	वो	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	कहो
३		४		×		०		२		०	

नि़ ध़ – प़	प़ सा सा निसा सारे	रे ग ग – –	म प म ग रे म ग
र ऽ ऽ ऽ	ह ज ऽऽ रत	मी रा ऽ ऽ	जी ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०
मंग मंप – म ग	मंरे ग रे सा	नि़ नि़ सा ध़ ध़ नि़	ग सा रे रे सा
तेऽ हाऽ ऽ रे	नाऽ ऽ म को	आ ऽ धा ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
३	×	२	०

अन्तरा.

सासा सा ध ध	नि ध – प मंप	प मंप धनि ध प	(प) – म ग
मन डो ऽ रे	जा ऽ में ऽऽ	यूं ऽ ऽऽ ऽ द	पा ऽ ऊं ऽ
३	×	२	०
प मंप मंपध मंग रेरे	ग रे – सा –	ध ध मंध सां निसां निध	धमं रेग रे सा
सोऽ ऽऽऽ हीऽ कर	रा ऽ खों ऽ	अब हूं ऽऽ जेऽ	हर ऽऽ वा ऽ।
३	×	२	०

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं प	मंप पध	ध म ग	– ग रे	ग रे	सा निसा
ऽ ला	ऽऽ लम	ना ऽ	ऽ ऽ	ऽ व	न ऽऽ
३	४	×	०	२	०

सा				नि				ध			
निसा	निसारे	नि ध	सा	सारे	ग	ग	मग	पम	ध	ध
मैं ऽ	ऽऽच	ली ऽ	स	मुऽ	झ	त	नाऽ	हींऽ	ऽ	मा
३		४	×		०		२		०	
सां			सां							
नि	—	— सांरें	नि	—	ध	—	धधनिसांरें	गं	रें	नि
का	ऽ	ऽ हुकी	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽऽऽ	ऽ	त	ऽ।
३		४	×		०		२		०	
ध	प									
ऽ	ला									
३										

अन्तरा.

प			ध								
म	ग	— मध	सां	निसां	सां	सां	रें	—	सां	सांरें
हूँ	ऽ	ऽ तोरे	का	ऽऽ	र	न	ब्या	ऽ	कु	लऽ
३		४	×		०		२		०	
			सां		रें					
गं	रें	सां निसां	निसां	निसांरें	नि	ध	मप	मपध	म	ग
ऽ	भ	ई ऽऽ	प्याऽ	ऽऽऽ	रे	ऽ	तूऽ	ऽऽऽ	उ	ठ
३		४	×		०		२		०	
म			सां		सां					
पम	धनि	— ध	निसां	निसांरें	नि	ध	धधनिसांरें	गं	रें	नि
चल	मोरे	ऽ ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	सा	ऽ	ऽऽऽऽऽ	ऽ	थ	ऽ।
३		४	×		०		२		०	
	म									
ध	प									
ऽ,	ला									
३										

ध -नि	ध प	म पध	म ग	मरे ग	- म						
प्या ऽऽ	रे ऽ	उ नऽ	के ऽ	ऽऽ ऽ	ऽ मु						
३	४	×	०	२	०						
मंपधनि नि	म ग	रे ग	रे	सा निसा	निसा -	सा रे					
खऽऽऽ ऽ	की ऽ	ब	ति	यां ऽऽ	नैं ऽ	न स					
३	४	×		०	२	०					
नि ध	प -	सारे ग	मरे ग	- रे	सा निसा						
लो ऽ	ने ऽ	जोऽ ब	नऽ ऽ	ऽ म	द ऽऽ						
३	४	×	०	२	०						
नि ध नि	सा रे	ग रे	सा निसा	नि ध नि	सा रे						
म त	वा ऽ	ऽ ऽ	री ऽऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ।						
३	४	×	०	२	०						
रे ग -	- रंरे										
को ऽ	ऽ सम										
३	४										

अन्तरा.

	प ध	नि	सां						
	मग मध	सां -सां	निसां निसारेरें	निध प	ध नि				
ऽ ऽ	लाऽ ड़लि	ला ऽड़	कऽ ऽऽऽरि	येऽ ऽ	र स				
३	४	×	०	२	०				

सांरें	सांरेंगं	रेंसां	निसां,निसांरें	रें नि ध	प ध नि	ध प	ध म पध
नाऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	ताऽ,ऽऽऽ	की ऽ	उ ल	ट पु	ल टऽ
३		४		×	०	२	०
ध म	ग	मंरे	ग	– रे	– सा	सा ग रे रे	– सा
कै	सी	ऽऽ	ऽ	ऽ नी	ऽ की	सु हा	ऽ य
३		४		×	०	२	०
नि ध़	नि	सा	–सारे	नि –	ध़ प़	प ध़ नि	सा रे
म	हं	ऽ	मद	मा ऽ	ऽ ऽ	स दा	ऽ रं
३		४		×	०	२	०
नि	–	ध़	–	नि ध़ ग	ग ग	रे मा	सा नि सारे
गी	ऽ	लो	ऽ	ने ऽ	क च	ल त	बा ऽर
३		४		×	०	२	०
रे नि	–	ध़	–	ध़ नि	सा रे	नि ध़	नि सारे
डा	ऽ	री	ऽ	ब लि	हा ऽ	ऽ ऽ	रि, ऽऽ
३		४		×	०	२	०

तोड़ी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि ध़ नि सा रे	ग रे सा निसा रे	नि ध़ – ध़ सा	सा – निसारे रे
ह मा ऽ रे	तो ऽ ऽऽ जे	ही ऽ ऽ स	र ऽ ऽऽऽ व
३	×	२	०

अन्तरा.

ग	ग	ग	म	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ना	द्रे	द्रे	तुं	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि	रें	गं	रें	सां	सां	म	ध	नि	ध	प	प
धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे	धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि़	सासा	रेरे	रेरे	गग	गग	म	म	धध	धध	निनि	निनि
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	त्ता	गदि	गिन	तिर	किट
×		०		२		०		३		४	
धध	धप	पप	मंमं	म	मंध	म	रे	ग	रे	—	सा
नगि	तक	निग	तक	धि	त्ताऽ	धा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	न्न।
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	सां	नि ध	नि	ध	प	—	म	ग	ग	म	ग
तो	ऽ	म्त	न	न	तो	ऽ	म्त	न	न	अ	त
४		×		०		२		०		३	
सा	रे	सा	रे	ग	—	म	म	प	म	प	ध
त	न	दे	रे	ना	ऽ	अ	त	त	न	दे	रे
४		×		०		२		०		३	

म॑	ग	ध॑ म॑	—	ध	—ध	ध	—ध	म॑	ध	नि	सांसां
ना	ऽ	दी	ऽ	ऽ	ऽम	दी	ऽम	दा	रा	दी	ऽम
४		×		०		२		०		३	
सां	—	सांरें	गं	गं	रें	नि	ध	नि	सां	रें	ध
दी	ऽ	म्तऽ	न	न	त	द	रे	ता	रे	दा	नि।
४		×		०		२		०		३	

अन्तरा.

म॑ ग	गग	म॑म॑	म॑म॑	ध	—ध	नि	निनि	सांसां	सांसां	सां	—सां
ना	दिर	दिर	दिर	दी	ऽम	तुं	दिर	दिर	दिर	दी	ऽम
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	सां	गं रें	—	सांसां	नि	सां	रें	नि	ध	—
त	दी	ऽ	म्दी	ऽ	ऽम	त	न	न	ना	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	—	म॑	प	—	ध	म॑	ग	म॑	रे	ग	—
ता	ऽ	रे	ना	ऽ	रे	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग रे	—	रे	म॑ ग	—	ग	ध म॑	—	ध	नि	सां	सां
ता	ऽ	रे	ना	ऽ	रे	ता	ऽ	रे	दा	ऽ	न्नि
×		०		२		०		३		४	
ध	ध	नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	ध		
त	द	रे	दा	नी	ऽ	ता	रे	दा	नि		
×		०		२		०		३			

तोड़ी —त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

														म॑	
														प	–
														दीं	ऽ
														म॑	
प	ग	रे	सा	ग	रे	सा	सा	सा	रे	ग	–	–	–	प	–
ओ	दे	ता	ना	ना	त	दा	रे	दे	रे	ना	ऽ	ऽ	ऽ	दीं	ऽ
०				३				×				२			
				ग				सा							
प	ग	रे	सा	रे	रे	सा	–	नि़	सा	ग	म	प	ध	प	–प
ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ	धा	किड	किड	धुं	किड	किड	धिलां	ऽग
०				३				×				२			
									म॑			म॑			
प	ध	प	ध	प	ध	म॑	प	प	ग	–	प	ग	–	प	–
किड	नग	तिर	किट	नग	धे	किड	नग	ते	ड़ड़ा	ऽ	न्ते	ड़ड़ा	ऽ,	न्दीं	ऽ।
०				३				×				२			

अन्तरा.

ध								प							ध
सां	नि	ध	प	सां	नि	ध	प	ध	नि	–	ध	–	प	–	प
ओ	दे	ता	ना	ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ऽ	ना	ऽ	दी	ऽ	म्त
०				३				×				२			
प				ग				नि़		सा		ध			
ग	–	–	–	रे	–	सा	–	सा	सा	ग	ग	म	–	ध	–
दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	धि	ति	ली	ति	ला	ऽ	ना	ऽ
०				३				×				२			

														म	
प	–प	प	ध	प	ध	म	प	प	ग	–	प	ग	–	प	–
नग	ऽड्धि	गड्	तुं	नग	तिर	किट	तक	ते	ध्ड़ा	ऽ	न्ते	ध्ड़ा	ऽ	न्दीं	ऽ
०				३				×				२			

तोड़ी–एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	–	रे	ग	म	म	ध	नि	ध	म	ग	म
दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले	दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले
×		०		२		०		३		४	
नि											
ध	–	–	–	–	–	ध	म	ध	नि	–	ध
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	न	दे	ऽ	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	
नि	ध	प	–	म	धनि	नि	ध	प	ध	म	ग
ना	ऽ	ऽ	ऽ	य	लऽ	लि	य	लि	य	लो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
–ग	ग	गम	धनि	–नि	ध	म	रे	ग	रे	–	सा
ऽम	य	लोऽ	ऽऽ	ऽम	य	ला	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ल्ले
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी– एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मंमं	ग			ग		सा	रे
धग	–,मंरे	ग	–रेसा	रे	सा	निरे	निरेग
तदा	ऽ,रेऽ	ऽ	ऽ,दर	आ	ऽ	ऽऽ	ऽऽऽ
३		४		×		०	
मं		ग		मं			
प	ध	मं	–ग	गमंमं	धधसां	–	निसांरें
दा	नी	दी	ऽम	नादिर	दिरतो	ऽ	ऽऽम
२		०		३		४	
ग				सा			
रे	सारेगरे	सा	निसा,सा	निरे	–निरेग	रेगमं	गमंप
तो	ऽऽऽम्त	ना	ऽऽ,त	दाऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
×		०		२		०	
ध नि	ध	ग					
मंध	मंग	मंरेग	–रेसा				
रेऽ	दाऽ	नीऽऽ	ऽ,दर				
३		४					

अन्तरा.

		ध						नि	
		मं	धधनिनि	सां	निसांसां	सां	–	धनि	सांरें
ऽ	ऽ	ऽना	दिरदिर	तो	ऽऽम	तो	ऽम	तन	देरे
१		४		×		०		२	

गं						रें	
रें	स्वांमि	रेंगं	रें	सां	निसां	नि	सांरें
ऽ	नाऽ	ऽत	दा	ऽ	ऽऽ	रे	दाऽ
०		३		४		×	
		ध				ध	
नि	ध	मंधनि	ध	मंप	मंपध	म	ग
नी	ऽ	ताऽऽ	रे	ऽऽ	ऽऽऽ	ना	ऽ
०		२		०		३	
ग		मं	मं			रें	
मंरे	ग	गम	धनि	सांरें	—	गंगंरेंसां	निधध
रेऽ	ऽ	तुंद्रे	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	नाऽऽऽ	ऽऽ,त
४		×		०		२	
			ध	ग			
मंधनिसां	रेंध	रेंनि	मंग	मंरेग	—रेसा		
दाऽऽऽ	ऽऽ	ऽरे	दाऽ	नीऽऽ	ऽ,दर।		
०		३		४			

तोड़ी–तिलवाड़ा (विलम्बित)

स्थायी.

	मं			नि		ध		ग			
	ध	पमं	गमं	ध	—प	म	ग	मंरे	ग	—	रेरे
ऽ	ऽत	नन	दरे	ना	ऽत	दा	ऽ	नीऽ	ऽ	ऽ	तारे
३				×				२			
ग				सा		मं				रे	
रें	—	सा	—	निरेगमं	प	गमंगरे	निध,नि	सा	—रे	ग	—
दा	ऽ	नी	ऽ	दाऽऽऽ	ऽ	नीऽऽऽ	ऽऽ,त	दी	ऽम्त	दी	ऽम्
०				३				×			

ध ग मंपधनि –ध पध मंग	ध नि म ध ध –ध	ध गं सां निसां रें सां
ताSSS Sन्न देरे नाS २	दा S नी Sउ ०	दा SS नी S ३
नि रें धनि सांरें गं –	रें ध नि –ध मंध निसां	रें सांरें गंगंरेंसां निधपमं
नाद्रे तुंद्रे दी Sम ×	दी Sम तदि याना २	रे SS नाSSS SSSS ०
म गरेसासा –ध पमं गमं		
SSSS Sत नन देरे		

अन्तरा.

ध –मं धनि	सां निसां –नि सांरें	रें नि ध धनि सांरें
S S Sउ दन ३	तो SS Sम्त दिया ×	रे S तन देरे २
रें गं रें सांनि सांरें	रें नि ध प –	ध ध मंपधनि ध प मंग
S न्ना Sत नन ०	ना S रे S ३	ताSSS रे S देरे ×
ध म ध ध –ध	नि सां –ध निसां	गं रें – सां –
ना S दी Sम्त २	दी S Sम्त नन ०	दी Sम दी Sम ३

नि	रें-	रें	गंरें	गं	मंगं	पं	–	मंपं	मंगंगंरें	सांनिधप	मंगरेसा
ता	ऽऽ	रे	ऽऽ	ना	ऽऽ	रे	ऽ	ऽऽ	दाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
×				२				०			
सा	–ध	पम	गम								
नी	ऽत	नन	देरे								
३											

तोड़ी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प									
ध	–	ध	प	प	म	प	म	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	न	ह	द	ना	ऽ	द
×		२			०		३		
म							ग		
ग	म	प	ध	म	ग	रे	रे	सा	–
उ	प	जो	ऽ	ज	ग	त	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सा				सा	सा				
नि	–	सा	–	रे	रे	ग	रे	–	सा
ता	ऽ	को	ऽ	क	रूं	ऽ	ध्या	ऽ	न
×		२			०		३		
ध								म	
मं	–	ध	नि	सां	नि	ध	प	ग	म
पा	ऽ	क	म	न	घ	ट	में	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

ध	–	ध	ध	नि	ध	प	म	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	न	ह	द	ना	ऽ	द।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प				प	सां				
म	ग	म	ध	ध	नि	सां	सां	–	सां
ख	र	ज	रि	ख	ब	गं	धा	ऽ	र
×		२			०		३		
सां					सां			रें	
नि	सांरें	गं	रें	सां	नि	सां	रें	नि	ध
स	ऽऽ	स	सु	र	आ	ऽ	ह	त	मि
×		२			०		३		
ध									
म	ध	निसां	नि	ध	म	ग	रे	–	सा
ला	ऽ	यऽ	नि	र	गु	न	ब्र	ऽ	ह्म
×		२			०		३		
सा		रें							
रे	गं	गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध	प
व्या	ऽ	प	क	ज	ग	त	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
ध	–	ध	नि	धप	म	प	म	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	नऽ	ह	द	ना	ऽ	द।
×		२			०		३		

तोड़ी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग		ग							
रे	रे	रे	रे	—	सा	सा	सा	—	सा
ल	ड़े	ह	म	ऽ	न	हु	से	ऽ	न
×		२			०		३		
सा					सा				
नि़	—	सा	—	रे	नि़	सा	नि़	ध़	ध़
ई	ऽ	मा	ऽ	म	सैं	ऽ	य	ऽ	द
×		२			०		३		
नि़					ध				
ध़	ध़	ग	ग	—	म	म	ध	—	नि
सु	भ	ट	धू	ऽ	म	म	ची	ऽ	भ
×		२			०		३		
ध		ध			म				
म	ध	म	—	ग	ग	म	प	ध	नि
ई	ऽ	जं	ऽ	ग	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ती।
×		२			०		३		
ध		म							
म	म	ग	रे	—					
ल	ड़े	ह	म	ऽ					
×		२							

अन्तरा.

ध			ध						
म	—	ग	म	ध	नि	सां	सां	सां	—
खे	ऽ	त	बि	र	छा	ऽ	इ	यो	ऽ
×		२			०		३		

					सां		रें	नि	
रें	—	गं	रें	सां	नि	सां	सां	ध	—
सिं	ऽ	घ	के	ऽ	छा	ऽ	व	ड़े	ऽ
×		२			०		३		
नि			गं						
ध	ध	गं	रें	गं	रें	—	सां	नि	ध
भ	ले	च	ले	ऽ	ख	ऽ	ङ्ग	व	गि
×		२			०		३		
ध					सां				
म	ध	नि	सां	रें	नि	सां	नि	ध	प
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ	थी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		
			ध		ग		ग		
प	प	ध	म	ग	रे	रे	रे	—	सा
ल	ड़े	ह	स	ऽ	न	हु	से	ऽ	न।
×		२			०		३		

संचारी.

नि					नि				
सा	सा	ध	ध	—	ध	—	ध	प	प
क	र	ब	ला	ऽ	भू	ऽ	मि	प	र
×		२			०		३		
प							ध		
म	म	प	—	ध	प	ध	म	ग	—
म	हा	भा	ऽ	र	त	भ	यो	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

म					म				
ग	म	प	ध	म	ग	–	रे	सा	–
हु	वे	सै	ऽ	य	द	ऽ	ज	ब	ऽ
×		२			०		३		
					प				
नि									
ध	नि	सा	रे	ग	म	प	म	ग	–
न	बी	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

आभोग.

ध		ध			सां				
म	ग	म	–	ध	नि	नि	सां	–	सां
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ज	ब	ह	ऽ	र
×		२			०		३		
सां					सां				
रें	–	गं	रें	सां	नि	नि	सां	नि	ध
नू	ऽ	र	को	ऽ	त	ख	त	ले	ऽ
×		२			०		३		
प								नि	
ध	गं	गं	रें	गं	रें	–	सां	ध	ध
सा	ऽ	ह	प	र	भी	ऽ	स्त	कु	र
×		२			०		३		
ध					रें				
म	ध	नि	सां	रें	नि	सां	नि	ध	प
बा	ऽ	न	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

		ध					ग		
ध	ध	म	ग	—	रे	रे	रे	—	मा
ल	ड़े	ह	स	ऽ	न	हु	से	ऽ	न।
×		२			०		३		

तोड़ी—झपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प									
ध	ध	ध	ध	नि	ध	ध	प	म	ग
तु	म	स	मा	ऽ	न	न	दू	ऽ	जो
×		२			०		३		
म									
ग	म	प	ध	म	ग	—	रे	—	मा
ज	ग	में	ऽ	मो	रे	ऽ	रा	ऽ	ज
×		२			०		३		
नि									
ध	नि	सा	रे	ग	रे	—	सा	—	सा
स	क	ल	गु	न	सं	ऽ	प	ऽ	न्न
×		२			०		३		
प		सां							
म	ध	नि	सां	—	निध	नि	ध	—	प
तु	म	ग	री	ऽ	बऽ	न	वा	ऽ	ज
×		२			०		३		

अन्तरा.

	म	ध			सां				
प	ग	म	ध	--	नि	नि	सा	—	सां
भ	र	न	पो	ऽ	ष	न	दु	ऽ	क्ख
×		२			०		३		

नि							सां		
ध	नि	सां	रें	गं	रें	सां	नि	सां	निध
दा	ऽ	ली	ऽ	द्र	भ	य	ह	र	नऽ
×		२			०		३		
				मं					
ध	नि	ध	प	ग	प	ग	रे	–	सा
ख	ट	द	र	स	न	नि	वा	ऽ	म
×		२			०		३		
सां					सां				
नि	नि	रें	गं	रें	नि	सां	नि	ध	प
तु	म	हो	ऽ	ध	र	म	रा	ऽ	ज।
×		२			०		३		

तोड़ी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प		मं				सा					
ध	मंग	रे	ग	रे	सा	नि	सारे	ग	म	प	–
ह	रऽ	ह	र	शि	व	शं	ऽऽ	क	र	गं	ऽ
०		३		४		×		०		२	
प			ध		मं	ध		प	सां		
म	प	ध	म	ग	ग	म	ध	ध	नि	सां	नि
गा	ऽ	ऽ	ध	र	पि	ना	ऽ	कि	पा	ऽ	र
०		३		४		×		०		२	
		ध			प				ग		
ध	प	म	प	ध	म	ग	रे	–	रे	–	सा
ब	ती	अ	र	ऽ	धां	ऽ	गी	ऽ	सो	ऽ	हे।
०		३		४		×		०		२	

अन्तरा.

म	म		ध								
प	ग	–	म	–	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
न	र	ऽ	रुं	ऽ	ड	मा	ऽ	ल	कं	ऽ	ठ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि										
सां	ध	–	नि	सां	रें	गं	रें	सां	नि	सां	निध
औ	र	ऽ	वे	ऽ	ष	वि	रा	ऽ	ज	ऽ	तऽ
×		०		२		०		३		४	
ध											
म	ध	निसां	निध	नि	ध	प	–	मध	नि	ध	प
भ	ऽ	म्पऽ	अंऽ	ऽ	ग	मे	ऽ	तऽ	ब	म	न
×		०		२		०		३		४	
प	ध		रे								
म	मग	रे	ग	रे	सा						
मे	ऽऽ	त	सो	ऽ	हे						
×		०		२							

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि				सा	सा						
ध	नि	सा	रे	रे	ग	–	रे	–	रे	सा	–
मे	रे	तो	ऽ	अ	ल्ला	ऽ	ना	ऽ	म	को	ऽ
३		४		×		०		२		०	

सा	ग			नि			सा				
रे	रे	—	सा	सां	नि	—	नि	सा	रे	ग	रे
आ	धा	ऽ	र	जि	ने	ऽ	र	चो	ऽ	ऽ	मं
३		४		×		०		२		०	
	सा			रे			ध			ग	
सा	नि	सा	रे	नि	ध	ध	ग	—	ग	मंरे	ग
ऽ	सा	ऽ	र	का	ऽ	म	क्रो	ऽ	ध	लोऽ	ऽ
३		४		×		०		२		०	
	ध			ध			ग				सा
ग	म	ध	नि	म	ग	—	रे	ग	रे	सा	ध
भ	म	हा	ऽ	जं	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ल.	मे।
३		४		×		०		२		०	
—	नि										
ऽ	रे										
३											

अन्तरा.

मं			मं	नि							
प	प	—	प	ध	—	नि	सां	नि	सां	सां	सां
जि	ने	ऽ	र	चो	ऽ	अ	र	म	कु	र	स
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		सां							नि	
सां	ध	—	नि	सां	रें	गं	रें	सां	निसां	ध	—
ज	मीं	ऽ	आ	ऽ	स	मा	ऽ	ऽ	ऽऽ	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	

प						प	ध		रे		
मंध	नि	सां	नि	ध	प	ध	म	ग	ग	रे	सा
निऽ	रं	ऽ	ज	ऽ	न	नि	रा	ऽ	क्ता	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
सा			ध		प	सां					
नि़	सारे	ध	म	ध	ध	नि	ध	नि	ध	प	प
सां	ऽऽ	चो	क्यों	ऽ	न	से	ऽ	ऽ	वो	प	र
×		०		२		०		३		४	
प								नि़	नि़		
ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	सा	ध़	नि़		
व	र	ऽ	दि	गा	ऽ	र,	मे	ऽ	रे		
×		०		२		०		३			

तोड़ी—चौताल (विलम्बित)

स्थायी.

											ध
											व
				ध					ध		प
ध	प	मंप	ध	म	–	ग	मरे	ग	म	ध	ध
र	नी	ऽऽ	न	जा	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ये	ऽ	हो
३		४		×		०		२		०	
				ध			ध			ग	
–	नि	ध	प	म	प	ध	म	ग	–	रे	ग
ऽ	ते	हा	रि	ली	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	या	ऽ
३		४		×		०		२		०	

				सा			रे				सा
–	रे	–	सा	नि़	सा	रे	नि़	ध़	प़	–	नि़
ऽ	ते	ऽ	म	आ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	म	ऽ	नि
३		४		×		०		२		०	
	ग							ग			सा
सा	रे	–	सा	सारे	ग	–	रे	रे	सा	–	ध
ऽ	ग	ऽ	म	आऽ	गो	ऽ	च	ऽ	र	ऽ,	ब।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

मं			मं			सां					
प	ध	प	ग	म	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां
ए	क	ज	को	ऽ	ऽ	दी	न	द	या	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
नि	नि		सां								
सां	ध	–	नि	सां	रें	गं	रें	सां	निसां	नि	ध
ल	ढे	ऽ	ल	ढा	ऽ	ऽ	व	ऽ	ऽऽ	त	ऽ
×		०		२		०		३		४	
				ध		रे					
धनि	ध	पम	पध	म	ग	ग	गं	–	रें	सां	निसां
एऽ	क	ऽऽ	नऽ	को	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽऽ
×		०		२		०		३		४	
सां		ध									
नि	ध	सां	नि	ध	प	–	धनि				
सा	ऽ	मं	छ	ऽ	र	ऽ,	बऽ				
×		०		२		०					

तोड़ी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि़				सा			रे				
ध़	नि़	सा	रे	रे	ग	—	ग	रे	मा	—	रे
मे	रे	तो	ऽ	तू	ही	ऽ	आ	ऽ	न	ऽ	मा
३		४		×		०		२		०	
	ग			सा			सा				
रे	रे	—	सा	नि़	सा	—	रे	—	ग	रे	मा
न	ध्या	ऽ	न	जि	या	ऽ	जा	ऽ	न	नै	ना
३		४		×		०		२		०	
	सा		नि़	ध़			सा			रे	
—	नि़	सा	ध़	म़	ध़	—	नि़	मा	—रे	ग	—
ऽ	प्रा	ऽ	न	ह	ज	ऽ	र	त	ऽऽ	मा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे		प									नि़
ग	—	म	प	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	ध़
हे	ऽ	म	र	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न,	मे।
३		४		×		०		२		०	
—	नि़	सा	रे								
ऽ	रे	तो	ऽ								
३		४									

अन्तरा.

			नि						सां		
प	प	—	ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
अ	न	ऽ	ध	ऽ	न	त	न	ऽ	म	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	

नि			सां								
ध	—	ध	नि	सांरें	गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध
बा	ऽ	र	धा	ऽऽ	म	मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प						प			ग		
ध	ध	नि	ध	—	प	ग	ग	रे	रे	सा	—
गु	रू	ऽ	ज	ऽ	न	स	क	ल	तु	मी	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे	रे	म	प						ध		
नि़	सा	ग	म	प	—	म	ग	—	म	ध	—
दी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध			ग				नि़				
म	ग	रे	रे	—	सा	—	ध़	—	नि़	सा	रे
ऽ	ऽ	न	मा	ऽ	न	ऽ	मे	ऽ	रे	तो	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी–चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

											सा
											रे
											मे
				सा							
—	सा	निसा	निध़	नि़	रे	नि़	ध़	नि़	ध़	प़	म़
ऽ	री	ऽऽ	बऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वै	जो
३		४		×		०		२		०	

ध़	नि़	सा	—	रे	सा	—	सा	नि़	सारे	ग	—
ऽ	घ	री	ऽ	घ	री	ऽ	मो	हे	खिऽ	जा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
			नि़	नि़							सा
रे	—	सा	सा	ध़	नि़	सा	रे	ग	रे	सा	रे
ऽ	ऽ	वै	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वै,	मे।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ध											
म	ग	—	ध	म	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां
ऐ	सो	ऽ	लं	ग	र	ढी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ट
×		०		२		०		३		४	
नि											
ध	नि	—	सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	नि	ध
को	ऽ	ऽ	ऊ	ऽ	न	दे	ऽ	ऽ	ऽ	खो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
						सां					
ध	ध	नि	ध	—	प	नि	—	रें	नि	ध	प
स	ब	न	छां	ऽ	ड़	मो	ऽ	ऽ	हू	ऽ	सों
×		०		२		०		३		४	
				ग			सा				
ध	ध	म	ग	रे	—	सा	रे				
ने	ऽ	ह	ज	ना	ऽ	वै,	मे				
×		०		२		०					

संचारी.

ध म	ग	—	म	ध	प ध	प ध	नि	ध	नि	ध	प
दु	र	ऽ	ज	न	में	ठा	ऽ	ड़ि	ति	न	में
×		०		२		०		३		४	
ध म	ध	नि	ध	—	प	ध म	प	ध	ध म	—	ग
मो	ही	ऽ	को	ऽ	ल	जा	ऽ	ऽ	वै	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध म	ग	ध	ध	ध म	ग	रे	—	—	ग रे	—	सा
स	ग	री	त्रि	य	न	में	ऽ	ऽ	मो	ऽ	हे
×		०		२		०		३		४	
सा नि	सा	रे	ग	—	ध म	ध	—	नि	ध	प	—
री	ऽ	ऽ	म	ऽ	च	ढ़ा	ऽ	ऽ	ऽ	वै	ऽ
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

ध म	ग	—	ध म	ध	प ध	ध सां	सां	—	सां	—	सां
चं	ऽ	ऽ	च	ऽ	ल	स	स	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
सां नि	ध	—	सां नि	सां	रें	गं	रें	सां	सां निसां	नि	ध
तु	म	ऽ	ब	हू	ऽ	ऽ	ना	ऽ	यऽ	क	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ध						ध		ध			
म	ध	नि	ध	–	प	म	ग	म	ध	सां	सां
का	हू	ऽ	भा	ऽ	वे	का	ऽ	ऽ	ऽ	हू	न
×		०		२		०		३		४	
							सा				
रें	नि	ध	म	ग	रे	सा	रे				
भा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वे,	मे				
×		०		२		०					

तोड़ी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

										नि़	
										सा	
										सं	
रे	ध	म	ध					ध			
मग	म ध	ध	सां	नि ध	प –	–	म	प	ध	–	
भाऽ	ऽ ऽ	र	च	ल ऽ	त ऽ	ऽ	ध	र	त	ऽ	
३			×			२		०			
ध	प		ध म			ग					
म	ग मप	ध	म	ग –	रे –	रे	सा	नि़	सा	रे	
प	ग ड़िऽ	ग	म	गा ऽ	त ऽ	ऽ	छि	पा	ऽ	ऽ	
३			×			२		०			
			ध़		सा					नि़	
नि़ –	ध़	ध़	म़	ध़ –	नि़ सा	रे	ग	रे	सा	सा	
व ऽ	ऽ	त	म	ध ऽ	के ऽ	री	ब	च	न,	सं।	
३			×			२		०			

अन्तरा.

ध			सां					गं				नि			
म	ध	–	नि	सां	सां	–	रें	सां	–	ध	नि	सां	रें
क	हूँ	ऽ	ब	स	न	ऽ	क	हूं	ऽ	पे	ऽ	च	सु
×					२		०			३			
रें					नि		गं						
गं	रें	सां	नि	ध	ध	गं	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प
धा	ऽ	र	त	ऽ	ता	ऽ	प	र	क	र	त	ऽ	अ
×					२		०			३			
ध			ध				ग		नि	रे	ध		मं
म	प	ध	म	ग	रे	रे	रे	सा	सा	मग	म	ध	ध
ने	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	ज	त	न	सं	भाऽ	ऽ	ऽ	र।
					२		०			३			

तोड़ी–धमार (विलम्बित).

स्थायी.

														नि	
														सा	
														ला	
								ध							
ध	ध	नि	ध	–	प	–	म	–	–	प	–	ध		–	
ऽ	ल	ऽ	म	ऽ	ध	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ		ऽ	
०			३				×					२			
ध															
म	–	–	ग	–	–	–	रे	ग	–	रे	–	सा		–	
ते	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	ऽ	ब	ऽ	न		ऽ	
०			३				×								

सा								ग							नि
नि	सा	रे	नि	–	ध	–	रे	–	–	सा	–				सा
खे	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ,			ला।
०			३				×					२			

अन्तरा.

ध															
म	ध	–	नि	–	सां		–	सां		मां	–	नि	सां	सां	–
म	ब	ऽ	म	ऽ	खी		ऽ	य		न	ऽ	मो	ऽ	ले	ऽ
×					२			०				३			
नि								सां				सां			
ध	नि	सां	रें	गं	रें		सां	नि		सां	रें	नि	–	ध	–
मं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग		ल	गा		ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ
×					२			०				३			
									म			ध			
ध	ध	नि	ध	–	–		प	प		ग	–	म	–	ध	–
अ	प	ऽ	नी	ऽ	ऽ		अ	प		नी	ऽ	खे	ऽ	ले	ऽ
×					२			०				३			
ध			ग												
म	ग	–	रे	–	सा		सा								
फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग,		ला								
×					२										

इस पुस्तक में आये हुए रागों के स्वर विस्तार

इन स्वर विस्तारों से शिक्षार्थियों के गायन में सुन्दरता आवेगी तथा इस पुस्तक में वर्णित १० रागों के चलन उनके ध्यान में भली प्रकार से आजायंगे।

इन स्वर विस्तारों में स्वल्प विराम (कौमा) उचित स्थानों पर रुकने की जगह दिखाते हैं, अतः इन विरामों का विशेष महत्व समझना चाहियें।

शिक्षकों को चाहिये कि कक्षा में अपने विद्यार्थियों को योग्य रीति से इन स्वर विस्तारों को स्वयं बारम्बार गाकर दिखावें। तत्पश्चात् उनके सम्मुख उसी प्रकार पढ़कर (बांचकर) दिखावें, ऐसा करने से विद्यार्थियों को ठीक-ठीक स्वर स्थानों की समझ तथा योग्य स्थानों पर आवाज़ को ऊंची-नीची करने की कला, इन दोनों ही बातों का शीघ्र ज्ञान हो जावेगा। जिस प्रकार भाषा की विशेषता प्रत्यक्ष रूप से भाषा को सुनकर शीघ्र ही समझ में आजाती है, उसी प्रकार यह सङ्गीत रूपी भाषा है, ऐसा कहना कुछ अंशों में उचित ही होगा।

ये विस्तार अच्छी तरह सध जाने पर फिर इनकी सहायता से छोटी-बड़ी तानों को रचने की कला विद्यार्थियों को, शिक्षकों द्वारा समझानी चाहिए। विद्यार्थियों को नई-नई तानें तैयार करने की स्वयं इच्छा हो, ऐसी प्रेरणा शिक्षकों के द्वारा मिलनी सदा हितकारी रहेगी। कौनसी तान ठीक है और कौनसी गलत ? यह बात विद्यार्थियों को कारण सहित समझाई जावेगी तो इससे उनका बहुत हित होगा।

यमन-स्वरविस्तार.

(१) ग, रे, सा, नि़रे, सा, नि़, रेग, रेग, मग, प, मग, रेग, रे, नि़, रे, सा।

(२) नि़रेग, रेसा, सा, नि़ध़, नि़ध़, प़, प़ध़नि़, ध़नि़, रे, गरे, नि़रेग, रे, नि़रे, सा।

(३) साग, रेग, मग, पमग, ध, पमग, निध, पमग, सां, निध, पमग, ध, पमग, रेग, प, रे, सा, नि़ रे, सा।

(४) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा, सारेगमपधपमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सारेगमपधनिसां निधपमगरेसा ।

(५) सा, नि़, ध़, प़, नि़, ध़, प़, नि़, ध़, नि़, रे, ग, रे, गमपमग, रे, पमग, रे, ग, रे, नि़रे, ग, रे, नि़रे सा ।

(६) सा, रेग, प, म, ग, रे, गमपधनिधपम धपमग पमग रे, प, रे, सा ।

(७) सारेगमप, गमप, मप, धप, निध, प, सां, नि, ध, प, निध, प, मध, प, म, ग, रे, गमपमग, रे, ग, रे, नि़रे, सा ।

(८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमपरे, सा, सारेगमपध-पमरे, सा, सारेगमपधनिधपमरे, सा, सारेगमपध निसांनिधपमरे, सा ।

(९) गग, पधप, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, रेंसां, निध, प, मप, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, मप, निधप, मपधप, मग, रे, गमपधनिध, प, मग, रे, पमग, रे, ग, रे, नि़रे, सा ।

(१०) सापप, प, मध, प, पध, निध, प, धप, मग, ध, प, म, ग, रे, पगरे, गरे, नि़रे, सा ।

(११) पग, पधप, सां, सां, रेंसां, गंरेंसां, पंरें, सां, निरेंगंमं-पं, रें, सां, रेंसां, निध प, मप, निध, प, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, ग, रे, ़रे, सा ।

बिलावल—स्वर विस्तार.

(१) ग, रे, सा, सारे, सा, ग, मग, प, मग, मरे, सा ।

(२) सा, ग, रे, सा, सा, नि़ध़, नि़ध़, प़, ध़सा, रेसा, ग, मपमग, मरे, सा ।

(३) सारेग, मग, प, मग, मरे, गप, ध, प, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(४) सा, नि़ध़, नि़ध़, प़, सा, सारे, सा, सारेगमरे, सा, ग, प, धनिधप, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(५) सां, निध, प, धनिध, प, ध, मग, मरे, गपधनिध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(६) सारेगमरे, सा, सारेगमपग, मरे, सा, सारेगमध, प, मग, मरे, सा, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, सा ।

(७) सासागमरे, गप, ध, निसां, सांरेंगंमंरेंरें, सां, सां, रेंसां, निध, प, ध, मग, मरे, गपधनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(८) सारेगम, रेगमप, गमध, प, निध, निसां, गंरेंसां, रेंसां, निध, प, धनिधप, मग, मरे, गमध प, मग, मरे, सा ।

(९) सारेगमप, गमप, ध, प, निध, निसां, सांरेंसां, गंमंरें, सां, रेंसां, निध, प, धनिसां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१०) सारेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरेरेसा, सारे-गमधधपध, मग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनि धपमगरे, सा ।

(११) सा, ग, मरे, सा, रे, सा, ध़, प़, ध़, सा, ग, गमग, गमध, प, मग, सां, निध, प, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

(१२) ग, ग, मग, मरे, गप, धनिधप, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१३) पप, ध, निसां, सांरेंसां, सांरेंगंमंरेंसां, गंमंरेंरेंसां, रेंसां, सां, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, पं, गं, मंरें,

सां, रेंसां, निध, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१४) साध, ध, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गप, ध, निसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१५) पप, ध, निसां, सां, रें, सां, सांरेंगंमंरेंसां, सांरेंगंमंपंगं, मंरेंरेंसां, गंगंमंरेंसां, रेंसां, निध, प, सां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

खमाज–स्वरविस्तार

(१) नि़, सा ग, म ग, प, म ग, नि॒ ध, म प ध, मग, प, मगरेसा ।

(२) नि़सागमपग, म, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(३) नि़सागमपग, म, धप, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(४) सागमपधग, म, ध, प, सां नि॒, ध, सांरेंसां, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(५) गगसागमपगम, नि॒ध, मपध, मग, धनिसां, सांनि॒-धपमगरेसा ।

(६) नि़साग, मगरेसा, प, मग, मगरेसा, नि़सागमपनि, सां, रें, नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(७) नि़साग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, सांरेंसांनि॒ध, मप, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(८) नि़सा, ग, म, प, म, ध, प, सां, नि॒, ध, मपध, मग, प, गमगरेसा ।

(९) नि़सागमप, गमप, धप, नि॒धप, सांनि॒धप, सांरेंसांनि॒धप, सां नि॒, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१०) नि़साग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, नि़सागमपधनिसां सांनि॒धपमगरेसा ।

(११) नि़साग, मगरेसा, गमधपमगरेसा, नि़सागमपनिसांरें सांनि॒धपमगरेसा ।

(१२) नि़सागमगरेसा, नि़सागमपमगरेसा, नि़सागमपधप-मगरेसा, नि़सागमपधनि॒धपमगरेसा, नि़सागमपधनि-सांनि॒धपमगरेसा ।

(१३) नि़साग, म, नि़सागमपग, म, नि़सागमपधपमग, म, नि़सागमपधनि॒धपम, ग, म, नि़सागमपधनिसांनि॒ध-पमग, म, नि़सागमपधनिसांरेंसांनि॒धपम, ग, म ।

(१४) गमध, मध, नि॒ध, सां, नि॒ध, सांरेंसां, नि॒ध; मधनिसां नि॒ध, सां, नि॒ध, गंमंगंरेंसां, रेंसां, नि॒ध, सां, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(१५) गमधनिसां, निसां, निनिसांरें, सां, नि॒ध, गंमंगंरेंसां, निसां, पनिसांरेंसां, नि॒ध, सां, नि॒ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

भैरव–स्वरविस्तार.

(१) सा, रे॒, रे॒, सा, ध़, सा, रे॒, सा, गरे॒, मगरे॒, रे॒, सा ।

(२) सा, रे॒, सा, नि़सा, ध़, नि़ध़, प़, प़ध़, सा, रे॒, गरे॒, मगरे॒, पमगरे॒, रे॒, सा ।

(३) नि़सा, रे॒, सा, नि़साध़, साध़, नि़ध़, प़, म़प़ध़, नि़, सा, रे॒, गरे॒, मगरे॒, गमपमगरे॒, गरे॒, रे॒, सा ।

(४) नि़सारे॒, सा, नि़साध़, सा, गमपमगरे॒, गमध़, प, मपमगरे॒, गमपमगरे॒, रे॒, सा ।

(५) साग, मप, ध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

(६) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरे-रेसा, सारेगमपधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनिधपमगरेसा ।

(७) निसामगरेसा, निसागमपग, मरेरेसा, निसागमपग, म, ध, निध, प, मप, मग, रेसा, निसागमपधनिसां-निधमपगमरेसा ।

(८) निसागमप, गमप, मप, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, निध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; गमप, ध, प ।

(९) निसागमपग, म, ध, निसां, सांरेंसांनिध, सांनिध, निध, प, गमनिध, प, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा; ग, मप, ध, प ।

(१०) साधपधमपमगरेगमपमगरेसा, सारेसानिध, निसा, गरेगपमगरेसा; ग, मप, ध, प ।

(११) मप, ध, निसां, निसां, सांध, निसां, रें, सां, नि, सां, ध, प, मग, मप, ध, रें, सां, निध, धप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

(१२) साध, ध, निध, प, पध, निसां, रेंसां, निसां, ध, प, ग, मप, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, सा ।

(१३) प, प, ध, निसां, सां, निसां, ध, निसां, रें, सां, निसांध, प, मं, गं, मं, रें, सां, रें, सां, निसां, ध, प, मग, मप, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

पूर्वी–स्वरविस्तार

(१) ग, रे, सा, निरे, सा, नि, सारेग, रेग, मग, प, म, ग, रेग, मग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(२) नि, सारेग, रेग, मग, पमग, धपमग, मग, रेग, मधमग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(३) निनि, सारेग, मग, गममगमग, पधमपमग, मग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(४) सा, नि, रेनि, ध, प, मप, धनिधप, मग, मध, नि, धनि, सा, निरेग, मग, रे, सा, निरे सा ।

(५) सा, निरे, सा, निरेग, रे, सा, निरेगमगरेसा, निरेगमपमगरेसा, निरेगमपधपमगरेसा. निरेगमपधनिधपमगरेसा, निरेगमपधनिसां निधपमगरेसा, नि, सारेग ।

(६) निरेगमप, गमप, मप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, रें, नि, ध, प, मपध, मप, मग, मग, निरेग, धमग, रे, सा, निरे, सा ।

(७) साधपधमपमग, मरेग, मगरेसा, निरेगरेसा, पमगरेगमगरेसा ।

(८) निरेगमप, गमप, धप, निध, प, मपधमप, मग, मग, निरेगमपमग, मग, धपधमपमग, मग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(९) निरेग, निरेगमग, निरेगमपमगमग, निरेगमपधपमगमग, निरेगमपधनिधपमगमग, निरेगमपधनिसां निधपमगमग, निरेगमपधनिसांरेंनिधनिधपधपमगमग, निरेगमधमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(१०) मग, मधम, सां, सां, निरें, सां, निरेंगंरें, सां, रेंसां, नि,

ध, रें, नि, ध, प, मधनि, रेंनि धप, पधमप, मग, मग, निरे, ग, मधमग, रेग, ग, रे, सा, निरे, सा ।

(११) सा, प, प, मपध, प, निध, प, सां, नि, ध, प, मप, निध, प मपधमपमग, निरेगमधमग, रे, ग, रे, सा, नि रे सा ।

(१२) मग, मधप, सां, सां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, निरेंगंमंगं-रेंसां, गंरेंसां, रेंसां, नि, ध, प, मधरेंनिध, प, मपधम-प, मग, मग, निरेग, मधमग, रेग, रे, सा, निरे, सा; नि, सारेग ।

मारवा—स्वरविस्तार

(१) ग, रे, सा, नि रे, सा, निरेग, रेग, मग, रे, सा ।

(२) निरेग, मग, धमग, रेगमधनिध, मग, रे, ध, मग, रे, ग, रेसा, निरे, सा ।

(३) निरेग, मधमग, निध, मग, निरेंनिधमध, मग, ध, मग, मग, रे, सा, नि रे, सा ।

(४) सा, निरेनिध, मधसा, रे, गरे, मगरे, धमगरे, निधम गरे, गमध, मगरे, गरे, सा, नि, रे सा ।

(५) निरेसा, निरेगरेसा, निरेगमगरेसा, निरेगमधमगरेसा, निरेगमधनिधमगरेसा, निरेगमधनिरेंनिधमगरेसा ।

(६) धमधमगरे, गमगरेसा, निरेसा, निरेनिध, मधसा, निरेगम-गरेसा, निरेगमधनिरेंनिधमगरेसा ।

(७) निरेग, रेग, मग, धमग, निरेंनिधमग, निनिधधममगग, रेंरेंनिनिधधममगग, रेगमधनिधमग, निधमगमगरेसा ।

(८) मग, मधम, सां, सां, निरेंसां, गंरेंसां, मंगंरेंसां,

निरेंसां, निरेंनिध, मध, निधमग, रेगमधनिधमग, ध मग, मग, रेसा ।

(९) साध, ध, निध, मध, निध, मगरे, गमध, निध, मग, रे, ग, रेसा ।

(१०) मग, मध, म, सां, सां सांरेंसां निरेंगमंगंरेंसां, मंगंरेंसां, रेंसां, रेंनिध, मध, निधमग, रे, गमधमग, रे, ग, रे, सा, निरे, सा ।

काफी–स्वरविस्तार.

(१) सा, रेंरेग, सा, रेप, मप, धप, मपधमप, ग, रे, रेग रेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(२) निसा, मगरेसा, निसा, धनिसा, रेगरे, मगरे, पमगरे, धपमपगरे, निधमपधमपगरे, रेगरेमगरेसा; निसारेग, सा, रेप ।

(३) निसाग, रे, म, ग, रे, प, मपग, रे, धपमपगरे, निधपमपधमपग, रे, सांनिधपमपधमपग, रे, रेगरेम-गरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(४) सा, रेसा, निधनिसा, धनिसा, मधनिसा, धनिसा ग, रे, म, ग, रे, प, मप, ग, रे, सांरेंसांनिधपमप-सांनिधपमपगरे; रेगरेमगरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(५) सा, रेप, मप, धप, धनिधप, सांनिधप, रेंरेंसांनिधप, सांनिधप, मपधमप, ग, रे, निनिधपमपधमप, ग, रे, प, ग रे, रेगरेमगरेसा, सा, रेग, सा, रेप ।

(६) सा, गमप, गमपधनिधप, गमपधनिसांनिधप, गम-पधनिसांरेंसांनिधप, गमपधनिसांरेंगंरेंसांनिधप, सां,

निधप, धप, मपधमप, ग, म, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(७) सारेरेग, सा, रेप, म, पधनिसां, निधपमगगरेरे, रेनि-धनिपधमप, मगमप, म, सानि, सागरेमगरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(८) सांनिधप, निधपम, धपमग, मगरेसा, सागरेग, सा, रेप ।

(९) गंगंरेंसां, रेंरेंसांनि, सांसांनिध, निनिधप, धधपम, पप-मग, ममगरे, मगरेसा, सारेमपधनिसांरेंनिधपमग, रेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

(१०) म, पध, निनिसां, निनिसांरेंसांनिध, सांरेंसांनिध, मप, निधमप, ग, रे, रेगरेमगरेसा; सारेरेग, सा, रेप ।

आसावरी–स्वरविस्तार.

(१) सा, रेम, प, प, ध, प, धम, पधमप, ग, रेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(२) सा, रेम, प, प, ध, प, निध, प, सां, नि, ध, प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(३) सा, रेसा, निध, निध, प, मपध, सा, रेमपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(४) सारेम, रेम, प, प, ध, निध, सांनि ध, प, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(५) सारेमप, प, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां, निध, प, गंगंरेंरेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(६) सासामगरेसा, रेमपधमपग, रेसा, रेमपनिधपधमपग, रेसा, रेमपनिधसां, निधप, धमपग, रेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(७) सारेसा, सारेगरेसा, सारेमपग, रेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधपधमपग, रेसा, सारेमपध, सां, सांनिधपमगरेसा; रेम, प, प, ध, प ।

(८) सां, रेंसां, गं, रेंसां, मंगंरेंसां, रेंसां, निध, सां, निध, नि ध, प, मप, सां, निध, प,म, प निध, प, मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(९) सासा, ध, प, निध, प, ममपनिध, प, धमपग, रेसा, सागं, रेसा, रेसा, निधप, मपध, सा, रेमपधम, पग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(१०) सारेमगरेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधप-धमपग, रेसा, सारेमपध, सां, निधपधमपधमपग, रेसा; रेम, प, नि, ध, प ।

(११) मप, ध, ध, सां, सां, ध, सां, रें, रें, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, गं, रेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प, सां, निध, मपधमप, ग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प ।

(१२) सांध, ध, निध, प, सां, निध, ध, प, धम, पनिध, प, धमप,ग, रे,रे, सा, साध सा, रेम, प, धमप, ग, रे,सा ।

(१३) म, पध, सां, सां, गंरेंसां, मंगंरेंसां, गंरेंसां, रेंसां, सां, ध, निध, प, मपध, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध, प, मप, सां निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प ।

भैरवी–स्वरविस्तार.

(१) ग, सारेसा, ध़, नि़, सा, ग, मगरेसा ।

(२) सा, नि़सा, ध़, नि़सा, ग, मग, पमग, रेसा, मगरे, सा ।

(३) नि़सागा, मग, पमग, धपधमपग, निनिधधपधमपग, पग, मग, सा, रेग, मगरेसा ।

(४) नि़सागा, रेग, मग, पमग, पधमपग, निनिधधपधमपग, सां, नि, ध, प, धमपग, रेसा, रेग, मगरेसा ।

(५) नि़सागगरेसा, नि़सागमपग, मगरेसा, नि़सागमपधमपग, मगरेसा, नि़सागमपधनिधपधमपग, मगरेसा, नि़सागमपधनिसांनिधपधमपग, मगरेसा ।

(६) सा, नि़, ध़, प़, ग़, म़, ध़ नि़, सा, ध़नि़सा, रेसा, मगरेसा, नि़सागमप, ग, मगरेसा, नि़सागमपधनिसांनि धपमगरेसा ।

(७) नि़सागमप, गमप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, गं, रें, सां, नि, ध, प, सां, नि, ध, प, नि, ध, मपग, सा, रेग, मगरेसा ।

(८) साधपधमपगम, निध, सा, रेगम, गरेसा, ध़नि़सारेनि़सा, पमगरेसा ।

(९) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसां, सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा, नि़सागमपधनिसांनिधपमगरेसा ।

(१०) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा,

सारेगमपधपमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सारे-गमपधनिसांनिधपमगरेसा ।

(११) सा, ध़, निध़, गमध़, ध़, नि़, सा, ग, पग, धपग, धधमपग, रे, मगरेसा ।

(१२) ध, मध, निसां, सां, रेंसां नि, नि, सां, गंरेंसां, नि, ध, प, साध, प, धमप, ग, म, नि, ध, प, ग, म, ग, रे, सा ।

(१३) सा, ध, प, ध, मपम, सा, रेग, म, ग, रेसा, रेसा, ध़, नि़सा, सारेसा, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

(१४) ध, मध, निसां, सां, रेंसां, गं, रेंगं, मंगं, रेंसां, गं, रेंसां, सां, रें, निसां, ध, सांध, प, सा, ध, पधमप, ग, पग, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

तोड़ी—स्वर विस्तार.

(१) ग, रे, सा, नि़, सारेग, मंग, धमग, रेग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(२) नि़, सारेग, मग, प, मध, प, मपध, मग, ध, मग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(३) नि़नि़, सारेग, मग, धमग, मधनिध, प, मपधमप, मग, ध, मग, रेग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(४) सारेग, रेग, मग, धमग, निध, प, मपध, मग, रेंनि-धनिध, प, मपधमप, मग, धमग, ध़नि़सारेग, मग, धमग, रेग, रे, सा, नि़रे, सा ।

(५) सा, नि़सा, रे, नि़ध़, नि़ध़, मध़, नि़सा, ध़नि़सा, रेगरेसा, मग, रे, सा, मधनिध, प, मधमग, रे, सा नि़, सारेग ।

(६) सा, निध, निध, प, मपध मग, मध, नि, धनिसा, रेगरेसा, धनिधपमग, रेसा, निसागमधनिसां, निध-पमगरेसा; निनि, सारेग ।

(७) सा, रेसा, ग, रेसा, मग, रेसा, धमग, रेसा, निधमग. रेसा, रेंनिध, निधप, धमग, रे, सा, नि, सारेग ।

(८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा, सारेगमपधमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा, सारे-गमपधनिसांनिधपमगरेसा, निनि, सारेग ।

(९) निसागमप, गमप, धप, निध, प, सां, निध, प, मप-धनिधप, मपधमपमग, नि, सारेग, धमग, रेग, रे, सा, नि, सारेग ।

(१०) निसागमधनिसां, धनिसां, रेंसां, गं, रें, सां, निसांरें, निध, रेंनिध, निध, प, मधनिसांरेंगंरेंसां, निध, निध, प, मपधनिधप, मपध, मग, धमग, रेग, मग, रे, सा, निरे, सा ।

(११) मग, मध, नि, सां, सां, निसां, निध, निसां, रेंगं, रें, सां, नि, सां, रें, निध; निध, प, गं, मंगं, रें, सांनि, सां, रें, निध, मधनिसां, रें, निध, निध, प, मपधनिध, प, मपध, मग, ध, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(१२) सा, ध, ध, निध, प, मप, मध, नि, रेंनि, ध, प, म, पध, मग, रेग, रे; सा ।

(१३) मग, मध, सां, सां, रें, सां, रेंगंरेंसां, मंगं, पं, मंगं, रें, सां, निसां, रें, निध, रेंनिध, प, मधनिध, प, मपध, मग, गं, रें, सां, निसांरें, निध, निध, प, मधनिध, प, मपध, मग, रेग, ध, मग, ग, रे, सा, निरे, सा

चीजों की सूची.

पृष्ठ

अ.

अखियां लागी रहत. ... ३६०
अचरा छोरो अब. ... १५६
अति अरुण बरन पिया. ८६
अति अलसानि री. ... ३८५
अति प्रताप तेरो. ३७८
अति सांडे नाले गलांकरके. ३६५
अनत कहा जिन जावो. ... १७४
अनाहत नाद अकास. ... ३०६
अनि मेंकी तन्हां. ... ३४
अब कब तक तरसाये. ... १३५
अबके टेक हमारी. ... ३४७
अबके समें फागुन ... १६१
अब चतुर दंडिमत. ... २६७
अब तोरि बांकी लो. ... ४०१
अब तो सैली उगे. ... ३६४
अब न जगावो प्यारे. ... १७३
अब मोरे राम-राम रे ... ४४६
अरी येरी आली. ... ३५
अरे मन समझ-समझ ... ३६१
अरे मन हरसों करे. ... १२६
अरे मोरे सैंया खता. ... १३८
अल्ला जाने अल्ला जाने. ... ४३७
अल्हैया बिलावल. ... ७७
अवगुनन की. ... २३
अवगुन बकस करम. ... २८६

आ.

आई है खेलन फाग. ... ३८७
आज और काल और. ... १०८
आजको सिंगार सुभग. ११३
आज तो सखिरी देखे. ... १५२
आज नंदलाल सखी. ... २०७
आज मन बस गई. ... ३२७
आज मोरे आये सो. ... ३४२
आज रसमाते होरी. ... २३१
आदि अनहद नाद. ... ४६८
आनावे मिल जानावे. ... २६१
आये भैरव भोला. ... २००
आये रंग सों भीजे. ... १६२
आयेरी मेरे धाम. ... ३३८
आयो फागुन मास. ... ३८६
आयोरे जीतही राजाराम. ३८२
आली देखो भोर भई. ... ४२७
आले नबी औलाद. ... २७
आवन कह गये. ... २३६
आहत अनहद भेद. ... ३१
आहो कैसे जान पाओगे ... २७७

उ.

उदतन देरेना. ... ३०१

ए.

एकपल छिन कबहूंना. ... १८७
एजि मेरे भोरे आये. ... ३६८
एजू काल की ग्वालन. ... ११८
ए तकत हूँ तेहारी. ... ६७
ए तारी डफ बाजत. ... १२०

	पृष्ठ
ए मकदूम साहेब. ...	२५८
एरि ऐ मैं कौन जतन. ...	३५१
एरी लाल मिले जिया. ...	४५
एरी सखी तोहे पूरबी. ...	२३६
ए हूं तो बार-बार जाऊँ.	१८२
ऐ.	
ऐमन कल्याण. ...	२०
ओ.	
ओदतन दीम्-दीम. ...	९९
ओदन तोम्तनन. ...	१९८
ओदना तोम्तननदेरे. ...	१४१
ओदाताना द्रेताना. ...	३७४
ओदेतन देरेना. ...	१४२
ओदेले ते देलेतन. ...	५४
औ.	
औसर लाग रही. ...	१८८
क.	
कगवा बोल रही रे. ...	३६९
कगवा बोले मोरि. ...	२४०
कदर पिया नैया मोरि. ...	३२५
कर कपाल लोचन. ...	२६५
करीम रहीम बंदेनवाज़.	१९६
कललि म्हाने दारुडी. ...	४४०
कवन बटरिया गइलो. ...	८८
कहे सखी कैसे के करिये. ...	४८
कहो सखी पिया के. ...	३४
कंथा मोरे ये जिन. ...	९७
काउ कि रीत को करे. ...	२८८
काजर कारे अति सुक. ...	२४५
कान्ह करत मोसे रार. ...	४३६
कान्हा बांसुरी बजावे. ...	१९१
कान्हा मोहे आसावरी राग.	३५९
कान्हा ऐसी बंसी बजाई.	४२७
कारि करूं मैं एक पल. ...	३६८
काहूको ना इनको	९६
काहे छेड़ो मोहे हो श्याम.	३२१
किधों तो वे चेटक. ...	७१
किर्पा करोरे मो मन. ...	४५०
केसर घोरके. ...	७२
कैसी ये भलाई रे. ...	३९४
कैसे होरी खेलत है. ...	३१४
कोयल बोले माई.	१९३
को समझावो रे कहो. ...	४५६
क्या गुलाल सैंया मोपे. ...	४२४
ख.	
खेलन लागे हरि जू होरी.	२१०
ग	
गंगाधर त्रिनयन. ...	२२६
गायक सब मिल विचार.	३१२
गांव-गांवकी लुगैयां. ...	३१०
गुनि गावत काफि राग. ...	३२०
ग्यानन मों ग्यानी. ...	२७४
ग्यान मदमाते. ...	२०३
च.	
चतुर राग गायो. ...	३५८
चरन परसत. ...	२५५
चरनन सुख. ...	६५
चलोरी माइ औलिया. ...	२४३
चलो हटो गिरधारी श्याम.	२९३
छ.	
छांडो-छांडो छैला. ...	३२६
ज.	
जगत जननि जगदंब. ...	२८७
जाग उठे सब जन. ...	८१

	पृष्ठ
जागे मेरे भाग आज. ...	३४०
जा-जा रे पथिकवा मोरे.	४४८
जा दिन बिछुरे. ...	४२१
जानेदो मोहे छोरो. ...	३३३
जाय तू मन गुरुचरन. ...	३६४
जावो कदर नाहीं. ...	१५७
जावो मोहन मोरे फंद. ...	२८६
जिऊ मोरा चाहे पिया. ...	४५१
जिन डारो रंग मानो. ...	३२३
जियरा हुलसेना मोरे. ...	१८५
जिया निकसोइ आवे. ...	२६८
जियो करो कोटि बरस. ...	३८
जो तू रचो समान. ...	४१७
जोरे-जोरे छुवो नाहीं ...	३२६
झ.	
झांझन मोरा झनकाई. ...	२६६
ट.	
टुनवाहे माई करदे. ...	२५१
ड.	
डारत केसर पिचकारि ...	४२६
ढ.	
ढोलन मांडे जाने. ...	६२
त.	
तदानिदानि तोम्तन. ...	४०८
तदारेदर आदानी. ...	४६५
तनदेरेना तद्रेना. ...	२६४
तनदेरे नादान्नि ...	३३६
तनन तनन तनदर्ना. ...	१६७
तनन तनन तोम्तन. ...	२६२
तनन तन नादिर. ...	४१०
तनन दिरदिर तानोम. ...	४०७
तननदेरे नातदानि. ...	४६६
तननन तनना. ...	३०५
तनन नादेरे नाद्रेना. ...	१०२
तननना द्रे दानि. ...	३७२
तनना द्रेद्रे तोम्तनन. ...	५६
तब कहत अल्हैया रूप. ...	७६
तब कहत चतुर. ...	१२४
तब कहत बिलावल. ...	७६
तान ताल सोंही गाइये. ...	६४
तीवर गमधनि सुर. ...	२८४
तुम समान न दूजो. ...	४७३
तू अब याद कर रे. ...	२०१
तू ही भज-भज रे. ...	६०
तेरोही चन्द्रवदन. ...	१५०
तेले नादिरदीम. ...	५८
तोम्तनन तनन. ...	३०३
तोम्तनन तोम्तनन. ...	४६३
तोरी छबि मो मनही ...	४५५
तोरी बनवारी रे. ...	३६७
द.	
दरादानी दरादारा. ...	५६
दर्द की सफाई अल्ला. ...	२५६
दारातेले दारातेले. ...	४६२
दियरा मैं बारूंगी. ...	५१
दिरदिर तनन. ...	४११
दीम् ओदेतानाना ...	४६१
दीम्त दीम्दीम्तनद्रेना ...	६८
देओ दरस मोरे प्यारे. ...	४४२
दैया कहां गये लोग. ...	६०
दैया बट दूभर भई. ...	४५४
द्रेद्रेद्रे तन देरेना. ...	१०१

	पृष्ठ
ध.	
धन धन मूरत कृष्ण. ...	१७२
धन घरी धन सुदिन ...	४१६
धाय धाय मेरे गरज. ...	३४१
धूनसों बाजे सों सखी. ...	१३६
धैवत कोमल कर. ...	१६६
न.	
नइ रे लगन मोरी. ...	२४६
ननदिया चवाव. ...	२६६
नमन करूं मैं मानुंगी. ...	१२७
न मानुंगी न मानुंगी. ...	१३०
नाहिं परत मैका चैन. ...	४०६
निकाला निराला. ...	३४६
नैन अलसाने भारे. ...	३७६
नैया मोरी पार करो रे. ...	२५२
प.	
पट तोरे कवन. ...	४३
परदेसवा जिन जाइयो. ...	१४०
पलक दरियाव मेरा. ...	१६०
पलकन से मग झारूं. ...	४७
पवन चलत पुरवैया. ...	१७७
पहरवा जागो–जागो रे. ...	३६७
पायो रे पीरे पुरन. ...	२७०
पालना पल पल गाऊं. ...	१०६
पियरवा की बासे ...	२५३
पियरवा तेहारी. ...	२४
पिया की नजरिया. ...	३३
पिया झूम झूम मोहे. ...	३३५
पिया मिलन की बारी. ...	१८३
पिया मोरे अनत देस. ...	३००
पियासनवा मोरी. ...	२६१
पिया संग खेलत प्यारी. ...	४४१
पीर दस्तगीर हजरत. ...	६२
पीर निजामोदीन. ...	२५०
पीवन लागो माधमत. ...	६१
पुरवि के सुर गाय. ...	२३७
प्याला मुझ भरदे. ...	१७६
प्रथम मंजन कर. ...	३०७
प्रथम शरीर ज्ञान. ...	६८
प्रभु दाता सबन के. ...	१८१
ब.	
बढैया लाओ लाओ रे. ...	३६५
बनत बनाऊँ बन. ...	२३८
बनरे बलैया लूंगी. ...	४१
बरनी न जाये हो तेहारि.	४७७
बरसत घनसाथ बूँद. ...	३७६
बलिबलि जाऊं मधुर. ...	८६
बाजो रे मंमदसा. ...	४५२
बादर झूम झूम आये. ...	२२०
बाबुल मोरा नैयर छूटो.	४०४
बारबार आवत मेरे. ...	११६
बालमुवा मोरे सैंया ...	१८४
बिकरत जब धगरी. ...	४३३
बिना रे खिवैया नैया. ...	४०५
बिन हर कौन खबर. ...	१६५
बिश्नू चरण जल. ...	२११
बीर बामनवा सगुन. ...	३७०
बेगलिया पतिया. ...	४३६
बोलन बिन कबहूँ. ...	२६२
ब्रिजमें हरि होरी ...	३४५

	पृष्ठ
भ.	
भज मन करुणानिधान ...	२२
भज हरिनाम तू ...	३७
भलोरी तेरो जोबन. ...	२७६
भवानी दयानी महाबाक ..	४१५
भस्म अंग गवरि संग. ...	४२०
भैरव लच्छन गाय. ...	१७०
भैरवी कही मन मानी. ...	३६२
भोर भईलो प्यारे. ...	१७८
म.	
मथुरा न जावो ...	२४४
मनमस्त जामे. ...	२५४
मनवा मोरा नाहीं रहत ...	४४५
मनहरवा रे. ...	८२
मना तू काहे न धीर ...	३२
म, प नि ध पम. ...	३५६
महादल बिकट. ...	३०६
महुँमद आरबी. ...	४६
मंदर मन लाये ...	२६
माइ मेरे नैनन बान. ...	२४६
माई मोहे काहुकी. ...	२६६
माइरी बरजो ना मानत. ...	१५१
माइ एकतो कथा. ...	६३
मुर्काके कलाई ...	३३१
मेरा मन बांध लीनो ...	४६
मेरी अंखियन के भूपन ...	३६२
मेरी पत राखलीजो. ...	२७२
मेरी बलावै जो घरी. ...	४८०
मेरे तो अल्लानाम को. ...	४७५
मेरे तो तू ही आनमान. ...	४७६
मेहेर की नजर कीजे. ...	१७६
मैं तौ अपने सैंया सन ...	४४३
मैं वारी सैंया और वारूं ..	३३४
मोतियन की झालर. ..	११०
मोरे मन जाय शरन. ...	४३४
मोरे सैंया नहिं आए ...	१३३
मौजा माणि होथें ...	२४८
मौमदी मौमदी. ...	२०५
य.	
या नवी या रसूलिल्ला. ...	४२
यारदामेनु नितदानीहो. ...	५२
यारेमन् यलली. ...	५७
ये गननायक. ...	२२३
ये मेहबूब पीरे. ...	२५६
र.	
रबसों नेह लगा तु. ...	८०
रहि है कैसे बिजुरी. ...	३३२
रंग लाल रूप लाल. ...	१४७
रंगीली राम की अखियां ...	२४२
राम जै-जै मन भावन. ...	३७१
राम सुमिर मोरे प्यारे. ...	४४४
रावरे काना मनमेरो.	४००
ल.	
लड़े हसन हुसेन. ...	४७०
लंगर कांकरिया जिन. ...	४३८
लंगर तुरक जिन छुवो. ...	२८
लाड़ली लाड़ फूले. ...	८५
लाल अलसाने भोरे ही ...	२३०
लाल अलसाने हो तुम. ...	३७५
लाल मधमाते. ...	४८४
लाल मनावन मैं चली. ..	४५६
ले तेरी लकरी. ..	१०४
लोचन लाल लाल.	२७३

	पृष्ठ
व.	
वहीं क्यों न जावो कृष्ण ...	२४७
श.	
शारदा विद्यादानि.	४१३
शारदा सरस्वती. ...	२१४
श्यामसुन्दर बनमाली.	१३६
स.	
सखि अब कैसो करत है ...	३२८
सखि आज प्रमाद भईला ...	४०२
सखि मेरो मन लीनो. ...	१३१
सघन बन छायो. ...	२१७
सब गुनिजन इमन	२१
सब निस बरजोरी करत. ...	४४७
सब मिल गावो बजावो.	२२७
सब सखियां मिल.	१२५
समझत नाहिं पनघट.	१३७
सरस प्रताप तेज बल.	१०५
सलाहेकार कुजामन.	२६०
सलोना रे बालम मोरा.	५३
संगत अनाघात.	१४६
संभार चलत धरत. ...	४८३
साँचे सुरन गाये. ..	४३१
साधो विद्याधर.	२०८
सारी रैन बनाबन.	६५
सा, रे रे ग. ...	१६७
सांव सदाशिव भोला ...	१७१
सांवरेदि सुरत.	३६
सांवल मोहना में.	१२७
सुघर सुघर बैठे.	२६०
सुधि न लीनी जबसे गये.	१२८
सुधि बिसर गई आज. ...	१४५
सुनसुन बतियां.	२६५
सुमरन करूँ मैं तोरा.	४०
सुरत बिसारी काहे. ..	११२
सुन्दर तेरे मुख सें.	३५२
सोलह कला जामें.	१४३
सोहेला नंदके गावो.	५०
सौतन के संग	३३७
ह.	
हम आये फाग खेलन.	३१६
हमारे तो जे ही सरवर	४५८
हरहर शिव शंकर.	४७४
हरिसों चक्र धराऊं ..	८४
हे गणराज महाराज. ...	३०
हों नन्दलाल अति.	३६६
होरी आज जरे.	१५४
होरी खेलत मोसे. ...	१५६

* समाप्त *

शुद्धि-पत्र क्रमिक पुस्तक मालिका (दूसरा भाग)

स्वरलिपि वाले पृष्ठों में लाइन गिनते समय हैडिंग, कणस्वर व ताल चिन्हों की लाइनें छोड़कर केवल स्वरलिपियों की लाइनें गिनी जांयगी। मैटर वाले पृष्ठों में सब लाइनें गिनी जायेंगी।

पृष्ठ	लाइन	कालम	अशुद्ध	शुद्ध
१४	१६	०	विविष्टवर्ण	विशिष्टवर्ण
१७	१३	०	पगौ गरी परी च सः	पमौ गरी परी च सः
२३	३	४	सां सां	रें सां सां
२५	३	४	नि – रे मा सा	नि – रे मा सा
२६	५	२	ग – ग	ग – ग ग
४२	६	४	नि	निध
६१	७	६	ध प	ध प प
६१	११	२	ग	ग रे
६४	११	१	नि सां गं	नि सां गं
६७	१२	४	क ऽ	कौ ऽ
६८	३	१	सा ध नि नि	सां ध नि नि
७५	२	०	प्राहृण	प्राहृणो
९०	१	४	नि प ध नि	नि प प ध नि
९५	२	२	र नऽ,वऽऽ	रै नऽ,बऽऽ

९८	७	३	सां – गं	सां – गं रें
१२०	५	४	ग रे –	म रे –
१२०	७	२	नि सां सां	नि सा सां
१२१	५	०	श्रौतुरप्मेप रागः	श्रौतुरप्येष रागः
१२६	४	२	ता ऽ सा हि	ता ऽ सो हि
१२७	९	२	ध ध (म) ग	प ध ध (म) ग
१५९	४	२	मो ऽ हे र	मो ऽ हे ऽ
१६८	१	४	– ध	प – ध
१८७	९	२–३	गम ग(म)ग | ग रे –	मग म(म)ग | म रे –
१९५	११	६	प मपध	प मपधप
१९७	५	१	धध पम प –	धध पम प –
२१८	१२	५	ऽ का	ऽ की
२१९	१	४	प	प प
२१९	२	४	झ	झ र
२२०	८	३	ऽ या	ऽ यो
२२३	२	१	सा ऽ	सो ऽ
२२६	५	६	मप प	म मप प

२४६	१	४	ध म ग मरे ग	ध म ग मरे ग
२६५	१	२	मंमंगंरेंसांनि	मंमंगंरेंसांनि
२६६	६	२	नग रऽ	नग ऽर
२६६	६	२	ध मं	ध मं
२६८	११	५	रेंरेंनिरे	रेंरेंनिरें
३०५	२	२	ना ऽ नाऽ ऽन,न	ना ऽ नाऽ ऽ,नन
३०५	६	१	ग	गं
३०६	हैडिंग	०	मारवा झपताल (विलंबित)	मारवा–झपताल (मध्यलय)
३१७	१३	०	मगौ रिधौ	मगौ रिसौ
३३२	५	४	सा नि	सा नि़
३३३	५	४	गरेनि़सा	गरेनि़सा
४०३	१०	२	न्त ता ऽ	न्त रि ता ऽ
४०६	१	४	सा रेनि	सा रेनि़
४२२	१	४	ग ग –	म ग –
४२२	६	३	प पम	प मप

४४७	६	१	रेरेसानिसा	रेरेसानिसा
४५८	५	२	सा -सारे	सा -सारे
४६५	१	४	रे निरेग	रे निरेग
४६८	१	३	मंगंगंरें सांनिधप मगरेसा	मंगंगंरें सांनिधप मगरेसा
४७३	११	१	म म प ग	म म प ग
४७३	११	४	सा - सां	सां - सां
४७७	७ व ८	६	ध ब	प ध ब
४८८	२१	०	रे, ग, रे, रे., सा ।	रे, ग, रे, नि रे, सा ।
४९४	१२	०	ग, रेसा, निरे, सा ।	ग, रेसा, निरे, सा ।
४९५	१४	०	निधपमपधमपग,	निनिधपमपधमपग,
४९९	१०	०	गं, रेंगं, मंगं	गं, रेंगं, मंगं
५००	४	०	धमग	धमग
५०४	२४	१	पायो रे पीरे पुरन	पायो है पीरे पुरन

संगीत सम्बन्धी प्रकाशन

संगीत सागर–सङ्गीत का विशाल ग्रन्थ, हर प्रकार के साजों को बजाने की विधि तथा ५०४० स्वर विस्तार दिये हैं। मूल्य ६)

फ़िल्म संगीत–(२६ भागों में) फ़िल्मी गायनों की पूरी–पूरी स्वरलिपियां दी गई हैं, २१ भाग तक प्रत्येक भाग का मूल्य २) भाग २२, २३, २४, २५, २६ का मूल्य ४) प्रति भाग

सङ्गीत विशारद–प्रथम वर्ष से पंचम वर्ष तक की थ्योरी। मू० सजिल्द ५)

म्यूज़िक मास्टर–बिना मास्टर के हारमोनियम, तबला और बांसुरी बजाना सिखाने वाली पुस्तक, जिसके १३ संस्करण हो चुके हैं। मू० २)

स्वरमेलकलानिधि–श्री रामामात्य लिखित संस्कृत ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद। मूल्य १)

सङ्गीत दर्पण–श्री दामोदर पंडित लिखित संस्कृत ग्रंथ का हिन्दी अनुवाद। मूल्य २)

ताल अङ्क–घर बैठे तबला बजाना सीखिये। सचित्र, मूल्य ४)

सङ्गीत शास्त्र–इन्टरमीडियेट, हाईस्कूल, विदुषी, विद्याविनोदिनी और प्रवेशिका परीक्षाओं के लिये (सङ्गीत की थ्योरी) मू० १)

सङ्गीत सीकर–भातखण्डे यूनिवर्सिटी तथा माधव सङ्गीत महाविद्यालय की थर्डईअर परीक्षाओं (१९२९ से ५२ तक) के प्रश्न और उत्तर। मू० ५)

सङ्गीत अर्चना–"भातखण्डे यूनिवर्सिटी आफ़ इन्डियन म्यूज़िक" के थर्डईअर (इन्टरमीडियेट) परीक्षा में आने वाले १५ रागों के तान–आलाप इत्यादि। मू० ५)

कलावन्तों की गायकी–ग्रामोफोन के शास्त्रीय सङ्गीत के रेकार्डों की स्वरलिपियां। मू० ३)

सङ्गीत कादम्बिनी–"भातखण्डे यूनिवर्सिटी आफ़ इण्डियन म्यूज़िक" की बी. ए. की परीक्षा में आने वाले २० रागों के तान आलाप इत्यादि। मू० ५)

भातखण्डे सङ्गीतशास्त्र–(सङ्गीत की थ्योरी के अपूर्व ग्रन्थ) भातखंडे लिखित हिन्दुस्थानी सङ्गीत पद्धति मराठी का हिन्दी अनुवाद। भाग १ मू० ५), भाग २-३ मू० ६) प्रति भाग

मारिफुन्नग़मात–(दोनों भाग) राजा नवाबअली लिखित उर्दू पुस्तकों का हिन्दी अनुवाद। प्रथम भाग में सङ्गीत की थ्योरी गणित के अकाट्य उदाहरण देकर समझाई है तथा १५२ रागों की स्वरलिपियां, चलन, स्वर विस्तार और लक्षणगीत दिये गये हैं। दूसरे भाग में भी २२३ प्राचीन गुप्त चीजों की स्वरलिपियां दी गई हैं। यह पुस्तकें इन्टरमीडियेट तथा विशारद के कोर्स में भी हैं। मू० प्रति भाग ६)

सूरसङ्गीत–प्रत्येक भाग में मनोहर बन्दिशों में सूरदास रचित ६० पदों की स्वरलिपियां उनके भावार्थ सहित दी गई हैं। मू० प्रथम भाग १॥) दूसरा भाग १॥)

क्रमिक पुस्तकें (भातखण्डे) हिन्दी में पहिली १) दूसरी ८) तीसरी ८) चौथी ८) पांचवी ८) और छटवीं ८)

[उपरोक्त सब पुस्तकों पर डाक व्यय अलग लगेगा—सूचीपत्र मुफ्त मंगायें]

'सङ्गीत' (मासिक पत्र) गत २२ वर्षों से बराबर निकल रहा है, वार्षिक मू० ५॥।)

पता – संगीत कार्यालय, हाथरस (उ० प्र०)

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, पुस्तकालय
Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Library
मसूरी
MUSSOORIE

अवाप्ति सं०
Acc. No.....

कृपया इस पुस्तक को निम्न लिखित दिनांक या उससे पहले वापस कर दें।

Please return this book on or before the date last stamped below.

दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.	दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.

122329
LBSNAA

H
780.954
भारत
भाग 2

अवाप्ति सं० 16623
ACC. No.....

वर्ग सं.
Class No.....

पुस्तक सं.
Book No.....

लेखक
Author.....

H
780.954 LIBRARY 16623
भारत LAL BAHADUR SHASTRI
National Academy of Administration
भाग 2 MUSSOORIE

Accession No. 122329

1. Books are issued for 15 days only but may have to be recalled earlier if urgently required.
2. An over-due charge of 25 Paise per day per volume will be charged.
3. Books may be renewed on request, at the discretion of the Librarian.
4. Periodicals, Rare and Reference books may not be issued and may be consulted only in the Library.
5. Books lost, defaced or injured in any way shall have to be replaced or its double price shall be paid by the borrower.

Help to keep this book fresh, clean & moving